

ASHA ARCHIVES

311

2481

ASHA ARCHIVES



7/5

আম্ম স্মরণ
2481
ASHA ARCHIVES

[illegible]

[illegible]

देने जे सेर महा मुची उवावई आर कोरई मन गया व भक्तो अडा डयका व डको इहे व चोना व श्री स्वधामो चरमे
शरिवा कथा नेनेयात् पुरोकोत् पुजा पाप अडा डये दक्षीणा की व वरता लीको चोने पुन का व गु दया कय रामे
वार व डने ॥ धर्म लो काया पाए व द गु का उवाव चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
धर्म लो श्री भइर की गु वाते कु र दो ल दो कु र दया व चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
हो कु र वेवारी श्री भइर की गु वाते कु र दो ल दो कु र दया व चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
निमहु र सोता गु पुई धी कया व चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
क. धाया नाम देव ने मरता धर्म लो श्री ३ वरसानी गु वरसी जोग ध्यात वाना ओ वी डपा नाव चो ड वेवारी श्री भइर की गु
पटा डना व डपा नाव चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
वेवारी जेही डपा नाव चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
सी चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
ग. माया डपा नाव चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
मिधार् चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
मोती कुची धी क. धाया व चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी
चो ड वेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी श्री भइर की गु वरसे को डपा नाव के डवेवारी

॥ धर्म की कन्यादान या कर्म धन का पुरस्कार दन चीन ॥ पुनरवार दंडु वा कारांत स कहे परी वा या सन्तान द
या बल ॥ हा पा अडिती या केन ईंद्र प्रभीती ते तो सकोती देवता गर पनी जन्म जुल ॥ इने डिती या केन ईंद्र
कस्मिप प्रभीती दैते गर पनी जन्म जुल ॥ इने देन या केन ईंद्र प्रभीती अष्टा गर पनी जन्म जुल ॥ इने कारा
व सी ही का व देना व धर्म या केन ईंद्र प्रभीती जन्म जुल ॥ इने क्रोधा या केन ईंद्र प्रभीती जन्म जुल ॥ इने प्राधा या के
न गदुद प्रभीती यद्यै गरा डको जन्म जुल ॥ इने भयाला या केन काम धेनु ला प्रभीती सौं रुधु चक्र वसु
डको जन्म जुल ॥ इने रुदुधा या केन सेव नाग अनैत वासु की ॥ त हो क ॥ रुकोत क ॥ पद्य ॥ महा पद्य ॥
सैव पाल ॥ कुली क ॥ प्रभीती नागरा या पनी जन्म जुल ॥ धर्म की इने ददा प्रजापति न भव हो
विराट या के साहुति प्रात ॥ भवेष्टिय ॥ उगव धर्म यात कन्यादान वरिय ड को धर्म साहु पा नाग
माल को सामाग्री लाल कात काव धर्म को न क हो पाव प्रोहोत न गरी यात काव धर्म न इयो च पा नि
लाहात जो ना व नीर री रा करव धरा रुप काव ॥ धर्म यात कन्यादान वरिय ॥ गये कि कन्या धा
लास रुपा कली धया म् ॥ लहो मो धया म् ॥ मेधा धया म् पुनी धया म् ॥ अथा धया म् ॥
कथा धया म् ॥ लड्या धया म् ॥ पुदी धया म् ॥ अष्टा धया म् ॥ थुली कन्या धनि नाम ॥ ५५ ॥

॥५॥

यकी कन्या दान पाय पात्र धन ही विरही पाके साहु ति पात्र ॥ भो ही विरही आब कीजो सक्ष्मा च पा नीधः ये
 लयान मज्जिल गई किया पाय अय सल जुल ॥ धने पाकारण कने य कषी पात कन्या दान कीय नु दो धै क साहु ति
 याना व कीरही न कीन ति पात ॥ भो स्वामि दल योग दा आजा जगि से दुहु सामागि दये के माल आजा दसे
 की उपाय माल धै के कीन ति पात ॥ धोते कीरही पा कीन ति ॥ नाव दक्ष प्रजा पति न माल को सामागि लाव
 लात् काव गुरु दुहु स्या ति धो होत पति को न कम होमा ॥ उउ पसाला दय का ॥ असा मंगल कुरी पात्र जव रव
 रित पाव थासं २ पति को ज मान ये नाव अने ग प्रसा धनी सा भरी गुमि ह्य स्र सं की उपा ल काव ॥ धन पुत्री
 पनी हल अने ग जालि ज वाय पा ॥ रतन ति य का व रत माला न को र पा य का व क पान कया ध्य द्यो य जा कतल ॥
 धने की माल को सामागि त पार पाय पुन काव क यय कषी को न कम होमा ॥ अउ पडा माल सं दुत को नाव भी ॥
 सोइ सन स की उपा ल काव तल ॥ धने जी वेला मुकाव होहीत न जोये आरंभ पाल काव अने ग धै ति वनि स्थेन
 होउ सास पाठ पात काव अने ग गित वाद धात काव मद्र मंगल जात्रा पात काव धेने ॥ धने की कन्या डान दा
 वेला ले दान दक्ष प्रजा पति न पव द्वा च पति ना कात जो नाव कीरही ने सुकरा सा कर्म डलु न जल दारा इगय का ॥
 प्रोही न र वा के यात काव सु वेला स जात काव क स्ये परी धा यात कि स्व ह्न कन्या डान कीय ॥ ॥ ॥ ॥ धी की कन्या धाल सा हा
 पा अडोती धया ह्न ॥ डितो धया ह्न ॥ दनु धया ह्न ॥ कारा धया ह्न ॥ धना धया ह्न ॥ सीही का धया ह्न ॥ क्रो धा धया ह्न ॥ वलि सा
 धया ह्न ॥ वीनता धया ह्न ॥ कदु धा धया ह्न ॥ मुद जा धया ह्न ॥ प्राधा धया ह्न ॥ कपिला धया ह्न ॥ धुलि कन्या पेना नाम गुं वी



॥ स्वस्था ॥

॥ १ ॥

श्रीसरस्वतीनमः ॥ ॐ नमः ॥ श्री
स्वस्थागिनेनमः ॥ तारायगं नमः
॥ श्रीचेवनतो जयमुदिरयेत् ॥ १ ॥
धकं कृत्स्ननमः ॐ कारचो स्पंस्था
के ॥ श्रीखराडरक्तचंदनसिंदूरना
प्रूरकलुरिवस्त्रदक्षनाथमनफको
नकाव्रथमनफयाथेमहासुचि
रमेश्वरयातपूजायायथमनफ
नेधनकाव्रगुरुपाके ॥ १ ॥

गुरुवेनमः ॥ ॥ शिवायेनमः ॥ श्री ३
स्तुत्यं नरं चैव नरोत्तमं ॥ देवीमास्तु
प्रथमं श्री ३ स्वस्थानि परमेश्वर
पनायाय ॥ गंगाजलनस्नानयाच
नासुगंधपुष्पधूपदीपजजमकाक
सामाग्रीताललातकावली लुसिधे
जुयावएकचित्तन श्री ३ स्वस्थागिने
को जयध्यानतोत्रपाठयाय पुनर्वा
नभारंभयातके ॥ धनं लीधर्मवत

॥ रामः ॥

॥ १ ॥

दनेजुकसेनमहासुचिः विष्णुः
वश्रीः स्वस्थानि परमेश्वरः
वियः ॥ थनंली गुरुया वाक्यनवास्वः
कालसः श्रीविष्णुधयास्मद्धसजलसदिजः
दयावचोनगुपलेस्वानछफोलउत्पत्तिजुयाववलः
थिबीश्रष्टियाययातविचालयानावविज्यातं ॥ थनंली
कायावजवलाहातनथिकलनकावछोतं ॥ थवेलसमहोपराक्रमथुलावचोनपनिमधुकैतम
धयानामदेत्यपनिनिल्लउत्पत्तिजुलं ॥ थवेलसश्रीवस्मानंजोगध्यानयानावविज्यातं ॥ थवेलस
थसंसारसकल्पंजनामयजुयावचोनं ॥ थनंली थंसधुकैटमधयानामदेत्यपनिनिल्लं चोनेयात
थासमदयावथासमातावजुलं ॥ थवेलसश्रीवस्माविज्यानावचोनगुसहस्रदलदयावचोनगुप

भाकिश्रद्धानसंजुक्तजुयकावदकोश्रुद्वियचिना
हेतनीपूजायायथमनफयाथ्यवस्वदक्षणा
वउने ॥ ॥ थनंलि ह्रापांआदियाखछगुलि
॥ थसविष्णुयानाभीनदलक्षि १००० हल
थपलेस्वानयामूर्तिमश्रीवस्माविज्यानावपु
थनंली थुसश्रीवस्मागथवहसपोतयापुथिपित
थवेलसमहोपराक्रमथुलावचोनपनिमधुकैतम
धयानामदेत्यपनिनिल्लउत्पत्तिजुलं ॥ थवेलसश्रीवस्मानंजोगध्यानयानावविज्यातं ॥ थवेलस
थसंसारसकल्पंजनामयजुयावचोनं ॥ थनंली थंसधुकैटमधयानामदेत्यपनिनिल्लं चोनेयात
थासमदयावथासमातावजुलं ॥ थवेलसश्रीवस्माविज्यानावचोनगुसहस्रदलदयावचोनगुप

॥ स्वस्था ॥

॥ २ ॥

लेखानयाचछपुलं ॥ थवेतसथस्वानयाचुजोनावथहावलं ॥ थवेतसपरंखसश्रीवस्मायाथास
थेनं ॥ थनंलीमधुकैटभधयानामदेत्यपनिसेनं श्रीवस्मायातसात्तियानात्रकुतिकलहयतेनं ॥ थ
वेतसथवतसात्तियाकस्वयावजोगमायाआराधनायातं ॥ थनंलिजोगमायाविज्यानावश्रीपर
वस्ममहाविष्णुजागर्तनाजुयकलं ॥ थनंलीश्रीमहाविष्णुजागर्तनाजुयावस्मकवेतसमधुकैटभध
यानामदेत्यपनिनिस्ससेनश्रीवस्मायातसात्तियाकरवनावश्रीमहाविष्णुनजुलसांथमनंथस्मम
केतभनामदेत्यपनिनिस्ससवलखसषयनिदोदसंमअनेगपकारनमहाकलोलसंयामयांना
वविज्यातं ॥ थवेतसमधुकैटभधया ॥ थनंलीमधुकैटभधयानामदेत्यपनिनि
लं ॥ भीमहावीरमधुकैटभधयानामदेत्यपनिनि
निस्ससेनंजिकेवरदानफोवधका ॥ थनंलीमधुकैटभधयानामदेत्यपनिनि
नअहंकारनधातं ॥ थनंलीमधुकैटभधयानामदेत्यपनिनि

कमिषनावअतिपुसिजुयधुनआवछपनि
॥ थवेतमहाविष्णुयाआग्याडठनावदेत्यपनिसे
॥ थनंलीमधुकैटभधयानामदेत्यपनिनि

॥ रामः ॥

॥ २ ॥

नछुधकाववरदानकोनेछुनाला। यधुनछुनतमालसाजिमिकेफोवधकंमधुके
तमधयानामदेत्यपनिसेनधिलुतअहक। धालं॥थवेतसमहाविष्णुनआज्ञादयकलं
भोदेत्यआसाजिनकोनागुलिछुपनिसेनस। नवियधकआज्ञादयकावपुनर्वारदेत्यप
निसेनधालं॥भोविष्णुछुनकोनागुलिसत्पनवियधकसत्यवाचायानावधालं॥थनंलीमहावि
ष्णुनआज्ञादयकलं॥भोदेत्यआसाछुपनिनिलंजि। लाहातनवनेमालधकआज्ञादयकलं॥थने
महाविष्णुयाआज्ञाउठनावदेत्यपनिसेनधालं॥भोविष्णुआवछुयायजिपनिबोलवनधकधाय
तुनंश्रीमहाविष्णुनजुलसांथवकेचोनगुसुदर्शनचक्रनमधुकेतमनामदेत्यपनिनिलंस्याना
वविलं॥॥थनंलीदेत्यपनियाहिव्रदागवनितामलषयादेवनेताताकसेषोयावचोनं॥हनं
वाकिलावकोशवनितामपर्वतउत्पतिजुलं॥थनंलिथपर्वतससिमा। लोहउत्पतिजुलं॥थनंलि
श्रीवसानपृथिविसिषीयानावविज्यातं॥॥हापांमिमप्यगुलिभुवनशृष्टियातं॥छु२भुवनधालं

॥ स्वस्था ॥

॥ ३ ॥

साहापांभुलोक १ भुवनलोक २ स्वर्गलोक ३ महलोक ४ थवनयां ॥ कोनेयां ॥ तलतलातल ॥ रसांत
ल ॥ पाताल ॥ सुतल ॥ प्रतल ॥ अंतल ॥ थुलिपातालया नामजुलं ॥ थनंलिच्यागुलिपर्वत उत्पतियातं
॥ छुछुपर्वतधातसा ॥ सुमेरुपर्वत ॥ गंधमादपर्वत ॥ कैलासपर्वत ॥ हिमालयपर्वत ॥ त्रिकुट
पर्वत ॥ चित्रकूटपर्वत ॥ श्रीपर्वत ॥ श्वेत्यागुलिपर्वतदिगदिगसंभृष्टियातं ॥ थनंलिथुलिसं
सारभृष्टियायधुनकावश्रीवृत्ताआनंदनविज्यातं ॥ ॥ थनंलिपुनर्वाश्रीवृत्ताराजुलसांथ
व्रजवयातुतिनमहावीरपराक्रमथुलावचोनसदक्षपजापतिधयासहस्रउत्पतियातं ॥ पुनर्वा
र ॥ हनकनंषवयातुतिनवीरनीधयाह ॥ थनंलिथपनिनिस्त्रिपुरुषयानाव
विलं ॥ थनंलिविरणीयागर्भसदयादयित ॥ ताहिलासंपूर्णजुसंलिकंन्यापनिअदीकंजन्मजुलं
कंन्यापनिसंख्यागुलिधातसा ॥ ५० ॥ थनंलीमर्जातथंथव्रमातको
कर्महयाधुनकावश्रुवनकातहना ॥ लिछुयाकारांतसदक्षपजापतिनथवपुत्रि

॥ रामः ॥

॥ ३ ॥

पनिकं न्यादानविययातथ वस्त्रिदिवसः । या । तत्कृतं यान्तं ॥ भोस्त्रिविरणी आवर्जितिसस्या च पतिथ
थेतयानमजिब्रईहिपायाय मद्रसल गुल थते सकारन कने पञ्चषियात कं न्यादानवियेनुयोधकी
साहुतिया नाव विरनी नविनतियां ॥ भो सा हि हलपोलया आजा जिवये छुछु सामाधि दयके मा
लआजा दसे दिज्याय मालधक विनतियांतं ॥ धतवीरणीया विनतिऊना वदक्ष प्रजापति नमालको
सामाघिता ललातका वगुरुहृस्पतिप्रोहित पनिबोन कल छोया व्रज ग्य साला दयका व अष्टमंग
ल पूर्ण घट जवरख वसतया वथा संश्रपतिं बीज मान पेना व्र अने गवां स्मरण पनिलभिं गुसिं हासन सविज्या
तका व ॥ थ व पुत्रिय निस्तं अने गजलि जवा पया वसत नतिय का व रत्न मालान कोषाय का व फयान
फया थ्य छा य पा वतलं ॥ थनं लि मालको सामाशीत यार मायधु नका व कं न्य पञ्चषिवोन कल छो
या व्रज ग्य साला सहूत बोनाव भिंगु सिंहासन सविज्या तका वतलं ॥ थनं लि वेला जुया व प्रोहित न
जज्ञ भारंभयात का व अने गपंडित पनि सेन वेद सास्त्र पाठयात का व अने गगीत वाद्य थात का व स

॥ स्वस्था ॥

॥ ४ ॥

हामंगलजात्रायातकावचोनं ॥ थनंलीकंन्यादानयावेलातेयावदक्षप्रजापतिनथवस्याचपनि
लाहातजोनाववीरनीनसुवर्णयाकमंडलुनजलधाराहायकावपोहितनवाकेयातकावसुवेला
सलातकावकंनेपञ्चविधातमिंस्त्वसकंन्यादानविलं ॥ ॥ गंधिपिंकंन्याधालसाहापांअदिति
धयास ॥ दितिधयास ॥ दनुधयास ॥ कोराधयास ॥ घनाधयास ॥ सिंहिकाधयास ॥ कोठाधया
स ॥ बलिस्ताधयास ॥ विनताधयास ॥ कडुधाधयास ॥ मुंदजाधयास ॥ प्राधाधयास ॥ कपिला
धयास ॥ थुलिकंन्यापनिनामजुल ॥ थनंलिकंन्यादानयाकर्मधुनकावपरमआनंदेनचोनं ॥
पुनवारुछक्रयाकारंतसकंनेपञ्चविधातमिंस्त्वसकंन्यादानविलं ॥ ॥ हापांअदितियाकेनईक्षुप्रभिति
तिसकोतिदेवतागरापनिज ॥ ॥ दितिमाकेनहिरंनेकस्पपप्रभितिदेत्यगनपनिज
मजुलं ॥ हनंदेनुयाकेनपु ॥ ॥ नंकारावसिंहिकावडेनावस्वस
स्याकेनएककेतुजमजुल ॥ ॥ उदकोजमजुलं ॥ हनंप्राधायाकेनगरुडप्रभि

॥ रामः ॥

॥ ४ ॥

तिं पंछिगरादको जन्म जुलं ॥ हनं कड्याया केन संप्रसादा ॥ अनंतवत्सलके ॥ तक्षक ॥ कर्कोटक ॥ पद्म ॥ महापद्म ॥ संघ
पाल कुलिक ॥ प्रभिति नागराजा ॥ निजमज्जुं ॥ ॥ धनं लिह नंदक्षप्रजापति नथ वस्त्री विरनीया
के साहुतिया तं ॥ भोषियः ॥ आवधर्म यातं कन्यादान वियजु यो धर्क साहुतिया नाव माल को सा
मायी ताल लात का वधर्म वोन क छोया व पोहित न जगे यात का व थम नं स्या च प नीला हात जो ना
व विरनी न लष धारा हाय का व ॥ धर्म यात कं न्यादान विलं ॥ गधि पिंक न्या धाल सा हा पां कीर्ति धया
ल ॥ लक्ष्मि धया ल ॥ मेधा धया ल ॥ पुत्ति धया ल ॥ अथा धया ल ॥ कृपा धया ल ॥ लज्जा धया ल ॥ बुधि
धया ल ॥ अहंति धया ल ॥ थलिकं न्या पति नाम जुलं ॥ ॥ पुनर्वार दक्षप्रजापति नथ वस्त्री विर
नीया त धालं ॥ भो विरनी आव चंदा माया तं कं न्यादान विय यात माल को सा मायी ताल लात की व
धर्क धाया व विरनी न जुल सा थ वस्त्रामिया आजाड नाव माल को सा मायी त या रया ना व विलं ॥

मालकोकर्मधनकाव॥ चंद्रमायातवेलावियावछोतं॥ धनंलीथ्वकंन्यापतिनियहूससनक्षत्र
गराजुयावविजातं॥ ॥ थनंलीथ्वकंन्यापतिनियहूससनक्षत्र॥ ॥ हापांथ्वदक्षप्रजातियात्माच
पतिसुयस्वकोटिदसेचोन॥ छुद्रयाकारंतसदेवलोकपतिसभामंडलदयकावसाकृतियोना
वविजातं॥ भोदेवलोकपतिहिजिससुयांकंन्यादानमधुनीआवगथेयायहिजीतसुनानंइहि
पायानावविपुदेवलोकथिंजुयावइहिपामधुनतलेदेवलोकयात्माचसंमगेलथ्वतेयाकारन
थवतथमनंस्वयनुयो॥ भोदेवगतदक्षप्रजापतियाकेकंन्यापतिअदीकंदसेचोन॥ थ्वकंन्यापति
हिजीतवरुलजुस्पंचोड॥ आवनारद्वोनकलछोयावधायकलछोयनुयोधकंसाकृतियोनाव
नारद्वोनकलछोयावविनतियातं॥ भोनारदछलपोलदक्षप्रजापतियाकेविजायमालछा
नधालसादक्षप्रजापतियाकेकंन्यापतिअदिकंदसेचोड॥ थ्वकंन्यापतिपितवियडुलामडुला
धकंआज्ञादसेविजाहुनेपितवियदतसादेवलोकपतिस्तफोनेवियमालधकआज्ञादयकिव

॥ स्वस्था ॥
॥ ६ ॥

भोनारद थुलिजा छलपोलथथें विज्या ना वलिसलदयका वविज्या यमालधकंदको देवलोकप
निसेन विनतियातं ॥ थनंली नारद मुनिस्वरन देवलोकपनि विनति ठना व आज्ञा दयकलं ॥ भो देव
लोक छलपोलपनि थुलिया कारन धंदा का से विज्या यमते जिबना वथथें लिसलदयका ववयधकं
नारद मुनिस्वर दक्ष प्रजापति याक्षे सविज्यातं ॥ थनंली नारद मुनिस्वरन दक्ष प्रजापति यात देवलो
कपनि सेन गथे आज्ञा ग्या दयकल अथें आज्ञा दयकलं ॥ थनंली नारद मुनिस्वर या आज्ञा ठना व द
क्ष प्रजापति न विनतियातं ॥ भोनारद थन छलपोल विज्या ना गुज्या सकतां भिनं थुका देवलोकप
निसेन अमलित आग्या दत ना व अवसेनं जिबं थुका ॥ भोनारद छता जकजिन विनतियाय गथे
धाल सा जिह्या चपनि सकलं वियथे कना जुल सति देवी छल जकपित वियमडु छान धाल सा
जि पुत्र मडु कोय स चा धाल सा ॥ चम चा धाल सा ॥ व छल जिसे पति विचा लया के माल ॥ भोनार
द मेव या था स सकलं वियथे कना जुल ॥ भोनारद दीत या था स देवलोकपनि सेन गुणु आज्ञा

॥ राम ॥
॥ ६ ॥

दयकलउषुनथेकनाधकदक्षप्रजापतिरक्षादमुनिस्वरयातलिसलवियावअनेगमाथन
पूजामांनेयानाववेलाविलं॥ थनलीनारदमुनिस्वरनथवमालकोज्यासिद्धयानावदक्षप्रजाप
तियापुजामांनेकयावलिरुविजातं॥ ॥ थनलीनारदमुनिस्वरदेवलोकपनिथासथेनकल
विज्यानावदेवलोकपनिसेनविनतियातं॥ भोनारदछलपोलविज्यानागुज्यागथे२खवसिद्ध
जुवमसुलाधकविनतियातं॥ थनदेवलोकपनिविनतिठनावनारदमुनिस्वरनआज्ञादयक
लं॥ भोदेवलोकजिन्नगुज्यासिद्धयानाजावयधुनदक्षप्रजापतियास्याचपनिसकल्पंक्रियथे
नाजुलसतीदेवीछलजुकवाहीकभोदेवलोकपनिदीनयाथासछलपोलपनिसेनस्वसेविज्याहु
नेधकधाल॥ भोदेवलोकपनिआवछलपोलपनिसेनगथेयासेविज्यायमालअथेयानावविज्या
ऊनेधकनारदमुनिस्वरनदक्षप्रजापतियालिसलकनावविज्यानावचोनं॥ ॥ थनलीनारद
मुनियावचनठनावदेवलोकपनिसकलेंषुसिजुयावधन्यं२नारदमुनिधकनारदयातगुणा

॥ स्वस्था ॥

॥ ७ ॥

वर्णाया नावधिधिं वेला कया वसभा मंडल नदना वविज्यात ॥ थनं लिख् कया कारं तरस देवलो
कपनिसे नदीन वेला स्वयधुन कावना रद्वोन कलछो या वदको सामाया तयारया नावदीन वेला
कन कलछोतं ॥ थनं ली दक्ष प्रजापति नदीन पत्र स्वया वथ वस्त्री विरनी या के सा झुतिया नावमाल को
सामाया ताललात काव देवलो कपनि सकलं निमंत्रना यात कलछोतं ॥ थनं लि देवलो कपनि सक
लं मुना वधिधिं फयान फयाथे पात पतं वर वस्त्र नतिया वर रत्नमाला न कोषा या व दक्ष प्रजापति
याक्षे सथे न कल विज्यातं ॥ थनं लि दक्ष प्रजापति न देवलो कपनि सकलं थ वक्षे स विज्या कषना
व थ वथे थ मनं रस ताया व पा दार्घ्या ना व महा मंगल जात्रा या ना व वसाला या व थ व गृहे स वि
ज्यात काव अनेग माथ न कशल वार्ता या ना व भिं गु सिंह सन स विज्यात काव मान्य या ना व तेलं ॥
थनं लि दक्ष प्रजापति न थ व गुरु रूद्रो हित यं दित पति ज्योतिष पनी वोन कलछो या व जग्य साला दय
काव अष्ट मंगल पूर्ण घट ज व ख व त था व गुरु क मारि छा य पा व था स र पतिं बीज मान्य ना व छ

॥ रामः ॥

॥ ७ ॥

त्रधोजयतापचामलवोयकाः ॥ १५ ॥ सुवेला ॥ कंजगेआरंभयातं ॥ थनंलिअनेगपंडितपनि
सेनवेदपुराणादिपाठयानावअ ॥ १६ ॥ गदेमंगलगीतयातकावतलं ॥ हनंथवस्याचपनिस्तंअनेग
पातंपतंवरवस्त्रनतियकावरत्नमालानकोषायकावफयानफयाथेछायपावजजसालासतया
वतलं ॥ थनंलीमालकोविधिकर्मधुनकावकंन्यादानयावेलाजुयावदक्षप्रजापतिनहामलक
सतसंथवस्याचपनिलाहातजोनावीरणीनसुवर्णयाकमंदलुनजलधारहायकावप्रोहि
तनवाक्ययातेकावसुवेलासलातकदेवलोकपनिस्तकंन्यादानविलं ॥ ॥ थनंलीकंन्यापनिसे
नथवश्चामिपनिस्तपुष्यमालानकोषायकावस्वचाकडलावचरणसंभोकपुयावपरमआ
नंदनविज्यातं ॥ थनंलिदक्षप्रजापतिनप्रोहितपंडितपनिस्तंअतितअभागतपनिस्तंसुवर्णद
क्षिनावियावनानापदार्थदक्षणावियावजगपसंपूर्णयातं ॥ थनंलिमालकोकर्मधुनकावदेवलो
कपनिस्तजोगेप्रमानथंप्रजामानेयानावनानापदार्थभोजनयातकावसुखसुधिवियाववे

॥ स्वस्था ॥

॥ ८ ॥

लाविलं ॥ थनंलीदक्षप्रजापतिनपूजामांनेकयावदेवलोकपनिथवश्चासहितनजोनाववेलाक
यावहर्षमाननस्वर्गभुवनसविज्ञातं ॥ थनंलीलक्षिवालछिदसंलिच्छ्रुयादीनसकैलासयाथा
क्रूरश्रीजगदीश्वरमहादेवनजुलसां अंतर्धाननस्वकवेलसदेवलोकपनीसकलयंवीवाहाधु
नकावचोनषनावआशादयकलं स्ववश्देवलोकपनिसेनथथंजकवीवाहाधुनकावसुरवनचो
नजिकैलासमानाथजुमावचोनानजिकेसाकृतिछकृतिनायंमकासेथथंजकईहीपालातकाव
चोनधकमनसअविमानचायावपुनर्वारध्याननस्वसेविज्ञाकवेलससतीदेवीछल्लेनावचोनष
नावपुनर्वारमुसुहुनहिलावआशादयकलं ॥ देवलोकपनिसेनजाजितदोनकावजामतवनिमां
नेजायाकषनीहूननकिंल्लछल्लजाजितलेनकावकतिनिंधकमनसरसतायावपुनर्वारमनस
भालपुआवजिनगथेयायशत ॥ थमनंफोनवनेधालसाभतिलज्यामेवदेवतापनिछेयधा
लसाथनसुंमहुआवगथे ॥ थमनंफोनवनेधालसाभतिलज्यामेवदेवतापनिछेयधा
लसाथनसुंमहुआवगथे ॥ थमनंफोनवनेधालसाभतिलज्यामेवदेवतापनिछेयधा

॥ राम ॥

॥ ८ ॥

जिनंदक्षप्रजापतियाक्षेस जिथमनंत नावकंथा शनफोनवनेधकमनसभालपावथवमालको
कर्मधुनकावकैलासपर्वतकोहाविष्णान्तं॥ थनेलीश्रीजगदीश्वरदक्षप्रजापतियाक्षेसविष्णाय
धकविष्णकवेलसदक्षप्रजापतिनंयाननंषनावथवस्त्रीविरनीयातधालं॥ भोस्त्रीस्ववश्कुकुव
वसजामहादेवथुकाहिजिक्षेसवयतेनर्थे छानधालसावयाथानछुवानछुस्वयनापंमयया
पुअतिघिनाहासर्पनकोषायायावस्वयनापंभयंकरमुर्तिश्मसानयाभस्मणाअंगसवयाव
दिगंबरजुयावजुयहनंजोसाधालसात्रिशूरुंडवरूनसाधालसायेसगजिधतुरंगसाधाल
साज्याथथुसाथथिहभसोभामहादेवहिजिक्षेसस्वयावछानवलखेधकहालावचोनंवेला
सश्रीजगदीश्वरदक्षप्रजापतियाक्षेसदुहाविष्णानावसलतावचोनं॥ थवेलसदक्षप्रजापति
नथवतसलतावचोनवनाव्यालनकोसोबावधालं॥ भोमहादेवछानजिथासवयाछुधाय
मालथहावायोधकंधयावमातनसवीनावधालं॥ भोमहादेवछानजिथासवयाजिकेछन

॥ स्वस्था ॥

॥ ६ ॥

धु धाय धक व्रया धा व्रध क दक्ष प्रजापति न लवारी वचन तथा व्रद्धनं ॥ ध्वते दक्ष प्रजापतिया वचन
इह ना व्र श्री जगदीश्वर न आशा दय कलं ॥ भो दक्ष प्रजापति जिह्म न के व्रया कार न मे व ता ध क म सु छान
धाल सा छ न दयान मे व दे व लोक पति सकल यां कं न्या दान काय धु न का व सु ख न चीन ॥ भो दक्ष प्रजाप
ति ध्वते या कार रा जि न के ला स या था कर थिं स्र जु या व ची ना या ई ही पा स धु नी भो दक्ष प्रजापति ॥ आव द्ध
न दया द त सा छ न पु त्रि ह्म ले ना व ची न द नी ष ना व जि म नं फो न व या ॥ भो दक्ष प्रजापति आव द्ध न पु
त्रि स ती दे वी जित कं न्या दान फो ने ध क श्री जगदीश्वर न आशा दय कलं ॥ ध्वते श्री जगदीश्वर या आशा दक्ष
प्रजापती न या रं म या क ष व रं म या क सु मु कं ची नं ॥ पु न र्वा र दक्ष प्रजापति नं लि स ल म वि या व्र ध्व दक्ष
प्रजापतिया के महा दे व सिय सु धां त म द त सां महा दे व न पु न र्वा र आशा दय कलं ॥ भो दक्ष प्रजापति जि
गु ष या लि स ल द या द य मा ल ध क धा य तु नं दक्ष प्रजापति न अ हं कार न धालं ॥ भो जोगि जिह्मा च छ
न जोगे ला जिह्मा च जु यु ग थिं ॥ गु ल सा ध्व ते त र न ला क अ ती को म ल स ली ल सा क्षा ह ल क्ष्मी व स

॥ रामः ॥

॥ ६ ॥

मान. बालधालसा पूर्ण चंद्रधंमि साधालसा पले हल धं ॥ केसधालसा गरुडयाथं. पालिधालसा. सावित्रि
याथं. जधालसा लक्ष्मिमाथं. थथी ३० परम सुंदरि जिह्याच छनत जोगेला ॥ छनथानकु. वानकु स्वयं ना
पंभयंकर मुर्ति विमुकन कोषाया वज्रुयु वाहिधालसा. श्मशानया नली नवया वदिगं वरजुया व. एस नका
यका वधे धेचुला वला लाथा संप्या वन रुया वरुयु ॥ हनं जो साधालसा त्रिश्ररुंड वरु. ३० साधालसा कि सी
या छे गुली. हि साधालसा धुया छे गुलि. ग साधालसा ज्याथ थुसा. थथिं ३० स्यात गथे जिह्याच जोगे जुल
छगन याथा कर. छजा वय थुका. थ वरु बालम स्वसें. जित हेलाया त वल धक. श्री जगदिश्वरया त दक्ष प्रजा
पति न वधा व हं म दय कं न्वा ना व छोतं ॥ थ नं ली श्री जगदीश्वरया मनस डुः खताया व. दक्ष प्रजापति न
हेलाया क स्वया व. मनस अंदोल गुया व. अन वने हं म सीया व. दक्ष प्रजापति या क्षे नं पि हा विज्या ना
व मनस भाल पु. थ व दक्ष प्रजापति न जित थु गुलि भनं फ चीत या य माल ला. विय मडु सा विय मडु धया
नं म गा कला. थु गुली भनं फ चीत या य माल ला धक मनस व भाल पा हं म दय क. न हडुः खन. अन नैवे

॥ स्वस्था ॥

॥ १० ॥

कुंठश्रीनारायणायानसविज्ञातं ॥ थनंलिश्रीनारायणनमहादेवविज्याकरवनावहतासनंकमंड
रुजोनाव्रुतिचायकाववसालायावलक्ष्मीसरस्वतीनचामलनगायकावथवधानसथतवोनाकसु
वर्णयासिंहासनसविज्ञातकावचरनसंदंडप्रनामयानावगागलपोतसतयावताहातहाजलपाव
विनतियातं ॥ भोप्रभुछलपोलथनीजिथासविज्याकरवनावजिमनसअतिआश्चर्य ॥ भोस्वामिछलपो
लसदायाथेमषुछलपोलयाछुडुःखजुलजिनछुयायमालमालकोआज्ञादयकसेविज्याऊनेधक
विनतियानावचोनं ॥ थनंलीश्रीनारायणनयाविनतिऽनावश्रीजगदीश्वरनआज्ञादयकलं ॥ भोनारा
यणजिनछनकेवयाकारनमेवतामषुछानधालसाछेसमिसाजनमडुस्रयाक्षमषुश्वसंसारसु
यांजुलसांस्त्रीजनमडुस्रयाथातंमडुथुलियाकारनजिछनकेवया ॥ भोनारायणहृनंगथधालसा
देवलोकपनीसकलयविवाहारायायधुनकावसुवनचोनगुजिनसियावदक्षप्रजापतियाकेकंन्या
छुसलेनावचोनलजिनंफोनवनाभोनासयनथोलसदक्षप्रजापतिनजितवधावहंसदयकंफवि

॥ रामः ॥

॥ १० ॥

तयानावहल ॥ भो नारायण थुलिया कारन जिमन समहा दुख जुयाव अनव नेहं ससियाव थन वयाध
कमहा देवन दुखन भाजा दय कलं ॥ थनंली श्री नारायण राविन तियातं भो स्वामि थुलिया निमिर्तिन छ
लपोल हुता सचायाव विज्याय मते छलपोल यासेव कजिमडुला ॥ भो स्वामि थुलिज्जा जि नथ थेंलिसलद
यकाव ब्रय छलपोल थनं निविज्या हुनेध कंधयाव श्री नारायण जुलसा दक्ष प्रजापति याथा सविज्यातं
॥ थनंलि दक्ष प्रजापति नथ वक्षस श्री नारायण विज्या करव नाव नाना सुगंध धूप थमाव स्वान वागात
काव कमंदलुन जलधार हाय काव तुतिचाय काव वसालायाव थत वो नाव सिंहसनं सविज्यात का
व्रतलं ॥ थनंलि थुल्य श्री नारायण गथे विज्यात धाल सा स्व करव कोथ ववस्य या नाव मोहनिरूप जुया
व विज्यातं ॥ थनंलि दक्ष प्रजापति न विन तियातं ॥ भो नारायण थनि छलपोल जिक्षे सविज्या करव
नाव जिमन स अतिरस जुल ॥ भो नारायण छुकारन थन विज्या ना समस्तं आजा दसे विज्याय मालध
क विन तियातं ॥ थनंलि नारायण न आजा दय कलं ॥ भो दक्ष प्रजापति जि न छन के छता फोनेध कवया

॥ स्वस्था ॥

॥ ११ ॥

मेवताकारणथनवयामसुछनवियजुलसजिनफोनेमविलसाछुफोनेधकआज्ञादयकलं ॥ थतेना
रायरायाआज्ञाठनावदक्षप्रजापतिनधिवमनसभालयुधनजिकेछुफोसुधनधयागुलिजिनवि
यमफयुलाधकंमनसभालयावधालं ॥ भोनारायराछलपोलसेनफोनागुलिजिनसत्यनंविद्यजु
लधकधालं ॥ थतेदक्षप्रजापतियासत्यवचननेनावनारायरागनआज्ञादयकलं ॥ भोदक्षप्रजापति
जिनमेवताफोनेधकधयामसुछनदयानजितसकतानंगाक ॥ भोदक्षप्रजापतिजिवैकुंठयानाथजु
यावचोनायाईहीपायायमधुननीछनदयानसकलदेवतांयांईहीपायानावसुखनचोन ॥ भोदक्ष
प्रजापतिथुलियाकारनछनकेकंन्याछललेनावचोनदुखनावजिनफोनेधकवयाथतेनअसकन्या
छलजितवियमालधकआज्ञादयकलं ॥ थनंलीनारायरायाआज्ञाठनावदक्षप्रजापतिनधालं ॥ भो
नारायराआवजिनछुविनतियायवियनाममदतसांजिसत्यवचनवनकासेविज्याऊनेधकविनति
यातं ॥ थोतेदक्षप्रजापतियाधिनतिठनावनारायरागनआज्ञादयकलं ॥ भोदक्षप्रजापतिआसाथनि

॥ राम ॥

॥ ११ ॥

पुद्गुदीनथेकनाधकआज्ञादयकावदक्षप्रज गति याक्षेनपिहाविज्यानाव अननंअंतर्धानजुयाववेर्के
ठसविज्यातं॥थनंलिनारायणनदक्षप्रजापति याखविस्तारकनावविज्यातं॥भोस्वामिआवगथेयाय
ज्याजासिद्धयानावजावयधुन॥अथेनंछलपोलयातजामधायानि जिंथवतधकधयावयानिनि दी
नधालसाथनीनपुद्गुधकथेकनायानाववया॥भोस्वामिआवछलपोलसेनगथेयायमालअथेया
स्यविज्याहुनेधकविनतियातं॥थोतेनारायणयाविनतिनेनावमहादेवनआज्ञादयकलं॥भोनाराय
णजिनछुधायछनगथेजिलअथेयासेविज्याहुनेधकमहादेवनआज्ञादयकावपुनवीरनारायण
नआज्ञादयकलं॥भोप्रभुआसाथथेयास्यविज्याहुनेथनीनपुद्गुजिदक्षप्रजापतियाजगपस
जिबनावचोने॥थवेलसछलपोलज्याथजोगीजुयावजगेसुखयावआज्ञादयकसेविज्याहु
ने॥भोदक्षप्रजापति भोविष्णुजितभिक्षामहुसेकंन्यादानकालसां कंन्यादानविलसां निश्रयातअ
भिप्रापचवसेनंविषयधकआज्ञादयकिवथवेलसजिनधाय॥भोहृदजीआसेरछनप्रापेवियम

॥ स्वस्था ॥

॥ १२ ॥

ते छन भ्राप अवसे नंगे लु जिथ न वेला काचि कनं हुता स जुल थन जिथा सनी ब्रायो धकं जिन धा
य थव वेल स छल पो ल जिथा स विज्या ना व चो व ॥ भो स्वा मि थव वे ल स छल पो ल या त कं न्या दान ला
त का व वि य ध कं ना रा य न न अ र्ति क ना व वि ज्या तं ॥ थव ते ना रा य रा या व च न ड ठ ना व श्री जग दी स्व
र्या म न स र स ता या व ना रा य रा या के वे ला क या व अ त र्था न न के ला स प र्व त स आ नं द न वि ज्या तं
॥ ॥ थनं लि ना रा य रा या आ ज्ञा थं द क्ष प्र जा प ति न कं न्या दान वि य ध क माल को सा मा यी ताल
ला त का व दी न वे ला स्व त का व ना रा य न या त नि मं त्र ना या त क ल छो तं ॥ थनं ली ना रा य न द क्ष प्र जा
प ति या र्थे स वि ज्या ना व पो हि त न ज ज्ञ या त का व अ ने ग पु रा ना दि या ठ या त का व ना ना मं ग ल जा
त्रा या त का व स ति दे वी या त अ ने ग पा त प तं व र व स्र न ती य का व था स २ प तिं सु व र्ण या ति सा न ति य
का व र त्र मा ला न को षा प का व ज व र व स स र वी प नि से न चा म ल न गा य का व म नी मा नि क थु ना
व त या सिं हा स न स त या व ज ग सा ल वा व त लं ॥ थनं लि माल को ज गे या वि धि पूर्व क सिं ह ज

॥ रामः ॥

॥ १२ ॥

यात्रकंदानयावेलजुयानं श्रीजगदीश्वर विज्यानात्र नारायनया मनस अंदोलजुलं ॥ आवजक
गथयायलज्याजकनयमालीन महादेवधालसा आवतल्यं मविज्याकनी थनधालसा कं न्यादा
नयावेलजुलधकं मनस धंदा कयात्रचोनवेलस महादेवया जुगलसरूकामिकं लुमनं ॥ आवग
थयायविष्णुयादीनजाथनीजुलवेलाजकं हतासजुललाधकंध्याननं स्वसेविज्याकवेलस कं न्या
दानयावेलजुयात्रचोनं ॥ थवेलस महादेव अतिहतासचायात्र हतारसनं थवरूप तोलतात्रया
थजोगीयारूपकयात्र वायुवेगनं कैलासपर्वतनको हविज्यानात्रजवलाहातनडम्वरूथानात्रख
वलाहातनत्रिश्रुपाछायात्र दक्षप्रजापतियाजजसालास दुस्वयात्रधालं ॥ भोविष्णु भोदक्षप्रजा
पति ॥ जिताईनेन भिक्षाफोनेधकवया जिनयमयना कृष्ण कृच्या कृदत जितभिक्षाफोनेमविसे
कं न्यादानविलसां कं न्यादानकालसां निस्रयांत अभिप्रापवियधकधालं ॥ गथिंगुवेलास थज्याथजो
गीथेनधालसा मामनकमंडरूनलषधाराहायकात्र ववुनहामलकू सदेखासे सतीदेवीयाला

॥ स्वस्था ॥

॥ १३ ॥

हात जो नाव गुरुन वाक्या नाव चोन ॥ हनं विष्णुन लाहात सफ्या वचोन थं थंगु वेला सज्या
थं जोगी नथ थें भिक्षा फोन वर खना वर श्री वैकुंठ नाथ ना राय नन आजा दय कलं ॥ भो वृद्ध जोगी आ
से रछन थाप विय मते जिथ न वेला फाविक नं हता सजुल छन थाप अवसे न गेली थन जिथा
स भति फेक तु ना वचोन वायो छ ता यि ने नि सें व वल जा व भती नी दिना वचोन वा यध क आग्या
दय का वज्या थ जोगी थ वथा स वो ना व फेक तु त का व त लं ॥ थनं ली ना राय नन थ वला हात सफ
या थें ङन क चो ना व थ व मा या न दक्ष प्रजापतिया मिषा छ वे र वो य का वज्या थ जोगी या ला हात
व सती देवी या ला हात व थ पु को पु या ना व विलं ॥ पुन वरि कं न्या दान विय धन का व स्व क वेल सना
राय न या ला हात म ष या वज्या थ जोगी या ला हात ष ना व दक्ष प्रजापतिया मन स अती को ङु या
व धालं ॥ भो चांडाल विष्णु छ व ना प गो वेल सं विस्वा स या य म ते ल स्व वर जि म ते ना व त या म स्था
च थ व त ध क ध या म व छ ल क प त न ला ना व जि ल्या च अ नारी या ना वज्या थ जोगी या त ला त का

॥ रामः ॥

॥ १३ ॥

वविल॥ भो पुत्री आवहुयाय चंडालविष्णु या जाल सकेन आवहुयाय छन भावी कर्मस अ
मज्जाथ जोगी भालतलात अमज्जाथ जोगी वना पवने माल आवजिपनी सेत छुयाय जिमित दो
ष छुं मडु छुं दुःख ता य म ते ध कं मा म व व न सती देवी या त ध या व चो नं॥ थ व वे ल स सती देवी या
म न स डुःख जु या व न ग ल नं स ह या य म फ या व विला प या तं॥ नाराय न शिव २ धी कार २ जि ज न म
के हे प नि जा स क ल या ग थिं ड ठ भा गे द को स्पा दे व ग न प नि भालत जिजां ज्जा थ जोगी भालत ध कं ना
ता मा थ न विला प या तं॥ ह नं थ व थे थ म नं धी र्ज या ना व म न स भाल प आवहुयाय मा म व व न वि
या ल स्वा मिय या म य या म डु थ ज्जा थ जोगी जु ल सां जि के दे व लो क व ठ तिं ध की थ व थ थ म नं धी र्ज या
ता व ज्जा थ जोगी या त स्ना न मा ला न को षा य का व च र रा सं भो क पु या व चो नं॥ थ नं लि ज्जा थ जोगी न
धालं॥ भो सति आवजिजि स क्ष व ने नु यो थ न चो ना या प्र यो ज न म द त ध क ध या व ज्जा थ जोगी हू पा २
सती देवी लि व २ त पा व व नं॥ थ नं लि सति देवी ज्जा थ जोगी व ना प लि व २ व न स्व पां व द क्ष प्र जा प ति वि

॥ स्वस्था ॥

॥ १४ ॥

रनी के हे पनी सकल यां मिषान बो विज कत या वर खने दत लेख या वचो नं ॥ थनं लि दक्ष प्रजापति प्र
भितिं सकलें फया थे धीर्ज या ना वर सुष नं चो नं ॥ पुनर्वा रज्या थ जोगी ह्रा पा र सति देवी लि पा र त या व
ववं २ सती देवी या मन सभाल पु छु या यजिकर्म थ धि डठ अभागी के हे य निजा ग थि न भागे द को स्था
देव ग राय नि स के ला त थ व पा पि छु स्था जां ज्वा थ पुरुष ला ति ध कं मन स डुः ख जु व गु को पि के म फ
या व मि खान ज क षो वि धा ए र हा य का व विला प न व ना व चो नं ॥ ह नं थ व थे थ मनं धीर्ज या ना व गा
चो त नं षो वि कृ या व भा व छु या यजिकर्म स व ल ग ज्वा थ जोगी जु ल सां जि के दे व लो क व ड तिं ध क म
न स भाल पा व ज्वा थ जोगी व लि व २ व ना व चो नं ॥ थनं ली ज्वा थ जोगी न लि स्व या व धालं ॥ भो सुं द
री छ वु लु ऊ न रा यो ह ता स चा य म ते ध क धीर्ज वो ध विली ॥ थ ते ज्वा थ जोगी या व च न डठ ना व स
ती दे वि न वि नु ति या तं ॥ भो स्वा मि जि जा व लु ऊ न नं व य छ ल यो ल ज्वा थ जु ल न्पा य म फ त वु लु ऊ न वि
ज्वा ह ने ध कं थि थि र व हू ना व ॥ पुनर्वा र सती देवी न मन सभाल पु थ थ थान ज्वा थ जी थ थि डठ सुं

॥ राम ॥

॥ १४ ॥

दरीथनसुधातचोरुचापनीवयावजिपनिस्तंहुंजकंयायफुज्जुधकंमनसधंसकयाववना
वचोनं॥थनंलीज्याथजोगीयामनसभालपुआवथकंन्यायामनसगुलितपापधर्मदुस्वयधकंअननके
लासयात्वाफलसभिवाक्षदुषादयकलं॥थनंलीज्याथजोगीनधालंभोस्त्रिसतिहिजिसक्षेयेनीनऊहु
षनीधकयाननंकेनं॥थनंलिसतिदेवीनयाननक्षेजकरवनाववदक्षेपजापतियाक्षेलुमनावतुग
लसजकहिरिश्मिरिणकावनारायणशिवश्जिगधिंगुसेसचोनासथथिनभिवाक्षेसलातधकषो
सेश्वनावचोनं॥हनंथवथथमनंधीर्जयानावमनसभालपुआवहुयायगुगुथवसामिक्षेडगुलीभि
षाक्षेजुलसांसुवर्गावसमानधकमनसभालपाववुनं॥थनंलीथभिवाक्षेथनावज्याथजोगीनधालं
॥भोस्त्रीसतिहिजिसक्षेथथकाडुहावनावसुखनचोवधकंधालं॥थतेज्याथजोगीयाआज्ञाऊनावसती
देवीनदधकंगाचोतनंखोविहयावखालचतकनकावभिवाक्षेयाषापाखनावदुस्वकवेलसमाखापि
खानजकभुनावचोनंषनावकठिछपुकयावचिलेचालेयानाववाकतुफिछफिकयाववपुनावडुहावना

॥ स्वस्था ॥

॥ १५ ॥

वसुमुकंचोनं ॥ थवेलस साथजोगिनधालं ॥ भोसुंदरीजिफाचिकनंतानुलभतिनिदेनावचोनेधकध
यावरेसगजिधतुरछुम्याकतिनावलुवाकोसंगोलतुनावचोनं ॥ थनंलिसतीदेवीयामनसमहाधंदा
जुलं थनसुंधातपुलुचापनित्रयावजिस्वामियातंजितंछुंजकंयानावतथेफुसुधकंमहाधंदाकयाव
थत्रस्वामियाद्यालजकस्वयावचोनं ॥ थथेचोचोशेफुषुजदयाववनंथनंलिज्माथजोगीवपदनाव
धालं ॥ भोचांडालमिसाजि याकातथथीनधिनेफसतदायकवानावथमजकसुखनदुनेक्षेसचो
नावचोनजितभतिनायंदधायमडुलाजिषुनंमथनछनषुनंछुंनयमुमाललाधकंफाचिकनंत
मचायावन्वातं ॥ थनंलिसतीदेवीनखालचतकनकाक्रमनसांनयाथंइठनकावबिनतियातं ॥ भो
स्वामिछलपोलयासुखनआलस्यानावविज्मातधकजिनथनेमछालाहनंजिजानयधुनबकंधालं
पुनर्वारज्माथजोगिनधालं ॥ भोप्रियसतिछनछुनयाधकधायावसतीदेवीनधालं ॥ थनदुदुगुमधि
चधिनयाधकधालं ॥ थतेस्त्रीयावचननेनावभेषधारिजोगीयामनसभालपुथनछुनयुथनजाहु

॥ रामः ॥

॥ १५ ॥

वस्तुकं मडु ध्वन फ स व ह्रात ध कं म न स भाल पा व पु न वी र धालं ॥ भो स ति जि जा ह्रे ल न भ ति नि दे ने
ध कं ध या व य स ग जि ध त र ॥ भो क ति ना व पु न वी र लु घा या को सं भे क व ला व चो नं ॥ थ नं लि पु न वी र स
ती दे वी न थ व सी ल स्व भाला त का व म न सां न या थं ड न का व चो नं ॥ थ नं ली ता उ ति नं म द ना व स ति दे वि या
पि ता ना व न य गु व लु छु छु ड खे स्व य ध क भाल पा व थ ल प ति स्व ल जु लं ॥ थ वेल स स्व या २ थ ल प ति मा षा
पि षा नं ज क भु ना व चो न र व ना व थ थो थान स छु स्व य ध कं थ व म न थ म नं चि ना व थ व स्वा मि या र्वा ल ज
क स्व या व चो न ॥ थ वेल स भे ष धा री जोगि न जु ल सां स ती दे वी या म न स पा य म डु स्व या व मा थ मि कं द ना
व धालं ॥ भो पि य स ती छ पि हा व या व अ म भि या शे से न का व छो व रि जि स शे अ म म पु ध क आ ज्ञा द य क
लं ॥ थ ते ज्वा थ जोगी या आ ज्ञा ड ना व स ति दे वी न वि न ति या तं ॥ भो स्वा मि म पु गु आ ज्ञा द य म ते भि ना
व चो न गु शे से न का व रि जि स ग न चो न व ने ह नं हो ने धाल सा छ ल पो ल ज्वा थ जु ल जि धा सा थ थि न
मि सा ज्ञा ति ह नं सुं वा हा लि पो ने धाल सा थ न म नु व्य या गो च लं म डु ह नं शे स धाल सा ज्ञा कि व जि छु ष

॥ स्वस्था ॥

॥ १६ ॥

नमः भो स्वासि धृते नमः पुगु आशा दयमते धक सती देवी न विनति यातं ॥ थनंली ज्माथ जोगी वयदना
व्रतुति नप्यनका वरुतं ॥ थवेल सभिवाश दुना वरुनं थनंलिकैला सपर्वतथेनं थवेल सकेला स
पर्वत सवासयाना वचोनपनि नंदी भिंदि प्रठमगरा भूतप्रेत पिशाचपनि सेन श्रीजगदीश्वर विष्णु क
खना वस्वानवागातका व सुगंधधुपथना व वसालाया व लखया वयनं ॥ थनंली मंडिलथे ना वनित्यं
वुकया दथु सविष्णुतं ॥ थनंलि सती देवी न अत भुत चाया वस्व प्रांतर सखना वचोन थं सुवर्णाया क्षेय
ना वचाक मालकं लखया व हायर गथिं ऊजिमिक्षेया सिनवानला कथथिं गुक्षे जागनं नम वना धक
षुसिजु या वचोनं ॥ थवेल सज्माथ जोगिन धालं भो प्रिय सति देवि आवसा सयिक या व वथिला व विव
धक आशा दयका व सती देवी न वथिला व विलं ॥ थवेल स वथिला था सविष्णु ना व थवरूप धरल पा
व केनं ॥ गथिं गुरुप केन धालसा कंठ जु कनील कंठ फन कीलया उन जु या व जटाधारि जु या व जवला हा
त नडं वरु जो ना व खवला हा न ल निरु ल जो ना व स्वस्व स्वयमगा कथथी गुरुप जु या व दर्शन विलं ॥

॥ रामः ॥

॥ १६ ॥

श्ववेतससतिदेवानजुलसां हता रसनेदनावस्वचाकउलावचरनसंभोकपुयाव धन्यरजिभागेधकंथव
थेथमनंपुसिजुयावदर्शनयातं ॥ थनं ॥ निरसेनंपंचामृतभोजनयायधनकाव शिवसक्तिस्वरूपजु
यावप्रथमगननंउयकावभानंदनंविज्यातं ॥ थनसिसाफलछाय ॥ ॥ थनयास्वथुति ॥ ॥ पुनर्वा
रदक्षप्रजापतिगथिंस्त्रधातसा मरुदेवप्रभितितेति सकोतिदेवतायांससववुजुयाव सकलदेव
तानंमान्ययातकावचोन ॥ हनंमहापराक्रमिथुलावचोन गथिंस्त्रधातसा बुधिनवृहस्पतिवसमा
नतेजनअग्निवसमान विद्यानव्यासवसमान दुर्व्यनकवेरवसमान वलनवलिराजावसमान ॥
क्रोढनरुद्रवसमान छलनविष्णुवसमान धनुकविद्यानपसुरामवसमान क्षेमानपृथिवीवसमान
धर्मनजुधिष्ठिरवसमान ॥ थथिनपराक्रमीदक्षेप्रजापतिहस्तस्वर्गसवसलयंचोन ॥ हनंश्वयास्या
चयनिअसंख्यदयावचोन श्वपनिसकल्पंजक्षगंधर्वकिन्नरक्षेयदानवनागलोकदेवलोकपनिप्रभितिं
विसेतयाव दकोंथववसयानावताकालंसुखभोगयानावकालहनावचोन ॥ ॥ थनंलीछक्रयाका

॥ स्वस्था ॥

॥ १७ ॥

रंतर सदक्ष प्रजापति नथ व कलात विरनी को के साहुतिया तं ॥ भो स्त्री विरनी ता कालंद तज्जि से न ज ग्ये म
याना आं वजित भ सो मे ध ज गे या य माल को सा मायिता ललात कि हनं स्या चपनि जिला जनपनि देव लोक
जक्ष गंधर्व किं नर देव दानव नाग लोक सकल्प महा देव वसती देवी वनि स्रज क बाहिक सकल्प निमंत्र
नायात कल छोट ॥ हनं गुरु वृहस्पति प्रोहित पंडित पति निमंत्र नायात कल छोट वध क धया व विरनी न जु
ल सां थ व स्वामिया आशाने ना वत त कार नं चेल पनि स्रति २ था स या ज्ञा या भाला विया व द को माल को
जगे जोल न ताल लात का व भोजन या विधि पूर्व क दय का व थ व स्या चपनि जिला जनपनि निमंत्र नाया
त कल छोट ॥ थनं ली १००० दोल क्षिदा सकपनि से न दक्ष प्रजापतिया आग्या थं महा देव छ स्रज क वा
हिक याना व सकल्प देवता पनि जक्ष गंधर्व किं नर देव दानव अप सर नाग लोक अष्ट वसु द सदिग्
पाल सकल्प निमंत्र नाया ना व वलं ॥ थनं ली भीन वेला स्वया व जगे साला दय का व अष्ट मंगल पूर्ण घट
जवं खवंत या व ॥ अने ग २ प्रकार या छत्र धोज पताय चामल बीज मान पे ना व जगे सना ना तर ह्या बी

॥ राम ॥

॥ १७ ॥

वहलनठयकावहनंनानातरहनासिंहासनथासरपतितयावमालकोविधिपूर्वकसकतांतयारया
नावतलं॥थनंलीगुरुहस्यतिथामितिमहादेववसतीदेवीवनिस्त्रजकवाहिकसकलदेवतायानि
स्त्रिपुररुषसहीतनअनेगप्रकारयातिसावसतनतियावहर्षमाननदक्षप्रजापतियाजगेसा
लासथेनकलविज्यातं॥॥थनंलिजगदीस्वरनआग्यादयकलंभोषियसतिरिजिसमदुनापुज
लजुलत्वायनुयोधकंआज्ञादयकावजुलभलकमावनिस्त्रिपुररुषजुलत्वातं॥गथिंगुजुलभल
धालसासेषनागयास्त्रसकोठावसेतयास्यनिकोठाहनंगीतिपासागथिंगुधालसासुयनिस्त्र
नक्षत्रगणसुयनिस्त्रजोगिनिचंद्रसूर्यसाक्षिथानावलितल॥श्ववेलससतीदेवीनजकत्याका
वचोनं॥थनंलीमहादेववुकरवनावसतीदेवीनलायवुलं॥श्ववेलसमहादेवतमचायावथ
वरुलिलिचापानावविलंश्वत्याकावकालं॥हनंडंवरुविश्वरूपातंश्वत्याकावकालं॥हनंनाग
यातिसापातंश्वत्याकावकालं॥श्ववेलसआकासमार्गनविमानह्यातकावहलंश्वविमानयाकिपा

॥ स्वस्था ॥

॥ १८ ॥

खनावसतीदेवीन आकाससधतुश्चययनं पुनर्वारविनितियातं ॥ भो स्वामिथनीयादीनसंछानवि
मानह्यातकलहलधकविनितियानाव श्रीजगदीश्वरन आज्ञादयकलं ॥ भो सती छनत अमधंदा छाया
थवमालगुधंदाकावधक आज्ञाजुयाव सतीदेवीन छुंमधासे थवमनस अंदोलयानाव लितावचोनं
॥ थवेलस महादेव बुनावपाचिकनंतमचायाव थवसीलसचोनगुमत्कचामिकं कयावपातं ॥
थवेलस सतीदेवीन पास छानाव थवमत्कं त्याकावकालं ॥ थवेलस श्रीमहादेवरसतायाव विज्या
तं ॥ थोवेलस सतीदेवीन विनितियातं ॥ भो स्वामि आवछलपोलसेन छुपायते नापाव छलपोल
याकेजा छुंमदतधकविनितियानाव पुनर्वार महादेवन आज्ञादयकलं ॥ भो प्रिय आवजाजिके
छुंमदत जिपसनायंपानाव वियक्षाधक आज्ञादयकाव सतीदेवीन विनितियातं ॥ भो स्वामिजग
दीश्वर छलपोलया लजापा नाव विज्यायमते ह्यापंतिपां जिमपुला लजापाय सुमालधक विनिति
यातं ॥ थवेलस श्रीजगदीश्वरसतायाव आज्ञादयकलं ॥ धन्यश्छधके सतीदेवीयात गुनवर्णया

॥ एम ॥

॥ १८ ॥

नावमालकोस्त्रितेधुनकाव. नानातरहयारसभोगयानावआनंदनशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्या
तं॥ **॥** थनंलीनारायणप्रभृतिदेवलाकपनिसकल्पदक्षप्रजापतियाजगेसविज्यानावमहामं
गलजात्रायानावतुतिचायकाववसालायाव. जगेसालासुतवौनाव. नानामाथनकुसलवार्ता
यानावजोग्यप्रमाननसिंहासनंसविज्यातकावतलं॥ थनंलिदक्षप्रजापतिनसुवेलासलात
कगुरुहस्पतिनजगेआरंभयातकाव. अनेगपंडितपनिसेनवेदपुराणादिपाठयातकाव. मंग
लवायथातकाव. अपसरागरापनिप्याषनऊयकाव. किन्नरपनिसेनतालथातकाव. दिव्यदेह
यानावचोनं॥ हनंजगेसअनेगरभिन २ पदार्थ घेल. कलिहृदि. फल. मूल. दुयाव. अग्निदेवता
संतोषयानावचोनं॥ हनंथजगेयाकुनसंसारव्याप्रमानजुयावचोनं॥ हनंदकोल्पायसचापनि
सेनअनेगरपातपतंबरवस्वनतियावमनीमानिकयातिसानतियाव. फयानफयाथेसकल
भिनंचितायावजुलं॥ हनंदक्षप्रजापतिविरनिसहीतनअनेगजिलाजनपनिजवरववंसतया

॥ स्वस्था ॥

॥ १५ ॥

वृषंडितयनिसेनपुराणादिकथा क्लातकावसुखनडनावचोनं ॥ गथेचोसठिजोगिनिगरानर
लितकावश्रीजगदीस्वरगथेविज्यातअथेथुसदक्षपजापतिदकोजिलाजनपनिसेनलितका
वृपरमआनंदनचोनं ॥ ॥ थनंलिअनेगवांलेराभिछुकपनिस्तंकोठानकोतिदक्षनावियावपू
जामानेयानावचोनं ॥ हनंअनेगप्रकारनयासल किमिसुवर्णरूपअन्नवस्त्रक्षत्रइत्यादिं
सुशसेनगुगुशफोनडुगुशदानयानावचोनं ॥ हनंनारायणप्रभितिगुरुप्रोहितपनिस्तपोडसोप
चारनपुजामानेयानावजोगेशप्रमाननंजगेयाभागथवरथाससतयावविलं ॥ थनंलिदक्षप्र
जापतिनदकोजिलाजनपनिस्वालस्वयावदेवअभिमुनिस्वरपनिआसिर्वारफयावचोनंवेतस
नारदमुनिस्वरनजुलसांथजगेससकल्पविज्याकलाधकजगेसभुमरपावसकलयातंविचाल
यानावविज्यातं ॥ थवेतसश्रीजगदीस्वरवसतीदेवीवनिस्तजकमषनावसकलभिनंमाला
वजुलं ॥ थथेसकभिनंमालानंमदयावमनसभालपुंथजगेसश्रीमहादेवछत्रवसतीदेवी

॥ राम ॥

॥ १५ ॥

वृनिस्त्रजकछानसविज्यात॥ हनंदक्षप्रजापतिया धायजाकंलोलमनला हनंमषुछं हेतुजकं
दतला हेतुदतसानं महादेव वाहीकनथ्व असोमेधजगेयानाया प्रयोजनमडु हनंजगेयाकर्ता श्री
महादेव विनानमेवदेवताया प्रयोजनमडु॥ हनंमषुथ्वदक्षप्रजापतिजकं वयजुलला तेतीस
कोटिदेवतायां त्रिपुरुषसहीतनथा कथ्यपनिनिस्त्रजकगथ्यमथ्या तथकनारदयामनसधं
दाजुयावआवगथेयाय थथेदक्षप्रजापतियाकेडनेधालसागथेडनेजिमनसजाअतिआश्च
र्य छुजुयतेनखेकारनमदयकं थथेजुयमडु आवथथेमषुत श्रीजगदीस्वरया थासनिवनेधकंभा
लपावदक्षप्रजापतिनमषनकछुषेलनहिलाववायुवेगनकैलासपर्वतथेनकलवनाव श्रीज
गदीस्वरयां सतीदेवीयां चरनसंभोकपुयाव छुषेतापाकचोनाव गागलपोतसतयावलाहा
तहाजलपावचोनं॥ श्रीमहादेवव सतीदेवीवगथेविज्यानावचोनधालसा थवसीलसजदाम
कुटदयकाव वाघछालानजसहीनाव किसीयाक्षेगुलीननेपाव भस्मनंअंगसवुयाव थास२

॥ स्वस्व्या ॥

॥ २० ॥

पतिविनद्यानाव ॥ नरमुंदमालानकोषायाव सतीदेवीषवमुदेशफेकतुतकाव कोटानकोटिश्रीसुर्य
यातेजपिकायावजाजोलेमानन नंदीभिंदि वारवारतयाव भूतपेत पिशाचपथमगरानडयकाव
विज्याकथामवतावधनेंरजिभागेधकंवारंवार श्रीजगदीश्वरया श्रीसतीदेवीयांचरनसनमस्कारया
नावचोनं ॥ थनंलीनारदमुनिस्वरयाभक्तिषनाव श्रीजगदीश्वरमुमुकुनहिलावआज्ञादयकलं ॥
भोनारदधमेरुछछनभक्तिखनावजिअतिसंतोषजुयधुन आवछनतवरदानकावआग्यादयक
लं ॥ थवते श्रीजगदीश्वरयाआज्ञानेनावनारदमुनिस्वरनविनतियातं ॥ भोस्वामिजगदीश्वरजितवर
दानमेवतामयोछलपोलमाजयध्यानसदाकारंजिनुगलसथातकावप्रसंनजुसेविज्यायमालध
कविनतियातं ॥ पुनर्वारविनतियातं भोजुगांतिकाल जिनछनाविनतियायनेसेविज्याकुनेगथे
धालसाथनीदक्षप्रजापतिअस्वमेधजगेयात ॥ स्वर्गमध्यपातालसंचोनपिंदेवलोकयनिसकलें
त्रिपुरुषसहीतनंथाक छलपोलयनिनित्प्रजकमधनाभोस्वामि थवजगेसजिनभुमरनायानाव

॥ रामः ॥

॥ २० ॥

स्वलजुया न छलपोलपनिनिलजकमघनावजिथनवयापरंतुदेकोदेवतापनिथवश्जगे
याभागकयावसुषचोन॥भोस्वामिजगेयाकर्ताभुक्ताछलपोलथुकाछलपोलतोलतावदक्षप्र
जापतिनश्चजगेगथेयात॥हनंछलपोलपनिनिलजकगथेमथ्यातकारनछुभोईस्वरथुलिया
कारणानजिथनवयाधकविनतियात॥थतेनारदयाविनतिउनावसतीदेवीनमनसअतीआश्च
र्यचायावथवस्वामितैलोकेनाथयाकेविनतियात॥भोस्वामिहिजिसनिलजकगथेमथ्यातप
रंतुदेकोदेवतागराणपनिजितातकेहेयनिसकलयांनिलत्रिपुरुषसहितनडुधकधालहिजिय
नीनिलजकमवोनगकारनछुधकंसतीदेवीयामनसअतिअविमानजुयावनुगलनसह्याय
मफयावमिषानजकवोविधाराहायकावकोछुनावचोनं॥थथेसतीदेवीनविलापयांकस्व
यावमहादेवयाअतिकरुणाचायावआज्ञादयकलं॥भोप्रीयसतिछछायहुःखतायाअमथ्य
विलापयायमते॥भोप्रीयसतीदेवीछमययास्वचाछजिमययास्वजिलाजन॥थतेयाकारनहि

॥स्वस्था॥

॥२१॥

जित्तमवोन ॥ थ्वते न छुडः पताय मते छन तजि मडुला दक्ष प्रजापतिया जज्ञ समवनान
छुवनान छु ॥ भो सति छन अमथे विलापया मम ते धक फया थे महा देवन बोध विया वचोनं
थो ते श्री महा देव या आज्ञा डना व सती देवी न विनतिया तं ॥ भो स्वामि जगदीश्वर जिं नारद वना पं
वना व भति स्वया व व य ध क धालं ॥ थ्वते सति देवी या विति ने ना व महा देवन आज्ञा दय कलं ॥
भो प्रिय छु अमजगै सवन सा अवसे नं छु व जिव वाय मालि छु गथ्य मस त कं व ने ते ना व ने मते ध
क बोध विलं ॥ पुर्वार सती देवी हथि जु या व महा देवन म न कं चरन सभोक पु या व नारद वना पं के
ला स पर्वत न को हा विजातं ॥ ॥ थनं ली सती देवी थ व पीता दक्ष प्रजापतिया असो मे ध जगै सथे ना व
पीता दक्ष प्रजापति माता विरणी निल स यां चरन सभोक पु या व मिषान बो विध रा र हाय का व नु गल
स व नु भाल पुं ह म दय का व मिषा ज क सा ड क क ना व मि पु स कुं द ल का गंग ल अस्व ध जगै स जि जु क
गथ्य मथात ॥ हनं जि न ज क छ ल पो ल या न छु अप रा ध या ना व त या जि ज क छ ल पो ल या मय

॥राम॥

॥२१॥

यास्याचला हनंजिस्वामिजगदीश्वरमकछुअपराधयानावतल॥ हनंविष्णुप्रभितियक्षगं
धर्वकिंनरदैत्यदानवअपसरालोकनागलोकसकलयां त्रिपुररुषसहीतनंथाकजिपनिनिस्रज
कछुकारणमथात॥ हनंजगेयाकर्ताजुलंश्रीजगदीश्वरममुला हनंमषुजगेयाफलवियुस्रमैव
देवताजकंदतला॥ हनंशृष्टिस्थितिसंहारकर्ताजुलंश्रीजगदीश्वरममुला भोपीतामाताथुस्रश्री
महादेवविनानजगेयाकर्तामडुथधिंस्रईश्वरतोलतावअग्यानिस्रनयानाथ्यअसुधजगेयात
॥ भोपीतामातानायकस्रतोलतावचेलस्रनायकयानावअसुधजगेयात॥ हनंमषुथ्वसंसा
रसनिस्त्रजकंतायकदतला संकरस्रअसंकरयानावथधिंस्रअसुधजगेयात॥ भोपीतादक्षप्र
जापतिछनजगेयाफललायजुलसां जिस्वामिजगदीश्वरवोनकलछोवथ्ववेलसतिनिछनज
गेपूर्णयायफयु मषुलाधालसाजिनथ्वजगेसडुबानावअवसेमेवप्राणत्यागयाय॥ भोपीता
माताजिप्राणकामतेनाला जगेयाफललायतेनालानितासछताभि नकंधावधकक्रोठनधालं

॥ स्वस्था ॥

॥ २२ ॥

ध्वते पुत्रि सती देवी मा वचन उठ नाव दक्ष प्रजापति न धालं ॥ भो पुत्रि देविः छुडुः खता यम ते ॥ छु
नजिके सिवामया कं मधु छु खना वजिपति डु खता यम मधु ॥ भो पुत्रि छान धाल सा छन पुरुष वयथु
काथते या कारन दोन कल मरुया थन जज्ञ स धाल सा अने ग जक्ष गंधर्व किं न र दे ते दान व अप
सरा नाग लोक ऋषि लोक छन तात ह के हे पति सक ले डु ॥ थ थिं न थान स अमथान अधीर मुति
गथे वीने ॥ भो पुत्रि छन पुरुष जुयु गथे धाल सा भस्म न अंग स वया व वाघ छालान ज सहि ना व कि
सिया क्षे गुली न डु या व ज्वाथ दो हल गया व एस गजि धतूर न या व एस न काय का व धेश बुला व
ला ला था सं प्या षन रु या व दिगं वर जु या व ज व ला हात न डं व रु था ना व ष व ला हात न त्रि शूल पा
छा या व रुत त न हिला व जुयु ॥ ह नं था स र पतिं वि न ह्या ना व वि मु क नं को षा या व स्व य ना पं भ य
कर मु ति या ना व जुयु ॥ ह नं म न षा या शे ल को षा या व भू त ये त पि शा च प नि से न लि त का व ल ज्वा
म द य क गु र्ह भो पुत्रि थ नं ली भा न सा दे ॥ ना गं क न्या ज क्ष क न्या अप सरा क न्या प नि असं वे

॥ राम ॥

॥ २२ ॥

दयावचो न ॥ अथीनिमिसाजनपानिथासभजनानलज्यामदयकजुयुसगथेवोने ॥ भोपुत्रिछन
धालसाजगेयाकर्ताभुक्तामहादेवधकधाल ॥ भोपुत्रीजगेयाकर्ताभुक्ताधयास्रश्रीनारायणथका
हनंश्रुष्टिकर्ताधयास्रचतुर्मुखंसाथका ॥ हनंसेहारकर्ताधयास्रमहाविद्युथका ॥ अममहादे
वगनयादेव ॥ अमनछुवरदानवियु ॥ अममहादेवमवोनानजिजगेपूणीयायमफुला ॥ भोपुत्रि
तेतिसकोतिदेवतानंमानेयानाव्रतयास्रश्रीनारायणथकाजगेयाकर्ताथुस्रपामेस्वरवाहिक
नमेवदेवतायाप्रयोजनमहु ॥ भोपुत्रीछनयथ्यधालसांछनपुरुषजावोनेमयु ॥ छनषुनुवो
नकलहयधासा ॥ छवनापंवरयुयाकारननछनापंवोनकलमहया ॥ भोपुत्रिछदुःखतायमते
धकदक्षप्रजापतिननानामाथनश्रीमहादेवयातनिंझायानावचोनं ॥ थ्वतेपीतादक्षप्रजाप
तियावचननेनाव ॥ थावस्वामिजगदीश्वरयातनानामाथननिंझायाकगु ॥ नुगलनसहयाय
मफयाव ॥ सतीदेवीनथवनुगलसथमनंदायाव ॥ विशद्वनहालावमिथानजकचाकशला

॥ स्वस्था ॥

॥ २३ ॥

तकं कना व वया यमसिया व म हाडुः ख न विलाप या ना वः ह नं पिता द क्षा प्रजा पति या छु ड व च
न ने ना व नु ग ल स अ ति अ प मा न चा या वः मिखा हा उ क क ना वः वा क ट ट नं ह्ये या वः ला हा त वो वो
स्या ना वः तु ति व स्वा ना वः सं ज क फ ह त या वः मि धा नं ज क ज र तु स्व या वः सु या स्था त म ख स्व ह
ता स नं व प द ना वः ज र स्व चा क ठ ला वः ॥ शिव उ ध कं थ व स्वा मि या ना म स्व पो ल क या ज र स
डु धा ना वः प्रा णा तो ल त लं ॥ ॥ थ नं लि थ थिं गु वि परि त स्व या व ते ति स को टि दे व ता ना रा य न
प्र भि तिं ऋ षिः य क्षः गं ध र्वः किं न र दे त्प दान वः अ प स रं ना ग लो कः द स दि गु पा ल य नि स क ल्पं
हा य २ अ न र्थ २ ध कं हा ला व व या य हं म सि या वः धं द ज क क या व चो नं ॥ थ वे ल स ज र स म
हा उ त्पा त जु लं ह नं ज र स र क वृ ष्टि जु लं धु ल नं आ का स म व्या प्त मा न जु लं ॥ ह नं वि परि त नं
वा यु न व ह ल पा व चो नं ह नं छ ता मु स्वा ल क त्री सूर्ये च त क ना व चो नं गु त त्का र नं वि ड या व चो
नं ॥ ह नं आ का श स गृ ध को ष श मा प नि से न मं ड ल का या व वि श ह न हा ला व जु लं ॥ ह नं जं व क प

॥ रामः ॥

॥ २३ ॥

निस्पनल्लतुनहिलोयावभयानकशहनललावजुलं॥हनंजिगुलिदिगसंदग्धजुलंहनंतव
शहनफसवयावधुलवोस्पवयावगुलिछियांमिखासकुनावहहाकारस्ययावचोनं॥ध्ववेला
समहाउपडवजुयखनावदक्षप्रजापतिनंसकलभिनंवनावहतासचायमतेधिर्जया२ध
कंधयाववोधवियावथदगुरुहस्यतियाथासवनावविनतियातं॥भोगुरुआवगथयाय
महाअनर्थजुलधकंहहाकारस्ययावचोनं॥थनंलिनारदमुनिश्वरनंजुलसांथुगुप्रकारनंवि
परितजुव्रवनावसतिदेवीनप्राणत्यागयातरवनावहता२सनंवायुवेगनंकेलासपर्वतवना
व्रजगदिश्वरयाचरनसंभोकपुयावविनतियातं॥भोस्वामिजगदिश्वरजिगुविनतिन्यसेविष्ण
यमालगथधालसाछलपोलयाप्राणसमानसतीदेवीनंप्राणतोलावविज्यातं॥छानधा
लसापापिष्टदक्षप्रजापतिनंछलपोलयातविनाअपराधनंवालविलहेलायातमाहादेव
धयाल्लगयादेवताव्रजावयथुकासहदेवछल्लमवोनानंजिजग्यपूर्णयायमफयुलाधकं

॥ स्वस्वा ॥

॥ २४ ॥

नानामाथनं वोल विल ॥ भो स्वामी थो वेल स सति देवी नं से हल प्य म फ या व शिव २ ध कं स्व
पोल नाम क या व ज र कुंड ल स डु वा ना व प्रा ण म्पा ग या ना व वि ज्पा तं ॥ भो स्वामि आ व छ ल पो
ल या भ य न ज क अग्नि नं थि य म छा ला व चो नं ॥ प्रा ण ज क तो ल ना व स रि र जु क हू व ल का व वि
ज्पा क स्त थं वि ज्पा ना व चो नं ॥ आ व छ ल पो ल स्य न ग थ्य या स्य वि ज्पा य मा ल अ थ्य या स्य वि ज्पा
ऊ ने ध कं वि न ति या तं ॥ थो ते ना र द मु नि श्व र या वि न ति उ ठ ना व श्री ज ग दी श्व र नं आ ज्ञा द य क लं
॥ भो ना र द आ म र व नि श्व य नं र व व ला म सु थ्य धा य म ते ध कं आ ज्ञा द य का व पु र्न र वा द ना र द
मु नि श्व र नं आ ज्ञा द य क लं ॥ हे प र मे श्व र छ ल या था न स चो ना न जि न ग थ्य अ मि थ्या र व ह्वा
य र व त म सु छ ल पो ल या ध्या न नं स्व स्य वि ज्पा ऊ ने ध कं वि न ति या तं ॥ थो ते ना र द मु नि श्व र या
वि न ति ने ना व म हा दे व नं ध्या न नं स्व स्य वि ज्पा तं ॥ थ नं लि ध्या न नं स्व य धु न का व अ त्प त नो ध
जु या व वा था मि कं द ना व स्व ग व ल मि र वा न मि पि त क या व वा क ट ट नं हू या व ला हा त वो

॥ राम ॥

॥ २४ ॥

वोस्यानाव नारदयात आशादयकलं ॥ भो नारदस्वव २ यापिष्टदक्षप्रजापतिर्न विना अपराध
सजितनिद्रायान् जिघाण समानसति देवी नं प्राण तोलता वनं आवतिनी पापिष्टदक्षप्रजाप
तिगाप्राण मोचके ते तिसकोति देवतानि मुंरथने भो नारद आव छथ वछे कुनिधकं आशा
दयकलं ॥ थ्वते महादेव या आशाने नाव्र चरण संभो कपुयाव थव मंदिर सव याव चो नं ॥ थ
नं लि श्री महादेव नं थव प्राण समान सती देवी नं प्राण त्याग या क गु सह या य म फ या व अत्यं
त को छ जु या व स्व गल मिखानं मि पित क या व थ व शिल स ची न ज टा छ पु च त फ ना पृ थि व ला
म मान गु य कं च ता वा तं ॥ थो वेल स विश द न हा ला व अत्यं त को छ मूर्ति जु या व चो न स च तु र्व
ष्टि जो गि नी ग रा नं लि त का व मि खानं ज क मि पित क या व मे च लु २ नं फे या व ला हो त वो वो
स्या ना व्र तु ति व स्वा ना व्र मुं द मा ला नं को खा या व्र स ज क फ फ त या व्र ज व ला हा त नं का ल स
मान र व रु या छा या व्र ह त न तं हिला व्र आव छु छु छ ल पो ल या छु दु र्व जु ल जि नं छु या य मा

॥स्तस्था॥

॥२५॥

लभाज्ञाविवधकंधयावमहाकालीछस्रउत्पतियातं॥थनंलिहकनंजगदीश्वरनंजद्यछ
फुचतफुतावपृथ्वीसचतावातं॥थोवेलसपृथ्विनायंदोलायमानजुयकंविशदूनहालावसिंह
नारतयावदोलछितेसूर्ययातेजप्रकाशजुवथंतेजपितकयावसंजकफहफहतयावजव
लाहातनंविश्रुलपाछायावभूतप्रेतपिशाचनलितकावजगदीश्वरयाद्येवनेवोनावसंजक
चुलुश्चनंफेयावहतततंहिलावभावजिपनिसेनंछुयायमानछलयोलयाछुडुरवजुलआ
ज्ञादस्यविज्पायमालधकंविनतियानावचोनं॥थनंलिश्रीजगदीश्वरनआज्ञादयकलंभो
विरभद्रमहाकालीछपनिथय्यवनावसुयस्वकोटिदेवतानंरक्षायानावतयाफदक्षप्रजा
पतिमोचकावद्याजगपविध्वंसयानावतथ्यमालहनंवयाजिलाजनपनिदकोंचुर्गामूलथ
नावतथेमालध्वतेयाकारणसछपनिआराधनायाना॥भोविरभद्रमहाकालीभावछेप
निस्रयासांनंदिभृदिप्रथमगनविष्मज्वरभूतप्रेतपिशाचपनिस्यनलितकावजनीध

॥राम॥

॥२५॥

कंभासादयकलं॥ थोतेजगदीश्वरयाआशाशिलसधरलपावचरणसंभोकपुयावविरभ
दमाहाकालीनिस्संचतुरषष्टीजोगीनिगराभूतप्रेतपिशाचविष्मज्वरपनिसेनंलितकावके
लासपर्वतनकोहाविजातं॥ थनंलिगाथिगुणकारणविजातधातसाप्रलयकालसश्रीमहा
देवकोठलपुथ्यअत्पंतकोठजुयावभयंकरमूर्तिजुयावमिखाजकहाउककनाववाकट्ट
टक्षेयावत्रिशूलखड्गपाछायावचतुरषष्टीजोगिनीगनंनलितकावमेघगर्जलपुथ्यहालाव
कालव्रथंजन्मकिंकरव्रथंपृथ्विदलायमानजुयकंवलं॥ थवेलसपृथ्विमातानंपृथ्वी
कुबुयमफयावत्राहि२कंपमानजुयावऋगुलिदिगसंभोषावोलं॥ हनंजलजंतुथलजंतुपनि
त्राहिकंपमानजुलं॥ थगुलिप्रकारांविरभइमहाकालीपनिस्सनंविशदूनहालावदक्षप्रजा
पतियाजज्ञसुखातवनं॥ थवेलसदक्षप्रजापतियाजज्ञसचोकोदेवतापतिसकल्पत्राहि२जु
यावचोनं॥ थवेलविरभइमहाकालीपनीसेनंदेवलोकपनिखनावअत्पंतकोधजुयावकिं

स्वस्था॥
॥२६॥

सिवथा नमसिंह उवाच वनं वना व भर्षोरन जुह्यातं॥ धोवेन सनिपक्षेया सेनानं जय पराज
यनं त्वातं॥ गथिं गुप्रकारनं जुह्यात धालसा थव २ शस्त्र अस्त्र न प्रहार्याना वनिगुलि समु
द्रत्वा कथं थिथिं दाया व सिह व सिं हत्वा कथं जुह्याना वचो नं॥ धोवेन सविरभ दम हा कालि
पनि सेनं देव लोक पनि रु विश्व लख ऊनं प्रहार्याना वना को २ देव ग राय नि जो ना व वान उवा
ना व तुति न जुया व मोल स्व क पपा ना व ज ज स हा क ति ना व छोतं॥ हनं भूत येत पिशाच पनि
सेन ला को २ देव ता य नि म्या मि क जो ना व वान उवा ना व ला को २ देव ता य नि ला न या व हि तो
ना व हि न का य का व ध्य क २ चु ला व ला ला था संप्या ख न जुया व सु ख नं जुलं॥ हनं आ का स स
गृध कोष इ मा प नि सेनं वि श द् २ हा ला व मंड ल का या व ला न या व वि पु रु जु य का व जुलं॥ ह
नं ज मु क प नि स्प न ला न या व वि पु रु जु य का व जुलं॥ धो वे न स द क्ष प्र जा प ति या से ना प नि
अ षि मु नि य क्ष गं ध र्व किं न र दे त्प दान व अ ष रा ग न य नि त्रा हि २ जु या व द श दि ग सं वि स्य

॥ रामः॥
॥२६॥

वनं॥ पुनर्वारिणीवेकुंठनाथनारायणप्रभितिर्नितिसकोटिदेवतानं दक्षप्रजापतिरक्षायायनि
मिर्तिनतत्कारनंथवरशस्त्रअस्त्रसमंत्रजोजलपात्रदकोदेवतानं विरभद्रमहाकालीपनिनि
ह्रजकतुस्वयात्रथवरशस्त्रअस्त्रप्रहारयानात्रमेघहावथ्यविशहनहालात्रकिसिवथानरव
नात्रसिंघदुवातवनर्थ्यविरभद्रयासेनादुवातवनं॥ थोवेलसविरभद्रमहासंग्रामजुनंग
थिंगुप्रकारनंजुधजुलधालसाथिथिसिंहनादतयात्रहृषभत्रहृषभमत्वाकथ्यनिगुलिसमु
द्रनायलातथ्यंऊनुनंतहालात्रथिथिंपुरुषार्थदुथ्यं वज्रनंकयकात्रमहाकल्यलनंजुद्रयाना
त्रचोनं॥ गथिंगुशस्त्रअस्त्रप्रहारयानात्रजुद्रयातधालसाव्यास्त्रइन्द्राष्टदेव्याष्टवरुनाष्ट॥ अ
ग्निष्टशक्तिनोमलभृदिपासगदाखड्गमुशलमुंगलनागपाशवज्रादिनानाशस्त्रअस्त्र
नयाहारयानात्रछोतं॥ थोवेलसविरभद्रमहाकालीचतुर्षष्टीजोगिनीगरानंदिभृदिषथमग
नभूतप्रेतपिशाचविषमजोरध्वपनिस्यनथत्रकेशस्त्रअस्त्रप्रहारयाकस्वयात्रअर्पतकोठजु

॥ चस्था ॥

॥ २७ ॥

याव कलिखानं नं जगत्प्रथमं विशद नहा लाव किं सिवथान स सिंघ उवा तथ्यं छ पा क नं लाय बुया
ब्रदेव लोकं स्वयाव उवा नाव त्रिभूल खड्ग नं प्रहारया नाव लाक्ष २ देव जक्ष गंधर्व किं नर दैत्य
पनि द्यामि कं जो नाव मोल सो क फ्या नाव ज श स ड्या व छो तं ॥ हनं भुत पेत पिशाच यनि स्यनं ला
को २ जक्ष गंधर्व किं नर यनि मोच का व हि नं काय का व ध्ये क २ चु नाव हट्ट टं हि ना व प्या ख न ड्या
व जु नं ॥ थुगुलि प्र कार रं विर भ ड म हा का लि य नि स्य नं देव लोक य नि स्या क र व ना व पुन व र देव
लोक य नि स क ल्प मु ना व थ व २ श स्त्र अ स्त्र स मं ज जो ज ल पा व म हा का लि या के प्र हा र या तं ॥ थो
वे ल म हा का लि या के श स्त्र अ स्त्र जु य तु नं भ स्म जु या व व नं ॥ थो वे ल स म हा का ली नं थ व के श स्त्र
अ स्त्र प्र हा र या क र व ना व अ त्प त को छ जु या व छ पो ल नं क य का व ना ल स अ पा नं क य का व छो
या थ्य चि चा थ ना व का ल स मा न ख ड्ग नं प्र हा र या ना व छो तं ॥ हनं भुत पेत पिशाच यनि स्यनं ला
क्ष २ देव ता य नि जो ना व ना ना प्र कार नं सा थि या तं ॥ थुगुलि प्र कार नं सा स्ति या क र व ना व को ठा न

॥ रामः ॥

॥ ३७ ॥

कोटियक्षगंधर्वकीनरदैत्यदानवउत्पतिजुयावहापायाहुनछिवलपितकायावअंतंतजयावचोन
गुखगनआदि नानासस्त्रअस्त्रजोनावसिंहनादतयावसंसारमर्थनयायतेनबेलसकालरुद्रको
ठरपुथंअपंतमचायावमिषाजकछाउककनाववीरभडमहाकालिपनिफोजसहुवानावभूत
पितपिसाचपनिस्रअनेगसस्त्रअस्त्रप्रहोरायानावमहाकलोलजुद्धयातं॥थवेलसविषमजोरय
निस्यनदकोदेवतापनिस्रविषमजोलनपुयकावविलं॥थवेलसदेवलोकपनिसकल्पविषम
जोरनपुयावचेतमदयावपृष्ठीसगो२तुलाववयहावर्थहालावचोनं॥थथेदेवलोकपनिगुलिं
विषदिनावचोनघनावश्रीवैकुंथनाथनागराजुलसांथवसरारनसीतांगवायुनकयकावदको
देवगनपनिचेत्तादयकावविलं॥थनंलीपुनर्वारसकलदेवतापनिचेत्तादयावफयानफयाथेवय
दनावअंतंतकोठजुयावमिषाजकछाउककनावनागनीनस्वासतयाथंबेल२सहस्रकालजक
तयावपुनर्वारथव२सस्त्रअस्त्रजोनावमेघगर्जलपुथंविशहूनहालाववीलभडतुस्वयावछपोल

॥ स्वस्था ॥

॥ २७ ॥

नंगा कला खड्याव दुबानाव नाना सख अखन प्रहरयाना वज्रु द्रयाना वविजातं ॥ गधिं गुप्रकारन
जुद्धयात धालसा सिंह वसिंहत्वा कथं निरुलिस मुदना पला कथं निपक्षया सेना न जय पराजय न
द्रयाना वचोर्न ॥ थवे लस वील भद्रया अनेत कोठ जुयाव वलिषान नन्या वथे विसहन हाला व विस
रहितु हिल काव देव लोक यनि फोज स विज्ञाना व विसूरन प्रहरयाना व मस्तक छिन या ना वला को
देवता पनि जो ना व जगे कुंदल स डुया व छोतं ॥ थवे लस देव लोक यनि ज्ञाना व थ व र जी व र क्षा या यनि
मिर्ति न फयान फयाथे विसेवनं ॥ थवे लस विसूरया प्रहार से हल पे म फ यनि जक विसेवने म फ
याव पृथि संतु भोक सु ना व चोर्न ॥ गुलिं विला पयाना चोर्न गुलि छिन चाहि ना रा यन र ध कं हाला व
चोर्न ॥ हनं गुलि स्यां मस्तक छि वज्रु याव चोर्न गुलि स्यां ला हात छिन जुयाव चोर्न ॥ गुलि स्यां ज तो क ध
ला व चोर्न ॥ गुलि स्यां तु तितो क ध ला व चोर्न थ गुलि प्रकार न वीर भद्र न देव लोक यनि चूर्ण भूत थ ना
व विलं ॥ थो वे ल स चतुषष्टि जोगि निगण नं दि भं दि प्रथम गण विषम ज्वल भूत पे त पि सा च यनि से

॥ राम ॥

॥ २७ ॥

नदेवलोकपनिस्तअनेगमाथनवोलवियावलायवुयावसोनं॥थनंलिश्रीवैकंठनाठमारयराण्डु
लसांथवपरिवारसकलेंविसेवनस्वयाववीलभडमहाकालियासेनापनिसेनहेलायाकस्वयावह
नंदक्षप्रजापतियाजगेविध्वसयाकस्वयावअतंतकोळजुयावमिथाजकल्याउककनावअमीजोज
लपुथेंजाजोलेमाननतेजपितकायावनागननीनस्वासतयाथेंवेलवेलसर्गसूकालजकतयावह
पायाडुगनछिवलपितकायावजवलाहातनकोमोदकीगडापाछायावखवलाहातनपांचजनेसंघ
जोनावपृथ्वीनासयाकवेलसमहाकोळजुयाववलीषाननजावथेंविशदनहालावकालववथेंज
मकिंकलववथेंसकलेंजाहि२जुयकंपांचजनेसंघपुयावविरभडतुखयावगडाहितुहिलका
वप्रलयकालसमेघगर्जलपुथेंलावगथकिंसिवथानससिंहडुवातवनथेंवनावपुनवीरदेव
लोकपनिजवववसचोनाववीरभडमहाकालिपनिसवजुझ्यात॥थ्वेलसश्रीमहाकालिनंहतार
सनंकालसमानखर्गपाछायावअमीजोजलपुथेंतेजपितकायावहटनंहिलावदेवलोकपनि

॥ स्वस्था ॥

॥ २५ ॥

फोजसविज्यानावरवर्गनपालावदेवलोकपनिसंहारयातं ॥ ध्ववेलसदेवलोकपनिसकलेंचाहि २
जुयावदसदिगसंविसेवनं ॥ हनंगुलिछिंदेवलोकपनिसेनजितरक्षाया २ धकंहालावनाएयनया
कसरनवनं ॥ ध्ववेलसदेवलोकपनिसकलेंविसेवनस्वयावगुलिंथवकेसरनववरवनावअवैक्रीठ
नाठनारायणयाअतंतकोठजुयावकोमोडकीगडाहितुहिलकावनिर्घातनंहयकायाववीरभड
याजुगलसलातकंकोमोडकीगडाप्रहारयातं ॥ ध्ववेलसवीरभडनअनारायनयागडायाप्रहार
सेहलपेमफयावधेधेचुलावनवदारनहिहोयावरनभूमीसगेततुलावमुक्षजुयावचानं ॥ ध्ववे
लसनारायणनजुलसांचौसठिजोगिनिगणनंशभिदिप्रथमगनभूतपितपिसाचविषमज्वलय
निसकलेंचाहि २ जुयकंपांचजनेसंषययावविलं ॥ हनकोमोडकीगडायाछायाववीरभडयासेना
सडवालवनं ॥ ध्ववेलसचौसठिजोगिनीगननंदिभिंदिप्रथमगनविषमजोहध्वपनिसकलेंचाहि २
जुयकंपांचजनेसंषययावविलं ॥ हनकोमोडकीगडायाछायावविरभडयासेनासडवातं ॥ ध्ववे

॥ राम ॥

॥ २५ ॥

लसदेवराजप्रभिति तेतीसकोतिदेवतानं हनंजक्षनंधर्वकिन्नरदेत्यदानवअसुरनागलोकद
सदीगपालपनीसेनआकाससंचोनावपालिजातस्वानवागातकावधनेनारायनस्यावास
पापिष्ठवीरभद्रमोचकुल॥ श्रीवैकुण्ठनाथनारायनयाजयजुयमालधकगुनवर्णयानाव
वीलभद्रयातलायवुयावेचोने॥ थनेलिजक्षप्रजापतियाजिलाजनपनिसेनलायवुयागुसव
दन॥ हनंनारायनयासंयद्युयाशवदन॥ हनंदेवलोकपनिसेनहुंडुभिवादेथानागुशवदन
थस्वतायासवदनश्रीविरभद्रयाचेष्टादयावतत्कारनं वपदनावस्वकवेलस॥ थवपरिवारसक
लंरनभूमीसगोलतुलावमुक्षाजुयावमिषानमिपितकायाववाकट्टट्टहेयावकालसमान
विभूलनप्रहारात॥ थवेलसनारायननजुलसंविश्रयाप्रहारसेहलेपमफयावधेधेचु
लावनवद्वारेनहिहोयाव॥ रनभूमिसगोलतुलावमुक्षाजुयावचोने॥ थवेलसविरभद्रनजुल
सांनारायणमुक्षाजुवयनाववलीघाननउठावथंविसेदनहालावलायवलं॥ थोवेलसवीरभ

॥ स्वस्था ॥

॥ ३० ॥

इनलायवुया सवदनचोसठिजोगिरिगंगां नंदीभिंदिपथमगनभूतप्रेतपीसाचविषमज्वल
पनिचेष्टादयाववषदनावसकवेलसनारायनरनभूमीसगोलगुलावमुक्षजुयावचोनखनावछ
पोलनंगतकलायवलं ॥ थनंलिमहाकालिनंधनेरमहाविरवीलभदधकंअनेगमाथनगुनवनीया
नावचोनं ॥ थनंलीवैकुंठनारायनयांचेष्टादयाववाठामिकंदनावस्वयावथवतत्रिधूरनप्रहार
याकस्वयावअंततकोठजुयावपृथ्वीसंहारयाकेवलसकालरुद्रकोठलपुथंफाचिकनंतमचा
यावमिपुसकुंडलकावनागनीननिस्वासतयार्थेवेलरसम्राजुकालजकतयावविरभद्रतुस्वयाव
आज्ञादयकलं ॥ भोपापिष्टवीरभद्रआवृत्तिनिछजिलाहातिसलातथनीतिनिछनपानकयाव
दक्षप्रजापतियाजगेपूर्णायाय ॥ भोपापिष्टवीलभद्रछंफतकावतेतिसकोतिदेवतायांमनसंतो
षयायभोपापिष्टथनीयादीनसछनतएकादसरुद्रछनपक्षजुयाववलसांछनपारारक्षामजु
ल ॥ भोपापिष्टथजिलाहातिसचोनगुदकोशत्रुयारक्तपानयानावचोनगुसुदर्शनचक्रखनला

॥ राम ॥

॥ ३१ ॥

धकंचक्रहितुहिलकावकेनं॥ थवेलसनारायनयाछिडवचनउठनाववीरभडनजुलसांअंतंत
कोधजुयावधालं॥ भोपापिष्टमहाविलुछमहाविलुषतसारवजकहूनावचोनेमसुछनअमद
कोशनुयारक्तपानयानावचोनगुसुदर्शनचक्रछनपुरुषार्थदुधेंजिकेप्रहारयानावहकिधकहत
कावछोतं॥ थवेलसवीरभडयाछिडवचनउठनावश्रीदेकंथनाथनारायणनजुलसांजमकिंकल
कोठलपुथेंकोधजुयावहेवानावसुदर्शनचक्रसमंत्रजोजलपाव॥ चक्रहितुहिलकावमंत्रपद
पावतवशवदनहालाववीरभडनुस्वयावसुदर्शनचक्रप्रहारयानावछोतं॥ थचक्रगथेवनधा
लसापृथ्वीसंहारयायवेलसकालरुडकोठजुयावबलीषाननंणवथंविशवदनहालावपर्वसा
तोवथंअग्नीजोजलपुथंतेजप्रकासयानावमहावीरविलभडनुस्वयावमहावेगनवनावचो
नं॥ थवेलसमहावीरवीलभडनजुलसांथचक्रववरवनावहतासनकालसमानत्रिशूलपाछाया
व॥ हततंतनहीलावस्तुसफयावब्राह्मयायावचोतं॥ हनंथचक्रवववनावनंदीभिदिप्रठम

॥ स्वस्था ॥

॥ ३९ ॥

गनभूतप्रेतपिसाचविषमजोलथपनिसकलेग्यानावत्राहि२महाकालि॥त्राहि२वीरभडधकंज्ञा
नावसरनवनं॥थनंलिथसुदर्शनचक्रहितुहिलावमहावीरवीलभडनुस्वयावकालवनथंवनार
ववीरभडयाल्लुसजुतवनं॥थ्वेलसमहावीरवीलभडनजुलसांथ्वसंसारसकालकुतथहाव
यावपृथ्वीनासयायतेनवेलसश्रीजगदिस्वरननुयाछोयतेनवेलसथंवीरभडनथ्वसुदर्शनचक्र
नुयाछोयतेनं॥थ्वेलसश्रीवैकुंठनाथनारायननथवसुदर्शनचक्रवीलभडननुयाछोयतेनरव
नावहता२सनंवांवांवनारमहावीरवीलभडयाल्लुसचोनगुसुदर्शनचक्रचामिकंकयावहता
२सनंथववैकुंठपुरसविसेवनं॥॥थनंलिपुनवीरजक्षगंधर्वकिंनरदेतेदानवलोकपनिस
कलंआकाससविज्यानावहालावचोनं॥आवजकदक्षप्रजापतियाप्राणारक्षामजुलछानधालसा
श्रीनारायनयाथिंगुसुदर्शनचक्रअमिथाजुयाववनं॥हनंश्रीवैकुंठनाथनारायण॥रनभूमिसध
चक्रपाछायावचोनवेलस॥तेतीसकोठिदेवदानंलीतकावमहादेवविज्यातसां॥श्रीवैकुंठनाठना

॥ रामः ॥

॥ ३९ ॥

रायरात्रजुद्धयायसामर्थमहुः भो देव लोक थिंस्त्री नाराय न सुद्राविसेवन ॥ भो देव लोक पतिश्च
तेन श्री नाराय राया सामर्थमहुः शिव हल पागन सामर्थ दयुधक देव राज प्रभितिंद को देव गन प
ति आकास संचो ना व्रथि थिं हला वचो नं ॥ ॥ थनं लि श्री महावीर वील भद्र नजुल सां श्री नाराय
रा विसेवन स्वया वहनं सुदर्शन चक्र अमिथ्या या यधु न का व स कल देव लोक पति विस्पन्न स्वया
व ॥ श्री विल भद्र श्री महाकाली चो सथि जोगिनि गन नं दिभिं दिष्ट मगन विषम जोल भूत पेत पि
सा चादि पति सेन थ वर शस्त्र अस्र जो ना व वील भद्र महाकाली नित्य सेनं स जक फ हत या व अ
ग्नि जो जल पु व थं जा जो ल्य मान नं ते ज पिका या व ॥ स्व गोल मिषानं मि पित का व हनं द्या थ धाल
सा आकास थेंत या व स्वयं ना पं भयं कर मूर्ति जु या व मे ज क चु ल २ न फे या व काल रुद्र को ठ पु
र पु थं क्रो ध जु या व वली घात न न्ना व थें विस व द न हला व गन पा पिष्ट दक्ष प्रजा पति चो न ॥ अ
न थें न कं व ना व पा पिष्ट दक्ष प्रजा पति या च स रु मि कं जो ना व तु ति न क्रु या व मोल सो क फ या

॥ स्वस्था ॥

॥ ३२ ॥

नावजग्यसदुतिनावछोतं ॥ ॥ ध्वबेलसथीमहाकालिचोसठिजोगिनिगननंदिभिंदिषठमग
नविषमजोलभूतपेतपिसाचपनिसेनछपोलनंगाकलायवुलं ॥ धंने२विरभडशिवनिंझया
कलपापिष्टदक्षप्रजापतिमोचकु ॥ भोवीरभडछलपोलववीरसमानतैलोकेसंमडुधंने२छल
पोलधकंनानामाठनगुनवर्णायानावपरमआनंदनविज्यातं ॥ ॥ थनंलिदक्षप्रजापतियाकला
तविरनीधयात्मनथवप्राणसमानपुरुषवीरभडनमोचकुस्वयावतवफसनकयावकलील
मागोलतुवथंस्थीसगोलतुलावमुक्षाजुयावचोनं ॥ हनंषछिलनावचेष्टादयावमिषानजक
षोविधार२हायकावविलापयातं ॥ हायवान२जिमिसाजातियाकातनंतयावछलपोलजक
गनविज्याना ॥ भोप्राणनाथआवजिनसुयाद्यालस्वयावध्वप्राणरक्षायय ॥ हायप्राण२जिपा
पिनीवानावछलपोलजकगनविज्याना ॥ हायप्राण२जगदीस्वरकुसुमजकथ्वजगेसमवोनानथ
थिंगुअवस्थानयमाल ॥ भोप्रभुस्वामिआवजिमिसाजातिनकुयायभोप्राणनाथजिविधवायाना

॥ राम ॥

॥ ३२ ॥

ब्रह्मलपोलजकगराविज्याना जिं अनं वोन विज्यायमालधर्कथवनुगलसथमनंदायात्रथवप्रा
रासमानदक्षप्रजापतिनप्राणागयाकस्वयात्रमहाडःखनविलापयानावचोन ॥ थनंलीपु
नर्वारथवथेथमनं चित्तदृढयानाव श्रीवीलभडयाथासवनानाव विनतिया नाव मिषानंजक
खोविधाराशहायकाववीरभडयाचरणसंभोकपुयात्रविनतियातं ॥ भोविलभडमहाकालिह
लपोलयाचरनसकोतिश्नमस्कारजिमिसाजातिषनावदयाकृपातयमाल ॥ भोविलभडमुख
दक्षप्रजापतिप्रतकावविज्यायमते ॥ भोवीरभडब्रह्मलपोलयाचरणसकोटिश्नमस्कार भोविल
भड हनंजिविनतिउनेमालदक्षप्रजापतिधयाप्रतिअहंकारिथुका ग्यानयाचेष्टाधयागु
भ्याकसुधांतमदयावचोनसथथिंस्सुमुखयाउपरसकरुनानस्वसेविज्यायमाल ॥ भोवीलभड
थमनंष्टुष्टियानावदयकावतयास थमनंनासयानावविज्यायमते ॥ हनं ब्रह्मलपोलगथिंस्सधा
लसाथ्वसंसारयामातापीताधयाह्ये ब्रह्मलपोल हनंपापपुनंयासादिजुयावदकोपानियाजग

॥ स्वस्था ॥

॥ ३३ ॥

लसविज्या नाव आत्मायु रूषधायंका वविज्या कलं छलपोल ॥ हनं हे ईश्वर छलपोल गथिं सधा
लसा बसा विष्णु महेश्वर धायका वस्व लनं छल जंया व हनं कारन विसेषं छल नं स्व लजु या ववि
ज्या कलं छलपोल थथिं सपर मेस्वर या तकोटि २ नमस्कार ॥ हनं हे ईश्वर छलपोल गथिं सधा
लसा रजोगुण तमोगुन संत्वगुन ॥ थो सो गु गु नं छलपोल हनं छलपोल गथिं सधा लसा थ्व सं
सार सधृष्टिया नाव विज्या कलं छलपोल स्थिति दयका वविज्या कलं छलपोल हनं संहार या ना
वविज्या कलं छलपोल ॥ थथिं स ईश्वर या तकोटि २ नमस्कार भो वीले भद्र छलपोल थिं सधा ल
सा स्थावर धया लं छलपोल जंघ मधया लं छलपोल ॥ हनं इष्ट जन संहार या नाव साधु जन र
क्षया नाव विज्या कलं छलपोल थथिं स इष्ट संहार या नाव विज्या कलं या तकोटि २ नमस्कार
भो पर मेस्वर छलपोल गथिं सधा लसा स्व गुलि भवन या नाथ जु या वविज्या कलं छलपोल थ
थिं स त्रैलोक्ये नाथ या चरन सकोटि २ नमस्कार ॥ भो तैलोक्ये नाथ निरंजन धया लं छलपोल प

॥ रामः ॥

॥ ३३ ॥

निः हनं दुखिदरिद्रया सरन वयसं छलपोल हनं ज्ञान याज्ञान सं छलपोल हनं आदिमंडु अं
तं मंडुधया सं छलपोल ॥ भोषभुस्वामि छलपोल यामहि मा हूय गनत हूय ॥ भोषभुस्वामि श्व
संसार सदको अषिमुनि जोगे स्वरूप निसेन जोगनं लुय केमजि वल्लु छलपोल अनाथ या नाथ जुया
व विज्या कल्लं छलपोल ॥ हनं पृथिविया भाला कोता से विज्या कल्लं छलपोल जगत्माता धायका
व विज्या कल्लं छलपोल जगत्माता धायका व विज्या कल्लं छलपोल दसदिगपाल धया सं छल
पोल कालया काल सं छलपोल मृत्युया मृत्यु सं छलपोल जमया जम सं छलपोल सर्व व्यापित
धया सं छलपोल दको देवताया परब्रह्म धया सं छलपोल हेरुस्वर जिमिसा जाति न छलपो
लया लुतिया य सामर्थ मंडु ॥ हेरुस्वर छलपोल या लुतिया य चतुर्मुख ब्रह्मायां सामर्थ मंडु सेव
नागयाग मे मंडु हनं थ्व संसार सदको प्राणिया गुह्य या व विज्या कल्लं सारदायां भल सामंडु भोस
सीसेवर जिमिसा जातिया कु सामर्थ दयु ॥ हे परमेस्वर श्रीविलभ दम हा कालि जिपापिनीया

॥ त्वस्था ॥

॥ ३४ ॥

भावन छलपोल पनिसंतोषजु सेविज्यायमाल ॥ हे वृषभध्वज जिअज्ञानिषनावकरुनाक
पादसेविज्यायमाल ॥ भोजगं नाथजितस्वामिवरदासविस्पविज्यायमाल ॥ भोइस्वरमुखज
नदक्षप्रजापतियादो नविरामसकलेशमायासेविज्यायमाल ॥ भोस्वामिवीरभद्रमहाकाली
छलपोलयाचरणसकौटिनमस्कारधकंविरनीधयाहनथस्वामियाउपरसमिखानजक
षोविधारारुहायकाव श्रीवीरभद्रमहाकालिमिससयाचरणसभोकपुयावविलापयानाव
चानं ॥ थवेलसवीरनीनविलापयाकयनाव आकाससचोनदेवलोकपनिसेनं ॥ श्रीविरभ
द्रमहाकालीनिससयाकेपुष्यवृष्टियानाव आकाससंविज्यानावविनतियानावहलं ॥ भोवी
रभद्रमहाकाली छलपोलपनिववीरपराक्रमित्रीलोकेसंसदु भोविरभद्रमहाकाली अममृ
र्विदक्षप्रजापतिफुलकेमने अमयातजीवदानविसेविज्यायमाल ॥ भोवीरभद्रमहाकालि
थमनंश्रुष्टियानावतयासथमनंनासयानावविज्यायमने ॥ भोवीरभद्रमहाकालीथेलिजि

॥ रामः ॥

॥ ३४ ॥

पनि विनति ठसे विज्या यमाल ॥ अम विरनियात विधवा या नाव विज्या यम ते स्वामि वरदान प्र
सेन जु से विज्या यमाल धकं दक्ष सुजा पतिया जिला जन पनि सेन आका सस दो ना वपालि
जात या स्वान बागात काव थुगु लिपकार न विनतिया नाव चीनं ॥ ॥ थनं लि देव लोक पनि
सेन विनतिया करव नाव हने विरनी न मिखान बो विधार २ हाय काव महड खन विलाय या कख
या व श्री विरभ डम हा काली निस सया अतिक रुना व नाव आ जो दय कलं ॥ भो विरनी आव जि
पनि सेन छु धाय ॥ छन त स्वामि वरदान विय जा मडु मदत सां छु या य छन विलाय या रुख ना
व जिपनि अतिक रुना चाय धुन हने छन उपर स देव लोक पनि सेन विनतिया तं ॥ भो विर
नि छन विलाय या यम ते ॥ भो विर नि छन न अव सेन स्वामि वरदान विय छन ज क जिपनि
सेन धाय छु धाल सा छन स्वामि या खेल जज्ञ स ड य धुन ॥ आव जज्ञ सबली दान वि से तया प
सुया छेल छु नाव विय ॥ भो वीरणी छन धाल सा छन स्वामि न जग दिश्वर या त ना नामा थन

॥ स्वस्ति ॥

॥ ३५ ॥

बोलविलनिंशयातथतेनपसुयासेलनछुनाववियछनमनसजिवलाधकंआज्ञादयक
लं॥थोतेवीरभडयाआज्ञाडनावविनतियांत॥भोपरमेस्वरअमषगथेविनतीयायभोपर
मेस्वरछलपोलपनिसेनगथेजिलअठेयासेविज्याडनेधकविनतियांत॥श्वतेविरनीयावि
नतिडनाववीरभडनजगेसबलीदानदिसेतयापसुयाछेलकयावपापिष्टदक्षेप्रजाप
तियासससेलनलिस्वकाछुनावस्वातकावविलं॥॥थनलिविरभडनआज्ञादयकलं॥
भोवीरणीछनउपरसपरमेस्वरदेवलोकपनिसेनविनतियात॥थोतेयाकारनजिअतिक
रुनाचायाभोविरनीआवछनस्वामिछनतकावधकविरनीयातस्वामिवरदानविलं॥श्वेल
सविरनीनजुलसांथवनस्वामिवरदानविवरवनावमनसरसतायावविरभडमहाकालीनि
ससयाचरणनसअर्घवियावपूजायानावविनतियांत॥भोपरमेस्वरविरभडमहाकालीछल
पोलयादयानजिविधवामजुलधन्य२छलपोलपनिछलपोलयाचरनसकोति२नमस्कारहेई

॥ रामः ॥

॥ ३५ ॥

स्वरथनिजिउपरसदयाकृपाडुथेंसदाकालंछलपोलयासेवकतुंभालपावदयाप्रसन्नजुसे
विज्यायमाल॥ हनंजिमिदोनविगमक्षेमायास्यविज्यायमालधंकदेवराजप्रभितिंमुखदक्ष
पुजापतिविनिहिनसहितनंअनेगमाथनस्तोत्रयानाववीरभद्रमहाकालीनिससयाचरनसं
भो कपुयाववेलाकयावथवस्थानसवनावपरमआनंदनचोन॥ ॥ थनली श्री विरभद्र
महाकाली नजुलसाजगदीस्वरयाआज्ञाथेतिसकोतिदेवतानिर्मुलथनावअसोमेधजज्ञ
विध्वंसयानाव श्रीवैकुंथनारायणयासुदर्शनचक्रथिंगुअमिथ्यायानाव हनंशिवनिद्राया
कलदक्षपुजापतिमोचकावपुनर्वीरहनंजीवदानवियाव॥ विरनीयामनसंतोषयानावद
कोदेवलोकपनिसेनंमानेयातकावधन्यवीरभद्रमहाकाली स्यावास्धकंधायकावचोस
थिजोगिनीगननदिभिदिप्रथमगनभूतप्रेतपिशाचविषमृज्वलथवपरिवारसकलेमु
नकावथवथेथमनंरसतायावरनभूमिनैतोलतावतत्कारणवायुवेगनंअंतर्धानजुयाव

॥ स्वस्था ॥
॥ ३६ ॥

केलासपर्वतथ न कलविज्या नाव श्रीजगदीश्वरयाचरणसंभोक्तपुयावविनतियात ॥ भोज
गदीश्वरछलपोलयाआज्ञार्थं पापिष्टदक्षप्रजापतियाजज्ञेविध्वंसयानावदकोदेवतापनिनाश
यानाव नारायनयासुदर्शनचक्राथिगुअमिथ्यायानावछोयतेना ॥ भोस्वामीथनलीदेवलोक
पनिसकलेंविसेवनस्वयावपापिष्टदक्षप्रजापतियांमोलसोकपयानावजज्ञेसुडतिनावछो
या ॥ भोस्वामिथनलीविरनीनजुलसांमहादुखनविलापयानावस्वामिवरदानफोन ॥ इनदे
वलोकपनिसेनंअनेगमाथनविनतियात ॥ भोस्वामिथ्वेवेलसजियनिअतिकरुनाचायाव
जग्यसकलिदानविस्यतयापसुयाछेलछुनावछेलनलित्वतकावछुनावविद्या ॥ भोस्वामिछ
लपोलयाआज्ञार्थंयानाववयधुनधकराभूमियावित्तारकनावचोनं ॥ ॥ थनलिश्रीज
गदीश्वरनवीरभद्रमहाकालीनिलसयाविनतिनेनावदेवलोकयातचूरामुतथनावपापीष्ट
दक्षप्रजापतीयाछेलजग्यसदुयावहनजज्ञसवलीदानविसेतयापसुयाछेलछुनावम्यात

॥ रामः ॥
॥ ३६ ॥

कावच्छागमुखयानावतथेधुनधकंधयावश्रीजगदीश्वरपुसिजुयावआज्ञादयकलं॥भोवी
रभद्रमहाकालीधन्य२ छलपोलपनिपापिष्टदक्षेप्रजापतियाजेशविध्वंसयानावहनंतेतिस
कोटिदेवतामोचकावहनंपापिष्टदक्षेप्रजापतियातछागमुखयानावप्रयधुनधकधान॥थते
नजिमनसअतिआनंदजुल॥भोविरभद्रमहाकालिआवछपनिफ्रापायाथंजिकेलिनजुयाव
विज्याहुनेधकंधआज्ञादयकलं॥थतेमहादेवयाआज्ञानेनाववीरभद्रमहाकालीनिस्रैसनंश्री
जगदीश्वरयाचरणसंभोकपुयावलीनजुयावविज्यातं॥सतीदेवीयाकारणसरनभूमिसंग्राम
जुवगुखथुति॥॥थनंलीपुनर्वारश्रीजगदीश्वरनजुलसांसतीदेवीयागुनवर्णालुमनावथवर
चिन्नदृष्टयायमफयावनुगलमछिनावगनपापीष्टदक्षप्रजापतिनअस्वमेधजज्ञयातअनथपन
कविज्यानावजगेसचोनमसतीदेवीयामृतकसरीरथकायावथवरववमुदेसफेतुतकावरव
वलाहतिनघसपुनावसतिदेवीनप्राणत्यागयाकगुलुमनावस्वगोलमिखानखोविहायका

॥ स्वस्था ॥

॥ ३७ ॥

वृ. बालनं बालनापलातकावृ. हाये प्राणेश्वरी २ आवृ. जिन सुया रवाल स्वयावृ. थव प्राण रक्षाया य.
॥ हाय सती २ जिको छु. कृति नाय सा कृति मया से छन गथे प्राण तोलता ॥ हाय प्राण २ छन गथे जि
गुमाया तोलता वृ. प्राण त्याग याना ॥ हाय सती २ जिया कत वाना वृ. छज कगन वृ. ना वृ. चो ना. भो प्रा
नेश्वरी छगन वृ. ना जितं अनवो नवा यो ॥ भो प्रिय आवृ. जिस्मिता वृ. वये वेल स सुनान जिगु एस ग जि
धतुर तत्कारनं वियु ॥ भो प्राणेश्वरी हनं जिस्मिता वये वेल स तत्कारनं क मंडलु जो ना वृ. तुति चाय
कल वृ. यु. आवृ. सुनान चाय कल वृ. यु ॥ भो प्रिय आवृ. जिन सुया रवाल स्वयावृ. चो ने ॥ भो प्राणेश्वरी
छविना न जित सुं मंडु. हाय प्राण समान छ म द त संलि जिन के ना स गथे याना वृ. रक्षाया य ॥ हनं
जि धे व ने चो ना वृ. अने ग माथ न ब्याल या ना वृ. नाना तर हया ख हाना वृ. चो न्यु आवृ. सुनान थुगु ख
लायु ॥ हाय प्राण २ जिज क म्बाना चो नाया छु प्रयोजन ॥ भो प्राण समान सदा कालं जिथा स चो ना
वृ. पाप पुन्य या खडु ना वृ. चो सु आवृ. थुगु ख सुनान उ सु भो प्रिय छन गथे पापि दृ दक्ष प्रजापति

॥ रामः ॥

॥ ३७ ॥

याकारनसगथेप्राणत्मागयाना॥ भोप्राणछुनतउघुनुनारद्वनायंवववेतसजिनधाया॥ भोप्रिय-
असजगेसछवनसाछवजिववायमात्युधकंधयाभोप्रिय आवजिनधयाथेजुल॥ भोसति जिअ
नाथयानावछजकगनवना भोप्राणछुविनानजिप्राणमचोनधकंमिरवानघोविधारारहाय
कावविलापयानावविज्यातं॥ हनंसतीदेवीयागुनवर्तलुमनावदुःखसेहलयेमफयावथव
नुगलसथमनंदायावहायसती २ हायप्राणधकंविलापयातं॥ हनंसतीदेवीयाकामकुडालुम
नायतवफसनकलीलमागोलतुवथेपृथ्वीसगोलतुलावमुशाजुयावविज्यातं॥ हनंचेष्टादयावस
तीदेवीथवमुदेसफेकतुतकावरखालनंखालनांपलातकाव॥ हायप्राणधकंविलापयातं॥ ह
नंसृतकसरिरसपितुपिसेहायप्राणधकंविलापयातं॥ हनंथवथेथमनंचित्तदृढयानावसती
देवीयामृतकसरिरलुकुनछिनावजगेकुंदलनतोलावनानामाथनविलापयानावपृथ्वीभूमल
पावविज्यातं॥ हनंदेसशपतिंहिलावहायप्राणेश्वरीधकंविलापयानावविज्यातं॥ हनंसतीदेवीया

॥ स्वस्था ॥

॥ ३८ ॥

गुनलुमनाव ॥ हायसती २ धकं विलाययानावचोनं ॥ हनंसती देवीया मृतकपाद्यायावधवचिन्न
नभालयेमफयावअचेतनेजुयावसभामंडुमथंहालावचोनं ॥ हनंलालाथासंगोलस्तुलावव
यहावथंहालावजुलं ॥ हनंसमशानयतिथ्वमृतकजोनावलालाथंहालावचोनं ॥ हनंसती देवी
यामृतकसरीरमहादेवयाकेचोनयानिमितिर्नम्वाकलथंचोनावचोन ॥ थथेचोनरंनावमहा
देवनमायातोलेतेमफयावमृतकसरीरघसपुनावस्वगोलनेत्रनंवेविधारा २ हायकावसमशान
संतुविज्यानावचोनं ॥ हनंथुगुलिथानसंतोलतावसती देवीयामृतकलुकनछिनावतिथपतिंवा
सयानाववनपतिंहितुहिलावगनंवेकनयानावगनंलुकनछिनाव ॥ हायसति २ धकं विलाय
यानावउलमजाजुयावताकारं पृथ्वीमंडलउलावजुलं ॥ ॥ थनंलिमहादेवथथेजुवधनावदेवरा
जप्रभृतिंसकलदेवतायामनसहतासचायावदेवराजनआज्ञादयकलं ॥ हेदेवलोकपनिजिनखछु
तिविनतियायडोसविज्याहुनेगथेधालसाधुसमहादेवथथेहुयानथ्ववलादसुनानरशायायुसती

॥ रामः ॥

॥ ३८ ॥

देवीयाकारनश्रीजगदीश्वरनपृथ्वीभूमलपावविज्यात ॥ भोदेवलोकध्वतेयाकारनसतीदेवीयामृतक
तोततकेमालसुयासामर्थदुधकठनं ॥ ध्वतेलसदेवलोकनविनतियातं भोदेवराजअमगुज्याजिय
सुयासामर्थमदुःश्रीवैकुंठनाठनारायनछलसेनवाहीकनमेवदेवतायासामर्थमदुधकविनतिया
तं ॥ ध्वतेदेवलोकपनिविनतिठनावदेवराजनआज्ञादयकलं ॥ भोदेवलोकआसाहिजिससकलंनारा
यनयाथासवनेनयोधकंआज्ञादयकावदेवराजप्रभितिंसकलंमुनावश्रीवैकुंठसविज्यानावनाराय
नयाकेविनतियातं ॥ भोनारायणजियनिविनतिनेस्यविज्याऊनेछुवालसाश्रीजगदीश्वरध्वतेछुयान
ध्ववसांडसुनानरक्षायाय भोनारायणध्वसंसारसछलपोलवश्रीजगदिश्वरनिहसेनरक्षामया
तसासुनानरक्षायाय ॥ ध्वतेनश्रीजगदीश्वरधालसासतीदेवीयामृतकसरीरधसपुनावपृथ्वीभूमल
पावविज्यात ॥ भोविस्वभरध्वतेयाकारनजियनीसेनवीनतियातवया भोनारायणआवछलपोलसेन
गथजिलअथेयासेविज्याऊनेधकविनतियातं ॥ ध्वतेदेवलोकपनीविनतिठनावनारायननआज्ञाद

॥ स्वस्था ॥

॥ ३९ ॥

यकलं ॥ भो देवराज छपनी नासचायमते जिन थव मायान असक भुजिनी दायका वसती देवी या मृत
कसरि र्धोल गित का व विय निश्चय जुल ॥ भो देव लोक आव छपनि थव थास असरा वति दुनिध क आ
ज्ञा दय कलं ॥ थनं लि श्री नारायण या आज्ञाने ना व देव लोक यनि सकल यां मन सर सता या व परं व स
या चर न स भो क पु या व वे ला क या व थ व र थान स पर म आनंद न विज्यातं ॥ ॥ थनं ली श्री नारायण न
जुल सां थ व मायान असो क भुजिनि दाय का व महा देव न घ स पु ना व त या ल सती देवी या ला सकलं
धोल गित का व पे ता २ न कृति न व य का व महा देव या के न तो ल त का व विलं ॥ थनं लि पु न वी र सती देवी
या ला ग न २ कृति न व न अन र पी ठ उत्पति जुलं गुलि पी ठ उत्पति जुल धा ल सा पंचा स पि ठ उत्पति जु
लं ॥ ५० ॥ थनं लि श्री परं व स नारायण न पर म आनंद न विज्यातं ॥ थनं ली ह्या पां अंग पत न जु व था न स
ने पा ल मंड ल म धे ने पा ल पी ठ उत्पति जु या व श्री गु ह्ये श्वरी देवी ॥ श्री चंद्र घं ठा जो गिनी सिधे स्वर नाम
श्री महा देव उत्पति जु या व शिव शक्ति स्वरु प जु या व विज्यातं ॥ थ गु ली था न पु ने भू मि जुलं थ व था न स

॥ रामः ॥

॥ ३९ ॥

इन्द्रादिदेवलोकपनिव्यावृत्तानामाथनतपस्यानावविज्यातं॥ श्वेत्तसपरमेस्वरिषुसिजुयावभाजा
दयकलं॥ छपनिःसतेजुगत्रेताजुगः द्वाफलजुगः कलीजुगः संमनुक्षलोकनतेतीसकोतिदेवताध-
कमानेयायमालधकवरदानविलं तथास्तुधकफोनं॥ १॥ धनलीनुगलकतिनवनथासश्रीका
मरुपधयानामपीठउत्पत्तिजुयावश्रीकामुक्षादेवी श्रीविकर्त्तजोगिनी॥ श्रीचक्रेश्वरनामश्री
महादेवउत्पत्तिजुयावसिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं॥ थुगुलीथानपुंनेभूमिजुलं॥ श्वथानस
जक्षगंधर्वयनिव्यावृत्तानातरह्यातपस्यायातं॥ श्वेत्तसईश्वरीरसतायावृच्छपनीस्वर्गमध्य
पातालसंनामप्रव्यातिजुयमालधकआसिर्वादेविलं॥ तथास्तुधकफोनावृत्तनं॥ २॥ धनलीच
सपोलयाकेशकुतीनवनथासवारानसिधयाक्षेत्रसः श्रीवारानसीधयानामपीठउत्पत्तिजुयाव
॥ श्रीविसालाक्षिदेवी॥ श्रीशंकराजोगिनिः विसेश्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवशक्ति
स्वरूपजुयावविज्यातं॥ थुगुलिथानपुंनेभूमिजुलं श्वथानसगंधर्वयनिव्यावृत्तानामाथनमेह

॥ स्वस्था ॥

॥ ४० ॥

लावत पस्यायानावचो न ॥ ध्ववेल सपरमेश्वरी संतोष जुयाव आशा दय कलं ॥ छयनी सेन मेहाला
वचो ने वेल स जगत् संसार मोह जुय माल धक वरदान विलं ॥ तथा सुधक फोनं ॥ ३ ॥ थनं लि मे कति न
वन था स का स्मि रि धया था स श्री का स्मि रि धया नाम पीठ उत्पति जुयाव ॥ श्री सारदा देवी श्री घोर धं ठा जो
गिनी ॥ सर्म धाने स्त नाम श्री महा देव उत्पति जुयाव शिव सक्ति स्वरूप जुयाव विज्यातं ॥ थुगुलि थान पुं ने
भुमि जुलं ॥ ध्वथान स किं न र प नि व या व नाल मृदंग था ना व त प स्या या तं ॥ ध्ववेल स परमेश्वरी सुसि
जुयाव आशा दय कलं ॥ छयनि सेन ताल मृदंग ठा ना व चो ने वेल स जगत् संसार मोह जुय माल धक व
रदान विलं तथा सुधक फोनं ॥ ४ ॥ थनं ली ज व हू स पो त क ति न व न था न स पो र वं ध न ध या क्षे त्र स
श्री पो र वं ध या ना म पी ठ उत्पति जुयाव श्री अं विका देवि श्री चंद्र वे गा जो गिनी धर्म स्वर नाम श्री महा दे
व उत्पति जुयाव शिव सक्ति स्वरूप जुयाव विज्यातं ॥ थुगुली थान सिद्ध भुमि जुलं ध्वथान स दे ते ग न प
नि व या व न व क ह न त प स्या या तं ॥ ध्ववेल स परमेश्वरी संतोष जुयाव आशा दय कलं ॥ छयनी सेन

॥ रामः ॥

॥ ४० ॥

देवलोकयातजुहुयाय फयमालधकवरदानविलतथास्तुधकफोनं ॥ ५ ॥ थनंलीस्रयाक्षेगुलीकुति
नवनथानस कारेकुवजाधयाक्षत्रसश्रीकारेकुवजाधयानामपीठउत्पत्तिजुयावविज्यातं ॥ श्रीरुंके
स्वरीदेवी श्रीचदाजोगिनि श्रीदुधानेस्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयाववि
ज्यातं ॥ थुगुथानमोक्षभुमिजुलं ॥ थ्वथानसरावनपनिव्रयावसेकचित्तनतपस्यायातं ॥ थ्वेलस
परमेस्वरिरसतायावआज्ञादयकलं ॥ छपनीसेनंदेवलोकवजुहुयायफयमालधकवरदानवि
लं तथालुधकफोनं ॥ ६ ॥ थनंलिखवयामिषाफसिकुत्तिनवनथास पूर्णगिरिधायाक्षेत्रसश्रीप्र
र्णगिरिधयानामपिठउत्पत्तिजुयावविज्यातं ॥ श्रीपूर्णदरीदेवी श्रीकपालकुंदरीजोगिणी ॥ चंडेश्वर
नामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलिथानहर्षभूमीजुलं थ्वथानस
अपसरगरापनिव्रयावनानामाथनतालमृदंगथानावइस्वरयातचामलनगायकावप्याघनहुया
वतपस्यायातं ॥ थ्वेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं ॥ छपनिदेवराजयाथासप्यावनहु

॥ स्वस्था ॥

॥ ४१ ॥

यावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥
कुर्येवेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥
स अमुंदाचलधयाक्षत्रस श्रीअमुंदाचलधयानामपीठउत्पत्तिजुयावत्तपस्यायातं ॥ श्रीमुकां विकादेवी श्री
कालीकाजोगिनी श्रीईष्यावरुकेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावत्तपस्यायातं ॥ श्रीशिवसक्तिस्वरूपजुयावत्तपस्यायातं ॥
शुगुलीथानसिद्धभूमिजुलं ध्वथानसनारदमुनिविज्यानावरेकचित्तनमंत्रबोनावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥
न ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीसंतोषजुयावत्तपस्यायातं ॥
थास्तुधकफोनं ॥ ७ ॥ ध्वनलीजवलाहातकृतिनवनथानस अश्रातकेस्वरधामाक्षत्रस श्रीअश्रातके
स्वरनामपीठउत्पत्तिजुयावत्तपस्यायातं ॥ श्रीआंश्रातकेस्वरीदेवी श्रीएकाक्षिजोगिनी श्रीनिंद्रापतेस्वर
नाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावत्तपस्यायातं ॥ श्रीशिवसक्तिस्वरूपजुयावत्तपस्यायातं ॥ शुगुलीथानपुनेभूमिजुलं ध्वथान
स राधिकागणपतिव्यावचामलनगायकावत्तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेश्वरीपुसिजुयावत्तपस्यायातं ॥

॥ रामः ॥

॥ ४१ ॥

दयकलं॥ छपनीसदाकालं श्रीकृष्णयांजव्रवदसचोनेदयमालधकवरदानविलं तथासुधकफोनं॥ ६
॥ थनंलीखवयाहसपोतकृतिनवनथानस एकावरधयाक्षत्रस श्रीएकावरधयानामपीठउत्पतिजु
यावविज्यातं॥ श्रीसिद्धेस्वरिदेवी श्रीसिद्धाजोगिनि श्रीदधेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पतिजुयाव शिवशक्ति
स्वरूपजुयावविज्यातं॥ थथानसरत्नभूमिजुलं थथानसकर्णवीरसमसानप्रभितिसमशानसक
लं वयावतयस्यायातं॥ थवेलसपरमेस्वरीरसतायाव आज्ञादयकलं॥ छपनिसेनमृतकसकलं भस्म
यायमालधकवरदानविलं॥ तथासुधकफोनं॥ १० ॥ थनंलीमरद्वारकृतिनवनथानस श्रीत्रिकुत
धयाक्षेत्रस श्रीविश्वतकधयानामपिठउत्पतिजुयावविज्यातं॥ श्रीमहाकारेस्वरीदेवी॥ श्रीविकट
ष्टाजोगिनी चंपकेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पतिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं॥ थथायसपु
ण्यभूमिजुलं॥ थथानसजन्मराजापनिवयाव अनेगमाथनतयस्यायातं॥ थवेलसपरमेस्वरीसंतो
षजुयाव आज्ञादयकलं छपनिसेनवस्त्राणश्छिद्याकोनाशयायकयमालधकवरदानविलं॥ तथासु

॥ स्वस्था ॥

॥ ४२ ॥

धकफोनं ॥ ११ ॥ थनंली ककु कतिनवनथास कामरोक्तकधयाक्षत्रस श्रीकामरोक्तकधया
नामपीठउत्पत्तिजुयावविज्यातं ॥ श्रीकामिनिदेवी ॥ श्रीलंजिकाजोगिनी मालेस्वरनाम श्रीमहादे
वउत्पत्तिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थथानसपृथ्वीमातावयावतपस्यायातं ॥ थवे
लसपरमेस्वरीषुसिजुयावआज्ञादयकलं ॥ छष्टिथानजुयावचोनेमालधकवरदानविलं ॥ १२
॥ थनंलिजवयातुतिपालिकतिनवनथास श्रीकैलासपर्वतपीठउत्पत्तिजुयाव ॥ श्रीपार्वतीदेवी
श्रीलंजिकाजोगिणि विस्वभरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥
थुगुलिथानसिद्धभूमिजुलं ॥ थथानसचतुर्मुखवस्त्रावयावजगेपाठयानावतपस्यायातं ॥ थवे
लसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआग्यादयकलं ॥ छनतस्वर्गमध्येपातालसंष्टिकर्त्तायायगुजुलध
कवरदानविलं तथासुधकफोनं ॥ १३ ॥ थनंलिथथुगुवाकतिनवनथासभूगुधयाक्षत्रस श्रीभूगु
धयानामपीठउत्पत्तिजुयाव श्रीमीनाक्षोदेवी श्रीवज्रदेहाजोगिणि सतेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्ति

॥ रमः ॥

॥ ४२ ॥

जुयावः शिवशक्तिस्वरूप जुयावः विज्ञातं ॥ थुगुलीथानधर्मभूमिजुलं थ्वथानसधर्मदत्तराजावयावः
एकचित्तनजोगयानावतयस्यायातं ॥ थ्ववेलसपरमेस्वरीरसतायावआज्ञादयकलं छनतधर्मन
ग्वस्सेनंफयमालधकवरदानविलं तथास्तुधकफोनं ॥ १४ ॥ थनंलीदेपालाहातकुतिनवनथा
सकेदारधयाक्षत्रसः श्रीकेदारधयानामपीठउत्पत्तिजुयावविज्ञातं ॥ श्रीकेदारेश्वरीदेवी श्रीकोमुं
दाजोगिणि श्रीकोतेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूप जुयावविज्ञातं ॥ थुगुथा
नहर्षभूमिजुली ॥ थोथानसएकादशरुद्रयनिवयाव एकचित्तयानावतयस्यायातं ॥ थोवेलसप
रमेस्वरी संतोष जुयावआज्ञादयकलं ॥ छपनिहिं छस्मउत्तिजुयमालधकवरदानविलं तथास्तुध
कफोनं ॥ १५ ॥ थनंलीजवयामिषाकुठिनवनथास चंद्रप्रधयाक्षत्रसः श्रीचंद्रप्रधयानाम
पीठउत्पत्तिजुयावविज्ञातं ॥ श्रीसिद्धिकालिदेवी श्रीसिद्धाजोगिनी श्रीप्रकासेस्वरनाम श्रीमहादेव
उत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूप जुयावविज्ञातं ॥ थुगुलीथानसिद्धभूमिजुलं थ्वथानसदसदिगुपाल

॥ स्वस्था ॥

॥ ४३ ॥

पनिव्रयावतपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं छपनिद्रिरुली
दीप्तायां नायकजुयावचोनेदयमालधकवरदानविलं तथास्तुधकफोनं ॥ १६ ॥ धनंलिकपा-
लयाल्लुक्कतिनवनथानस श्रीधयाथानस श्रीधयानामपीठउत्पतिजुयाव श्रीभद्राक्षिदेवी श्री
भद्राजोगिणी कमलेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पतिजुयाव शिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्ञातं ॥ धु-
गुलीथानपुंन्यभूमिजुलं ॥ ध्वथानसअस्तसिद्धिपनिव्रयाव तपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरी
संतोषजुयावआज्ञादयकलं ॥ छपनिचास्रम्यां मनवांछापूर्णाजुयमालधकवरदानविलं ॥
१७ ॥ धनंलिनाभिक्कतिवनथास सकावरधयाशत्रुस श्रीएकावरधयानामपिथउत्पतिजुया
व श्रीएकावरीदेवी श्रीगौराक्षिजोगिनि मातकेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पतिजुयाव शिवशक्ति
स्वरूपजुयावविज्ञातं ॥ धुगुलिथानपुंन्यभूमिजुलं ध्वथानसअनेग २ या नागराजापनिव्रयाव ॥
हेरामोति मनिमानिकेछायावतपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरी धुसिजुयावआज्ञादयकलं ॥

॥ रामः ॥

॥ ४३ ॥

छपनि सप्तपातालाया अधिपतिजु यमाल धक वरदान विलंत तथा लुधकं फोनं ॥ १८ ॥ थनं
लिकोथुसुतुसिकुतिनवनथा सजा लंधरधयाथा स श्रीजागां धरधयानामपी ॥ उत्पतिजु या
व विज्यातं ॥ श्रीजाल पादेवी श्रीज्वाला मुखिजोगिनी पिशाचेवरनाम श्रीमहादेव उत्पति
जु यावसिव शक्ति स्वरूप जु याव विज्यातं ॥ थुगुलिथान ससिद्ध भुमिजुलं ॥ थ्वथान सकामधे
नुसाव याव थव शरीर नं दुहाय काव तपस्यायातं ॥ थ्वेल सपरमे स्वरी संतोष जु याव आ
ज्ञादय कलं ॥ छन चो धि सकता कार्य संपवित्र जु यमाल धक वरदान विलंत तथा लुधक फो
नं ॥ १९ ॥ थनं लिख व यातु तिया लिखु टिनवनथा स मल्लवधयाथा स श्रीमल्लवधयानाम
पिथ उत्पति जु याव विज्यातं ॥ श्रीमहाकाली देवी श्रीकमलाजोगिनी ॥ श्रीभुवारेस्तरनाम श्री
महादेव उत्पति जु यावसिव शक्ति जु याव विज्यातं ॥ थुगुलिथान पवित्र भुमिजुलं ॥ थ्वथान सक
दश रासिपनि व याव तपस्यायातं ॥ थ्वेल सपरमे श्वरी रसता याव आज्ञादय कलं ॥ छपनि

स्वस्था

॥ ४४ ॥

सेन मनुष्ये संसारसंनिगुलिरितुभिनके मभिनके छपनिषु सिद्धय मालधक वरदान विलं
तथारुधक फोन ॥ २० ॥ थनं लिस्मया संदको कति नवनथा सकुशला त कधया शत्रु स श्री कु
सलांत कधया नाम पिठ उत्पति जु या व श्री सम साने श्वरी देवी ॥ श्री मुंद घंटा जोगिनि क्षीरे
श्वर नाम श्री महादेव उत्पति जु या व शिव शक्ति स्वरूप जु या व विज्यांत थुगुलि थान सिद्ध भू
मि जु लं ॥ थथाने स निय हस स्मनं शत्रु गनपनि वया व त पस्या यांत ॥ थो वेल स परमे श्वरी र
स ता या व आशा दय कलं ॥ छपनि थु स संजोतिक सा खया अधिपति जु य माल धक वरदान
विलं तथारुधक फोन ॥ २१ ॥ थनं लि जवला हात कुटिन वनथा स श्री देवी कोठ धया शत्रु स
श्री देवी कोठ धया नाम पि थ उत्पति जु या व ॥ श्री भद्राक्षी देवी श्री ललिता जोगिनी माने श्वर
नाम श्री महादेव उत्पति जु या व शिव शक्ति स्वरूप जु या व विज्यांत ॥ थुगुलि थान स सिद्ध भू मि जु
लं ॥ थो था य स मे ष रा सि प्रभितिं दको वया व आदर भावनं त पस्या यांत ॥ थवे ल स परमे श्वरी

॥ रामः ॥

॥ ४४ ॥

रसतायाव आज्ञा दय कलं ॥ छपनि हिंनि सं देव लोक र्या मनुष्य लोक र्या अधिपति जुय माल
धक वरदान विलंत था सुधक वरदान फोनं ॥ २२ ॥ थनं लिख वया ह्रस पोत कुटिव नथा स
गो कर्ण धया क्षेत्र स श्री गो कर्णेश्वरी देवी श्री भैरवी देवी एक जंघा जोगीनी जोगेश्वर नाम म
हा देव उत्पति जुया व ॥ शिव शक्ति स्वरूप जुया व विज्यातं ॥ थुगुलि थान स सिद्ध भूमि जुलं थ
थान स विस्कं भष भित्ति जोग दकों वया वत पस्या यातं ॥ थो वेल स परमेश्वरी संतोष जुया व
वरदान विलं ॥ छपनि सकलं जोगिक सास्त्र स अधिपति जुय माल धक वरदान विलं ॥ तथा सु
धकं फोनं ॥ २३ ॥ थनं लिख वया या को कुति न वनथा स मातुलेश्वर धया क्षेत्र श्री मातुरेश्व
रियिथ उत्पति जुया व विज्यातं ॥ श्री जोगेश्वरी देवी श्री विंगला जोगीनी दुग्धेश्वर धया नाम श्री
महा देव उत्पति जुया व विज्यातं ॥ थुगुलि थान पुराण भूमि जुलं थो थान सकने पत्र अधिपति वया
वत पस्या यातं ॥ थो वेल स परमेश्वरी सुखि जुया व आज्ञा दय कलं ॥ छपनि चतुर्वेद दया अधिपति

॥ स्वस्था ॥
॥ ४५ ॥

जुयमालधकं वरदानविलंतथास्तुधकं फोनं ॥ २४ ॥ थनं लि को थुवा कति नवनथास अह
हासधयानामक्षेत्रस श्रीअहहासधयानामपिथ उत्पति जुयाव श्रीभुमला देवी श्रीसंघधरा
जोगीनी ॥ सप्तभुतेश्वरधयानाम श्रीमहादेव उत्पति जुयाव शिवशक्ति स्वरूप जुयाव विज्यातं
थुगुलिथान सपुराण भूमि जुलं ॥ थोथान वागमति पिभिं तिं गंगा दको वयाव गंगा जल छाया
वत पस्यायातं ॥ थोवेल सपरमेश्वरी सतो व जुयाव आशा दय कलं ॥ छुपति सरिर संसारया भु
क्ति मुक्ति हाता जुयाव सागरधक अगं म्य जुयाव चोने माधकं वरदानविलंतथास्तुधकं फोनं ॥
२५ ॥ थनं लि देया या दुहु कटि नवनथास विलोधयाथान स श्रीविलोधयानामपिथ उत्पति
जुयाव ॥ श्रीभुवनेश्वरी देवी श्रीभुवनं वाजोगीनी कृष्णवर्णेश्वरनाम श्रीमहादेव उत्पति जुयाव
शिवशक्ति स्वरूप जुयाव विज्यातं ॥ थुगुलिथान सपुराण भूमि जुलं थोथान स श्रीकृष्णराधिका ग
नवयाव नाना माथनं संगल गीतया नावत पस्यायातं ॥ थोवेल सपरमेश्वरी भुसि जुयाव आशा द

॥ रामः ॥
॥ ४५ ॥

यकलं॥ छयनिरवनाव जगत्संसारं त्रैलोक्य मोहयाय फयमातधर्कवरदानविलतथा सुध
कंफोनं॥ २६॥ थनंलिजवलाहानयाचुत्पाकृतिनवनथासराजगृहेयाक्षेत्रस श्रीराजगृहे
धयानामपिथउत्पत्तिजुयावराजेश्वरीदेवी॥ श्रीउल्कायोगीनि श्रीहरगोश्वरनामश्रीमहादेव
उत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं॥ थुगुलिथानमोक्षभूमिजुलं थोथानसवायुदे
वतावयाव नस्वाकश्रीखंडवायुनकमकावतयस्यायातं॥ थोवेलसपरमेश्वरीकृतार्थजुया
वआज्ञादयकलं॥ छथोसंसारयाप्राणिदेकोपापारावायुजुयमाधर्कवरदानविलतथा सुध
कंफोनं॥ २७॥ थनंलिजवयापालिकुठिवनथानस श्रीमहापथधयाक्षेत्रस॥ श्रीमहापथध
यानामपिठउत्पत्तिजुयाव श्रीपुचंनिकादेवी श्रीरेणुकाजोगिनी विस्वामित्रेश्वरनामश्रीमहादे
वउत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं॥ थुगुलिथानसपुन्यभूमिजुलं थथानसअप
सरागरापनिवयाव पाखनऊयावतयस्यायातं॥ थोवेलसईश्वरीपुसिजुयावआज्ञादयकलं

॥ स्तस्या ॥

॥ ४६ ॥

छपनिसेनदेवराजर्षिप्रभितितेतिरकोटिदेवतामोहजुयमालधकवरदानविलंतथास्तु
धकंफोन ॥ २८ ॥ थनंलिखाथकृतिनवनथासश्रीकोरापुरधयाक्षेत्रस ॥ श्रीकोरापुरनामपि
थउत्पत्तिजुयाव ॥ महालक्ष्मीदेवी श्रीसुनंदाजोगीनी श्रीशमसानेश्वर श्रीमहादेवउत्पत्तिजुया
वशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ योगुलिथानरत्नभूमिजुलं थोथानसगरुडराजपनिव
याव रत्नफलछायावतपस्यायातं ॥ थोवेलसपरमेश्वरी सुसिजुयाव आशादयकलं ॥ छप
निष्ठनागलोक आहंरदयमालधकवरदानविलंतथास्तु धकंफोन ॥ २९ ॥ थनंलिजवपुलि
कृतिवनथास एकापूरधयाक्षेत्रस ॥ श्रीएकापूरधयानामपिथउत्पत्तिजुयाव श्रीसाधुछि
देवी श्रीरक्तपाजोगीनी उलमतेश्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयाव
विज्यातं ॥ थुगुलिथानरत्नभूमिजुलं थोथानसूलोहदकोवयावतपस्यायातं ॥ थोवेलसश्वरी
प्रसन्नजुयाव आशादयकलं ॥ छपनिसरिरदेवलोकयाअंगजुयावचोनेदयमालधकवरदानवि

॥ रमा ॥

॥ ४६ ॥

लं तथा सुधक फोनं ॥ ३० ॥ थनं लिथ थु सुतु सिकति न वन थान स वं कारे स्वर धया क्षत्र स श्री वं कारे स्वर
रधया ना म पीठ उत्पति जु या व विजा तं ॥ श्री मा त्रिका देवी पुंदरी जोगिनी श्री निसंताने स्वर नाम श्री म
हा देव उत्पति जु या व शिव सक्ति स्वरूप जु या व विजा तं ॥ थु गुलि थान मोक्ष भूमि जुलं थ्व थान स कल्प
वृक्ष सिमा व या व नाना तरु रूपा रत्न फल छा या व त य स्या या तं ॥ थ्व वेल स पर मे श्वरी र स ता या व आज्ञा
दय कलं छन सरी र न स क तां पदार्थ उत्पति या य फ य माल ध क व र दान विलं तथा सुध क फोनं ॥
३१ ॥ थनं ली स्वला कति न वन थान स श्री जयंति पूर ध या क्षत्र स श्री जयंति पूर धा या ना म पीठ उ
त्पति जु या व श्री जयंति देवी श्री खेचरी जोगिनी श्री कल्पे श्वर नाम श्री महा देव उत्पति जु या व शिव
सक्ति स्वरूप जु या व विजा तं ॥ थु गुलि थान सुद्र भूमि जुलं थ्व थान स तुल सि कु स प नी व या व त
प स्या या तं ॥ थ्व वेल स पर मे श्वरी र स ता या व आज्ञा दय कलं ॥ छ य निस्त म नु क्षे लोक न माने या त का व
चो ने दय माल ध क व र दान विलं तथा सुध क फोनं ॥ ३२ ॥ हनं तुल सि या तं व र दान विलं छन त का ति

॥ स्वस्थां ॥

॥ ४७ ॥

कमयनालहिमनुशेलोकनअतिमानेयायमालधकवररानविलंतथासुधकफोनं॥ थनंलीहिपा
चकतिनवनथानसश्रीउर्जयनीधयाथानस॥ श्रीउर्जयनिधयानामपीठउत्पतिजुयाव॥ श्रीमहाक
लिदेवी॥ श्रीललजिह्वाजोगीनि॥ रुंकेस्वरनामश्रीमहादेवउत्पतिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्या
तं॥ थुगुलीथानसिद्धभूमिजुलंथथानसहिमालसपर्वतप्रभितिपर्वतदकौवयावतपस्यायातं॥ थवे
लसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं॥ छपनिसेनसकललोकयातं॥ मोक्षवियफयमालधकवर
रानविलंतथासुधकफोनं॥ ३३॥ थनंलीजवयावपिकोचकतिनवनथास॥ श्रीचरीत्रपूरधयाक्षत्रस॥ श्री
चरीत्रपूरधयानामपीठउत्पतिजुयाव॥ श्रीसुवर्णेश्वरीदेवी॥ चित्रावराजोगिनी॥ वासुदेस्वरनामश्रीमहादेव
उत्पतिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्या॥ थुगुलिथानसपुन्यभूमिजुलंथथानसजोगिणिगणपति
वयावचोनं॥ थवेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं॥ छपनिसमंत्रसिद्धजुयमालधकं व
ररानविलंतथासुधकफोनं॥ ३४॥ थनंलीघाथयागोलकतिनवनथानसश्रीशिरकाप्रधाया

॥ रामः ॥

॥ ४८ ॥

क्षत्रसः श्रीक्षिरकापूरधयानामपीठउत्पत्तिजुयावः श्रीजुगसादेवी श्रीकलंकिनिजोगिनि सहस्र
नेत्रेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावः शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलिथानपुनंभूमि
जुलं थोथानसमात्रिकागनपनिवयावतपस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरिसंतोषजुयावभागा
दयकलं ॥ छपनीपीठगणसथानशयानकिंजुयावचोनेदयमालधकवरदानविलंतथास्तुधक
फोनं ॥ ३५ ॥ थनंलीजवलाहातयालपाकृतिनवनथासः श्रीहस्तिनापूरधयाक्षत्रसः श्रीहस्तिना
पूरधयानामपीठउत्पत्तिजुयावः ॥ श्रीचंडेस्वरीदेवी श्रीकोतराक्षिजोगिणि श्रीमुसुवारेस्वरनामश्री
महादेवउत्पत्तिजुयावः शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलिथानसिद्धभूमिजुलं ध्वथानससु
दर्शनचक्रवयावः लाहातहाजलपावविनतियानावचोने ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरीरसतायावआज्ञाद
यकलं ॥ छपनिसेन ध्वसंसारसः सत्यः त्रेता द्वाफलकलि ध्वप्यगुलिजुगसं देत्यसंहारयायफयमा
लधकंवरदानविलंतथास्तुधकफोनं ॥ ३६ ॥ थनंलिजलसीकृतिनवनथासः विलोनामक्षत्रसः श्री

॥ स्वस्था ॥

॥ ४८ ॥

विलोधयानामपीठउत्पत्तिजुयाव रुंकेश्वरीदेवी श्रीरुंकारिजोगिनी कुंडलेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्प
त्तिजुयावसिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलिथानसिद्धभूमिजुलं थ्वथायसविस्वकर्मावयाव
अनेगमाथनचित्रविचित्रचोयाव देवलदनावतपस्यायातं ॥ थ्वेवलसपरमेस्वरीरसतायाव आग्याद
यकलं ॥ छनतवुद्धिनसुनानंमफयमालधकवरदानविलं तथासुधकफोर्नं ॥ ३७ ॥ थनंलीमस्तकऊ
तिनवनथास श्रीउट्टहासक्षत्रस श्रीउट्टहासधयानामपिठउत्पत्तिजुयाव श्रीविमलादेवी श्रीपिंगला
जोगिनी ॥ जक्षस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलीथानहर्व
भूमिजुलं ॥ थ्वथानसहनुमानप्रभितिं माकदकें वयाव नानातरहयाफलमूलछायाव हनुमानपु
लावतपस्यायातं ॥ थ्वेवलसईस्वरीकृतार्थजुयाव आशादयकलं छपनीसकल्पं रामचंद्रयास्यव
कजुयावचोनेदयमालधकवरदानविलं तथासुधकफोर्नं ॥ ३८ ॥ थनंलिस्पलापाचक्रतिनवनथा
स श्रीप्रियंगुधयाक्षत्रस श्रीप्रियंगुधयानामपीठउत्पत्तिजुयाव सुंदरीदेवी श्रीसिंहवेगाजोगिनी

॥ रामः ॥

॥ ४८ ॥

श्रीमहेंद्रेश्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलीथानपुं
नेभुमिजुलं ॥ थ्वथानसदसअवतारपनिवयाव तपस्यायातं ॥ थ्वेलसपरमेस्वरिषुसिजुयावआ
ग्यादयकलं ॥ छपनिसेनंचतुर्जुगसंदैतेसंहारयायफयमालधकवरदानविलं ॥ तथासुधकफोनं
॥ ३६ ॥ थनंलीअपियापाचकुतिनवनथास श्रीमायापूरनामक्षत्रस श्रीमायापूरनामपीठउत्प
त्तिजुयाव श्रीमायादेवी श्रीचंवलाजोगिनि श्रीतयसेस्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवश
क्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थ्वथानसचतुषष्टिलिंगयनिवयाव तपस्यायातं ॥ थ्वेलसपरमे
स्वरीरसतायावआग्यादयकल ॥ छपमीसकल्पस्वयीभुलिंगजुयावचोनेदयमालधकवरदानवि
लं तथासुधकफोनं ॥ ४० ॥ थनंलीखवयालपाकुतिनवनथानस श्रीमलयागिरिनामक्षत्रस ॥
श्रीमलयागिरिनामपीठउत्पत्तिजुयाव श्रीमालिकादेवी ॥ श्रीकोकलाजोगिनी श्रीकसउत्पत्तेस्व
रनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलीथानसतपस्वीभुवन

॥ स्वस्था ॥

॥ ४६ ॥

जुलं ॥ ध्वथानसभूतप्रेतपिसाचादिपनिवयावनानामाथनप्यारवनऊयावतयस्यायातं ॥ ध्ववेल
सपरमेस्वरीरसतायावआज्ञादयकलं ॥ छपनिसकलंसदाकालजिद्वनायचोनेदयमालधकवर
दानविलंतथास्तुधकफोनं ॥ ४१ ॥ थनंलीयेनयाचकतिनवनथासश्रीमलयागिरिक्षत्रसमलया
गिरिनामपीठउत्पतिजुयावश्रीवज्रेश्वरीदेवी श्रीकोमलाजोगीनी ॥ श्रीजोगेश्वरनामश्रीमहादेवउ
त्पतिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलीथानपुंनेभुमिजुलं ध्वथानससतेगनयनिव
यावतयस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरीरसतायावआज्ञादयकलं ॥ छपनीसदाकालंसतेधर्मसचोने
फयमालधकवरदानविलंतथास्तुधकफोनं ॥ ४२ ॥ थनंलीजुगलपाचकतिनवनथासश्रीसेनध
याक्षत्रस ॥ श्रीसेनधायानामपिठउत्पतिजुयावश्रीउमादेवी श्रीअष्टदुकर्ताजोगीनी श्रीपापके
स्वरनामश्रीमहादेवउत्पतिजुयावशिवसक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं ॥ थुगुलीथानपुंनेभुमिजुलं ध्व
थानस नवयहपनिवयावतयस्यायातं ॥ ध्ववेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं ॥ ध्वसंसा

॥ राम ॥

॥ ४६ ॥

रसमनुक्षयातदयको फलके छयनिषुमिजुयमालधकवरदानविलंतथासुधकंफोर्न ॥ ४३ ॥ थनं
लिच्चापोलकृतिनवनथासमेरुगिरिनामक्षत्रसमेरुगिरिधयानामपीठउत्पत्तिजुयाव श्रीपूर्णगिरि
देवी श्रीकलालिजोगिनि ॥ सत्यजिह्वारेनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयाव विज्या
तंतोथानसंपुंभूमिजुलं ॥ थोथानससप्तसागरपनिवयावतयस्यायातं ॥ श्ववेलसपरमेस्वरी
षुमिजुयाव आशादयकलं छयनिसरीरअंगंमेजुयाव सुनानंथाहाकायमफयमालधकवरदान
विलंतथासुधकफोर्न ॥ ४४ ॥ थनंलीजवतुतियावयाकृतिनवनथानस श्रीमहेंद्रधयानामक्ष
त्रस श्रीमहेंद्रधयानाम पिठउत्पत्तिजुयाव श्रीईडाक्षिदेवी श्रीउर्द्वगमनीजोगिनी ॥ श्रीतारेस्वरना
म श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवशक्तिस्वरूपजुयाव विज्यातं ॥ थुगुलिथानपुण्यभूमिजुलं थथान
सलक्ष्मीदेवतावयाव नानारत्नधनदर्वेछायावतयस्यातं ॥ श्ववेलसपरमेस्वरी संतोषजुयाव
आशादयकलं ॥ छयनिसमनुक्षलोकन आसुन कृष्णयाआमावास्यासुन अतीमानंयायमालध

॥ स्वस्था ॥

॥ ५० ॥

कवरदानविलं तथा सुधकफोनं ॥ ४५ ॥ थनंली देपा ला हातया ल पा कति न व न था न स श्री वा व न
पूरनाम क्षत्रस वा व न पूरनाम पीठ उत्पति जु या व श्री कामे स्वरी देवी ॥ श्री भेरुंडा जोगिनी ॥ श्री वेदां
ते स्वरनाम श्री महादेव उत्पति जु या व शिवशक्ति स्वरूप जु या व विज्यातं ॥ थुगुली थान मोक्ष भुमि जु
लं ॥ थ्व थान स पले खान प्रभितं स्वांद को व या व त पस्या यातं ॥ थ्व वे ल स परमेश्वरी संतोष जु या व आ
ज्ञा दय कलं ॥ छपनि स कलं सदा सर्वदा देवता यनि मिल स चो ने दय माल ध कवरदान विलं तथा
सुधकफोनं ॥ ४६ ॥ थनं लि म चा क्ष कति न व न था स श्री हिरं ने पूरनाम क्षत्रस श्री हिरं ने पूरना
म पीठ उत्पति जु या व श्री न व र त्ने स्वरनाम देवी ॥ श्री पूरेंद्रा जोगिनी ॥ श्री नारदे स्वरनाम श्री महादे
व उत्पति जु या व शिवशक्ति स्वरूप जु या व विज्यातं ॥ थुगुली थान पुं न्य भुमि जु लं ॥ थ्व थान स सरस्वति
व्रया व्रत पस्या यातं ॥ थ्व वे ल स परमेश्वरी संतोष जु या व आज्ञा दय कलं ॥ थ्व संसार स मनुषे यां दे
व लोक यां गुरु जु या व चो ने दय माल ध कवरदान विलं तथा सुधकफोनं ॥ ४७ ॥ थनंली ख व व पि को

॥ रामः ॥

॥ ५० ॥

चक्रतिनवनथास श्रीमहालक्ष्मीर्नामक्षत्रसः श्रीमहालक्ष्मीप्रधायानामपीठउत्पत्तिजुया
व श्रीकामराशिदेवी श्रीदिगंबरजोगिनी ॥ श्रीत्रिकुतेस्वर श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव सिवसक्ति
स्वरूपजुयावविज्ञातं ॥ थुगुलिथानसिद्धभुमिजुलं थ्वथानसअष्टसिद्धापनिव्रयाव्रजालंधर
पनिव्रयाव्रजोगध्यानयानावतपस्यायातं ॥ थ्ववेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयाव्रआज्ञादयकलं
छपनिच्याससयांअष्टसिद्धिनपूर्णजुयमालधकवरदानविलं तथास्तुधकफोनं ॥ ४८ ॥ थनंलि
दुगधकोचक्रतिनवनथास श्रीउद्याननामक्षत्रसः श्रीउद्यानधयानामपीठउत्पत्तिजुयाव श्री
विप्रेरुंदरीदेवी श्रीसुसुकोदरीजोगिनी श्रीभेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाव शिवस
क्तिस्वरूपजुयावविज्ञातं ॥ थुगुलीथानआनंदभुमिजुलं थ्वथानसमेधराजापनिव्रयाव्रतपस्याया
तं ॥ थ्ववेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयाव्रआज्ञादयकलं ॥ छपनिदेवलोकयाआलयजुयाव्रचोनेदय
मालधकवरदानविलं तथास्तुधकफोनं ॥ ४९ ॥ थनंलीहालवाकिलेनगुक्रतिनवनथास श्रीछाया

॥ स्वस्था ॥

॥ ५१ ॥

छत्रनामक्षत्रमश्रीछायाछत्रधयानामपिठउत्पत्तिजुयावश्रीछत्रेस्वरनामदेवीश्रीसुकोंदरीजो
गिनीश्रीपिसाचेस्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावशिवशक्तिस्वरूपजुयावविज्यातं॥थुगुलिथान
पुंन्यभूमिजलंथ्वथानमअष्टांगभैरवपनित्रयावन्नानातरहयाभोगवियावविधिपूर्वकन
पूजायानावतपस्यायातं॥थ्वेलसपरमेस्वरीसंतोषजुयावआज्ञादयकलं॥छ्यनिस्था
स्रअष्टमातृकायानायकजुयावचोनेदयमालधकवरदानविलं॥तथासुधकवरदानफो
नावपरमआनंदनविज्यानावधानं॥५०॥॥पीठयावथुति॥थनंलीपुनर्वारथ्वपृथीवि
मंदलमेसतदेवीयासरीरयाहिफुतिलाफुतिजुयास्रपतिंपीठउत्पत्तिजुयावचोनगुपंचास
पीठप्रमूर्खंरुपावयासंख्या७५०००००००कोटित्वापीठउत्पत्तिपीठदुथुलिपीठंथ्वसंसारसउत्प
त्तिजुयावविज्यातं॥॥हनंथ्वंलिपीठसंजक्षगंधर्वकिन्नरदेवदानवअपसरानागलोकअस्र
सिद्धानारदप्रभितितेतीसकोटिदेवतागंगुरुजुयावतीयाकलहृहस्यतिआदिंविज्यानावजोगेर

॥ रामः ॥

॥ ५१ ॥

प्रमानेयं विधिपूर्वकं पूजामानेयानां वशोपरमेष्ठरी संतोषयानां वसकललोकयातं मोक्षपदवि
यावविज्यातं ॥ धनं लीपुनर्वारं रथसंसारसमनुष्यजन्मजुयावचो नपनिसेन ॥ पंचासपीठदर्श
नयायमाल दर्सनया कल्यासदा सर्वदा कल्यानजुयु मनवांछा पूर्णजुयु सर्वभयनाशजुयु ॥ ह
नंथमन्यानापापनासजुई पुनेमरीरजुयावथ वगुं हे सलक्ष्मिनवासयायु ॥ उभीक्षणाशजुयु अ
थवादर्शनयायमफतसां छगुलिषुनं दर्शनयायमाल ॥ थुलिदर्शनयायमफतसा हे परमेस्वरध
कनामषुनं कायमाल व्याख्यानषुनं डेनेमाल ॥ थुलियाकल्याभतिषुनं पापमोचनजुयु रुनेंथसं
सारसमनुष्यजन्मकयावचो नानं थुस्परमेस्वरीनामकायमफल दर्शनयायमफल व्याख्यान
डेनेंमफल थुस्मनुष्यजन्मकयावचो नायावेर्थधकश्रीचतुर्मुखं स्नानआज्ञादयकावविज्यातं ॥
॥ थुलिपंचासपिठकथासमाप्तजुल ॥ ॥ धनयावथुतिजुल ॥ थनंलिश्रीजगदीश्वरनथ
मनघसपुनावतयास्त्रसतीदेवीयामृतकसरीरुथवकेमदयावथवचिन्नदृष्टयायमफयावस

॥ स्वस्था ॥

॥ ५२ ॥

ती देवी या माया तोलते मफयाव वज्र न कयाव पर्वत गोल तुथें पृथ्वि सगोल तुलाव हाय सति २
धकं नाना माथ न विलाप या नावचोन ॥ हनं चेष्टा दयाव रासु काल जकत याव विज्यातं ॥ थुगुली
प्रकार न सती देवी या कार न श्री जगदीश्वर न चित्त स्थीर या यम फयाव पृथ्वी मंडल भमल पावजु
लं ॥ गुलित सर्मजुल धाल सा सत क्षिद स म्भु मल पावजुलं ॥ ॥ थनं ली छुया दीन मथ मथेथ
मनं चित्त दृढ या नाव स्वक वे ल स सती देवी या मृत कथ व के म डुख ना व मन सभा ल पु आ व जिग
न व ने धकं मन स अंदोल जु या व अन व ने हं म सिया व उत्तर दि सा पाषे स्व से विज्यातं ॥ थनं ली व वं
२ दक्षिण दि सा स कर्णात क धया क्षत्र सख स पूर न गर छ गुली द से चोन ॥ थन गर स सत क्षिद वि
ला क गंगा स नान या य ध क व न ॥ थ वेल स सत छि वं स निय नि से नं थ व माल को ज्या सिद्ध या य
धुन का व सकलें प्या हा व या व छ था स मु ना व चोन ॥ भो पा सा य नि आ व जा हि जि सु यां छुं ज्या मात
हि जि स नं धर्म वु त छ गु जो ने नु यो धकं थि थिं ख ह्ना ना व चोन वेल स श्री जगदिश्वर थुगुली ल न

॥ रामः ॥

॥ ५२ ॥

विज्यातं॥ थोवेलसबुल्लनीपनिसेनथ्वल्लजगदीस्वरषनावथिथिंखल्लतं॥ भोपासापनिस्वर२५
हुंवरल्लजाश्रीमहादेवथुकासतिदेवीमदयावउलुमताजुयावदिगंवरजुयावदेसअमनायानाव
जुल॥ भोपासापनीआवहिजिसनंमहादेववनांपवनेनुयोछानधालसाहिजिसपुरुषपनिचा
नहिर्नंधर्मसजकचोनावकामयारसमडु॥ भोपासापनिथ्वतेयाकारनहिजिसनंजगदीस्वर
नापवनेनुयोधकंसाहुतियायधुनकावश्रीजगदीस्वरसवनापलिव२वनावचोनं॥ थनंलिस
तक्षिअविलोकयागंगासनानयायधुनकावथव२क्षेसवनं॥ थवेलसबुल्लनीजुपनिक्षसमद
यावपिनेवयावमालजुलं॥ थवेलसअविलोकपनिथिथिअडूतचायोवहालावजुलं॥ भो
पासापनिहिजिसथनीवदाअडूतजुलथ्वबुल्लनीपनिसकेंगनवनववक्षेसमुयामडु॥ हनं
मषुगनंदेवतापनिथासजकंवनलागथेववहनंमषुहिजिसधालसाचानंहिर्नंधर्मसजकचो
नावकामयारसयायगुलिविचालमडुथ्वतेयाकारनमेवजकंपुरुषमालवनला॥ हनंमषुग

॥ स्वस्था ॥

॥ ५३ ॥

नं ज्ञाजिजकं वनला थवगथे यायगुखवविचालयायमुमाललाधक छल्लनिल्लसेनधालं ॥
हनं छल्लनिल्लसेनधालं हेपासापनि ह्वाचजाहिजिस गंगा सवने धकवना वेल सजकमहादेव
छल्लजकथुगुलिलनववखना थुल्लमहादेवनजकवोना वयनलामसियाधक छल्लनिल्लसेन
धालं ॥ थो वेल स सकलं पतित जुया व धालं ॥ हेपासापनि अमखनिश्चयनं रवय माल छानधाल
सा सती देवी मदया व दिगं वर जुया व उल्लमना जुया व दे स र पति भुमल ना याना व जुल ॥ थने
या कारन रवय फु आवथथे चो ने मं पुत हिजिस व छि र थया व निषेल नं वने नुयो धकं सा हुतिया
ना व निषेल नं माल वनं ॥ थवेल स अघिलो कन श्रीजगदी खरना पलाना व धालं ॥ भो दिगं वरम
हादेव छन छा यजिपनिकला तवो ना व हया धक धालं ॥ थवेल स महादेवन धालं ॥ हे अघि श्वर प
नि छमि सेनं जा लग स स घना थं घ लात जि न जा मख ना धक आजा दय कलं ॥ थवेल स अघि श्वर
धालं ॥ भो उल्लमना अम छन लि वने चो न पनि सुख व धक धालं ॥ थवेल स महादेवन लि स्वक वे

॥ रामः ॥

॥ ५३ ॥

लसवस्त्रनिपनिषनावशिवश्चिन्तामयनाथकधालं॥थोवेत्तसत्राषिलोकनधालं॥भोमहा
देवछनलिंगकेनावजिपनिकलातवोनावहल॥हनंछनथवगुनामसिवश्चकंकयावधाल
थोतेनजिपनिपतितमजुलआवछनलिंगकेनावजिपनिबुद्धनीहयधुंकल॥आवछनलिंग
पतनजुयमालधकत्राषिलोकनप्रापविलं॥थोवेत्तसत्राषिलोकयाथेप्रोजगदीस्वरयालिं
गपतनजुयावथहाकायाकायमजिकजोतिलिंगजुयावपृथ्वेनापतोकपुयतेनं॥॥थनं
लिदेवलोकाजक्षगंधर्वकिन्नरदैत्यदानवअपसराणागलोककीलपतंगईत्यादिभस्म
जुयतेनं॥थोवेत्तसदेवराजप्रभितितेति सकोतिदेवतात्राहिश्चकंपसानजुयावथनछुजुय
तेनष्यंधकंसकलैमुनास्वलवनं॥थोवेत्तसप्रोजगदिश्वरयाजोतिलिंगप्रकासजुलधकसि
यावबुद्धाप्रभुतितेति सकोतिदेवतामुनाववैकुंथपुरिसविज्यानावप्रोपरंबुद्धनारायनया
केविनतियाते॥भोनारायनश्चसंसारसछलपोलवंप्रोजगदिश्वरवनिस्सनेरक्षामया

॥ स्व स्था ॥

॥ ५४ ॥

तसाध्ववृक्षांडसुनानंरक्षायायुध्वतेध्वतेनजिप्रभितिसंसारसकलेउधारयास्यंविज्यायमा
ल॥भोपरमेश्वरछानधातसामहादेवयाजोतिप्रकासजुयावसंसारसकलेतोकप्रयतेनभो
परमेश्वरध्वतेनजिपनिथनवयाआब्रह्मलपोलसेनगथयायमालअथयासेविज्याविज्या
ऊनेधकंविनतियातं॥धोवेलसदेवलोकयाविनतिनेनाब्रनारायणानआज्ञादयकलं॥भो
देवलोकधुलियाकारनछपनिग्यायमतेजिनथथंसांमेयानाववियधकआज्ञादयकाब्रह्
तासनंवपदनावगनमहादेवयाजोतिप्रकासजुल॥अनथेनकलविज्यानाव्रथवमाया
नसीतांगपितकायावमहादेवयाजोतिसकाचामिकंघसपुनावचोनं॥ध्ववेलसश्रीमहादे
वयाजोतिसाम्पजुयाववने॥ध्ववेलसदेवलोकपनिसकलेंरक्षाजुलं॥धनंलीनारायनथय
आसनसविज्यातं॥धोवेलसदेवलोकपनिसकलस्यानंधनेनारायनछलपोलयादयान
जिपनिरक्षाजुलथथिंमनारयणायाचरनसकोटिनमस्कारधकंनारायणयातगुनवरा

॥ रामः ॥

॥ ५४ ॥

या नाववेला फो नाव सकल देवता नं लि तका व थ व अस रा व ति पू र स वि ज्ञा तं ॥ ॥ थनं
स्मि श्री जगदीश्वर जो ति न पि रु वि ज्ञा ना व त्र स वि लो क या त आ प वि लं ॥ भो ज्ञा वि श्व रू प नि
से न जि त वि ना अ प रा ध स आ प वि ल आ व रू प नि वा के अ सु द्रु ज य मा ल ध क आ प वि लं ॥
पु न वी र व रू नि प नि रं त आ प वि लं ॥ भो व रू नि प नि रू प नि व रू स त्रि वे स्य सु द श्व ये ता जा त
स रू प नि अ ति वे स्या जु या व रू स मा ल त न चो ने म फ य मा ल ध क आ प वि लं ॥ थनं ली आ प वि
य धु न का व अ न नं उ त्रा पं थ स वि ज्ञा तं ॥ थनं ली उ त्रा पं थ स थे ना व थ व थे थ म नं चि त्त स्थि र
या ना व द के श इ चि ना व का म क्रो ध लो भ मो ह मा या तो ल ता व रू गो ल मि रं ति सि या व म
हा क रू न या व सि द्ध भू मि स वि ज्ञा ना व श्री प रं व रू या ज प ध्या न या ना व वि ज्ञा तं ॥ ॥ थनं लि
स ती दे वी या प्रा रा वा यु हि मा ल य प र्व त रा ज या क ला त मे ना ध या स या के ग र्भ स जा त जु लं ॥
थनं लि पि ला सु ला च्या ला ज्जि ला सं पू र्ण जु सं लि मे ना या ग र्भ नं ग र्थि स्र वा ल व ज न्म जु ल धा ल

॥ स्वस्था ॥

॥ ५५ ॥

सा दोलछि श्री सूर्येया तेज प्रकास जु वधे जा जो लप मानन चो न अत्यंत वानला कसु यतिना ल
क्षणा न संजुक्त जु या वचो न ॥ हनं स्या लधा लसा पूर्ण चंद्रमा या थ्यं मिरवा धाल सा पले रुल थं ॥
सधा लसा गरुड या थ्यं सुतु धाल सा पले स्वान या मुति थं ॥ जधा लसा लक्ष्मी या थ्यं पालि धाल
सा सा वित्रि या थ्यं थ थिं सवाल वज्र नम जु वष ना व ॥ हे माल य पर्वत राजा या मन स अति आ
नंद जु या व नाना मंगल जात्रा या ना व चो न ॥ हनं थुल सवाल कुमारि ज नम जु या व स्वर्ग नंदुं डुभि
वा यथा ना व देव लोक पति सेन मंगल जात्रा या ना व चो न ॥ ॥ थनं लि हे माल य पर्वत न
जोति कयं डित वोन कल छे या व मर्जत थ्यं हिनु गुनु माल को ह्या कर्म या ना व मचा वुवेन
का व जोति कयनि सेन नाम कर्म या तं ॥ हे हिमाल य पर्वत राज थुल सवाल व या ना म पार्व
ती धकं स्वर्ग मध्य पाताल सं नाम प्रख्याति जु युछा न धाल सा छल पोल पर्वत राज जु या निमि
र्ति न थुल सवाल व या ना म पार्वती धक ना सक र्ण या ना व वि लं ॥ ॥ थनं ली पर्वत राजा न जो

॥ राम ॥

॥ ५५ ॥

तिषया आज्ञानेनावमनसरसतायाव नाना पदार्थदयकावगुरुप्रोहितजोतिषपतिस्तदान
प्रदानवियाव नाना पदार्थनभोजनयातकाव॥ अतितअभ्यागतपतिस्तंगुरुकोनउगुलीदान
प्रदानयानावचोनं॥ ॥ थनंलिमालकोकर्मधुनकावगुरुप्रोहितपंदितजोतिषपतिसेनआ
ज्ञादयकलं॥ भोहिमालयभोमेनाधन्यरछलपोलयाभाग्यधन्यरमेनायागर्भ॥ धनेरजिपनि
सभाग्यआवतिनिजिपनिसेनसुखनतपस्यायाय॥ भोहिमालयथुलवातखनपार्वतीन
जुलसांअतिश्रीमहादेवभजनायायुहनंथुलवातत्रैलोक्यपारानिजुय॥ हनंथुलपरमेस्व
रीनकोटानकोटिनअसुरस्याय॥ भोपर्वताधिपतिधन्यरछलपोलपनिभागेछलपोलपनी
सदाकालंजयरजुयमालधकंआसिर्वीदवियाववेलाकयावथवरआश्रमसविज्यातं॥ ॥
थनंलिहिमालययवतनगुरुप्रोहितयनिआसिर्वीदफयावथवमालकोकर्मधुनकावपा
र्वतीयातभिनकानिदानयानावपरमआनंदनंविज्यातं॥ ॥ थनंलिपुनवीरपार्वतीकथथं

॥ स्वस्था ॥

॥ ५६ ॥

सुलपक्षया चंद्रमाध्याह्निके हि हिष्ठिया वधय जुयाव भतिभता स्मित जुय सलं ॥ हनं थुल्लवाल वपा
वती न जुल सां वाल वव रे स्मित ल जुल सां ॥ श्री महा देवया मूर्ति दय का व स्मित ल जुय व ॥ हनं
छं भति न ल सां श्री महा देवया त छा या व न यु थु गुलि प्रकार न श्री महा देवया त पूजा माने या
ना व चो नं ॥ ॥ हनं छं कृया दीन स श्री नारद मुनि श्वर नं जुल सां श्री वैकुण्ठ नाथ नाराय न या के
विन तिया तं ॥ भो नाराय रा छल पो ल या के जि नं ख छ ता विन तिया य ऽह स्य विज्पा ज ने छु धाल
सा छल पो ल या त जो गे जु या जो ग्य जु या व चो न ल कं न्या छ स हि मा ल य पर्व त या के ड ॥ भो नारा
य न छल या ल क्ष्मी या स्य नं वान ला क ॥ भो नाराय न श्व ते या का र रा जि थ न व या छल पो ल या त
वा स्य विज्पा रु ने ध क विन तिया तं ॥ थो ते नार द या विन ति ने ना व नाराय रा न आ ज्ञा द य क लं
भो नार द आ म कं न्या जि त वि यु ला विल सा जा जि व र वे ध क आ ज्ञा द य का व पु न वी र नार द न विन
तिया तं ॥ भो पर मे श्व र छल पो ल या म न स ज क जि व सा जि न थ थं लि स ल द य का व व य ध क वि

॥ रामः ॥

॥ ५६ ॥

नतियानावपुनर्वारनारायणानआज्ञादयकलं॥ भोनारदछनआमलितधास्यलिअवसेन
जिबुषधकआज्ञादयकलं॥ थनंलिनारायनयाआज्ञानेनावनारदमुनिश्वरनतत्कारनंदना
वपर्वतराजयाशेसविज्यानावआज्ञादयकलं॥ भोपर्वतराजजिनछताविनतियायधकवया
छुधालसाछलपोलयापुत्रिपार्वतीमयजुछलनारायनयातफोनकलहल॥ थुलियाकार
नजिथनवयातत्कारनलिसलदयमालधकविनतियातं॥ थोतेनारदमुनिश्वरयाआज्ञाने
नावहेमालयपर्वतनविनतियातं॥ भोनारदछलपोलसेनआमलितआज्ञादतनावजिन
गथपविनतियायजिकेनजिबुखेधकविनतियानावश्रीनारदयातपूजामार्नेयानाववेलावि
लं॥ थनंलिनारदमुनिश्वरनथवमालकोखहूनावपर्वतराजायाकेवेलाकयापिराविज्या
तं॥ पुनर्वारअननेवेकुंठपूरसविज्यानावनारायनयाकेविनतियातं॥ भोपरंखस्रज्याजासिद्ध
अयानाववयधुदीनजकछलपोलस्यनस्वसेविज्याहुनेधकविनतियातं॥ थोतेनारदयावि

॥ स्वस्था ॥

॥ ५५ ॥

नतिनेनाव श्रीनारायनप्रसिजुयावधम्यरनारदधकंगुरावर्णयानाववेलाविलं ॥ थनंलिना
रदमुनिस्वरन श्रीनारायनयाकेवेलाकयावथववसपुरसआनंदनविज्यातं ॥ ॥ थनंलिहेमा
लयपर्वतनथवकलातमेनायातसाहुतियानावथवपुत्रीपार्वतीकन्यादानवियधकमालको
सामाशितामलातकावजजेसानादयकाव श्रीनारदमुनिबोनकलछोयावदीनवेलाथेकनाद
यकावछोतं ॥ हुनंतेतिसकोटिदेवताजक्षगंधर्वकिन्नरदैत्यदानवअयसरनागराजागुरुह
बृहस्पतिअधिलोकपनि ॥ थवथितियनिनिमंत्रनायातकलछोतं ॥ थनंलिश्रीनारायनप्रभु
तिसंकलदेवलोकपनिमुनावहेमालयपर्वतपाछेसविज्यातं ॥ थोवेलासहेमालयपर्वतनश्री
नारायणप्रभुतिदेवलोकपनिसंकलेंविज्यातरवनावपार्धयानाववसालायावथतवोनाव
कुशलवार्तायानावजोगेश्वमानर्थआसनसविज्यातकावतलं ॥ थनंलिहिमालयपर्वतराजान
गुरुहस्पतिबोनकलछोयावजजेसानादयकावअष्टमंगलपूर्णघटजवरवसतयावगुल

॥ रामः ॥

॥ ५५ ॥

कुमारीछायपाव-जगेजोलनमालकोघेलकल्लिहामलयंचावृत-वृहीर्इत्यादीमालकोसामाथीतयार
यानाव-हनंथासशयतिंवीजयानयेनाव॥छत्रध्वजपतापयामलवीयकावतलं॥थनंश्रीपरंवल्लनार
यणसुवर्णयासिंहासनसविज्यातकाव-शुक्लाचार्यनजगेआरंभयातकाव-नानामंगलजात्रायात
काव-सविमुनिशांस्तरायनिसेनअनेगजलिजपयावस्वनतियाव-वेदसास्त्रवोनावचोनं॥थनंलि
मेनानजुलसां-थवपुत्रिपार्वतीयातअनेगजलिजवापयावसतनतियकाव-रत्नमालानकोखाय
काव-सुवर्णयातिसानतियकाव-समालयातकावकोठासतयावतलं॥॥पुनर्वीरथाथिंशुअवस
रस-सविजयाविजयापनिसेनधालं॥हेपार्वतीमयजुआवछल्लेपालमेलेवियावछोयुन-आवजक
जिपनिमहुनापुजुयुनधकधालं॥थोतेसविजयाविजयापनिवचनठनावपार्वतीनआज्ञादयक
लं॥भोसविपनिछयनिसेनजितकुधायाजिगनवनेतेन॥हनंजिजिसथनिकुयायतेन-जिनजाहुं
मसुनि-जिमनसअतिआश्चर्यजुलधकधालं॥थ्वेतेपार्वतीयाआज्ञाठनावपुनर्वीरसवीजया-विजया

॥ स्वस्था ॥
॥ ५८ ॥

पनिसेन विनतियातं ॥ भो पार्वती मय जु छल पोल पनिसेन जिय नीस हेय के मुमाल ॥ जि पनिसेन मस्य
बला ॥ हनं भति चालना जा छल पोल याव वा जु न श्री नारायन यात छल पोल कं न्यादान विया वछे युन
धक धालं ॥ पुन र्वा र सविज या विज या पनि विनति ठना व पुन र्वा र पार्वती न धालं ॥ भो सविज या विज या
आम र निश्चय नं व बला जिन जा स ते नं म सिया न क ति नि छु मि से न धालं ज क सिया भो सविज नि
जा श्री महा देव भज ना या ना व चो ना आ व ग थे या य ध कं महा धं दा क या व पार्वती न विला प या ना व चो नं
॥ थो वेल स सविज या विज या पनि से न विन तिया तं ॥ भो पार्वती अ म थे जु ल ना व थ न चो ने म ते जि
मि से न सु ना नं म व न था य स सु य का व त य नु यो ध कं ध या व अ गं म्प था य स कं थ या द थु स न दी या ति
र स य ना व सु य का व त थ लं ॥ थ नं ली प र्व त रा जा न थ व माल को क र्म या य धु न का व कं न्या दान या वेल जु
या व पार्वती कं न्या दान विय ध कं काल व नं ॥ थ वेल स या र ति म द या व चो न व ना व स क ल भि नं माल जु
लं ॥ थ ये न लु य के म फ या व अ ती आश्चर्य चा या व म हा धं दा क या व ल ज्वा जु ल ध कं हा ना व गुरु वृ ह स्प

॥ रामः ॥
॥ ५८ ॥

तियाथासर्वः नावविनतियातं॥ भोगुरुआवगथेयायपार्वतीधालसागतं लुयकेमफतलज्याजकन
यमालधकविनतियानावहृदस्पतिनआज्ञादतं॥ भोपर्वतराजआवहृयायअमथेजुलनावथुगुली
दीनसमजिल्लधकंधयावल्ज्याफचीतजकनयावन्नारायणप्रभितितेति सकोतिदेवतायातं विनती
यानाववेलाविवियावछोतं॥ ॥ धनंलीपार्वतीनचछिन्नदीयातीरसचोनावमहादेवयासुर्तिदयका
वपूजायानाव्वचोने॥ धवेलसमहादेवप्रतक्षजुयावपार्वतियातआग्पादयकलं॥ भोपार्वतीछनछा
यजितआराधनायानाधकआज्ञादयकावपार्वतिनविनतियातं॥ भोस्वामिजिनछलपोलयातआरा
धनायानागुंकारमेवताधकमधुजिनछलपोलस्वामिलायमालधकभजनायानाव्वचोना॥ भोस्वा
मिजितरक्षायायमाल॥ हनंमिगयादीनसजिविहृयातकंन्यादानवियतेनथुलीयानिमित्तिन
धनविसेवयमाव्वचोना॥ भोस्वामिथोतेयाकारनजिरक्षायामालधकविनतियातं॥ धनंलीमहादे
वनआज्ञादय्यकलं॥ भोपार्वतीछनववुनकंन्यादानमवियकछनतजिनस्त्रीधायमजिवनि॥ हनंछन

॥ स्वस्था ॥

॥ ५९ ॥

जित्वा मिलाय जुलसा विष्णु न उ प देश विल व यु छ न थु स या उ य दे स क या व चो व ॥ थ्वे ल स ति नि छ व
जि व त्रि प रु ष जु यु ध क आ ज्ञा वि या व नि मि ष मा त्रं अं त र्धा न जु या व वि न्या तं ॥ ॥ थ्वे ल स पार्व ती या
म न स र स ता या व ज या वि ज या स षि य नि से न लि त का व प र्व त रा ज या था स व लं ॥ थ्वे ल स मा म व व
न उ नं भो पार्व ती छ ग न व ना व चो ना छ कं न्या दान वि या व छो य ध क स क ल भि नं मा ल जु या न ग नं लु
य के म फ्र आ व ल ज्वा ज क न य मा ल ध क धालं ॥ थ्वे ते पि ता मा ता या आ ज्ञा उ न ना व पार्व ती न वि न ति या
तं ॥ भो पी ता मा ता जि न जा म हा दे व भ ज ना या ना व चो ना छ स्र ष्या च नि षे कं न्या दान वि य ग नं डु ला ध क
धालं ॥ थ्वे ते पार्व ती या व च न उ न ना व मा म व व न धालं ॥ भो पु ता छ न म हा दे व भ ज ना या क गु जि मि से
न जा म सि या अ म थे जु ल ना व जि य नि से न दु धा य ध क स्व स्र म च र्थि थिं हा ला व चो नं ॥ ॥ थ नं ली स
ती षु नं नि से पार्व ती न स षि ज या वि ज या य नि से न लि त का व अ ने ग मा थ न ध र्म क र्म दान पुं ने या तं ॥ ह नं
म हा दे व पु रु ष ला य का मु ना न ति र्थ जा त्र जु या व म हा दे व या मु र्ति द य का व पु जा या ना व अ र्घ्य वि या व

॥ रामः ॥

॥ ५९ ॥

नानामाथनंदं दृष्टुं नानावृत्तलपोलजकजितस्वामिलायमातधकआषीषकोनावचो नं॥ हनं
एकादसीपतिं उपासनचो नाव श्रीसूर्ययातप्रजायानाव अर्धवियावधर्मयानावचो नं॥ हनं अनेगर
पुरानकथाउठनावजुलं॥ हनं ऋषिमुनिअतितअभ्यागतपनिस्तसुवर्गादक्षणावियाव वस्त्रदान अंन
दान भुमिदान रत्नदान वियावचो नं॥ हनं सास्त्रसगुलिदानयायगुदतउलीदानयानाव अतीकष्टन
यावतयस्यायानावचो नं॥ थुगुलीप्रकारनपार्वतीनमहादेवपुरुषलायनिमिर्तिनतपस्याकरवनाव श्री
नारायनरसतायाव गरुडयासविज्यानाव शंखचक्रगदायम्रजोनाव आकासमार्गनपार्वतीयाध
र्मदानावचो नठानसविज्यानाव आशादयकलं॥ भोपार्वतीछनतपस्यानजिअतीसंतोषजुल॥ धनेछ
छथथिनवालववेससंनिसें थुगुलीप्रकारनतपस्यायात॥ हनं अनेगप्रकारनतिर्थजानायात हनं को
तिश्वास्त्रायनिस्तकोतिश्भिद्युयनिस्तकोटिश्ऋषियनिस्तदानप्रदानयायधुनकल॥ भोपार्वतीछ
नछुका मुनानतपस्यायाना॥ भोपार्वतीछनतपस्यानजिसंतोषजुयधुनछनतवरदानफोवधकआ

॥ स्वस्था ॥
॥ ६० ॥

ज्ञादयकलं ॥ ध्वतेनारायनया आज्ञाऽऽनावपार्वती न विनतियातं ॥ भो नारायण राधं ने २ जिभागे छल
पोलया चरनसकोटि २ नमस्कार भो नारायण जितवरदानमेवतामयो व श्रीजगदीश्वर छल जकजि
तपुरुषलातका वप्रसंनजु से विज्यायमाल ॥ भो नारायण जितवरदान थुलिनगा कधक विनतिया
तं ॥ ध्वते पार्वतिया विनतिऽऽनाव नारायन न आज्ञादयकलं ॥ भो पार्वती जगदिश्वर पुरुषलाय जुल
साजिन उपदेसक ने एकचित्तं नऽऽव भो पार्वती दको वर्तया सिनंत वधन वर्त श्री ३ स्वस्थानिय रमेश्व
रया धर्मदत्त ॥ ध्वते लसति निछन महादेव पुरुषलाय फयु वधक आज्ञादयकलं ॥ ध्वते लस पार्वती
न विनतियातं ॥ भो नारायण नमः श्री ३ स्वस्थानिय रमेश्वरया धर्मदत्त यात विधिविधान गथे २ याय
मालधक विनतियातं ॥ पुनर्वा नारायण न आज्ञादयकलं ॥ भो पार्वती एकचित्तं नऽऽव कापां पौ
षशुक्लया पूर्णमास्या युतु धर्मवर्त जो ने ध्वषु नुंति सेंतिलु सिधे नाव नित्य गंगा स्नान या नाव वाह्मिजा
व्वे लस श्री महादेव पूजायाय थनं लीलक्षि सं पूर्ण जुया व माघ शुक्ल या पूर्णमास्या युतु अने गसामा

॥ राम ॥
॥ ६० ॥

पिताललातकेतानसतक्षिजोलनताललातके श्रीखंडरक्तचंदनसिंदूरकर्पूरकसुरिवस्त्रदक्षना
सतछिचापाअक्षीतमधिसतक्षिचागोलअक्षेतसतछिचापातवालसतक्षिचाकृतगोचसतछि
चाफोलछाफोलस्वानसतछिचातुजजमका॥ सतक्षिचातास्वानथमनफयाथ्यताललातका
व श्री३स्वस्थानिपरमेश्वर्यातपूजायाय॥ थनलीह्रायांप्रथमसंश्री३स्वस्थानिपरमेश्वरीधकं
हसकनसॐकारचोसंथापनायायगंगाजलनसनानयाचके॥ श्रीखंडरक्तचंदननासुगं
धफलमूलपकवानवस्त्रदक्षनाछायावषोडसोपचारनपूजायायथमनफकोजपध्यानस्तो
त्रपाठयाय॥ थनलीमालकोकर्मयायधुनकावस्वानकोकायावचापाअक्षीतमधिसगोन
सहितदयकावथद्रपुरुषलवहूयाय॥ थद्रपुरुषमदतसाथद्रपुत्रलवहूयायथद्रपुत्रंमदतसा
मित्रपुत्रलवहूयायमित्रपुत्रंमदतसाथद्रमननद्युइशायानाडगुकासुनानंनानंपूर्णजुयमाल
धकंआसिषफोनाव्रतीर्थसचुयकलछोय॥ थनलीथमनंपालनयावचछिंजागतेनायानाव

॥ स्वस्था ॥

॥ ६९ ॥

श्री स्वस्थानी परमेस्वरी या जय ध्यान या नावचो नं ॥ भो पार्वती त्वधर्म या विधि थु लि छ न थु स परमे
श्वरी या धर्म व्रत द व्र थ्व वे ल स ति नि म हा दे व पु रु ष ला ङ्ग ध क आ ज्ञा द य क र्त ॥ थो ते ना रा य रा या आ
ज्ञा ङ्ग ना व्र पा र्व ती या म न स र स ता या व्र श्री ना रा य रा या च र रा सं भो क पु या व वि न ति या तं ॥ भो ना रा य
रा ध ने २ छ ल पो ल ध ने २ जि भा गे छ ल पो ल या द या न जि न अ पू र्व क था ङ्ग ने धु न ध क ह र्ष मा न न श्री ना
रा य न या त षो ड सो य चार न पू जा या ना व्र तो त्र या तं ॥ ॥ सां ता का रं भु ज ग स य नं य म ना भं सु दे
सं वि श्वा धा रं ग ग न स दृ शं मे ध व रं शु भा गं ॥ ल क्ष्मी कां तं क म ल न य नं जो ग ध्या न ग म्य वं धे वि ह्व
र्भ व भ य ह र नं स र्व लो कै क ना थं ॥ १ ॥ थ नं ली सा तां ग प्र ना म या ना व्र वे ला विलं ॥ थ नं ली श्री
ना रा य न न पा र्व ती या त ध र्म उ य दे स वि या व्र वे ला क या व थ व्र वे कुं ठ पू र स वि ज्ञा तं ॥ थ नं ली पा र्व
ती नु जु ल सां श्री ना रा य न या आ ग्ना र्थे ज या वि ज या स षि य नि से न लि त को व्र लु सि धे न का व्र थ म
न फ को सु चि जु या व्र एक भ क्त न उ पा स न चो ना व्र षो ष मु क्त या पू र्ण मा स्था पु नु नि सं श्री ३ स्व स्था

॥ राम ॥

॥ ६९ ॥

निपरमेस्वरीयाधर्मवतदनावचोनं ॥ **थनमारवपुति ॥** **थनंलीछुद्रयादीनसतारकासु**
रुसहिषासुरविपरासुरदैत्यपतीसेमंदेराजप्रभितितेति सकोटिदेवतापनिसवजुद्रयानाव स्व
र्गमेधपातालविभुवनराज्यसंतेलावसुरवनकालरुनावचोनजुल ॥ थोवेलसदेवराजानजुलसां
मनसभालपुआवतिनिपापिष्टतारकासुरपनिमोचकेयातकारनदत ॥ गथेधालसाहेमालयप
र्वतयापुत्रिपार्वतीनश्रीजगदिधरपुरुषलायकामुनान श्रीस्वस्थानिपरमेस्वरीयाधर्मदनध
यापुणपनथोपनिनिसत्रिपुरुषजुल ॥ **हनंपार्वतीयाकेनपुत्रजन्मजुयुथुस्रवालषनतिनिजिअ**
मरावतीलितकायावदियुधकंमनसभालपावतेतिसकोटिदेवतांमुनकावओजादयकलं ॥ भोदेव
लोकजिनखछगुलिविनतियायडसेविज्याऊने गथेधालसा ताकारंदत पापिष्टतारकासुरपनिसेन
हिजिसअमरावतितेलावतलआवपापिष्टतारकासूरपनिसंहारयाययातकारनदत छुधालसा
॥ **हेमालयपर्वतयापुत्रीपार्वतीनश्रीमहादेवपुरुषलायकामुनानश्रीस्वस्थानिपरमेस्वरीयाध**

॥ स्वस्था ॥

॥ ६२ ॥

मदन श्रया पुने न महादेव वार्वति त्रीपुरुष जुयु श्ववेल स पार्वती मा पुत्र जन्म जुयु शुभ बाल
षन तिनि पाणि हतार का सुर पति सं हार या यु भी देव लोक ॥ श्री जगदीश्वर धाल सा सती देवी या स्वक
न उत्रा पंठ स विज्या ना वम रुडुः खन काम कोठ लोभ मोह माया तोल ता वद कोई अविना व स्व गोल
मिरवानं तिसिया व पंखु स या ज प धान या ना व विज्या त ॥ भो देव लोक थुल जगदीश्वर अथे न या व
मजिल थुल ईश्वर जागर्त नो या य या त उ या य हु आग्या द य के माल ध क धालं ॥ थते देव राज या वि
न ति ने ना व तै तिस के ति देव नानं विन तिया त ॥ भो देव राज धने र छल पो ल या आग्या न छल पो ल या
वचन स ते न ख व ॥ भो देव राज श्री महादेव जागर्त ना जुय के जाथ न जा सु यां सामर्थ मडु ॥ भो देव रा
जः काम देव छल वाहिक न मेव देव लोक पति सामर्थ मडु ध क विन तिया ना व पु न वी र देव राजान त
कार न वा यु देव ना वी न कल छो या द आ जा द य कलं ॥ भो वा यु देव छथ थ्य व ना व काम देव वी ना व ह
य माल ध क आ जा द य कलं ॥ थते देव राज या आ जा ठ ना व त कार न वा यु देव ना द ना व देव राजा या

॥ रामः ॥

॥ ६२ ॥

चररासंभोकपुयात्रकामदेवयाथासवनावमालकोषकनावकामदेववोनावहलं॥थनंलीका
मदेवतदेवराजयाचरनंभोकपुयात्रविनतियातं॥भोकामदेवद्वयथेवनावउत्रापंठसविष्णुकल
महादेवयानुगलसपुष्पवानप्रहारयानावजागर्तनाजुयकाववयमालविलंभयायमउधकआ
ज्ञादयकलं॥ध्वतेदेवराजयाआज्ञासिलसफयात्रविनतियातं॥भोदेवराजछलपोलयाआज्ञाथं
श्रीजगदीश्वरजिनजागर्तनायानाववयधकंदेवराजयाचरनसभोकपुयात्रवेलाकयावक्षसलिरा
वयात्रथवस्त्रिरतिसहितनवोनावउत्रापंठसवनावगनश्रीजगदीश्वरविष्णुत॥अनथेनकवनाव
देवराजयाआज्ञासीलसतयात्रयाननंश्रीजगदीश्वरयातनमस्कारयानावधनुकयाधिपतलिगो
नद्रुसपतथेनकसालावधनुकतांकारसवदवियात्रश्रीजगदीश्वरयानुगलसलातकावपुष्प
वानप्रहारयातं॥ध्ववेलसश्रीजगदीश्वरयानुगलसपुष्पवाननकयावजागर्तनाजुलं॥थनंली
महादेवनथवकेपुष्पवानप्रहारयाकखनावअर्ततकोठजुयात्रस्वगोलमिरानंमिपिकायावर

॥ स्वस्था ॥

॥ ६३ ॥

स्वकवेलसतत्कारनं कामदेवभस्मजुयाव्वनं ॥ थोवेलसकामदेवभस्मजुवखनाव रतिनमहृदि
वयाथासवनावविलाययांतं ॥ भोजगदीस्वरजिस्वामियात दोषमड देवराजया आज्ञानथका छल
पोलयात पुष्यवानप्रहारयात ॥ भोजगनायकजिविधवायायमते जिमिसाजातिया उयरसकरुना
दयमाल ॥ भोससीशेषरजितस्वामिवरदानवियमाल ॥ भोजगदीस्वरजिस्वामिया दोषदकोक्षमाया
सेविज्यायमाल ॥ भोजगानकालजिस्वामिवहोनकावप्रसन्नजुसेविज्यायमाल ॥ भोजदीस्वरछलपो
लयाचरनसकोटिशनमस्कार ॥ भोजिनयनछलपोलगथिंलधालसाहृष्टजनसंहारयानावसाधुज
नरक्षायासेविज्याकसंछलपोलथमनंश्रुष्टियानावतयाथमनंनासयायमते ॥ भोपरमेन्धरछ
लपोलगथिंलधालसासंसारसदकोपानिया आत्मापुरुषजुयावविज्याकसंछलपोल जोगेस्वरयान
गलसविज्याकसंछलपोल ॥ हनं वृत्ताविष्टुधकस्वस्रणं छलजुयावविज्याकसंछलपोल आदिमड
अंतंमडुधयालंछलपोल पापपुनयासासीजुयावविज्याकसंछलपोल दुःखिदरीडयासरनवय

॥ राम ॥

॥ ६३ ॥

हंछलपोल थथिंलुकरुनामययाचरनसकोतिरनमस्कार भोविस्वंबरछलपोलयामहीमाहाय
जिसामर्थमहुगुलसारदायांभलसामहुसेषनागयांगंम्येमहुजिवहलमिसाजतिनगनछलपोल
यामहीमाज्ञायफयुधकरतीननानामाथनविलापयानावचीनं॥ थवेलसरतीनविलापयाकरव
नावमहादेवयाअतीकरुनावनावआज्ञादयकलं॥ भोरतिछनविलापयाकरवनावजिअतिकरुना
चायधुन॥ भोरतिथुगुलिजन्यसछनस्वामिकामदेववहोनेमदतगोवेलसयरंबलनारायनश्री
कृष्णअवतारकायु थवेलसतिनिछनस्वामिवहोनेदयु भोरति॥ छदुखतायसतेछनमनोरथदा
फलयुग कलियाआरंभसछनमनोरथपूर्णजुयु॥ भोरतिआवछलिहाहुनिधकआज्ञाविल॥ ध
तेमहादेवयाआज्ञायाऊनावरतियासनसहर्षविस्मयजुयाव श्रीमहादेवयाचरनसभोकपुयाव
वेलाकयावथवर्क्षेलिहावल॥ ॥ थनंलीश्रीजगदीश्वरनसतीदेवीयाप्राणगनजनमकालवन
बेधकमननंभालपावस्वगालमिधांतीसियावधाननस्वसेविज्यातं॥ थवेलस सतीदेवीयाप्राणजा

॥ स्वस्था ॥

॥ ६४ ॥

हे मालय पर्वत या के जन्म काल वन धनि धक लुय का वनाना माथ न मन सभा लया वचो न ॥ पुनर्वा
र मन सभा लपु पार्वती न जा जित पुरुष लाय निर्मिति न अने ग माथ न तप स्या यात हनं श्री ३ स्व
स्थानि परमेश्वरी या धर्म इत्यादि दना वचो न ॥ पार्वती या मन सगुलित पाप धर्म दुखे चली इति स्व
लवने धकं थ वरूप तोलता व इन्द्र या रूप क या व ऐरावत किसि गया व वज्र जो ना व पार्वतिया ध
र्म दना वचो न था सथे न कल विज्या तं ॥ थन पार्वती न अर्ध जो ना व धालं ॥ भो श्री ३ स्वस्थानि परमेश्व
रि छल पो ल मे न जित श्री जगदीश्वर छल ज क पुरुष लात का वप सं न जु से विज्या य माल ॥ भो नि
रंजन निराकार छल पो ल या चर स को ति २ न म स्कार धकं ना ना माथ न आसी व को ना व श्री ३ स्व
स्थानि परमेश्वरी जिन पूजा या ना गुलिन सं तो व जु से विज्या य माल ॥ भो परमेश्वरी छल पो ल गथी
स धाल सा देव लोक यां देव ता जु या व विज्या क सं छल पो ल ॥ धर्म या धर्म सं छल पो ल वसा विष्णु
मे हे स्वरं छ पो ल ॥ शृष्टि स्थिति संहार कर्ता धया सं छल पो ल ॥ आदिं महु अंतं महु ला हंतिं महु तुतिं

॥ रामः ॥

॥ ६४ ॥

मडुवर्गमडुथथिंल्लुलपोल पंचभूतआत्माधयाल्लुलपोल रजोगुन तमोगुन सतोगुन ध्वस्व
तागुनंल्लुलपोल ॥ हुनंविस्वंभरमुर्तिल्लुलपोल हुनंमनुषेयानुगलसविज्ञानावपापपुनेयासा
क्षिजुयावविज्ञाकल्लुलपोल ॥ आदिसक्तिआदिपुरुषजुयावविज्ञाकल्लुलपोल वृक्षांडधयाल्लु
ल्लुलपोल ॥ भोश्री ३स्वस्थानिपरमेश्वरील्लुलपोल यास्तुतियायजिसामर्थमडु भोपरमेश्वरल्लुल
पोल यास्तुतियायचतुर्मुखवृक्षायांगम्यमडु गुल्लसारदायांभलसामडु सेवनागयाभलसामडु
भोपरमेश्वरील्लुलपोल याचरनेसकोति २ नमस्कार श्रीजगदीश्वरल्लुलपोल जकजितस्वामिवरदान
फोनेधकनानामाठनस्तोत्रयानावचोनेलस भेषधारिजगदीश्वरनेरैरावतकिसिगयावपाव
तियाद्येवनेविज्ञानावआज्ञादयकल्लुलपोल ॥ भोपार्वतीधने २ छनतपस्यानजिअतिसंतोषजुयधुन ॥
भोपार्वती छनमहादेवपुरुषलायनिमिर्तिनअनेगमाठनतपस्यायात ॥ हुनंश्री ३स्वस्थानिपर
मेश्वरीयाधर्मआदिदने भोपार्वती छनहुस्वयावमहादेवपुरुषलायेतेना भोपार्वती महादेवजा

॥ स्वस्था ॥

॥ ६५ ॥

द्वयथुका ॥ हनं अतीघिना हासयन कोषाया वज्राथ दोहल गया वज्रला हात नडं वरुथाना वरवला
हात नत्रिभूल पाछाया वः धुया क्षगुली नज सहिना वकि सिया क्षगुली नडु या वदिगं वर जुया वशम
सान यानलिन वुया वभूत पे तपि शाचनलित का वः यसन काय का वधे धे चुला वलाला थें प्या खन
ऊया वजुय ॥ भो पार्वती छन सरिर धाल सा अतिको मल सुंदर छन तस्वामि महादेव अजोगे भो स्त्रि
छन त पुरुष लाय जुल सा जिस्वर्ग या राजा थुका जि पुरुष का वः ॥ भो पार्वती थ्वेल स छ तै लो के या रानी
जु पु वदय ॥ भो पार्वती महादेव जा भज नाया य मु म्वाल जिके भज नाया वध क भे क धारी इन्द्र न आज्ञा द
य कलं ॥ भो पापिष्ट देव राज छन स्व वर श जि थ थिन श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या धर्म वत दना वचो नाथा
स वया वः महादेव या त ति द्रा या ना वः अगं मे वः क्लाना वः चो न वल ॥ भो पापिष्ट आ वः जिन अभिप्राय वि
ये तै ल फ वध कं आप वि य ते नं ॥ थो तै पार्वती या वचन डः ना वः भे व धारि महादेव न आज्ञा दय कलं ॥
भो पार्वती आसे २ छन आप वि य म ते जि इन्द्र म सु छन आप अवस्य नं ग लु ॥ भो पार्वती छन चरी ड स्वय

॥ रामः ॥

॥ ६५ ॥

धकजिनईइयाभेषकयाववया॥भोपार्वतीछनपरीशास्वयधुनधन्यरछछनतपस्यानजिअति
संतोषजुयधुन॥भोपार्वतीजिमहादेवथुकास्वव२जिगुरुपधकआज्ञादयकावईइयाभेषतोलता
वथवरूपकेनावआज्ञादयकलं॥भोपार्वतीअमजितधकतयावतयागुअक्षीतमधीहकीधकआज्ञा
दयकावचोनं॥थोवेलसपार्वतीनमहादेवयामूर्तिषनावमुसुङ्गनक्रिलावलाहातहाजलपाव॥ह
तासनंदनावस्वचाकउलावचरनसभोकपुयावविनतियातं॥भोपरमेस्वरछलपोलयाचरनसको
टिरनमस्कार॥भोस्वामिछलपोलस्वामिलायनिमिर्तिनअनेगमाथनतपस्यायानावदानपुनेधर्म
कर्मयानाथथेनंछलपोलयादर्सनयायमफ॥भोस्वामिथुगुलीपुकारनधर्मयानावचोनावेलस
श्रीवैकुंथनाथनारायणथनविष्णानावजितश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरीयाधर्मउपंदेसवियावत
थल॥भोस्वामिथुसपरमेश्वरमापभावनतिनिछलपोलयादर्सनलायदतआवजिमनोरथपु
राजुल॥धने२जिभागेभोस्वामिआवअक्षीतमधिछलपोलयातवियमजिवनिछानधालसाकंया

॥ स्वस्था ॥

॥ ६६ ॥

दानमधुनी ॥ भो स्वामी त्वेतेन आवजिववायाथासनिवनेनयोधकं आशादयकावमहोदेवयातवो
धवियाव ॥ थवमालकोकर्मयायधुनकावश्री ॥ स्वस्थानीपरमेस्वरीयाधर्मवृतसंपूर्णयानावस्वा
नकोतकायावजगदीस्वरप्रमुखनजयाविजयासखीपनिसेनलितकावपार्वतीयाथवथेथम
नंरसतायावदृषमाननथवक्षथेनकलविज्यातं ॥ ॥ थनंलिहिमालयपर्वतराजानथवपुत्रिपा
र्वतीवनापंश्रीजगदीस्वरविज्याकखनावनिस्सखीपुरुषंहता ॥ सनंकोहावयावकमंडलुनतुतिवा
यकावचरणादविंडकायाववसालायाव नानासुगंधधुपथनावथहाविज्यातकावरत्नयासिंहास
नसविज्यातकावतलं ॥ ॥ थनंलिहिमालयपर्वतनमनसरसतायावथवपुत्रीपार्वतीयातश्री
जगदिस्वरस्वामिलाकषनावथवस्त्रिमेनायातधालं ॥ भोस्त्रिमेनाधंन्य ॥ छनगर्भधंन्य ॥ जिभागेधं
न्य ॥ पार्वतीयातपस्यामहोदेवथिंयजिताजनलातनावहिजिसतवभागेजुल ॥ भोस्त्रीआवपार्वती
कंन्यादानविययातमालकोसारणीतानलातकिक्कहनंतेतिसकोटिदेवतापनिनिमंत्रनायातक

॥ रामः ॥

॥ ६६ ॥

लछोवधकधालं॥ ध्वतेपर्वतराजायाआज्ञाउठनाव्रमेनानजुलसांमालकोसामायितयारयाना
वःगुरुबृहस्पतिःअषिमुनितेतिस्कोटिदेवताजक्षगंधर्वकिंनरदैतेदानवअपसरानागलोक
इसदिग्पालपृथ्विसदकोवात्सरायनिबोनकलछोयाव्रजगेसालादनाव्रसुवर्णयाकलसजव
खवसतयावःथास२पतिबीजयानयेनाव्रछत्रधोजपतापचामलईत्पादिंबोयकावःअष्टमंगल
नउयकावःदिव्यदेह्यानाव्रतयारयानावचोनं॥थनंलीपर्वतराजयाआज्ञाथ्यंतेतिस्कोटिदे
वतांथेनकलविजातं॥थनंलीहिमालयपर्वतराजानतेतिस्कोटिदेवतांविष्पाकरवनाव्रजगे
प्रमानथेंकसलवार्तायानावसिंहंसनसविजातकावतलं॥थनंलिहिमालयपर्वतराजानमाल
कोकर्मधुनकावथवपुत्रिपार्वतीयातजलिजवापयावसतनतियावःरत्नमालानकोषायकाव
सुवर्णयातिसानतियकाव॥थमनफयाथेछायपाव्रजगेसालायाथासतयावतलं॥थनंलीसु
वलासलातकगुरुबृहस्पतिनजगेआरंभयातं॥थनंलीअषिमुनिपतिसेनचतुर्वेदयाठयानावचा

स्वस्था
॥६७॥

नं॥ हनं अनेग पुरा नादिक ठाकन कावतलं॥ हनं देवकं न्या जक्षकं न्या नागकं न्या किन्नरक
न्या अप्सराकं न्या पतिसे नृपात पतंवर वस्त्रनतिया व मनीमानिके यातिसा नतिया व श्रीष
डन ससले पन्या नाव पावतीया जव वस चो नाव चामलन गाय काव मंगल गीत या नाव चो
नं॥ हनं गंधर्व पतिसे नृमेहा लाव किन्नर पतिसे नताल थाना व अप्सरा पतिप्या व नृदया व चो
नं॥ थतं ती हेमालय पर्वत रं जानमाल कोक मधुन काव कं न्या दान या वेला जुया व हा मल कुस
जो नाव थव पुत्री पार्वतीया ला हात जो नाव मेना न सुवर्ण या कुंधाल हाय काव चतुर्मुख वं सान
वा कषयात काव सुवेला सलात कं न्या दान विययात हेमालय पर्वत न आज्ञा दय कलं॥ भो वि
स्वं भर्ग्री जगदीश्वर आव सुवेला जुल जिपुत्री पार्वती कं न्या दान का से विज्या हुने छल पोल या जा
तहु गोत्रहु विना गोत्र मदय कं हु कार्य याय मजिवध कं पार्वतीया ला हात जो नाव चो नं॥ थते पर्वत
राज यावचन उठ नाव जगदीश्वर नहु धाय सफ यावल ज्ञा चा याव को हु नाव चो नं॥ थवे लस वर

॥राम॥
॥६७॥

स्माविह्व इत्युपभित्तिरेतिसकोति देवताजस्रगंधर्वकिन्नरदेत्यदानवअपसरानागलोकवसि
ष्टपनिसेनयथेअर्थेधककुंधायमफयावसकलेआश्चर्यचायावचोन॥थ्वेवेलससतेलोकना
रदमुनिस्वरनसतीदेवीयाहारनजंत्रथासेमहादेवयागीतचललपावप्याखनऊयावहिमालय
पर्वतयाथासवनावआज्ञादयकलं॥भोपर्वतराजअमरुनपुत्रिपार्वतीदेवीजगदीस्वरयांतकंमा
दानविह्वनेविलंभयायसतेरुतासजुलवेलाविईनअमजगदीस्वरयामहीमाझायसुयासामर्थद
यमपुभोपर्वतराजथुस्रजदीस्वरयाभृष्टिस्थितिसंहारकर्तादयकावतल॥थुस्रपरमेस्वरग्व
वेलसंभृष्टियायुग्वेवेलसंस्थितियायुगोवेवेलसंसंहारयायु॥हनंग्वेवेलसंवस्माविह्वमहेश्वरधर्क
स्वसनंछस्रजुयावविज्यायु॥हनंग्वेवेलसंछस्रनंस्वस्रजुयावविज्यायुथथिंस्रआदिपुरुषयामा
मंस्रववनेमडु॥गोत्रंमडुजातंमडुसर्वव्यापितधयास्रथुका॥भोपर्वतराजतेतिसकोतिदेव
तायाआजाजुधयास्रथुस्रजगदीस्वरथुका॥हनंचतुर्मुखवस्त्राजिववायागुरुथुस्रहनंथ्वपृष्टि

॥ स्वस्था ॥

॥ ६८ ॥

सदकोमनुष्यवृक्षयाषानमीमालोहकीलपतंगपनिनुगलसविज्यानावआत्मापुरुषजुयावपा
पपुनेयासाद्धिजुयावविज्याकसुनिरंजननिराकारधयासंथुस्य॥ भोपर्वतराजथुस्यआदिनाथ
जदस्वरयामहीमाजिनगनतक्लायदोलक्षितुथुलावचोनस्यसेवनागर्यासामर्थमहु॥ हनं
जिपिताचतुर्मुखवृक्षायांगंमेमहु॥ भोपर्वतराजधनेरछलपोलयाभागेधन्यश्मेनाषागर्भेआ
वविलंभयायमतेवेनजुलतत्कारनंकंन्यादानविकुनेधकनारदनआग्यादयकली॥ थतेनारदया
आज्ञानेनावचतुर्मुखवृक्षाआदिंतेतिसकोतिदेवतनंधनेरनारदमुनिधकस्यावास्यानाव॥ हे
मालयपर्वतनंनारदमुनिस्वरयाआग्याऊनावचित्तुर्मुखजुयावमनसरसतायाववृक्षानवा
क्यातकावचंद्रसूर्यसाक्षिथानाव॥ तेतिसकोतिदेवतानस्वतकावमंगलजात्रायातकावमे
नानकुंधालहायकावपर्वतराजानहामलकुसदेष्टासेंनारदमुनिश्वरयाआज्ञार्थेअष्टमिदीन
षुनुसुवेलासलातकंपार्वतीमहादेवयातकंन्यादानविलं॥ ॥ थनंतिपार्वतीनमहादेवयात

॥ रामः ॥

॥ ६८ ॥

स्वचाकउलावखानमालानकोखायकावचररासंभोकषयावप्रजायानावपरमआनंदनविज्या
तं॥थनंलीपर्वतराजानदकोदेवतापनिपूजायानावदक्षनावियावनानापदार्थभोजनयातकाव
तलं॥हनंकोटि२सुवर्णकोति२रूपकोटि२सलकोति२सादानभुमिदानगृहदानअन्नदानवि
यावअतितअभ्यागतपनिस्तदानप्रदानयानावसंतोषयानावछोतं॥थनंलीपर्वतराजानगुरु
बृहस्पतियातआसिर्वादफयावजज्ञसंपूर्णयातं॥थनंलीदकोदेवतापनिसेनआज्ञादयकलं॥
भोपर्वतराजभोमेनाछलपोलयादयानजिपनिसंतोषजुयधुन॥धन्य२छनपोलयाभागेधं
न्य२मेनायागर्भ॥छलपोलसमानभागेमानित्रैलोकेसंडुर्लभ॥भोपर्वतराजछलपोलयाजन्म
कयासाफलेजुलछानधालसागुलमनुष्यनंलषशि२दसम्यतपस्यायानानश्रीजगदीश्वरया
दर्शनलायमफ्रहनंजोगेस्वरपनिसेनंजोगनंलुयकेमफ्रथधिंसापिनाकधारीछलपोलया
जिलाजनलानावछलपोलपनिसतवभागेभोपर्वतराजछलपोलयाजय२जुयमालधक

॥ स्वस्था ॥

॥ ६६ ॥

आसिर्वा दवियाव देवमपि जस गंधर्व किन्नरै देते दानव अप सरानाग लोक पति से न वे ला
कया वथ वर २ आश्रम स विज्ञातं ॥ ॥ थनं लि पार्वती नजुल सां जगदीश्वर या त स गो न स
ही त दय का वर द्या या अक्षित मधिः च्या तु ज ज म च्या फोल द्या पस्वानः च्या कुत गो च स ही
त न दय का वल बहू ना व चर रा सं भो क पू या व वि न ति या तं ॥ भो स्वा मि जग दी श्व र छ ल पो
ल स्वा मि ला य का मु ना न ना ना त र ह या त य स्था या ना अथे न छ ल पो ल या द र्श न ला य म फ ॥
भो स्वा मि आ व श्री ३ स्व स्था नि पर मे स्व री या कृ पा न जि म नो र थ प्र र्ण जु ल ॥ आ व छ ल पो ल या
दा सि तुं भा ल या व प्र सं न जु स्य वि ज्ञा य मा ल ध क वि न ति या ना व स गो न ल व हू ना व वि लं ॥ थ
नं लि म हा दे व पा र्व ती न वि व गु स गो न क या व पर म आ नं द नं वि ज्ञा तं ॥ थ नं लि पा र्व ती न वि न
ति या तं ॥ भो स्वा मि जि न र व छ ता वि न ति या य उ से वि ज्ञा कृ ने ॥ श्री ३ स्व स्था नि पर मे स्व री या कृ
पा नं छ ल पो ल स्वा मि ला य धु न आ व थु स पर मे स्व री पा र्व ती या ध र्म क था गु ण या य म ते थ म

॥ रामः ॥

॥ ६६ ॥

नुष्यसंसारदुःखीदरिद्रपनिदयावचो न॥ श्वपनिस्तउधारयायमालभोस्वामिथुलियानिमि
र्तिनविनतियानावधकधयावमहादेवनआशादयकलं॥ भोप्रियपार्वतीछनभक्तिभावतनाव
जिअतिसंतोषजुयधनछअतिज्ञानिरवतुःखिदरीदयाउपरसदयाड॥ भोप्रियआसाअस्वस्था
मात्राधिआराधनायावधकआशाविलं॥ थोवेलसपार्वतीनआराधनायांत॥ थनंलिअस्व
स्थामात्राधिथनकलविज्यानावविनतियांत॥ भोपरमेश्वरगिनहुयायमालआशाप्रसन्न
जुसेविज्यायमालधकविनतियानावपार्वतीनआशादयकलं॥ भोअस्वस्थामाछलपोलपा
तालसविज्यानावनागलोकपनिउधारयायमालगथेधातसाश्रीउस्वस्थानिपरमेश्वरीया
धर्मकथाकनाववयमालधकगथेश्रीनारायननंथवतउपदेशविलअथ्यअस्वस्थामारि
धियातश्रीउस्वस्थानिपरमेश्वरीयाधर्मउपदेशविलं॥ श्ववेलसअस्वस्थामारिधिनपार्वतीया
आज्ञानेनावमनसरसतायावधर्मउपदेशजोनावमहादेवयापार्वतियांचरनसभोकपुया

॥ स्वस्था ॥

॥ ७० ॥

ववेला कयावपातालसनागलोक उधारयायधक विज्यातं ॥ ॥ थनंलिपुनर्वा र श्रीजगदीर
श्वरन आशांदयकलं ॥ भो पार्वती आवसन्न स्रज्जघिपनिस्तं धर्म उयदेस विया वछो वधक आजाद
यको वपावतीन सन्न स्रज्जघिपनि आराधनायातं ॥ थवेल स सन्न स्रज्जघिपनिस्तं धर्म उयदेश विया
वछो वधक आजादयका वपावतीन सन्न स्रज्जघिपनि आराधनायातं ॥ थवेल स सन्न स्रज्जघिपनि
थन कल विज्याना व महादेवया पार्वतीयां चरन संभो क पुया व विनतियातं ॥ भो परमेस्वर जि
पनिस्त छुकारन आराधनायाना छु आजा जुया जिपनि से न छु याय माल धक विनतिया ना वपा
वतीन आशांदयकलं ॥ भो सन्न स्रज्जघिपनि छल पोलपनि मक्ष मंडल स विज्या ना वमनुष्यं लो
क उखिद रिद्ध उधारयाय माल धक गथे श्री नारायन नथ वत उयदेश विल अथ्यं श्री ३ स्वस्था
नी परमेस्वरी या अ पूर्व कथा सन्न स्रज्जघिपनिस्त कना व विज्यातं ॥ थवेल स सन्न स्रज्जघिपनि से न
श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या अ पूर्व कथा उना वमन सरसता या व महादेवया पार्वतीयां चर संभो

॥ रामः ॥

॥ ७० ॥

कपुथावप्री ३ स्वस्थानीपरमेश्वरीयाधर्मकथा जो नांव मक्षमंडनसमनुष्यलोक उधारयाय
धकविज्यात ॥ ॥ थननी पुनवीरप्रीजगदीस्वरनंआशादयकलं ॥ भोप्रियपार्वतीताकालं
दत्तजिनकेलासयाचर्चासयानागुआत्रथोतेनहिजिसवनेनुयो ॥ पीतापर्वतजमातामेना
याकेवेलाफोनेनुयोधकआशादयकावपार्वतीसहितनविज्यानावपर्वतराजायाकेविनति
यात ॥ भोपीतामाताआवजिपनिवनेतेलवेलाफोनेधकविनतियाताव ॥ हेमालयपर्वतनंमे
नातंमनहर्षमानयानावविनतियात ॥ भोत्रैलोक्यनाथछलपोलसेनपीतामाताधकआ
शादयविज्यात ॥ हेपरमेश्वरतेतिसकोटिदेवतायांआजागुगुयावविज्याकलछलपोल
सेनअज्ञानिसनंधायाथ्यंजीपनिस्तपितामाताधकआशादत ॥ भोजगंतनाथजिपनियापाप
दुखफुतकावसदाकालछलपोलयाजपध्यानतोत्रपाथजिपनिगलसथातकावपसन्नज
स्यविज्यायमात ॥ भोपरमेश्वरआवछलपोलपनिनिहजायायधकधयावप्रीजगदीश्वरप्री

॥ स्व स्था ॥

॥ ७१ ॥

पार्वतीनि स्त्र सुवर्णया सिंहासनस विज्यात काव्र अने गुपदार्थ पूजा जोल नताल लात काव्र
षोडशोपचारन पूजायातं ॥ थनंली पूजाया यधुन काव्र तोत्र यातं ॥ ॥ वंदे देव उमापतिं सुर
गुरुं वंदे जगत्कारुणं ॥ वंदे पन्नकभूषणमृगधरं वंदे सुनां पतिं ॥ वंदे सुर्यशशांकवर्हिण
यनं वंदे मुकुंदधीय ॥ वंदे भक्तजनप्रपंचवरगां वन्दे शिवं करमु ॥ १ ॥ थनं लिहिमालय
पर्वतन तोत्र या यधुन काव्र हे रामोतिमनिमानिक सुवर्णया निसानम हा देव यातं पार्वतिया
तं तिय काव्र चीजवीज छाया वज्रय ध्यान यातं ॥ थनंली हनं जय ध्यान या यधुन काव्र नानाप
दार्थ ताल लात काव्र पंचामृत फल मूल भोजन यात काव्र तलं ॥ थनंली भोजन यात के धुन का
व मुख सुधि विद्या वधर्म कर्म कथा उठना वेथ मन कया थे तोत्र यातं ॥ भो परमेस्वर गौरि संवर धने
जि भागे छल पो ल वजि सत्रि वनि सथ नि विज्या करव ना वजि मनस अति आनंद जुल ॥ गथे क्षील स
मुद सध्वी नारायण वलक्ष्मी व विज्या युवेल सगथे सीर स मुदया आनंद जुल अथे जिप निसे नं छल

॥ रामः ॥

॥ ७१ ॥

पोलवजिपुत्रिविज्याकरवनात्रमनसमानंदजुल॥भोभवानिसंकरछलपोलगथिंस्धातसा
थवमायानथमनेतोकपुयकावमनुषेयासांयानलयधजुयकावविज्याकसथथिंस्धातसा
लासयाकसश्रीभवानिशंकरयातकोति२नमस्कार॥हनंछलपोलगथिंस्धातसासमुद्रम
थनयाकवेलसकालकतथहावयावपृथिविभस्मयायतेन॥थवेलसछलपोलसेनकयावजु
यावगलपोतसथातकावदेवलोकपनिरक्षायानावकंठजुकनीलकठधकंनामपुष्यंतियातका
वविज्याकसछलपोलथथीस्नीलकंठयातकोटि२नमस्कार॥भोपरमेस्वरछलपोलगथिंस्धा
लसाश्रुष्टिस्थितिसंहारयानावविज्याकसंछलपोल॥भोईस्वरछलपोलगथिंस्धातसात्रिपुरा
सरवजुधयाकवेलसछलपोलयासाजगथिंस्धातसापृथिविरथचतुर्वेदसलंबंसासारथिसु
मेरुपर्वतधनुकसेवनागलिगोनमहाविष्णुवाला॥हनधायघाचछपुफतकेयातसाजगथिंस्
थथिस्तरपुरासरमोचकसविस्वभरमूर्तिश्रीमहादेयाचरणासकोटि२नमस्कार॥भोपरंबलधुलपा

॥ स्वस्था ॥

॥ ७२ ॥

वर्तनी नजुलसां जगत्माता जुयावचो न स्र जिपुत्रिधा यकाव जिगुउपर सकपायानाव विज्या कथं यी
स्ररुपा मति यात कोति २ नमस्कार ॥ भोजगदी स्वर बुद्ध्या विष्णु रुद्र धकं स्व स्र नं छ स्र जुयाव विज्या क
स्र यात कोति २ नमस्कार ॥ भोजगनायक बुद्ध्याऽध्यासं छलपोल ॥ स्यावर जंगम धयासं छलपोल ॥
सप्तसागर धयासं छलपोल ॥ पंचभूत आत्मां छलपोल ॥ निरंजन धयासं छलपोल ॥ पसुपति धयासं
छलपोल ॥ नारायण धयासं छलपोल ॥ सत्वगुन धयासं छलपोल ॥ तमोगुण धयासं छलपोल ॥ र
जोगुण धयासं छलपोल ॥ हनं मृत्यु या मृत्युसं छलपोल ॥ जन्म या जन्मसं छलपोल ॥ काल या काल
सं छलपोल ॥ धर्म या धर्मसं छलपोल ॥ तिस्र कोति देवता यां देवसं छलपोल ॥ अनाथ या नाथसं छ
लपोल ॥ विस्वरूपसं छलपोल ॥ आदि महु अंत महुसं छलपोल ॥ अष्टवसुधा यासं छलपोल ॥
दादसादि तेसं छलपोल ॥ दसदि गुयालसं छलपोल ॥ हनं श्व संसार सद कोपानिया नु गल सवि
ज्या नाव पाप पुं नैया साक्षि जुयाव विज्या कसं छलपोल ॥ भो हव भवो ज छलपोल या सुतिया यजि

॥ रामः ॥

॥ ७२ ॥

पनि सामर्थमडु॥ भो प्रभु दोलक्षि स्तुतु थला वचो न स सेष ना गयां सामर्थमडु॥ भोगौरी शंखर आ
व्रजि उयर सछल पो ल सेन करु ना दया व सदा कालं छल पो ल या ज प ध्या न जि नु ग ल स था त का व
प्र स न्न ज से वि न्या य मा ल ध क नि स्त्रि पुरुष नं ला हा त हा ज ल पा व वि न ति या तं॥ थनंली ज ग दी स्वर
र न थ व म सु र पी ता हे मा ल य प र्व त रा जा मा ता मे ना या भ ति भा व र व ना व श्री ज ग दी स्वर अ ति र स ता
या व मु सु हु न हि ला व आ ज्ञा द य क लं॥ भो प र्व त रा ज भो मे ना छ न पू ज्ञा भा व न जि प नि अ ति सं तो
ष ज य धु न॥ भो प र्व त रा ज छ न त व र दान थु लि जि गु लि ज प ध्या न तो त्र पा ठ स दा कालं छ न नु ग ल स
त या व ति व थ वेल स छ न त के ला स स वा स ला य॥ भो प र्व ता धि प ति आ व्र जि प नि के ला स व ने ते ल ध
क आ ज्ञा द य का व वे ला कालं॥ थनंली प र्व त रा ज न पार्व ती या त अ ने ग हे रा मे ति या अ लं काल वि या
व मि र वा न रु ष र्वा वि हा य का व नि स्त्रि पुरुष यां च र स भो क पु या व वे ला वि लं॥ ॥ थनंली ज ग दी
स्वरं पार्व ती न वे ला क या व पू ज्ञा मा न्य क या व म हा आ नं द न हृष भ ग या व ते स को टी दे व ता नं लि त

॥ स्वस्था ॥

॥ ७३ ॥

काव नाना मंगल तोत्र यात काव हे मा लय पर्वत या क्षत पिहा विज्या नाव के ला स पर्वत थे न कल वि
ज्या तं ॥ धनंली के ला स पर्वत थ हा विज्या नाव प्रथम ग रा उ य काव पार्वति वर स भोग या ना
व ता का लं सु ख न का ल ह ना व विज्या तं ॥ धनंली छु ज्ञ या दी न स श्री पार्वती देवी या को था स वि
ज्या ना व को ल न व य धु न का व को ल सिया मुर्ति छ हृ दय का व लु आ या पि ने त या व त लं ॥ धनंली म
हा दे व या स दा या थें पि ने स्मि ता व विज्या य धु न का व थ व क्ष स लि हा विज्या क वे ल स ड ने विज्या य ते न वे
ल स थ व को ल सिया मुर्ति द य का व त या स न डु त म छो से प ना व त लं ॥ थ व वे ल स म हा दे व या अ ति को
ठ जु या व थु स स व ना प जु ह या ना व क्षे ल स प्र हा र या ना व क्षे ल धे ना व थ व मं डी ल स डु हा विज्या तं
थो वे ल स पार्वती न वि न ति या तं ॥ भो स्वामि ज ग दी स्वर पि ने चो न स या त रु या ना व विज्या ना ध क वि
न ति या क गु ठ ना व स हा दे व न आ ज्ञा द य क लं ॥ भो पार्वती पि ने चो न स या त जा क्षे ल धे ना व स्या ना
व व या ध क आ ज्ञा द य क लं ॥ थो वे ल स पार्वती न वि न ति या तं भो पर मे स्वर थ्व स जा ति पु त्र ध का छ

॥ राम ॥

॥ ७३ ॥

लपोलसेनगथेमसियाधकडुःखनविनतियातं॥ ध्ववेलसमहादेवनआशादयकलं भोपियजिन
जाअमथेगुमसियाछुडुखतायमते छनपुत्रजुलसाजीवदानवियहतासचायमतेधकपार्वतीया
तवोधवियावतत्कारनंदूतपनिसतलं॥ ध्ववेलसतत्कारनंपेस्रदूतपनिवयावमहारुद्रयाचरणा
संभोकपुयावलाहातहाजलपावविनतियातं॥ भोपरमेस्वरजियनिसेनछुयायमालतत्कारनंआ
ग्याप्रसंनजुसेविज्यायमालधकविनतियानावमहादेवनआग्यादयकलं॥ भोदूतपनिछुपनिप्यस्र
थथेवनावखलरुद्रगुस्रकापालातउस्रस्याप्राणकयावसीलजोनावतत्कारनंवयमालधकआशा
दयकलं॥ ध्वतेप्रीजगदीश्वरयाआग्यासीलसधरलपावचरनसंभोकपुयावपेस्रदूतपनिसेनंथव
मालगुमस्वअस्वजोनावप्रस्थानयानावमालवलं॥ ध्ववेलसमालववंसुंछसंप्राणिजनपनिलुयके
मफयावप्यगुलिदिसांसमालवनंथनंलिवनपतिं मालपतिं पाकुपतिं पुचापतिं मालजुयानंलुयके
मफयावअभूतआसार्यचायावअसामर्थजुयावपेस्रदूतंहावदिनावषहानावचोनं॥ भोपासापनि

॥ स्वस्था ॥
॥ ७४ ॥

आवगथेयायथेयनेमफतधालसाहिजिसप्राणाअवसेनंलेनिवमषुयेनेधालसाछुयेनेधकमहा
धंडाकायावचोनवेलसदक्षीनदिसापाषेनमस्तहावकिसिछस्रयाननषनेदयकलवलं ॥ थवेल
सयेस्रइतयनिसेनखनावहतासनंदनावथकि सियातलिनावयेस्रप्येचोनावजगदीस्वरयाना
मस्वपोलकयावचंडवानवालासमंत्रजोजलपावयाननंकयकावछेतां ॥ थवेलसकिसियागलपो
तसलातककयावमस्तकछिनजुयावकतिनवलं ॥ थवेलसयेस्रइतंहताससनंवनारभुमिसजुयम
लातकंआकासनंकचामिकजोनावकुवयावयनं ॥ थकीसिगथिसंधालसाअंततजुयगुवर्णजुयाव
निपुदंतनसोभायमानजुयावचोनथथिसकि सियामस्तककुवयावकैलासथतयनावमहादेवया
ध्रुवनेटयावविलं ॥ थवेलसमहादेवनकयावकोलसियामूर्तिदयकावतयास्रयातथ्वगजमस्तकछु
नावजीवदातयावविलं ॥ थवेलसगरोसधकनामप्रकांतियानावविलं ॥ थनंलीपार्वतिनथवपु
त्रयाजीवरक्षाजुवखनावमनसरसतायावथीजगदीस्वरव श्रीपार्वतीवनिस्त्रिपुरुषजुयावको

॥ राम ॥
॥ ७४ ॥

ठासपरमआनंदनविज्यातं॥ ॥ थनंनिछुक्रयादीनसंतेतिसकोतिदेवतायाराजानजुलसांअ
ग्निदेवतावीनकलछोयात्रआज्ञादयकलं॥ भोअग्निदेवताजगदीस्वरधालसाकोठानसुधापिहाम
विज्याकथुत्यजगदीस्वरथथेछुयानथ्ववंसांडसुनानरक्षायायुषव॥ भोअग्निदेवताथतेनछुथथें
वनावपितकंयावहयमालधकआज्ञादयकलं॥ थतेदेवराजायाआज्ञाडठनावतत्कारनंवायुवेगन
केलासपर्वतथेनकलविज्यानावडुहावनेतेनं॥ थ्वेलसधारपारचोनावचोनपनिसेनडुतमछे
सेतल॥ थ्वेलसवायुदेवतायारूपकयावकोयद्यालनडुहाविज्यानावभिछुकयारूपकयावचोनं
॥ गथिंगुवषतसथ्वअग्निदेवताविज्यातधालसामहादेवपार्वतीवरेकांतजुयावचोनवेलसथेन
कलवनं॥ थ्वेलसमहादेवयाअतीकोठजुयावअग्निदेवताभस्मयायतेन॥ थ्वेलसपार्वतीनवि
नतियातं॥ भोपरमेश्वरभिछुकयातभस्मयायमतेछुंभतिफोनेवियावछेवधकंविनतियानावत
मनंवीजछुपासलविलं॥ थ्वेलसअग्निदेवतानविवकथनंथ्वीजभाकातिनावअनचोनेमछाला

॥ स्वस्था ॥

॥ ७५ ॥

ब्रह्मा २ सनं पिहा विज्यातं ॥ थवे लसवीर्जया प्रभावन अग्निदेवताया सरीर सदया ववलं ॥
थो वेलस अग्निदेवता नवया य हं मसिया व स्याथ समिछोया व अनर्थ जुलधकं हाला व आव्रजक
जिहु जुय ते न वेधकं महा धंदा कया व ग्या ना व गंगाया ललिते वया व गंगा सहोया व चो नं ॥ थथे
मजिया व चिभाय भुवया व कसया भो सहोया व तलं ॥ थो वेलस तिनी अग्निदेवताया सुखदतं ॥
थनं लिखवीज जक मिछोया व चो नं ॥ थनं लि अग्निदेवता ग्या ना व देवराज याथा सवने मछाला व थ
व मं दील स विज्या ना व सुखन चो नं ॥ ॥ थनया खथुति ॥ ॥ थनं लि छुया दीन स सन्न सवे
स्वरया कलात पनि गंगा स सनान या यधुन का व लिहा विज्या क वेल स थ मिछोया व चो न खना व धा
लं ॥ थवे लस छ स से न जक धाल भो या सा पनि धर्म या यधक वया वेल स कत पनिया मि कु य मते
जिजा कु य म यो व छ पनि जक वने धाल सा हुनि धक धया व छ स जक लिहा वल ॥ थवे लस पु स से नं
जक थ मि क ना व थ व क्षे वनं ॥ थनं लि ह्यला चा द द सं लि थ वं स नि य नि सरीर सद से वल थवे ल

॥ राम ॥

॥ ७५ ॥

श्ववेलसखसुनियनिपुरुषऋषियनिसेनसियावधालं ॥ भोचांडालखसुनियनिछमिगेथेगर्भस
दतधकडनावडंलुनियनिसेनविनतियातं ॥ भोयुरुषयनिजिमिसेनजाछेलयोलयनिवाहिकमेव
पुरुषजामसियाधकविनतियानावसतेबोलसुधायातं ॥ श्ववेलसऋषिवेस्वरपनियतितमजुयावशा
पविलं ॥ भोवसुनियनिआवछयनिषाषिपुचलनगुजुमावचोनेमालधकआयविलं ॥ श्ववेलसखसु
नियनिसेनआपफयावगंगासबीजहोयावआकाससथाहावनावतारगणसषाषिपुचलनगुधाया
कावचोनेअशायिदयावचोनेतिनि ॥ ॥ धनंलिगंगासबीजहोयावतयागुलिनकुमारधकनामजु
यावषुपातछाललछलजातजुयावगंगायुत्रधकनामप्रव्यंतिजुयकावश्रीजगदीस्वरश्रीपार्वती
श्रीगंगा ॥ श्वयनिथासवनावगणोसकुमारनिलसेनदर्शनयातं ॥ धनंलीजगदीस्वरनगणोसकुमार
जवरवसतमावपरमआनंदनविज्यातं ॥ ॥ धनंलियुनवीरगणोशकुमारकथथंशुक्लयक्षयाच
दमाथंनवधिकलजुयाववलं ॥ थथागुवेलसतारकासुरपनिसेनअमरावतीतेलावतलश्ववेलस

॥ स्वस्था ॥

॥ ७६ ॥

देवराजानसुयस्वकोतिदेवगनमुनकावसाहुतियातं ॥ भोदेवलोकहिजिसअमरावतिताकालंदत-
पापिष्टतारकासूरपनिसेनतेलावतल आवलितकाययातउपकारदतगथेधालसाजगदीस्वरयाग
रोशकुमारजन्मजुल आवसकलेंवनावविनतियायनुयोधकआग्यादयकलं ॥ ध्वतेदेवराजायाआ
ज्ञाठनावदेवलोकपनिसेनविनतियातं ॥ भोदेवेष्टछुलपोलयासेनआज्ञादयकागुरवसत्यनंरव
वजिर्वखेनुयोधकंविनतियानावदेवराजाप्रभितिसकलेंमुनावश्रीजगदीस्वरयाथासथेनकलविज्या
नावसकलसेनंलाहातहाजलपाव गागलपोतसतयावमिधानजकषोविहायकावविनतियातं
॥ भोजगदीस्वरजिपनिरक्षायामालपापिष्टतारकासूरपनिसेनहिजिसअमरावतितेलाव
तलताकालंदत ॥ भोस्वामिध्वतेनजिपनिउपरसकरुनादयमालधकविनतियातं ॥ ध्वतेसकल
देवदेवतायाविनतिठनावमहादेवनआज्ञादयकलं ॥ भोदेवलोकछपनिसेनजकतारकासूरपनि
स्यायफयुमषुभोदेवलोकपनिछपनिसेनविलापयाकरवनावजिअतिकरुनाचायधुन ॥ ध्वतेनजि

॥ राम ॥

॥ ७६ ॥

न अवसेनं अमरावतिलितकायाववियधंदाकायमतेथनीयादीनसभालसामधुनिलि
पतसवायोधकआज्ञादयकावदेवरजाप्रभितिसुयस्वकोतिदेवतानंमहादेवयाचरनस
भोकपुयाववेलापोनावथवमंदिलसलिराविज्यातं॥ पुनर्वीरजगदीस्वरपरमआनं
दनविज्यातं॥ थनंलिश्रीजगदिस्वरनआज्ञाग्यादयकल॥ भोगरोगशकुमार॥ आवछ
पनिनिलससुवललाकषेचयछपनिस्पनथर्थवनावगुस्त्रसेनक्रापालातकसुमेरुचाक
उलाववयफतउमयातवरदानवियधकआज्ञादयकल॥ थवेपिताजगदीश्वरयाआज्ञाडना
वतत्कारनंवपदनावकुमारनमातापितापनिचरनसभोकपुयावथववाहनससवागयाववा
युवेगनंसुमेरुउलेधकविज्यातं॥ थनंलीगणेशयाजकभलसामदयावमहाधंदाकयाव
थानसलिराविज्यानावथववाहनतिछुयाथाससुमुकंचोनं॥ थवेलसतिछुनथवस्वामिगणेश
सयामनसअंदोलयानावचोनवनावविनतीयांत॥ भोलवोदरथनीछलपोलयामनसअंदोल

॥ स्वस्था ॥

॥ ७७ ॥

छुकारनयासेविज्यानाछलपोलयाछुहुःखजुलआज्ञादयकसेविज्यायमालधकविनतियातं
थ्वतेतिछुयाविनतिऽनावलवोदरनआज्ञादयकलं ॥ भोतिछुजिमनसअंदोलजुवगुषछुधाय
॥ भोतिछुथनियादीनसजिववानआज्ञाजुलगुससेनहूपातातकसुमेरुउलाववयफतउस
यातवरदानवियधकआज्ञादतकुमारधालसातत्कारनवनवयाधालसाससवावाहनवोसे
वनेफुवजालिथनेफतथवधालसाथथिनछुधालसाछुजिधालसाद्याठजकेतवगोलसोलज
कताहाकलऽवसेवनेभलसामुथ्वतेयाकारनजिमनसधंदाजुलधकआज्ञादयकलं ॥ थ्वतेथी
लंवोदरयाआज्ञाऽनावतिछुनविनतियातं ॥ भोस्वामिलवोदरअमलिरवसंछलपोलधंदाका
सेविज्यायमाललाछलपोलयासेवकजिमउलाजिगुलिउपदेसऽसेविज्याहुने ॥ भोस्वामिछल
पालयापितामातागंगास्वसंनापविज्यानाचोन्यवेलसजिनजासुमेरुमेलेमसियासुमेरुअसु
मेरुछलपोलपनिजकसियोधकस्वस्येतं चरणासभोकपयावविनतियाव ॥ भोस्वामिगंगा

॥ रामः ॥

॥ ७७ ॥

शथ्वेवेलस छलपोलयातं वरदानविषयकतिहुनसेनं॥ श्वेवेलसगरोशनमनसषवभा
लपावश्रीजगदीश्वरः श्रीपार्वती श्रीगंगा स्वसंनपविज्यानावलो नवेलसवनाव स्वस्य स्यातं स्व
चाकउलावचरनसभोकपुयाव विनतियातं॥ भोपितामाता गंगा जिनजासुमेरुमेलेमसिया
सुमेरुं असुमेरुं छलपोलपनि स्वस्य जकसियाधकविनतियातं॥ श्वेतेलं वोदरया विनतिडठ
नाव श्रीजगदीश्वरपुसिजुयाव आतादयकलं॥ भोपुत्रगरोश छपरमगपानिषव छनतवर
दानकाव श्वसंसारसमनुष्यलोकनस्वर्गमध्यपातालसंगुलसेनं छुं कार्ययातसां छनत ह्वा
पालातकपूजायाकलयातनानं कार्यसिद्धयागुसाफलेजुयमाला॥ हनं छनतमाने मयास्यं
छुं कार्ययातसां वल्लस्यां असिद्धजुयमाला॥ हनं छनतमाने मयासंछुं कार्ययातसां वल्लस्यां अ
सिद्धजुयमाला॥ भोपुत्रगरोस आवछमक्षमंडलसवनाव पूजाफयावचो नहुनिधकवरदा
नविल॥ थनं लिगरोस यामनस अतिरसतायाव मातापितायाचरनसभोकपुयाववेलाकया

स्वस्था
॥ ७८ ॥

व्रथवमंदीलसविज्ञानावतिष्ठयातधालं ॥ भोतिष्ठुस्यावास्रच्छनबुधिनजिनवरदान
कायधुन आवववायाआज्ञाथंमक्षेमंडलसपूजाफयावचोनवनेनयोधकआज्ञादयका
व्रथववाहनतिष्ठुगयात्रमक्षेमंडलसविज्ञानावपूजाफयावविज्ञातं ॥ ॥ थनंलिख
मारयाजकथववाहनस्रसषायापानकेनावलिहावयमफयावचोनं ॥ थवेलसगंगा
यामनसअविमानचोयावमहादेवयाकेविनतियातं ॥ भोस्वामिजगदीस्वरगणोसयात
धालसावरदानविलजिपुत्रकुमारधालसाआवतलंलिहामवनिधकविनतियानावमहादे
वनआज्ञागादयकलं ॥ भोपियगंगाछनकायजालिहावयमफयावचोनतिनिछनकायन
नानंथेनकेयातश्री ३ स्वस्थानिपरमेश्वरीयाधर्मनिद्वं थवेलसतिनिछनकायथेनिधकआ
ज्ञादयकलं ॥ थवेलसगंगानमहादेवयाआज्ञानेनावपोषसुक्तायापूर्णमास्यापुननिसेंश्री ३
स्वस्थानिपरमेश्वरीयाधर्मदंनं ॥ थनंलिलसीसंपूर्णजुयावमाघशुक्लायापूर्णमास्यापुनसं

॥ रामः ॥

॥ ७८ ॥

जुयका वृथमनफको सुचीयाना वृ. श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरीया तषोडसोपचारन पूजाया
नाव अर्धवियाव मालको जपध्यानयाना वृ आसिखा फो ना वृ. स्नानको काया व च छिंजागर्त
नाया ना वृ श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वरीया नाम काया व विज्यातं ॥ थनं लि श्री ३ स्वस्थानि परमे
स्वरीया प्रभाव न उषु नु या रा श्री संतु कुमार रथे न कल विज्या ना वृ माता पिता पति चरन सभोक
पुया वृ थ वृ विस्तार मालको षक ना वृ चो नं ॥ थनं लि गंगा नमन सहर्ष मान या ना वृ पुत्र कु
मार या तचित स्नान विया वृ आसिर्वा द विया वृ फल मूल भोजन या त कलं ॥ थनं ली मालको भो
जन या त के धुन का वृ श्री जगदीश्वर न आशा दय कलं ॥ भो पुत्र कुमार आव छुन त वरदान का वृ
छुन त स्वर्ग मधे या ताल संगु प्रस्थान छु कार्य या त सां छुन त ह्या पा ला त क मान या क स्रया का
र्य सिद्ध जुय माल ॥ छुन त माने मान्य मया से छु कार्य या त सां व स्रया असिद्धि जुय माल धक
वरदान विलं ॥ थो वेल सकुमार या मन सर सता या व महा देव या चरणा संभोक पुया वृ मक्षमं

॥ स्वस्था ॥

॥ ७६ ॥

डल सविज्ञाना वपूजा फया व विज्ञातं ॥ ॥ थनया खथुति ॥ ॥ थनंति देवराजान दको देवग
रायनि मुनका वपूजा गदी स्वरया था सविज्ञाना व विनतियातं ॥ भो स्वामि जगदीश्वर जिपनि व
ना वरशा या य हुता सजुल ॥ ता कालं दत पापिष्ट तारका सुरपनि सेन हिजिस अमरावती तिला व
तल आवत तेलं लिका य मफुनि गथे या य गुरवध कविनतिया भाव महा देवन आजा दय कलं ॥
भो देवराज पनि छपमि सेन अमरावतिलित काय फयि मधु अमरावतिलित काय धालसा
जिपुत्र कुमार निवोन कल छे वध कं आजा दय कलं ॥ थवे ल स देवलो कयनि सेन तत्कारनं म
क्षम डल सको हा विज्ञाना वपूजा मारवो ना वयन ॥ थवे ल स महा देवन आजा दय कलं ॥ भो देव
राज आव कुमार सारथिया ना व छप भितिस कल देवतायां थ वर शस्त्र अस्त्र पस्या नयाना व
ति वध क आजा दय कलं ॥ थनंती देवराज पभितिस कल देवतायां थ वर शस्त्र अस्त्र पस्या नया
ना वत थलं ॥ ॥ थनंति गरी स न आजा दय कलं भोति छु स्व वर न कति निजित वर श न विद्या

॥ रामः ॥

॥ ७६ ॥

बहुल आवथमर्नजितमाने मया सेरुताल वनेते न धकं आशादयकावति छुन विनतियातं
॥ भोगगोशधंदाका सेविज्यायमते वेवाया लोलमनथुका आवजिदनावलमनकाववय
थुका धकविनतिया नावधनुक वानप्रस्थानयानावतयाथा न सवनावति छुन धनुकयाति
गोनचानावथवथान सवयावचीनं ॥ थनं लिदेवलोकपनि सयावने वेलाजुयावथ त २ श
खअखकायधकविज्याकवेल सधनुकयातिगोनचोनावतलषनावरुता २ सनं महादेवया
था सवनावविनतियातं ॥ भोजगदीस्वरहिजिसप्रस्थानयानावतयाधनुकयातिगोनजाच
तफनावतलमुयाज्याधकमिसिया ॥ भोस्वामिहिजीसजाविघ्नतुं तुलतिनि आवगथेयायछ
लपोलपनिसेनस्यस्यविज्याऊने धकविनतियातं ॥ थोतेदेवलोकपनि विनतिनेनावमहादे
वनंध्याननंस्वयावआशादयकलं ॥ भोदेवलोकपनिहता सचायमते विघ्नतुलमधुजिपुत्रग
गोशयातथायकलछोयलो लमनथुका आवगगोशनं लुमनकलवलथुका आवगगोशिवान

॥ स्वस्था ॥

॥ ८० ॥

कल छो ब्रध कआ जा दय कल ॥ अते जगदी स्वरया आजा ने ना व देव लोक पनि से न गरौ श
वो ना व यनं ॥ धनं लि श्री जगदी स्वर न गरौ श कु मार ज वं ख वं सत या व देव राज प्रभिति सकल
देवता नं लि त का व नार का सुर दे त्प पनि स व जु द्र या य ध क थ व र स ख अ ख जो ना व व लियान नं
उठा व थ्ये विश द न हा ला व को ला स न को हा वि ज्ञा ना व दे त्प लोक स डु वा त व नं ॥ श्व वे ल स दे त्प
लो क न दे व लोक पनि रु ता ल व व व ना व नार का मूर महिषा सुर वि पुरा सुर पनि से न अ तित
को ध जु या व रु ता र स नं थ व से त्प पनि मु न का व अ त्प न ज या व चान ख र्ज सर ध नु वाला नाना
श ख अ ख जो ना व दे व लोक पनि स्व या व अ धि जो ज ल पु व थ्यं को ठ जु या व छ ल पो ल नं गा त
कं ला य वु या व रु य का या व व नं ॥ थो वे ल स दे व लोक वं दे त्प लोक व नि प क्षे या से ना पनि ना प ला
ना व नि गु लि स मु ड ना प ला क थ्यं रु नु नु नं दि नि नि नि हा ला व म हा क लो ल न जु द्र या तं ॥ ग थिं
गु ष का र न जु द्र या त धा ल सा सिं ह व सिं ह ल्वा क थं ह व भ व ह व भ ल्वा क थं थि थि ला रु ति

॥ रामः ॥

॥ ८० ॥

नंलाहातसदायावत्तर्गनं पातावत्तु नं कयकावत्तु मुगलनं दयावत्तु त्रिसूरनं प्रहारया नावत्तु तित्त
पेनकावत्तु थिंग प्रकारन जुद्रया नावत्तु देवलोकपनि अतिक्रौञ्जयावत्तु देतेया सेनापनि चूर्णाभूतथ
नावत्तु विलं ॥ श्वेत्तलसहनं देते लोकपनि अतंत क्रौञ्जयावत्तु मिषाजक ह्याउकक नावत्तु बलिया ननडा
अथे विसवदनहालावत्तु वाकटहन ह्येयावत्तु कुमारया सेनापनि चूर्णभूतथ नावत्तु विलं ॥ श्वेत्तलसकुमा
रयाथ वसेनापनि चूर्णाभूतथ नावत्तु तलघनावत्तु अतंत क्रौञ्जयावत्तु नं ॥ श्वेत्तलसदेवलोकपनि से
नलायवत्तु ॥ थथे देवलोकपनि सेनलायवत्तु वत्तयावत्तु तारकासूरपनि अतंत क्रौञ्जयावत्तु कुमारया
रथजो नावत्तु घानावत्तु छोतं ॥ श्वेत्तलसजो जनछिरथ लिचिलावत्तु नं ॥ श्वेत्तलसकुमारया अतंत क्रौञ्ज
जयावत्तु तारकासूरयारथ सपेनकावत्तु छोतं ॥ श्वेत्तलसपेजो जनछिरथ लिचिलावत्तु नं ॥ श्वेत्तलसकु
मारया अतंत क्रौञ्जयावत्तु तारकासूरयारथ सपेनकावत्तु छोतं ॥ श्वेत्तलसपेजो जनलिचिलावत्तु नं ॥ श्व
ेत्तलसदेवलोकपनि सेनलायवत्तु वत्तु ॥ धनेर कुमारस्यावास रधकगुनवर्णियातं श्वेत्तलसतारका

॥ स्वस्था ॥
॥ ८१ ॥

सरयासेनापनिज्ञानावविसेवनं ॥ थनंलितारकासूरमहीषासुरत्रिपुरासुरपनिसेनअतेतकोठ
जुयावहापायाडगनछिवलपितकायाव स्वस्यस्यारथस्यातकाव कुमास्नकतुस्वयाव स्वर्गपाछा
याववलं ॥ थवेलसकुमारनहतारसनंथवचंदवानवालापितकायाव चंदवानवालासमंजजलपा
ववालाडयावचोनं ॥ थवेलसदेवयाजोगनतारकासूरमहीषासुरत्रिपुरासूरथस्वस्यारथदूलला
तं ॥ थथिंगुअवसरसकुमारनचंदवालानप्रहारयानावछोतं ॥ थवेलसतारकासूरमहीषासूरत्रि
पुरासूरस्वस्यारथगतपोतसकयाव सीलछिनजुयावकुतिनवलं ॥ थवेलसदेवलोकपनिहतारसन
वनावभुमिसंजुयमलाकंआकाससंफयावहलं ॥ थनंलीआजगदीस्वरनकयाव मुंदमालादयकाव
कोषायावविज्यातं ॥ थतारकासूरपनिगथिंगुवेलसमोचकलधालसादीनयाघरिमदन रात्रियाघरि
मतवनि ॥ थथिंगुवेलसमोचकावदेवलोकपनिसेनछहाचकंलायवुयावचोनं ॥ थवेलसदेतेयासे
नापनित्राहिश्नुयावअनथनमदयकंविसेवनं ॥ थनंलिदेवलोकपनीसेनधनेश्कुमारस्यावास् ॥

॥ रामः ॥
॥ ८१ ॥

धाय छलपोलखवपापिष्टतारकासूरमोचकस्त्रयातकोटिरनमस्कारधकपालिजातस्वानवगात
कावअनेगमाथनगुनवर्णयानावडुंडुभिवाद्यथानावअमरावतिसविज्यानावमंगलवाद्यथानावना
माथनवहानावपरमआनंदनविज्यातं ॥ थनंलीश्रीजगदीश्वरनअमरावतिलितकायावत्रिपुरासूर
पनिमोचकावसुयस्वकोतिदेवतानंलितकावअनेगवाद्यथानावमंगलजात्रायातकावकेलाससलि
हाविज्यानावगणोसकुमारजवरखवतयावपुथमंगरानउयकावपरमआनंदनविज्यातं ॥ थनं
लिदेवराजानविनतियातं ॥ भोस्वामिजगदीश्वरछलपोलयाकपानअमरावतिलितकायधुनधनेरछ
लपोल ॥ धनेरकुमारधकवेलाफोनावविनतियातं ॥ थवेलसमहादेवनआज्ञादयकलं ॥ भोदेवराजआ
वछनअमरावतिछनतंतुकावधकआज्ञादयकावदेवराजाप्रभितिसकलदेवतानंश्रीजगदीश्वरयाच
रनसभोकप्रयाववेलाकयावदेवराजायामनसआनंदयानावतेतिसकोतिदेवतानंलितकावअमरावति
सविज्यानावसुषनराज्येभुक्तलपावविज्यातं ॥ थनंलिश्रीजगदीश्वरपरमआनंदनविज्यातंथनंलि

॥ स्वस्था ॥

॥ ८२ ॥

ध्वंसं सारसगुल्यमनुषेनं थुगुलि श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरीया धर्म कथा ॥ निवृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
नं जायुवृत्तगुल्यमनुषेनं थुगुलि परमेस्वरीया व्या व्या नदयका वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
ना वृत्तगुल्यमनुषेनं थुगुलि परमेस्वरीया व्या व्या नदयका वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
नमय जलभय स्थलभय ॥ नाना उदय भयना सजुया वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
सुख भोग संपत्ति लाना वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
हृत्था ॥ गुरु हृत्था लात सां थुगुलि पाप मोचन जया वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
नि परमेस्वरिया भक्ति भाव या कल्याण गथे पार्वती न थुगुलि परमेस्वरीया व्या व्या नदयका वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
वृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
अथ श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरीया धर्म कथा ॥ निवृत्तगुल्यमनुषेनं धर्मदनिवृत्तगुल्य
॥ श्री गणेशाय नमः ॥ थनं लिपा ता लया धनि ह्याय ॥ ह्या पां सप्त पाता लया मुल गु रसांत

॥ रामः ॥

॥ ८३ ॥

रधायागुयातालसमंडलयादथुसनागलोकपनिदेसदयावचोन॥ गथिंगुदेसधाजसा मनिमानि
कदवावतयागुहनंथासश्यतिहेरामोतिथुनावतयागुलिनअंधकालफुनावचोन॥ थथिंगुदेसया
दथुस सैषनागयाजापभितिवसलयंचोन थथिंयिं नागराजाधालसा॥ अनंत नागराजा॥ वासुकि
नागराजा॥ तक्षक नागराजा॥ कर्कोतक नागराजा॥ यम नागराजा॥ शंखपाल नागराजा॥ कुलिक
नागराजा॥ वरुन नागराजा॥ ध्वते नागया नागकंन्यापनिषमूखन असंवेनागराजापनिवसलयंचो
न॥ हनंथ्वनाग नागिनी अतंतवानलाक मनीमानिकयातिसानतियाजा जोलेमाननथवश्यफनि
यातेजपिकायावअंधकारफुतकावयरमआनंदनविज्यानावचोन॥ पुनर्वारथ्वनागमंडलसवस
लयंचोन॥ शंखचूर्ण रत्नचूर्ण कपादत धतराष्ट्र थ्वेस नागराजापनिवसलयंचोन॥ हनंथ्वना
गराजापनिनागिनिपनियानामगथिंगुधालसा हेरावति रत्नावती यमावती मृगावती॥ थ्वलि
नागराजापनित्रिपुरुषसहितनसम्यवादिशुयावचोन॥ थथिंयिं नागराजापनिलच्छुक्रयादीनसदेव

॥ स्वस्था ॥

॥ ८३ ॥

नलिना वः महाकंगालजुया वनयमषना वः थ वः स वः स त सुधांत म दया वः महालज्या फ चीत जु
या वः नागलोक स चो ने म फ या वः राजे तोल ता वः छ गु लिव नांत र स वः ना वः पा क चा छ गु लिस चो ना वः ड
ख सिया वः चो नं ॥ थ नं लि छ कृ या दी न स श्री पार्व ति न छो या वः ह या अ स्व स्था मा ऋ वे स्वर न डु रवी
दरी ड प नि ड धार या य ध कर सां त र स वि ज्ञा तं ॥ थ नं लि ना ग रा जा प नि से के ड न भो ना ग रा जा प नि थ
न ना ग लोक स ग वः २ डुः खि द रि ड ड ॥ ग वः २ सु खि डु जि न डुः खि द रि ड प नि ड धार या य ध क आ ज्ञा द य क
लं ॥ थ वे ल स ना ग रा जा प नि से न वि न ति या तं ॥ भो ऋ वि स्वर थ न ना ग मं ड ल स रा जा छ ल पो ल या द या
न स क लें भा गे मा नि थ का ॥ भो ऋ वे स्वर कृ कृ व नां त र स ज क शं व दूर्णा र त्र दूर्णा कृ पा द न ॥ धृ त रा ष्ट
थ पे ह ना ग रा जा प नि ज क त्रि पुरु ष स ही न न डुः ख सिया वः चो न ध क क ना वः छो तं ॥ थ नं ली अ स्व
स्था मा ऋ वे स्वर न ना ग रा जा प नि व च न ड न ना वः व नां त र स वः ना वः ना ग रा जा प नि ना म क या वः स ल ता
वः चो नं ॥ थ वे ल स ना गि नि प नि से न ता या वः पा क न पि हा वः या वः स्व क वे ल स अ स्व स्था मा ष ना वः वि न

॥ रामः ॥

॥ ८३ ॥

नित्यातं॥ भो ज्ञेयस्वरूप आज्ञा जुसे विज्ञानाधकवि नित्याना व अस्वस्थामान आग्यादय कलं॥ भो ना
गिनीपनिजिन उद्विद्धिदपनि उधारयाय धक दया आवृष्ट पनि उधार जुय यल साजिन उय दे सविद्य उ
व भो नागिनिपनि॥ परा पूर्व काल स सत्य युग स हे मालय पर्वत या पुत्रि पार्वती न महा देव पुरुष लाय
निमिर्त्ति नदन शुश्री उस्वस्थानि पमेश्वर धकं पौष सुक्कया पूर्ण मास्या पुनं नि सं क्रियं स नान या ना व ज
गदि स्वर पूजा याय श्री सूर्य यात अर्घ विय फत सा वाचन ज्ञाय म फत सा श्री उस्वस्थानि पमेश्वरी
धकं नाम पुतं काय॥ थनं लीलक्षि सं पूर्ण जुय तुमं माघ शुक्ल या पूर्ण मास्या पुनं थमन फको सुचिया
नावृष्ट कचित न स नान या च के श्री खंड रक्त चंदन जजम का पुष्प धुप दीप नैवेद्य फकवान कर्पूर
वस्त्र दक्षणा थमन फको भक्ति भावन पूजा यये॥ थनं लिथमन फको जप ध्यान याय धुन का वत्मान
को काया व अक्षीत मधिसंगो न सही त दय का व थ व पुरुष ल व ज्ञाय॥ थ व पुरुष म दत सा थ व पुत्र
ल व ज्ञाय थ व पुत्रं म दत सा मित्र पुत्र ल व ज्ञाय मित्र पुत्रं म दत सा थ व मन न कु ई शा या ना व गुका सु

॥ स्वस्था ॥

॥ ८४ ॥

नानानां सिद्धजुयमालधकनदीसवरहलंपावच्छेय ॥ भो नागिनीपतिश्च वेलसथवमनवांछासिद्ध
जुयु-थुसपरमेस्वरयाविधिथथेधकआज्ञादयकलं ॥ धृतेअसोस्थामायाआग्याऊनावनागिनिप
तिसेनविनतियातं ॥ भोपरमेस्वरअस्वथामाछलपोलसेनवर्तदनकिव्रजिपतिसेनछुंमस्युधक
नानामाथनविनतियानावभिंशुसिंहासनसविज्यातकावअस्वस्थामापुणेहितयानावमालको
विधिपूर्वकथमनफयाथेताललातकावसुद्धचिन्तजुयावनागिनीपतिसेनपौषशुक्लयापूर्णा
मास्याषुनंतिसेंश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरीयाधर्मव्रतजोनावह्निनछपुवाखनहूनावश्रीसूर्य
यातमतवियाव-मध्यांतकालसश्रीजगदीस्वरपूजायानावचोनं ॥ ॥ थनंलिलक्षिसंपूर्णाजुया
वमाघशुक्लयापूर्णामास्याषुन-श्री३स्वस्थानिपरमेस्वरीधककस्कनसॐकारचोसंथाप
नायानावगंगाजलनसनानयातका-श्रीखंडरक्तचंडननलेपनयातकाव-जजमकानकोषा
यकाव-नानासुगंधपुष्पधूपदीपनैविद्यफलमूलपकवानकपूरवस्त्रदक्षणासतक्षिच्याता

॥ राम ॥

॥ ८४ ॥

तसंजुक्तयानावधोदसपचारनपूजायायधुनकावअर्घजोनावनानामाथनआसिषकोनावअ
र्घविलं॥ धनंलिअर्घवियधुनकावतोत्रयातं॥ भो श्रीस्वस्थानिपरमेस्वरजियनिपापिनीजुया
वनरकसभोगयानावचोनाताकालंदतभोपरमेस्वरी आवजियनिथुगुलिपापनासयानावप
सनजुसेविज्यायमाल॥ हेपरमेस्वरी छलपोलपानिगढीसधालसानिरंजननिराकारध्या
संछलपोल॥ विश्वरूपहोछलपोल इखिदरिद्रयासरनव्रेयसंछलपोल थथिस्वपरमेस्व
रयातकोटी २ नमस्कार॥ हेपरमेस्वरननानंजियनिस्वामिहोनकोवप्रसनजुयमाले॥ हेपरमे
स्वर॥ हनंजियनिदरीद्रफुतकावधनदर्वेनपरिपूर्णाजुयकावथवनागमंडलसयेससवउति
जुयकावसुखसंपतिभोगसचोनेदयकावविसेविज्यायमालधकमिधानयेविहायकावअति
दुखनविनतियानावचोनेवेलस॥ पूर्वगुहिसानदोलक्षिसुर्ययातेजप्रकासजुवथेंतेजप्रकास
जुयावसाक्षात्प्रतक्षेजुयावआज्ञादयकलं॥ हेनागिनिपनिछपनिषनावजिअतिकरुनाचा

स्वस्था॥

॥८५॥

यधुन॥ भो नागिनि यनि छमि सेन दु फेने तेना फो वधक आजा दय कलं॥ थवे लस नागिनि से
न विनतियातं॥ हे श्री स्वस्था नि पर मे श्वरी मूल नं जि पनी स्वा मि व हो न का व प्र सं न जु से विज्या
माल॥ थनं लि हरि द फु त का व अ सु धा तु न परि पूर्ण या ना व प्र सं न जु से विज्या य माल ध क विनति
यातं॥ थवे लस श्री स्वस्था नि पर मे स्वरि न आ ग्या दय कलं॥ भो नागिना यनि छमि मन वां छा ए
रां जु य माल ध क आ ग्या दय का व अंत ध्या न जु या व विज्यातं॥ थनं लि श्री स्वस्था नि पर मे स्व
री या प्र भा व न रत्न चूर्ण शंख चूर्ण कृपा दत धुतरा सु थवे लस नागरा जा य नि थे न कल विज्या
तं॥ थवे लस नागिनि यनि मन सर सता या व स्वा न को त का व च्या या अ क्षी त म धि स गो न स ही
त दय का व ल व हू ना व विलं॥ थनं लि थ व र स्वा मि या त च र न स भो क पु या व कु स ल वा र्ता या
तं॥ थवे लस नागिनि यनि मन सर सता या व स्वा न को त का व च्या या अ क्षी त म धि स गो न स ही त
दय का व ल व हू ना व विलं॥ थनं लि थ व र स्वा मि या त च र न स भो क पु या व कु स ल वा र्ता या तं॥

॥राम॥

॥८५॥

ध्ववेतसः शंखचूर्णं रत्नचूर्णं कृपादत्तं धृतं राष्ट्रं ॥ ध्वयेत्यनागराजापतिसंगो न कया वक्रसल
वार्तायातं ॥ ध्ववेतसनागानियनिसेन अस्वथामाश्रयेस्वरया तपूजायायधुनकावथमनफ
याथपदक्षनावियावआदरभावनभोजनयातकावथथेसेनं पालनयानावपरमआनंदनचो
नं ॥ ॥ धनं लिअस्वस्थामाश्रयेस्वरं ननागलोकउधारयायधुनकाववेलाकयावथवआश्र
मसविज्यातं ॥ धनं लिनागमागिनियनिसेन श्री ३ स्वस्थानियरमेस्वरीयाप्रसादनपूर्वजन्मयाप
पफुलकावपुंनेसरीरजुयकावधनसंपत्तिनपरिपूर्णाजुयकावथवनागलोकसर्वनावअंत
मूर्दयकावनानापदार्थदयकावभोजनयानाव अनेगपुरानादिकथाउठनावपरमआनंदन
विज्यानावचीनं ॥ ॥ इति श्रीस्वस्थानियरमेस्वरस्य धर्मकथा पातालयासमाप्तः ॥ ॥ ना
गलोकउधारजुवखयुति ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ धनं लिपू नवीरमक्षमंडलया
खनिह्राय ॥ ॥ पथमसं श्री ३ स्वस्थानियरमेस्वरिधकं हूस्वनसं ॐ कारचौसंथापनायाय

॥ स्वस्था ॥

॥ ८६ ॥

गंगाजलनसनानयाचके ॥ श्रीखंडरक्तचंडनसिंधुरनानापुष्पजजमकासुगंधधूपशोपेनेविद्यफ
लमूलपकवानकर्पूरकस्तूरीवस्त्रदक्षणाथमनफयाथेसामग्रीताललातकावपरमेस्वरशया
तषोडसोपचारनपूजायायथमनफकोजयधानयायधनकावगुरुयाकेनवाचनउठनेश्रद्धा
उत्थदक्षनाविय ॥ थनंलिवर्तसंपूर्णयानास्नानकोकायावथमनपालनयायविधिपूर्वक
थुति ॥ ॥ थनंलिह्यापांमक्षमंडलसदक्षिरादिसासक्षमपुरधयानगररुगुलिदसेंचोनह
नंथ्वनगरसअनेगवांस्मरणपडितपनिदसेंचोन ॥ हनंथ्ववांस्मरणयनिअनेगधनसंपत्तिनयहि
पूर्णजुयावचोन ॥ हनंथोनगरसअतिवानलाकथ्वनगरपुणोवतिधयागुतिर्थनउलावचोनध
नगरसदुःखिदरीदंकगालशिवमक्तवांस्मरणपनिनिलचिपुरुषदसेंचोन ॥ थ्वयाकलातयानाम
सतीधकनामप्रव्यांतिजुयावचोन ॥ थथीपिंवासनपनिस्तदेवनलिनावसंतानमदयावनय
यातंहीनरुसवाक्षेहिलावफोनावनयमालथुगुलिप्रकारनताकालंदुखसियावचोन ॥ थनं

॥ राम ॥

॥ ८६ ॥

लिछु कृयादीन सशिव भक्त वांछा न सती नाम वांछा निघात धालं ॥ भो प्रिय सति रिजिस महादरी
दुजुल छान धाल सा पुर्व जन्म सदीन प्रदान मया ना या पाप न थुगुलि जन्म सदा रिदु जुल ॥ थवे तेन रि
जिसे नंधन संपति दये के यात छन जिने न्या कुर न संचा समंगल बार बार पुनु श्रीलं वो दरया के प्रठम
सिवा जु यनु योध क सा हुतियातं ॥ थवे लस सती नाम वांछा निन विन तियातं ॥ भो स्वामि छल पो लसे
न आग्पा दय का गुभि न थुका जि ववे नु योध क सा तिया य धुने का व्रध न दये के ईक्षान व्या कुर न संचा
समंगल बार पुनु अती कष्ट न या व प्रथम सिवा जुलं ॥ थवे तु कष्ट न या व पिद व्या द सिवा जु गात्र
श्रीलं वो डरु सि जु या व थ व मुर्ति धर ल पा व शिव भक्त वांछा न यात आज्ञा दय कलं ॥ भो वांछा न
तप स्या न जि अति संतोष जु य धुन छन छु फो ने ते ना को व्रध क आज्ञा दय का व शिव भक्त न विन ति
यातं ॥ भो पर मे स्वर जि न सिवा या गु कार न मे व ता म पु जि दरिद्र फल का व्रध न दर्वे प्र सं न जु से वि
ज्याय मा ल ध क विन तियातं ॥ थवे ल सल वो दर न आग्पा दय कलं ॥ भो वांछा न भा व छन सदा या

॥ स्वस्था ॥

॥ ८१ ॥

थं न संचासमंगलवारपुनजित पूजाया वथ्वेल सजि सेवने छुवलु कदत उगु वलु क कया
वथ्वक्षे सये कृतवातानि गोल नथे पुको पुया नावति वथ्वेल सप्य कुदसे लिउला वस्व व
थ्वेल सछन मनोरथ पूर्ण जु युध क आज्ञा दय का व अंत ध्यान जु या व विज्यातं ॥ पुनर्वा
र श्री गणेश या भाज्ञा उठना व शिव भक्त वां स्मरा या मन सरसता या व निस्त्रि पुरुष से न वेला फो
नावथ्वक्ष सवया व परम आनंद न चो नं ॥ थनं लि श्री लं वो डर या आ ग्या थं च्या क पु नु मं
गल वार या न संचा स पूजा विधि माल को जो ना व निस्त्रि पुरुष व ना व श्री लं वो डर या त पूजा
या ना व थ्व माल को ज प ध्यान या य धुन का व स्व व वेल स गोल जा छ गोल व नं ॥ थ्वेल स सि
व भक्त वां स्मरा व ना व ह ता र स नं गोल जा क या व लं वो डर या च र न स भो क पु या व ह ता र स नं
थ्वक्ष व या व वातानि गोल नथे पुको पुया ना व त लं ॥ थनं लि ये क पु नु उ ला व स्व क वे
ल स सुवर्ण या गोल जा जु या व चो नं ॥ थ्वेल स शिव भक्त वां स्मरा या मन स ह र्ष मान जु या

॥ एम ॥

॥ ८१ ॥

लहता २ सनं डंडु प्रणाम यानां वधु लुया गोलजा कया वधु कृतिस तय यनं ॥ थनं लिधलं
या गोलजा न अने गधन संपति भारा वर्तन दय कलं ॥ हनं थलु या गोलजा या प्रभावन कोता
न कोति धन दर्व दया ववलं ॥ हनं क्षेव सल कि सिधो भ्वाति असंघे दया ववलं ॥ थुगु लिष
कारण श्री लं वो डर्या रूपान अने गधन संपति न परि पूर्ण जुय का वर शिव भक्त वा सरा न
सती नाम वधु रिगि व अने गधन संपति न रस भोग या ना व सुवाल भं दारी पनित या व मे व्रो मिशुं
गि भोजन या ना व इले वे ले पंडित पति सेन अने गधन संपति कथा कन का वधु धर्म कर्म या ना व ता का
लं सुषन काल हना वचो नं ॥ ॥ हा पा थ वं सरा की न हू स या शे हिला व को ना व न य मा
ल ॥ आ व श्री लं वो डर्या रूपान पर स्मनिताना व सुषन चो नं ॥ थनं लि सि व भक्त वा सरा न
सती नाम वधु नि या त धालं ॥ मोषिय सति मिजि स पूर्व ज न्य स पि ना व त या म डु या कार न थु
गुलि ज न्य स द रि ड गुल ॥ आ व श्री लं वो डर्या रूपान मिजि स त व संपति गुल आ व थु गुलि ज

॥ स्वस्था ॥

॥ ८८ ॥

नमस्तदा नमः नेमया तसाहनं लिथुज नमस्तदरिद्रजुल आव श्रीलं वोडरया कृपानिजिसत
वसंयति लायधुन ॥ भोसति आवहं जिगंगा सवना वसना नया यधुने वही नलक्षि १००००
० तका सुवर्ग दानविय भिक्षु वां सत अतित अभ्यागत यनित्त दानविय नुयो धकं साद्रुतिया
नावसति नामवा सणि नविनतियातं ॥ भोस्वामि धुने र छुल पो ल दुथें दान प्रदान या यम नुदु
भोस्वामि छुल पो ले सेन आशा दय का गुरव अवसेन जिब वेध क विनतिया नाव शिव भक्त वा
हूरा रा सति पुनं नि सें गंगा सना नया नाव श्री हरि हर पूजा या यधुन काव ल कक्षि १०००००
तका सुवर्ग दान अतीत अभ्यागत यनित्त दान वियावे श्रीलं वोडर पदक्षि ना या नाव थव
इष्ट देवता कल देवता पुजा या नाव ना ना पदार्थ दय काव भोजन या नाव ना कालं थुगुलिक
थनं सुख न काल ह नाव चीनं ॥ थनं ली छु जया दिन स थवां सरां न ज्वाथ जु या व थव
स्त्री सति नाम वां सणि या त धाल ॥ भो त्रिसति आव जिजिस ज्वाथ जिथि जुल छ न के न संता

॥ राम ॥

॥ ८८ ॥

न दयुवमषु॥ भो प्रियथतेन श्रीलंबोदर्या कृपान अनेग सुखसंपत्तिभोगया यधुन॥ आ
वृथ्वधनसंपत्तिजक दयावृष्टाय संतानमदतनाव हनं संतानजक दयावृष्टाय धनसं
पत्तिमदतनाव॥ भो प्रियथतेया कारन छनजिनं श्रीलंबोदर्या के ज्ञापायाथं संता
नदय के कामुनाननसंसासमंगलवारषु नुपठमसिवाजुयनुयोधक साहुतियातं॥ ध
वेलसंतीनामवुं मुनिन विनतियातं॥ धनेर छलपोलयावु छिअमखनिश्चयनं जिवरेनु
योधकं साहुति पोयधुनकाव सदायाथेन संसासस्था कु २समंगलवारषु नुपथं मसि
वाजुलं॥ थवेलस शिवभक्तवासनसिवाया कखनावं लंबोदरखुसिजुयावपतक्षजुया
व आज्ञादयकलं॥ भो वाह्यरा छनभक्तिभाव ख नावजिअतिसंताषजुयधुन छनछका
रं गजिके सिवाजुया छनते छुरा मगात धावजिन वरदानवियधक आज्ञादयकलं॥ थोवे
नस शिवभजन आज्ञादयकलं॥ भो परमेश्वर लंबोदर छलपोलयावसादन जितधनसं

॥ रचस्या ॥
॥ ८५ ॥

पति नय रिपु र्गज ल ॥ भो परमेश्वर जिसं तान मडुधन संपत्ति न दया वछाय ॥ हनं धन संप
ति मडुधन या सं तान जक दया न छाय ॥ भो परमेश्वर स्वतेन छल पोल से नी विया धन संपत्ति
पिय का वत यया त पुत्र छ सफोने थुलिया कारन स छल पोल या के सिवा जया धक निस्त्र
त्रिपुरुष न ल वो डर या चरन स भो क पु या व विनितियांत ॥ थो वेल स ल वो डर न आशा दय क
ल ॥ भो ब्राह्मण वि य जा मडुम दत्त सा आव छु या य जिवो ल वन ॥ भो ब्राह्मण रा थ नी न च्या कु
पुनु न संचा स मंगल पुनु छ न स दया र्थे जित पूजा या व थ्व वेल स भंडी र सा छ स्र वा ना व चो
ना व चो सु ॥ थ्व वेल स छ न आका स सफ या व थ्व छे स य ना व वा तानि गो ल न थ पु को पु या
ना व ति व ॥ भो ब्राह्मण थ्व वेल स छ न म नोर थ पूर्ण जु यु ॥ भो ब्राह्मण का य म चा ज क म पु स्या
च म चा जु यु छाने धाल सा पुर्वे ज न्न स धे ना व त यो मडु या कारण स्या च म चा जु यु ॥ भो ब्राह्म
थ न लि प्य कु पुनु उला वु स्व व थ्व वेल स छ न म नोर थ पूर्ण जु यु धक वर रा नी विल ॥ थ्व वेल

॥ रामः ॥
॥ ८५ ॥

स शिवभक्तवात्सल्या मनस रसताया व श्रीलंबोदर्याचरणा सभो कपुया व वेला कया व थ
वक्षे लिहा व या व चो न ॥ थनं लि श्रीलंबोदर अंतर्धान जुया व विज्यातं ॥ थनं लि च्या कु दसें लि
श्रीलंबोदर्या आशार्थं सिवभक्तवात्सल्या पति निस्त्रिपुरुष सेन थ मन फया थे पूजा जो
तन ता ललात का व मंगल वार पुनु न से चा स व ना व श्रीलंबोदर्या त पूजा या ना व चो न ॥
थो वे ल स शिवभक्तवात्सल्य न न भे दी ल सा छ स्र व न ॥ थ वे ल स शिवभक्तवात्सल्य न न ह ता
स न ता हा य क या व तु ति चा य का व च र ना र विं द क या व षो ड स प चा र ण पू जा या ना व
च र ण स भो क पु या व द क्ष र णा छ या व माल को पू जा या य धु न का व गो मा ता र बा ल ख या
व चो न ॥ थ वे ल स भं दी र सा न वि फा ना व ह लं ॥ थ वे ल स शिवभक्त न ह ता २ स नं वा ता स
फ या व का लं ॥ थ नं ली गो मा ता अंत र्धा नं जु या व वि ज्या तं ॥ थ नं लि सिवभक्तवात्सल्या न ल
बो द र प्र द क्षि र णा या ना व थ व क्ष लि हा व या व वा ता नि गो ल न थ पु को पु या ना व त लं ॥ थ नं

॥ स्वस्था ॥
॥ ६० ॥

लिप्पु पुन उला वस्वतं थवे लस अतिवानला कसु परम सुंदरी कं न्या हस जात जुलं
गथिं स कं न्या जात जुल धाल सावतिसलक्षरा संजु तं जुया वचो न ॥ तेज धाल साहिवा श्री
र्य याथं ॥ मिवा धाल सापले हल थं ॥ केस धाल सागरु डयाथे ॥ क्ला हातुति धाल सामरत हा
या कि सियाथे ॥ वर्ण धाल सापुर्ण चंद्र थं ॥ ज धाल सा लक्ष्मी याथे ॥ पालि धाल सा सावित्री या
थं ॥ थं थं स कं न्या जात जुया वसि व भक्त प्राप्ता रापति नि स्रि पु रू य या म न स जा नंद जुया
व वा ता न थं त क या व को था स य ना व डु डु तो न के ध क स्व क वे ल स न डु डु छति म व या व पु न वार
न द या थं न संचा स मंगल वार पु न ॥ पूजा सामा धि जो ना व नि स्रि ॥ त्रिपु रू ध वं ना व श्री र वो द
र या त वो ड सो प चार न पूजा मा न्य या ना व वि न ति या तं ॥ भो पर मे श्व र लं वो ड र छ ल पो ल या
द या ह्म पा न ध न संपति न गा क ह्म न छ ल पो ल या द या न सं ता न द ॥ भो पर मे श्व र लं वो ड र
आ व थु स्र वा ल व या त डु डु तो न के या त स्व या न छति म व स्य चो न ॥ भो पर मे श्व र थु लि या का

॥ रामः ॥
॥ ६० ॥

रनछलपोलयाकेसिवायानाभोपरसेश्वरथस्रवालषयातदुदुवयकावषसंनजुसे
विज्यायमालधकनिस्रिपुरुषसेनंविनतियातं॥थोवेलसर्लवोडरप्रतभजुयावआशाद
यकलं॥भोवाह्यराछनभक्तिभावषनावजिसंतोषजुयधुनछनसनोरथपूर्णजुयावव
नेमालधकवरदानविलं॥धनंलिशिवभक्तपनिसेनस्तथारुधकवरदानफोनावश्रीलं
वोडरयाचररासंभोकपुयाववेलाकयावथवछेसलिहावयाववालखयातदुदुतो नकेध
कस्वकवेलसश्रीलंवोडरयादयानसहस्रधाराप्रमारायादुदुहायाववलं॥थोवेलसस
तिनामवाह्यनिनमनसरसतायाववालषयातदुदुतो नकावभिनकनिरानयानावतलं॥
गथ्यजनकराजायासीताजन्मजुयावआनंदजुलअथ्यधशिवभक्तवाह्यरापनिसेनथवा
लषजन्मजुयावआनंदजुलं॥॥धनंलिपुनैवशिवभक्तवाह्यरापनिसेनथवगुरुश्री
हितपंडितजोतिषपनिवोनकलछोयावमालकोसामागिताललातकावथवमजीतथे

॥ स्वरथा ॥

॥ ५९ ॥

हिनुषु नुवेन काव्रजातकर्मयाय धुनकाव्रदेवज्ञनजन्मपुत्रिकाचोयाव्रगुरुप्रोहितनना
मकर्मया नावविलं ॥ भोशिवभक्तवास्मराधन्यरछलपोलपनिभागे ॥ थ्वस्मवालषयानाम
गोमयजुधकविभुवनसंतामप्रव्यातिजुय ॥ भोशिवभक्तवास्मराछानधोलसगोमाता
नवित्रस्मयानिमित्तिनगोमयजुधकनामजुल ॥ भोशिवभक्तहर्नथुस्मवालषअतिलक्षराता
कथ्वस्मवालषमहाराणिजुय ॥ धन्यरछलपोलयाभागेधकंआज्ञादयकाव्रजन्मपुत्रिकाल
ब्रह्मनावविलं ॥ थनंलिशिवभक्तवास्मननमनसरसतायाव्रजन्मपुत्रिकाकयाव्रगुरुप्रो
हितपंडितपनिजोतिषयनित्तसुवर्गादक्षनावियाव्रपूजायानाव्रभोजनयातकाव्रतल ॥
थनंलिहर्नअतितअभ्यागतपनित्तकोटिरसुवर्गादक्षराविद्याव्रसंतोषयानाव्रधनेरसिव
भक्तवास्मरायातजयरजुयमालधकआसिर्वादविद्याव्रवनं ॥ थनंलिशिवभक्तनगुरुप्रो
हितपनित्तमालकोपूजाविधिभोजनयातकेधुनकाव्रगुरुप्रोहितपतिआशिरवादकया

॥ एम ॥

॥ ५९ ॥

याव परम आनंदन चो न ॥ धनं लिजोतिषर्यडितपनिसेन वेला कया वथ वर थान सदिपार्ति
॥ धनं लिशि वभक्तवा सरा वसतिना मधुं स नीव निस्सेन थुस्सवाल वयात भिन कनिदा
नयाना व पात पतं वर वस्वनतिय का ववाल पो छन का वनि दानयाना वतलं ॥ धनं लिगोम
यजु वाल व कथं थं हि हि सि या सुक्त पक्षया चंद मां थं वध यजु या ववल ॥ हनं भति भता
क्षितल जय सलं ॥ हनं भति भता आवेल ल्पय सलं ॥ थवे ल स थुगु लिप्प कारा त वधिक
ल जया व पिदम्पा दया वै सजु या ववलं ॥ थवे ल स माता सती नाम वस्सु निन धालं ॥ भो पुत्री
गोम यजुं छन वा जया दे गुलिया यया त आवेल लेया व चो वध क निस्स त्रिपुरुष गंगा सनात
या त व ना वलू क क्षितं का सुवर्णं दक्ष राग विया व श्री हरी हर प्रजा या ना व श्री लं वो द र प्र द क्षि ना
याना व थ व ईष्ट देवता पूजा या ना व दे गुलिया यधु न का व सुवन चो नं ॥ थुगु लिप्प कार न सिव भ
क्त वा सरा पनि से सता कालं सुख भोग या ना व चो नं ॥ ॥ धनं लिशि वभक्तवा सरा न दान प

॥ स्वस्था ॥

॥ ६२ ॥

तया नायाफलनस्वर्गसचो नखदेवराजाया आसनस्थीरनचो नेमकया वकुतिनवनेतेनं ॥ श्वबेलस
देवराजाया मनसत्राहि २ जुया वनेतिसकोटिदेवतानं लि तका वकेला सपर्वतथेन कलविज्यावं ॥ भो
स्वामिजगदीश्वर छलपोलया चरनसकोटि २ नमस्कार ॥ भो स्वामिजिगुलि विनति ३० से विज्याममा
ल ॥ गथे धालसामक्षमंडलसवं समूरी देससशिवभक्तनामवं मरा छलदसेचोन ॥ श्वया कला
तया नामसतिधकं नामप्रव्यांति जुया वचोन ॥ भो स्वामि श्ववं मरापनि कायाहीन हूसवाक्षहि
लावभिक्षाको नावनयमाल ॥ आवछलपोलया पुत्रलंबो डरया केनि सत्रिपुरुषसेनं तवकष्टन
यावतयस्यायात ॥ भो स्वामि श्वबेलस छलपोलया पुत्रलंबो डरयुसि जुया व असंवेधनसंपतिपरि
पूर्णयानावविल ॥ आवयुस्यवं मरान प्रतिदिनं लसि १०००००० तका सुवर्णदक्षणा विया वछलपो
लयात पूजायानाव श्रीलंबो डरयात प्रदक्षिणायानाव सुखभोगयानाव चोन ताकालंदत ॥ भो स्वा
मि हनं विनतियाय ३० से विज्याहुने ॥ युस्यवं मरापनि संतानमदयावहनं छलपोलया पुत्रलंबो

॥ राम ॥

॥ ६२ ॥

दर्याके अतिकृष्टनयावसिवायात ॥ थवे लसलवो डरषु सिजुयाव अतीवानला कवती सलक्षनं
संपूर्ण जुयावचोन स्रकं न्याछ स्रवरदान वियावतल ॥ भो स्वामि थु स्रवां स्रगाया धर्म कर्म न जिंई
डासन स्थीर नचो नेम फत ॥ भो स्वामि छल पो लया दयान उषु नुति नि अमरावतिलित कायाव वि
ल आवथ नि थुवां स्रगान जिगु आसन कायुन ॥ भोजु गंत काल जिप नि रक्षाया स्रविज्याय माल भो
करु नामय ॥ थते न जिप्र मुख न देवलोक पनि उधारया से प्रसंन जु से विज्याय धक देवराज ईदन श्री
जगदीश्वर्या के विनतियातं ॥ थनं ली देवराज ईदया विनति ठु ना व श्रीमहा देवन आजा दय कर्त
॥ भो देवराज छय नि ग्याय मते जिन उपकार्या ना व विय छय नि धंदा काय मते छन अमरावती स
वना व सुषन चोन हुनी धक आजा विलं ॥ थनं लि जगदीश्वर्या आजा ठु ना व देवराजाया मन सह
र्षमान जुयाव ॥ श्री जगदीश्वर्या चरन सभो क पुयाव वेला फो ना व तेति सकोटि वतानं लित कावथ
व अमरावति सली हा विज्या ना व परम आनंद स्त विज्यातं ॥ ॥ थनं लि श्री जगदीश्वर न देवराजाया भा

॥ स्वस्था ॥

॥ ६३ ॥

षा ऽना वदे वलोकपनि उधारयाय धर्कपालिकभेषकयाव जवलाहातिन डंवरुथानाव वव
लाहातिन त्रिशूलपाछायाव जटाधारिजुयाव अंगसविभुतिन वयाव थवरुथतेलताव के
लासपर्वतनकोरुविज्यातं ॥ थनंलिशि वभक्तवासरणपनि सेनं सदायाथंगोमयजुन आ
षेललेयकाव निस्त्रिपुररुषगंगाससनानयाय धर्कं वनं ॥ थवेतस भेषधारि श्रीजगदीश्वर न
सिवभक्तवासरणपनि मडुस्वयाव भिक्षाफोनेधक वां सरणायाक्षस डुरावनाव आशादयकलं ॥
भो वां सरणपनि जितापालेन वयाजितं भुंभति भिवियाव छोवधक दंडवरुथानाव भिक्षाफोना
वचो नं ॥ थवेतस गोमयजुन धालं भो भिक्षुक छन भिक्षाकाय जुलसा भति निलनाव चोव जि
धासालाहातदियमजिवनि जिववामाजुपनि देगुलियाय यात आषेललेयाव चोना जिमामववा
पनि थेन कलविज्यायुन भति निविलं भयावधकलनकाव तलं ॥ थनंलि गोमयजुया आषेललेये
धुनकाव अथेनं मामववुथेन कलमवयाव भेषधारि मरुदेवनलनाव विज्यातं ॥ थवेतस गोमयजु

॥ एमः ॥

॥ ६३ ॥

नथवमालकोज्यायायधुनकावजाकिजोनावकोहावयावधालं॥भोभिछुकजिमामवताधा
लसाभावतलंलिहामवनिजिधालसाआवेललेयावचोनाभतिविलंभजुलदुखतायमतेभि
शाकावधकधालं॥थ्वतेगोमयजुयावचनउनावभेवधारिभिछुकनधालं॥भोवह्युनिजुथ्वे
तलंलनकंतयावतकतिनिलाभिक्षाविलवयअमभिक्षाजिनमकालछनभिक्षावियजुलसा
छनमामववायातलेयावतयागुआवेलहिंमविलसाछनतअभिप्रायवियावतथेधकंधालं॥
थ्वतेकंयालिकभिछुकयाछिडवचनउनावगोमयजुनधालं॥भोभिछुकजिमामववायादे
गुलियाययातलेयावतयागुआवेलजायथेधालसावियमधुछनयेलसाथ्वजाकिनायोमय
लसाहुनिधकंअहंकारनधालं॥थ्वतेगोमयजुयाछिडवचनउनावभेवधारिप्रीमहादेवनधा
लं॥भोवह्युनिछनभिक्षावियधकजितलनकावतलहनंछनअहंकारनजितभिक्षामविलआ
वछनतछनमामववायातंस्नापवियफवधकधायावथानावचोनाडवरुनप्रापवियकलं॥

नऽनं॥ थवेनसगोमयजु नधार्जया नावधालं॥ भोपीतामाताऽऽसेविज्याहुनेछलपोल
पनिगंगासनानविज्यातजिनआवेतलेयावचोमाथवेनसभिहुकछलसमेनभिक्षाफोनवल
थवेनसजिनधायाभोभिहुकभतिनिलनावचोवजिधालसाआवेतलेयावचोनालाहृदिय
मजिवजिमामवधालसांगगासनानयायधकविज्यातभतिविलंभयावजिमामवधुर्थेनिनध
कंधयाभोपीतामाता॥ थवेनसभिहुकनलनावचोन॥ थर्नलिछलपोलपनिननानंमविज्या
नावजिआवेतलेयधनकावजाकिजोनावकोहावनावधया॥ भोभिहुकजिमामववाधालसा
आवतलंमविज्याकनीभतीविलंभजुलदुःखतायसतेभिक्षाकासेविज्याहुनेधकजिनधया॥
थवेनसभिहुकनअहंकारनधाल॥ भोवृत्तनिअसभिक्षाजिनमकालथवेनलनकतयाव
नकतिनीलाछनभिक्षाविलवलछनभिक्षावियजुलसाछनमामवधुयातलेयावतयागुआ
वेलाहिवमविलसाछनतछनमामवधुयातंअभिप्रायवियाववनेधकधाल॥ भोपीतामाता

॥ स्वस्था ॥

॥ ६५ ॥

थवेलसजिनधया ॥ भोभिक्षुकछनयलसाथजाकिनायोमयोलसाछनतजिसामववुया
देगुलियायधकलेयावतयाआवेलजावियमषुछनयेलसाथजाकिनायोमयोलसाछनि
धकंधया ॥ भोपितामाताथवेलसथानावचोनाडंवरुनश्रापवियकल ॥ भोपितामातागथे
श्रापवियकलधालसा ॥ भोपापिनिछनअहंकारनजितभिक्षामविल ॥ आवक्रसददु
वेलसक्रयददुजाथवांहराभाततलायमाल ॥ हनंछनतवकछनयावदखिजुयावचो
नेमाल ॥ हनंछनतविवाहारयायधुनेवंछनमामववुनतवकछनयावमृत्युजुयमाल ॥
हनंछनमामववुनश्रीलंबोडरयाकेअतिकछनयावदयकावतयाधनसकलेंनासजुय
मालधकछलपोलयातंजितंश्रापवियाववन ॥ भोमातापिताथतेनजिमनसषयपुजुध
कंविलापयानावचोनाधककनं ॥ थतेपुत्रिगोमयजुयादिलायभाषाठनावमामववुपनिसे
नधालं ॥ भोपुत्रिगोमयजुछनधंदाकासेचोनेमतेअमभिक्षुकनश्रापवियानछनतगेलु

॥ रामः ॥

॥ ६५ ॥

ला ॥ अमभिधुकमहादेवता अमयावचनमहादेवया आग्यामषु ॥ भो पुत्रि छजायमतेजिय
निमदुलाधकमामववुनगोमयजुयातधार्जवोधवियावथवमालकोनित्यकर्मयानावईष्टदेव
ता पूजायायधुनकावदेगुलिया नावस्वस्ममचा आनंदनचोनं ॥ ॥ थनंलिगेमयजुषुदफ
नावह्रसदयाभागजुयाववलं ॥ थवेलसशिबभक्तवास्मरायामनसभालपुआवगेमयजु
कन्यादानवियअवसलजुल ॥ आववास्मरास्वतकलछोयधकमनसभालपावसतीनामवर
स्मराणीयातसाहुतियातं ॥ भोत्रिसतिआवगेमयजुयातइहीपायानाववियअवसलजुल ॥
आवछनंजिनंभिंस्मवास्मरास्वतकलछोयनुयोधकनित्स्मत्रिपुरुषयाचछिंसाहुतियानाववो
नं ॥ थवेलसप्रातकालजुंसेलिथवदासकपनिसलतावधालं ॥ भोदासकपनिहिजिसगोम
यजुकन्यादानविययातभिंस्मवास्मराछस्ममालावततकारनंवीनावह्रयमालधकमालको
धर्चवियावधालं ॥ थवेसिवभक्तवास्मरायाआग्याऊनावदासकपनिसेनतत्कारनंवपद

उलुयकेमफुयाकारनजकमसियाधकविनतियातं॥ थतेदासकपनिविनतिड्ड नावशिवभक्तया
मनसआश्चर्यवायावनिस्त्रिपुररुषयासाहुतियातं॥ भोजिसतिआवगथेयायमहाअभूतजुलजि
थमनंस्वलवनेजितवेलाविहुनेधकधातं॥ थतेथवस्वामिसिवभक्तयाआग्याड्डनावसतीना
मवांस्मनिननापदार्थदयकावभोजनतकाववेलाविलं॥ थनंलिशिवभक्तवांस्मराणाभिं
स्मवास्मराणमालेधकथवकलातसतीनामवस्मनियाकेवेलाकयावपिहावनं॥ थनंलिसिवभ
क्तवांस्मराणजुलसांभिंस्मवांस्मराणमालजुल॥ देसरपतिंहितुहिलाव नगरपतिंहितुहिलाव
थनंभिंस्मवांस्मराणुलाधकेड्डनावजुलं॥ थगुलीप्रकारणमालजुयानं थवमनसलोवस्मवां
स्मराणुलुयकेमफुयाव असामर्थजुयाव थवछेलिहावनेकाधकलिहावलं॥ थवेलसंगं
गोछगुलिखनं॥ थनंलिशिवभक्तवांस्मराणमनसभालपुहुंहुं गंगाससनानयानावने॥
हनंथवगंगासवांस्मराणपनिडुमडुविचालेयानावनेधकगंगासवनवाववास्मराणपनिडुमडुवि

॥ स्वस्था ॥

॥ ६७ ॥

चालयानावचलं ॥ थथेवत्रं देवपाजोगनं भिंगुलोह छगोलसकेकतु नावविहयवां सरा छसमे
नंगायत्रीजयध्यानयानावचोनं ॥ थवात्सरागथेचोनधातसा अतिअघोरमूर्ति स्यालधातसाहि
ग्वातथं ॥ संधालसाष्पाकयाथं ॥ हसपतधातसाकिसियाथं ॥ स्वस्तितीक हसपतनमताकंदत
छाक ॥ तुतिषुलंदा मिपुससाकधलवाताहाकल ॥ सुतुनलालपेलेहनहाक ॥ हासनहिमुतुतु
नहाक वैशधातसाकयदयावैसजुल ॥ ससकलंभुय ॥ ससकलंकिमिसनजकभुनावचोन ॥ ज
गलयाष्पाकचोनथं चोन ॥ थंथी स्रअपूर्ववां सरा छसखनाव सिवभक्तवां सरा रामिधाना
पंलिमकासेसोयावचोनं ॥ थवेनं ससिवसर्मावां सरा नथवतमिधानापंलिमकासेसोया
वचोनखनावहता ॥ सनंगायत्रीजयध्यानयायधुनकावशिवभक्तयाथासवनावडनं ॥ भो
महापुरुष छलपोलसुजुगननविज्याना ॥ हनंजितछायताउतिनंमिधानापंलिमकासेस
यावचोना ॥ हनंजिवनापहुंआजादयकेगुषडुला ॥ सत्येआजादयकेमालधकधालं ॥ थते

॥ रामः ॥

॥ ६७ ॥

विरूपवांस्त्राया आज्ञानेनावसिवभक्तवांस्त्राणान्धालं ॥ भो महापुरुष षष्ठसेविज्याहुनेजिगु
खकने जिजुलसांवास्त्रायाथुका जिगुलिदेसयोनामवंस्त्रपुरधर्कं थ्वदेससजिवसलयंचोनाह
नंजिनामसिवभक्तथुका भो हृदवांस्त्राया जिमेवताकारणथनव्रयामषु जिपुत्रिगोमयजु
धर्कनामजुयावचोन ॥ अतिवानलाकछस्यदस्यंचोन आवथोस्त्रजिपुत्रीषुदफनावक्रसद
यावैशजुल आवकंन्यादानवियअवसलजुयाव पेगुलिदिसासंभिस्त्रवांस्त्रायास्वतकलछोय
धुन आवमलुयाव जिथमनंमालेधकवया देसं२देसांतरहितुहिलावमालोवस्त्रयधुन थथे
नलुकेमफया थनगंगासडुमडुविचालयानावथवक्षेमलिहावनेधकवया ॥ भो हृद जिगुख
याविस्तारथुलि ॥ भो महापुरुष छलपोलसुजुयु छलपोलयानामहु गोत्रहु छुकारणहता
२सनं संध्यातर्पनधुनकावजिथासवया जिकेछनहुं ज्पाहुलाकारहु धकडनं ॥ थ्वतेसिवभ
क्तवांस्त्रायावचनडुनाव हृदवांस्त्राणान्धालं ॥ भोसिवभक्तवांस्त्रायाजिगुलिषविनतिया

॥ स्वस्था ॥
॥ ५८ ॥

यः उभे विज्या हुने जिनाम शिवसर्मा ब्राह्मण थुका जिनं भिं स्रवां स्रणि छ स्रकं न्याषोज या नावजु
या ६ पुदुवे स सं नि सें पृथिवि विभु मल पाव ज या ता कालं दत्त आवत लें सुनां ने जित कं न्यादान विव
मड आवजि भागे न देवन छल पो ल ना प ला क धने २ जि भागे ॥ भो शिव भक्त जिनं ता कालं दत्त कं न्या
षोज या नावजु या ॥ छल पो ल से नं कं न्यादान विव ध क वां स्रण माल जु ल ॥ थ्य ते न नि स्र स यां का र्ज
सिद्ध जु ल अथे थ थे ध क आ ज्ञा द से विज्या य म ते भो पि ता अ म छल पो ल या पु त्रि जि त कं न्या दान वि
स्य विज्या य माल धने २ जि भागे इ स्र र न वूल ला त क ल ॥ थ्य ते न छल पो ल या क्षे स व ने नु यो ध क वा
लं ॥ थ्य ते ह द्र वां स्रण या भाषा उ न वा सि व भक्त वां स्रण अ ति कौ तु क चा या त्र धालं ॥ अ हो आश्चर्य
भो शिव सर्मा छ नं छु ख हू ना ॥ म चा व ज्या थ व वि वा हा र या क गु ग नं उ नै न व ला ॥ भो महा पुरुष
ह नं छ न रु प नि स्व व छ न थो न छु वा न छु स्व य ना पं भ यं क र मूर्ति ॥ ह नं जि पु त्री या रु य ग थै चो न वा
ल सा सा क्षा त्म क्षा चो न थै चो न ॥ ह नं चाल धाल सा पू र्ण चं ड मो थै चो न मि वा धाल सा प ले ह ल थै

॥ रामः ॥
॥ ५८ ॥

पालिधालसासावित्रियाथं केसधालसागरुडयाथं वर्णधालसाअरुनउदयजुवेथं ॥ लाहातुतिधा-
लसामस्तहावकिसियाथं ॥ थथिं ह्यजिपुत्रिछनतंगथेविय छनथवृषालमस्वसंजितहेलायात
वलधकधालं ॥ स्वतेशिवभक्तयावचनठनाव वृद्धांस्मरणधालं ॥ भोशिवभक्तअमथेआज्ञाद
सेविज्यायमते ॥ भोपिताछलपोलसेनजितकंन्यादानमविलसा मेवनवियुमदनभोपीता
छलपोलसेन ज्याथवृमचावविवाहगनंदुलाधकआज्ञादयकल ॥ थ्वसंसारसज्याथस्म
यामचाकलातंदुल्यसेस्या ज्याथभालतंदु हनंमचास्याजिठिसकलातंदु ॥ हनंवानला
कस्या वानमलाकस्मभालतंदु ॥ हनंधनाधेस्यादरिद्रसकलातलाकंदु हनंदरिद्रस्या
धनाधेसकलातलाकंदु ॥ थ्वसंसारसविधातानसुयातंसुखवियावृमतव भोपिताछलपोलसे
नअदीकेखहानावविज्यायते अमकंन्याजितमविलसाथथेथ्ववर्माडसप्राणावायुथतक
यावप्राणागयायनिश्चय भोवांस्मरा ॥ छनवंस्महथाकायलाछनस्याचकंन्यादानविय

॥ स्वस्था ॥

॥ ५५ ॥

ला. निता सद्धता भिन कधा वध क वृद्धां स्मरण अहंकार न धालं ॥ धने वृद्धा स्मरण या छिद्व
वन इना व शिव भक्त वां स्मरण अथे धाय हं म सिया व अति विस्मय चाया व मन स भाल पाव
चोनं ॥ हे परमेस्वर आ व ग थे या य ग थिं गु था न स जि व ल ॥ वृत्त हृत्था का य ला. जि स्था च विय
ल निता सद्धता या य मा लिन ॥ थं थं जि स्था च विय धाल सा थ थिं स अ धो र सु निर्न्या त ग थे विय लो
क नं छु धाय ॥ ह नं जि क ला त न ग थे धाय ह नं जि पु त्रि गो म य जु न थ्व या स्था ल ग थे स्व या व चो लु ॥ म
विय धाल सा थ न अ व से नं प्रा ण त्या ग या यु व ने धु न हा हा ग थिं गु विय रित के न व नि उ व नु भि
क्षा को न व व ह श्री ज ग दी स्वर ज य मा ल व स पो ल या व च न व त सा लं घ ना या य स जि व आ व दे
वन या क थे या य मा ल ॥ वृत्त हृत्था छु ता जा का य म पु थ्व वां स्म रा या त जि स्था च विय मा ल सां छु
या य दे व न या क थे म या म गा क आ व हृ या य दे व न वि व क र्म थु का आ व हृ या य द त नं छ ह स्मा
व हृ स्मा थ थिं गु क र्म जु ल वि से व नं श्री ज ग दी श्व र या अ भि प्रा य त व ता नं चू ल ला क ॥ आ व थ्व म

॥ रामः ॥

॥ ५६ ॥

हादेवयाभ्रापवसजुयमयुत इन्द्रयासामर्थमडु रावनयांगंम्यमडु जिवहलयाछुसामर्थदयु ॥
आवेदेवनगोसालचिनावतलथुलिजुयमालनंजाचतुदीगसंवाह्यरासुंनेजुल ॥ आवजिनअ
दिकरवहूयाप्रयोजनछुंमदत अथेनंजिलसावुर्यनियायधकमनसभांलपाव
धालं ॥ भोसिवसर्माइठसेविज्याऊनेछलपोलसेनअमर्थआज्ञादसेविज्यायमते ॥ मुल
नंमिवयाकन्यामविलधकाछनप्राणत्यागयायधकधयानजिपनिज्ञायुला छनत
मालसाधनदेवगुलितमालउलिंजिनछनतविय ॥ हनंछनतकंन्याछाय ह्येदयावे
सजुल ॥ हनंछन्वातसां दक्षिनिदयाधमखला छनतकंन्यादानमुम्वाल जिपुत्रिगो
मयजुछनतअजोगेयथधालसांवियमयुधधाल ॥ श्वतेशिवभक्तयावचनउठनावयु
नवीरसिवसर्मानधालं ॥ भोपिताछलपोलसेनज्याथजुलधकआज्ञादत ॥ थोसंसारस
मनुष्यजुसलिपिदम्वातसांइठदम्वातसांविवाहमधुतलेपसुतुत्य भोपीताश्वतेनजित

॥ स्वस्था ॥

॥ १०० ॥

अमकं न्यामविलसा अवसे नं प्राणा तोलते निश्चयधकधया व्रथव वलाडसप्राणावा
युथतकाया व्रभेवलावचोनं ॥ थोवेलससिवभक्तनधनाव हतासनं हातावधालं ॥ अ
हो आश्चर्य हरि २ होसिवसर्मा आसे २ छन प्राणा त्यागयाय मते धिर्जया २ छनत जिपुत्री
कन्या दानविय निश्चय जुलधकधया व्रसिवसर्माया लाहात जो नावधनं ॥ थोवेलससिव
सर्मा व्राह्मणानथवथेथमनं धिर्जया नावउसिहिन हनाव ॥ थोवेलससिवभक्तनधालं
॥ भोसिवसर्मा आवजिनकुधाय छन आमलित हत्या विलनावजिनगथेयाय आवथ
नचो नाव छाया शेवनेनुयोधकधया व्रथमन हापो २ वृद्धा स्मरणलिया २ तथा व्रथवदे
सवो नाव हल ॥ थनीलिशिवभक्तया छेसथेनाव सती नामवा स्मनी सलतलं ॥ थोवेलसस
ती नामवा स्मनी नथव पुरुषया सलताया व्रह्मा २ सनता हाये जो नाव को हावयावधालं
॥ भोस्वामी छेलपोलया अमलि वनेचोन लसुजुयु छुया कारनथनवल कुधलाववीना

॥ रामः ॥

॥ १०० ॥

ब्रह्मया त्रया नामकु गोत्र छु स्वयना पंग्या ना पुसे चो न ॥ भो स्वा मि हनं छल पो ल प नि से
न भिंस्त्र वा स्त्र रा माल व न स्या वा स्त्र ग्व स मस्तं आ ज्ञा द से विज्या य माल ध क विन ति या त ॥
थो ते थ वं त्रि स ति ना म वा स्त्र नि या वि न ति ने ना व शिव भक्त वा स्त्र रा न आ ज्ञा द य क लं ॥ भो वी
स ति ड न जि न भिंस्त्र वा स्त्र रा माले ध क दे स य तिं ग्या म र प तिं माल जु या न तु य के म फ या
व आ व्र थ्व गंगा स स ना न या ना व थ व छे व ने ॥ हनं थ्व गंगा स वा स्त्र रा प नि डु म डु वि चाल या
ना व व य ध क गंगा स व ना थ्व वे ल स थ्व वा स्त्र रा रा गंगा स ज प ध्या न या ना व चो न ॥ श्व वे ल स
जि न थ्व या रु प ष ना व स्व या व चो ना ॥ भो स ति श्व वे ल स थु स्त्र वा स्त्र रा न जि था स व्र या व ने
न ॥ भो म हा पु रु ष छ ल पो ल थ न कु का र न वि ज्या ना ध क ड न थ्व वे ल स जि न स त्प थे थ व
वि स्ता र क ना ॥ श्व वे ल स थु स्त्र वा स्त्र रा नं धा लं ॥ भो पि ता जि नं कं न्या धो ज य या ना गु या ना
का लं द त ॥ थ नि पर मे श्व न रि जि नि स्त्र ना य ला त क ल आ व्र अ म कं न्या जि त वि य माल

॥ स्वस्था ॥
॥ १०१ ॥

धक धाल ॥ धोवेल सजिन धया भोवा स्रण आम छु ख हू ना छन तजि स्या च अजो ग्य छा
न धाल साजि स्या च जुल वाल ध वै सति नि छ न वै स धाल सा ज्य थ जुल ॥ हने छन रूप धाल सा
अती अघोर रूप जि पुत्री धाल सा सा शा हल श्री व स मान ॥ ध्वते न छन त अजो गे धक धा
या ॥ श्व वेल स थु स्रवा स्रण न धाल अम कं न्या जित म विल सा छन त अव से नं व स्र ह्था
विया व प्राण त्या गया य निश्च य धक धया व प्राण वा यु व स्रा ड स थ त क या व पृथिवी स
गोल तुला व प्राण त्या गया य तेन ॥ भोषिय थ्व वेल सजिन मन स भाल पा व स्र ह्था छ ता जा
काय म पु ध क थ न वो ना व ह्या धक सिव भक्त वा स्रण न थ व क ला त सति नाम वा स्र नि
या त स म सं विस्तार न क ना व चो नं ॥ धोवेल स सती नाम वा स्रणी न धालं ॥ भो स्वा मि ह
रि ॥ छल पो ल या बुद्धि ग न व न छल पालं छु स्व या व अम थी न धि ना हार वा स्रण वो ना
व ह्या आम वा स्रण या रूप नि स्व व स्व य ना पं भ यं क र सु ति छा ल धाल सा हिं ग वाल थं

॥ रामः ॥
॥ १०५ ॥

संधाल सावन जंतु याथे ॥ मिखा धाल साया ल. मिपु स स्वाक. हु स पतन मताक. लु धाल सा
त्यनितिक. वा धाल सा फूक. हा स न हि सुतु न हाक. लु तु न लाल पेले हाक. स्वय नोपं भयं
कर मूर्ति प्याक चो न थ्यं चो न ॥ थ थिं लु या न ग थे जि ल्या च विय ते ना ॥ भो स्वा मि जि ल्या च
या रूप धाल सा. सा शा तल श्मी चो न थ्यं चो न ॥ सरि धाल सा अतिको मल. ते ज धाल सा वा
हिया श्री सुर्य थ्यं ॥ घाल धाल सा पूर्ण चंद्र माया थ्यं ॥ ला हा तु ति धाल सा मल हा व कि सि
या थ्यं ॥ ज धाल सा ल श्मी या थ्यं ॥ पालि धाल सा सा वित्री या थ्यं ॥ वचन धाल सा कलिव स मा
न ॥ थ थिं लु पर म सुंदरी जि ल्या च ग थ्यं थ्व या त विय ॥ भो स्वा मि आ म वा लु न न कत क या
ल्य च म विल ध का व रु थ्या वि या न छल पो ल जा य मा ल ला ॥ भो स्वा मि हु ने म चा व रु थ्या थ व
वि या रु या क गु ग नं दु ला थ्व या त जि पु त्री कं न्या दान वि या न थ्व व लु पुर दे स या लो क न छु
धा यु. थ्व वा लु रा या त जि पु त्री कं न्या दान म वि या न पा प न पु न सां जि न थु गु लि पा प फ य छ

॥ स्वस्था ॥

॥ १०२ ॥

लपोलयातकुंदोषमदुःभोस्वामिनाथेधकासनेमतेव्रथ्वसंसारसथ्वछस्रजकलाद
तमेववाप्रणामदयुता ॥ होलछिगुह्यानातसांथयातकंन्यादानवियमधु ॥ भोस्वामि
योतेनआमज्पाथबास्रणयातवेलावियावछेवधकंधानं ॥ थ्वतेशिवभक्तबास्रणवस
तीनामजास्रणीवछेरीमचोनावरवज्ञाकगुतायावःसिवसमनिधानं ॥ भोमातासतिउठ
सेविज्याहुनेथ्वसंसारसःज्याथस्रंदवःजिथिस्रंदवःस्यायस्रंदवःमचास्रंदवःगुलिछियां
ज्याथस्रयामचाकलात ॥ हंजिथिस्रयामचास्रभानत ॥ हनेस्यायस्रयास्यासेस्रकलात
दव ॥ थ्वसंसारसपरमेस्वरनसकलेयातंउतिषनकावमतव ॥ गुस्रंदरिद्रगुस्रंधनाधेगुलि
स्यादरिद्रस्याधनादेस्रकलात ॥ हनेगुलिस्रंधनाधेस्रयादरिद्रकलात ॥ हनेगुलिस्रंध
कलातमदु ॥ हनेगुलिस्रंधनाधेस्रकलात ॥ हनेगुलिस्रंधनाधेस्रयादरिद्रकलात ॥ हनेगुलिस्रंध
नदु ॥ भोमातासतिथ्वसंसारसविधातानंसुयातंसुखवियावमतल ॥ भोमातासतिसंसार

॥ रामः ॥

॥ १०२ ॥

हानां कुसालया घलचा कथं हितु हिला वचो न ॥ ध्वधं सकलं न्याथ जिधि जुया ववने मानि सदां उ
धं चोने मंडु ॥ भो माता सति ध्वते नं अपालं घ हाना वचो नाया गुरा मंडु अमकं न्याजित दान मवि
लसा अवसे नं वस हथा विया वछ लुषा को सं ध्व प्राण त्याग गायनि श्वयध कंधया वको संगे लत
ला ववुं ला डस प्राण वायु थत काया व प्राण तो लते नया रयातं ॥ ध्व वेल ससि व भक्त व्रां सरा नथ व
लुषा को सं सि व सर्मा व्रा सरा न प्राण त्याग याये ते न घना व रुता २ स नं पि हा व या व हरि २ ध कं हला
व सि व सर्मा या त धालं ॥ भो व्रा सरा आ से २ छ न प्राण त्याग या य म ते धि र्जया २ मि सा त से न ध या न जि न म
विय ला छ न त जि पु त्री कं न्या दाने विय नि श्वय जु ल ॥ स ते २ जि गुर व नि ड्ढ च ध कंध या व त ति चा य का व
थ त वो ना व भी गु को था स य ना व धि र्ज विया व त लं ॥ ध्व वेल स सति ना म वं ल नि न धालं ॥ हरि २ ग थिं गु
वि प रि त स्व य माल सं सार स मंडु गु म चा व ज्वा थ व वि वा रु जि न स्व य माले धि कार २ जि भा गे धि कार २
जि स्या च या क र्म द त नं छ स्या च छ स नं थ थिं गु क र्म उ धु नु जे ति व प नि से न जि त धाल ॥ भो व्रा स नि

॥ स्वस्था ॥

॥ १०३ ॥

धनेरछनभागेछनयुत्रिगोमयजुअतिलक्षनलाक ॥ महारानित्वंजुयुधकधालथ्वसास्त्रसकलेंअ
मिथ्याखनिंहाय२निर्विकिधायविधातावनिमचावज्याथवविवाहयानाववियुन ॥ हरि२गथिंगुअव
स्थानयमालीनजिह्वाचनछुयापायनथथिंस्त्रज्याथवास्त्ररापुरुषलात ॥ हनंजिह्वाचनंजाआवत
लेंसुयातंछुदुःखवियेमषना ॥ हनंछुयापंयाकंमषनाअथेनंथथिंगुविपरितकेनधीकार२धाय
विधाताववछुविचालंमडुउषुनुभिक्षाफोनव्रवस्त्रमहादेवखयमाल ॥ थुस्त्रमहादेवनजुलसांथ
थिंस्त्रवालषयातगथेछलकपतनलानावप्रापवियावतथलअजोगंमषो ॥ हनंजियनिमडुस्त्र
यावछलकपतनलानावभिछुकरूपकयावजिह्वाचयातप्रापवियावतथलथुस्त्रमहादेवन
जुलसांथुलियायअजोगेधकनानामाथनविलापंयानावचोन ॥ थ्वतेसतीनामवंस्त्रनिनजुल
सांविलापयाकखनावसिवभक्तवास्त्ररानवोधविलं ॥ हेप्रीयसतिछनविलापयायमतेउषु
नुभिक्षाफोनव्रवस्त्रनमालकोज्यागोसालचिनावतयधुंकल ॥ भोषियसतिआवछनजकविला

॥ रामः ॥

॥ १०३ ॥

पयानावच्छायउषुजुभिक्षाफोनवत्रसुश्रीजगदीस्वरथुकाडसपरमेश्वरयाडंवहनविवशुश्रापव
सजुयुमषुत॥हनंतेतिसकोतिदेवतांछनपक्षजुयाववलसांथुस्रजगदीस्वरयाश्रापलंघनायाय
फयुमषुआवछुयायदेवनयानाथेकर्मकपालथुकाधकफयाथेथवस्त्रीसतिनामवंस्रनियान्तवो
धवियावचोनं॥थवेलससतीनामवंस्रणिनथवपुरुषयाआग्याडनावथमनफयाथेधिर्ज्या
नावधालं॥भोस्वामिआवजिनछुयायदेवनगथेयातअथेमयामगाकछलपोलसेनगर्थेजिल
अथेयास्यविज्याहुनेधकविनतियातं॥थतेथवत्रिसतीनामवंस्रनीयाविनतिडनावशिवभक्त
वांस्रणनधालं॥भोत्रिसतिधनेरछत्रिजातिजुयानंअनेगईस्वरयामहीमासिवभोधियसति॥
आवसिवसर्मायातभिन्नपदार्थदयकावव्यालियातकावभिंशुकोथासथेनेयवधकधालं॥थ
तेपुरुषयाआज्ञानेनावतत्कारनंभिन्नपदार्थदयकावव्यालियातकावभिंशुकोथासयानयतं
वस्त्रयालासालायावथेनेछोतं॥थनंलिथथसनंव्यालियायधुनकावकोथासदेनवनं॥थ

॥ स्वस्था ॥
॥ १०४ ॥

वेलसचिह्नं नित्यं त्रिपुरुषसेनं थवपुत्रिगोमयजुयात धालं ॥ भोपुत्रिगोमयजुछदुःखतायम
तेभोपुत्रिआवहुयायउषुनुभिक्षाकोनवलस्य श्रीजगदीस्वरवथुका ॥ भोपुत्रिउषुनुभिक्षा
वियावहोतसाथ्वाथवासाहूनतपुरुषमलाक ॥ भोपुत्रीआवहुयायउषुनुश्रीजगदीस्वरया
डुंवरुनविवगुथापमषयकेजियनिसामर्थमडु ॥ भोपुत्रीआवहूनललातसचोयावहवगुहूनाव
होयसामर्थमडु ॥ भोपुत्रीहूनमनसदुःखतयमतेजिमितहुंदोषमडु ॥ भोपुत्रीहूनभाविसथथेचो
यावतलधकफयार्थेनित्यं त्रिपुरुषसेनं गोमयजुयातबोधवियावचोनं ॥ थवेलसगोमयजुनमा
मवकुयाआज्ञाडुनावविनितियातं ॥ भोपितामाताछलपोलयनित्तहुंदोषमडुजिकर्मसथथेचोया
वतयागुसुनानमेतेयायफयु ॥ भोमातापिताअहंकारनजिफुतउषुनुकोनवलस्यभिक्षुकजिमन
संश्रीजगदीस्वरयफजुधकंमनसभालपा ॥ भोपितामातालनकावतयागुलिनजितप्रापनकेन ॥
भोमातागुलमनुवेनंआपालातकथवक्षसकोनवयुअथवाभिक्षुकजुलंअभागतजुलसां कानफ

॥ रामः ॥
॥ १०४ ॥

ताजुलसां धुमभिक्षुकया त श्रीजगदीश्वरत्वं भालपात्रभिक्षा ह्रियमाल ॥ भिक्षामद्रुतसाजितगथे
आपनकेन अथेव ह्यमनुषेयातेकेन्यु भिक्षाद्रुतसाव ह्यमनुषेयांथुगलोकसंमहासुवजुयावपर
लोकसंस्वर्गवासजुयु भिक्षामविलसा इहलोकसंगतिमदु परलोकसंगतिमदु ॥ भोपीतामाताआ
वजिरास्वयधुनमनुषेलोकनासजुयुगु अहंकारनषव ॥ आवतेतिसकोतिदेवतांजिपक्षजुयाववल
सांमहादेवया अभिप्रापमययके सामर्थ्यमदु ॥ विधातानगोसालचिनावतयागुमयामगाकआव
ह्रियायज्याथजुलसां कानजुलसां पुलजुलसां जिकर्मसचोनथेवलछलंपोलपनिलछुंदोषमदु
भोपीतामातादेवनसुयातंसुषवियावमतव ॥ गुह्यश्रीरामचंद्रयाथिंगुमतिंदेवनलिनाववनवास
जुयावमहादुःखसियावचोनेमाल ॥ हनंश्रीजगदीश्वरयामतिंदेवनलिनावकालकृतजुयावगलपो
तथात्तकावकंथजकनीलकंथधकधायकावचोनेमाल ॥ भोपीतामाता हनंजुधिष्ठिरवसमानधर
मात्माजामेवमदु ॥ हनंवलीराजावसानवननमेवदु ॥ हनंपरशुरामवसमानधर्मुंरसुंमदु ॥ हनंक

॥ स्वस्था ॥

॥ १०५ ॥

रुद्रसमानत्यागो सुमदु ॥ भो पीता माता था थिं २ पिं देवता पति मतिं जो देव नलि ना व महा दुःख सि
या व चो ने माल ॥ भो पीता माता पूर्व जन्म सया पाप न थुका थ थिं स्रग्मा थ वं स्रग्मा पु रु वला त आव दु
या य देव लं घना या य म जि व ॥ भो पीता माता विधा तान त व ध न चि कि ध न म धा व ग थे धाल सां त व
ध न जु लं स ल कि सि म सु ला ह नं चि कि धि क जु लं स पा ति मि मि चा ॥ भो पिता माता थ्व पति तं दुःख
सुष द य का व त ल ॥ भो पीता माता ह नं दुःख हा नां सु ख हा नां क र्म क पा ल थु का ॥ ह नं क र्म क पा ल हा
नां ध ल प गो ल प थु का भो पिता माता ॥ ह नं सा ग र स मु ड दे व ने चो न ध क लं घ तु या आ या लं व यु म
षु थ ल स हू सि ज कं व यु ॥ भो पिता माता थ्व ते न पूर्व जन्म स द न प्र दान ध र्म क र्म या क स न सु ख भोग
या त ॥ ह नं पूर्व जन्म स पा प या क स न दुःख भोग या त ॥ भो पीता माता थ्व ते न अ पा लं ख क्क ना या प्र
यो ज न म ड अ म वं स्रग्मा थ जु लं सां द रि ड जु लं सां क ष्ट जु लं सां जि भा वि स व ल ॥ भो पिता माता ह
ल पो ल से न ग थे जि ल अ थे या से वि ज्ञा ह ने ध क वि न ति या तं ॥ थ्व ते पु त्रि गो म य जु या वि न ति ड ना व

॥ रामः ॥

॥ १०५ ॥

शिवभक्तवांस्त्ररायनिसेनधालं॥ भोषुत्रिगोमयजुधनेश्छनबुधिग्यानर्थथिंठवालववेससंनिसें
अनेगग्यानदेवलोकपनिमहीमांसिवधकचछिंस्वस्ममचान्वानावचोनं॥ थवेलसप्रातकारजु
संलिशिवभक्तवांस्त्ररायशिवसर्मावांस्त्ररायाथासत्रनोत्रनउवोनकलछोयात्रलिबुसिधेनका
वसथातकावपातपतंवस्वस्वनतियकाव नानायदार्थभिंगुस्वस्तुकदयकावभोजनयातकाव
वासलनकाववासलचिकननवुयकावलहिनावनलं॥ थनंलि नक्षीवालक्षिदसंलिथ्वसि
वसर्मावांस्त्रराभतिभतापुस्तजुयाववानलानाववलं॥ थनंलिपिलापुलादसंलिशिवभक्तवां
स्त्ररासतीनामवंस्त्रनियानधालं॥ भोछिसतीआवपुत्रिगोमयजुकंन्यादानविययातमाल
कोजगेजोलनताललातकिव॥ हनंथव्रथितियनिसकलेंवोनकलछोव॥ हनंगुरुप्रोहितजो
तिषयंडितपनिवोनकलछोवधेकधालं॥ थतेथव्रपुरुषयाआग्याठनावसतीनामवंस्त्रनि
नदासकपनिसलटावधालं॥ हेदासकपनिहिजिसगुरुप्रोहितथव्रथितियनिसकलेंतत्का

॥ स्वस्था ॥

॥ १०६ ॥

रविज्यायमालधकधाव ॥ छानधालसाहिजिसगोमयजुकंन्यादानवियतेनधकमालकोषदा
सकपनिलधालं ॥ ध्वतेसतीनामवुंस्त्रणीयाआज्ञाउठनावदासकपनिसेनतत्कारनंथवथितिय
निनिमंतनायानावलिसलकनं ॥ थनंलिगुरुप्रोहितपंडितजोतिषपनिविज्यानावसुवेलास
लातकंजगेसालादयकावअष्टमंगलपूर्णघतजवरवसतयावथासरपतिंवीजमानपेना
वप्रोहितगुरुपनिसिंहासनसविज्यातकाव ॥ थमनंजलिजवापयावसतनतियावगोमयजु
यातंपातपतंवरवस्त्रनतियकावरत्तमालानकोषायकावजगेसालायाथासतयावतलं ॥ ह
नंसिवसर्मायातंपातपतंवरवस्त्रनतियकावथमनफयाथेछाययावजगेयाथासभिंगुसिं
हासनसतयावतलं ॥ थनंलिसुवेलाजुयावप्रोहितनंजगेआरंभयातं ॥ हनंपंडितपनिसेसअ
नेगपुरांनादिपाठयानावविज्यातं ॥ हनंगुल्लकमारिछायपावअनेगजलिजवापयावस्त्रनतिय
कावमनिमानिकयातिसानतियकावजजेसालासतयावछत्रधोजयनापचामलआदिंदोयका

॥ रामः ॥

॥ १०६ ॥

वज्रगेसअनेगपदार्थ घेलकसिहमलहृदिआदिंदुयावनानामंगलजात्रायानावचोनं ॥
थनंलिमालकोविधिपूर्वकधुसंलिकंन्यादानयावेलाजुंयावशिवभक्तवांसरानथवपुत्रि
गोमयजुयालाहातजोनाव्रह्ममलकुसजोनाव्रह्मसतिनामखंस्नीनजुलसांसुवर्णाया
कुंधालहायकावप्रोहितनवाकेयातकाव॥मंगलजात्रायानावसुवेलासलातकगोमयजु
कंन्यादानविलं॥ ॥ थनंलिसिवसर्मावांसरानफयावकालं॥ थवेलगोमयजुनथ
वपुरुषयातपुष्पमालानकोषायकावस्वचाकउलावचरनसभोकपुयाववांसरानपनिस्त
सुवर्णदक्षणावियावथवपुरुषयावालस्वयावआनंदनचोनं॥ थनंलिशिवभक्तवांसर
एनथवगुरुप्रोहितप्रभितिअनेगवांसरानपनिअतितअभ्यागतपनिस्तकोटि२तंकासुव
र्णदक्षनावियाव॥ हनंअन्नवस्त्रक्षवुईत्यादिंदानवियावअतितअभ्यागतपनिसंतोषया
नावज्रगेसंपूर्णयानावज्रगेयाअभिषेककयावनानापदार्थदयकावभोजनयातकावफ

॥ स्वस्था ॥

॥ १०७ ॥

याथेसकलयातं आदरभावयानावजज्ञेसंपूर्णयातं ॥ थनंलिमालकोभोजनयातकेधुनकाव
अनेगमाथनकुसलवार्तायानाक्रमसुधिवियाववेलाविलं ॥ थनंलिगुरुप्रोहितपंडितप
निसेनथवथितिपनिसेनवेलाकयावआसिर्वारवियावथवशआसनसविज्यातं ॥ थ
नंलिमालकोकर्मकयाधुनकावथथसनंभोजनयानावसिवसर्मायातंनानापदार्थभोजन
यातकावनिस्त्रिपुरुषंभिंशुकोथासथेनेयनं ॥ थनंलिशिवभक्तवास्त्राणपनिनिस्त्रिपु
रुषयांचांछिंअनेगमाथनंखहानावचोनं ॥ ॥ थनंलिश्रीसुर्येउदयजेयतनंशिवभक्त
वास्त्राणयासदायार्थंगंगासनानयानावअतीतअभागतपनिस्तंलकरक्षितंका१००००००सुव
र्णदक्षिनावियावश्रीहरीहरपूजायानावश्रीलंबोडरप्रदक्षिणायानाव ॥ थवइष्टदेवताकु
लदेवतापूजायानावसकलसेनेनानापदार्थदयकावभोजनयानावपरमआनंदनसुखभो
गयानावचोनं ॥ ॥ थनंलिगोमयजुनथवस्वामिशिवसर्मायातभितकनिदानयानावभि

॥ रामः ॥

॥ १०७ ॥

नपदार्थदयकाव भिनः वस्त्रनतियकाव भिनः वस्त्रनकाव चिकनं वयकाव थवयथे
छुयकाव भिनकनिदानयानाव कामरससुखभोगयानाव ताकालं कालरुनाव सुखभो
गयानाव चोनं ॥ थनयाव थुति ॥ थनं लिखु क्रयादीनससिवसर्मिषां ह्यराया
मनसभालपु जिजाता कालंदत थचोनाव चो ॥ आवजिजासशरभतिपुल्लजुलकं न्यादान
कायंधुन आवजिथनजकचोनानं प्रतिपालमजुल ॥ ताकालंदत थवक्षतो लतावचोना आव
ववेलाफोनवनेधकं मासववुयाथासवनाव विनतियातं ॥ भोपितामाता जिथनचोना ताका
लंदत जिक्षेसगथे २ जुलमे सुनानं विचालयाकं महु ॥ भोपितामाता थ्वते नजितवेलाविसे
विज्याहुनेधकविनतियातं ॥ थ्वते सिवसर्मा याविनतिडुनाव सिवभक्तवां ह्यरापनि
निस्रिपु रूषसेनधालं ॥ भोपुत्रसिवसर्मा असथे आग्यादसे विज्याय मते ॥ थनविज्या
तसां अनविज्यातसां छलपोलयाक्षेममुला ॥ भोपुत्रः छलपोलयाजकमुहु भोपुत्रसिव

॥ स्वस्था ॥ सर्माजिजकसुहुकायमचाधालसां रूपायमचाधालसां छलपोल छलमषुला **॥ भो पुत्रसि**
॥ १०८ ॥ वसर्माथनजिज्ञेसदुथेपुथेनयावचोव **॥ भो शिवसर्मा छलपोल क्षसेविज्यायधकआशा**
दयकेमते **॥** हुनं छलपोलयाक्षेसस्वतकलछोयमालसाजिनदासकपनिछोपावस्वतक
लछोयछलपोलविज्यायमुम्बालधकफयाथेमामववपनिसेनगनावचोनं **॥ ध्वतेमाम**
ववपनिआज्ञानेनावपुनवोरसिवसर्मानवित्तितियातं **॥ भो पितामाता इहसेविज्याहुनेजि**
तगनेधायमतेजिवनाधकलिहामवयमषु **॥ भो पितामाता जिवनसांपिलानिलायाध्याल**
मषुला **॥** जिजकसुयाभलसानचोने **॥** क्षेसजकगथेरजुवमजुवभतिविचालयानावयथु
का **॥ भो पितामाता हुनंजिमामववदेवगुरुईष्टमिष्टभतिविचालयानाववय ॥ भो पिता**
माता छलपोलसेननयमहुनकावतलस्रकलातमहुकलातवियावतवस्रछलपोलप
नितोलतेमषु **॥ भो पितामाता पिलानिलाधयागुघरिछिवनथेमषुला ॥ ध्वतेनजितगने**

॥ रामः ॥
॥ १०८ ॥

मते मतानं वेला विस्प विज्या कुने धक विन तियातं ॥ थनं लि गो मय जुन विन तियातं भो स्वा मि छल यो
ल विज्या य धक आ ज्ञा दय के मते छल यो ल म दय कं जि ग थे चो ने ॥ भो प्र भु हनं जि मि सा जा तिया पु
रुष म दय कं गति मं दु ॥ भो प्र भु नि श्व य नं छल यो ल विज्या म जु ल सा जि ना प व य ध क ध या व पु न वा
र सि व स र्मा न धा लं ॥ भो प्रिय छ व य ध क धा य म ते छान धा ल सा हा यं म चा या स्व भा व ति नि ॥ ह
नं छु न त वो ना व य ने धा ल सा जि छे स ध न म दु जि न छु न का व त य ॥ भो स्त्री हनं छ न धा ल सा थ न
क्षे म य या गु न या व चो न स्म ॥ हनं स री र धा ल सा अ ति को म ल हनं छु न स री र स वा ल य दु जि क्षे स
व ने त धा ल सा अ ने ग जं ग ल प र्व त ग या व था हा को हा व ने माल ॥ हनं ता प ने चि कु फ स व वा व
ध क धा य म दु अ ती क य न या व व ने माल ॥ भो प्री य हनं जं ग ल स अ ने ग व न जं तु सिंघ व्या घ्र रा
क्ष स चो र थ य नि भ य दु थ थिं गु भ य क या व व ने माल ॥ भो प्रिय थ वेल स छ व जि व वा य मालि
व थ वेल स ग थे या य गु र व व थ ते न छ व य म ते ॥ भो प्री य थ न मा म व वा प नि से वा या ना ज भि न

॥ स्तुत्या ॥

॥ १०६ ॥

कविचालयानावचोव ॥ भो प्रियजिननानंवयथुका जिनं माया आसा भलसा छुन केथुका छ
हतासचायमते धकथवस्त्री गोमयजुयात फयाथे बोधवियावचो नं ॥ थो ते पुरुष या आशा डव
नाव गोमयजु न विनतियातं ॥ भो स्वामि डसे विज्या हुने छलपोल मद्यकजिया कतन जाघरि
छिसुद्रांतचो ने मधु ॥ भो स्वामि छलपोल या क्षेसधन संयति वाजा किम दत सां छलपोल सेन गु
गुनल जिनं उ गुनयावचो ने ॥ हुने छलपोल या सुख न जिनं सुख ॥ भो प्रभु हुने लय सवन जंतु या भ
य दत्त सां छलपोल दत्त नाव जित छुया भय ॥ भो प्रभु पर्वत गय माल सां चिकता पनो वफ सवल सां ड
खजुल सां ना पं वने दत्त नाव नित्ये सां भा नंद थुका ॥ भो प्रभु छलपोल सेन जिया कात नत याव छ
लपोल जकं विज्याय मते ॥ भो प्रभु छलपोल मद्यक नाव जिन श्व प्राण तत्कार नं तोलते ॥ भो स्वामि
सित सां न्यात सां छलपोल वसं सर्ग धक गोमयजु न हथि जुयाव विनतिया नावचो नं ॥ थो ते थव
श्री गोमयजु या विनति ड नाव सिवसर्मान धालं ॥ भो स्त्री छुन अमलित हथा विल नाव जिन दु

॥ रामः ॥

॥ १०६ ॥

धायछनमामववुयाकेनिवेत्तानिफोवधकधालं॥थ्वतेपुरुषयाआग्याइनावमामववुयाकेवे
नतियातं॥भोपीतामाताजिनंपुरुषवनापंवनेजितनंवेलाफोनेधकविनतियानात्रसिद्धभक्त
ब्राह्मणपनिनिस्रिपुरुषसेनंधालं॥भोपुत्रिगोमयजुछनअमथेधायमतेछनापंमदसंलिजि
पनिसेनश्वप्राणगथेरक्षायय॥हनंजिपनिज्याथजिथिजुलआसाभलसाछछसस्यापुता॥भो
पुत्रीछनापंमदतनावजियनिसुनानविचालयानावंलधभतिपुनंतोनकय॥भोपुत्रीगोमय
जु॥थोवेलसजियनिप्राणवाधुलिसुद्वारक्षायुयुवमषु॥भोपुत्रीछमदयकजियनिजकगथेवो
ने॥गथेचंद्रमामदुवरुनिथंजियनिजगलसधिउंयाववन्नु॥भोपुत्रीहनंछमदतनावगथेश्री
रामचंद्रसीतामदयावदसरथराजानप्राणत्यागयातअथंछपनिमदतनावथोप्राणजिय
नीसेनतोलनेमालिव॥भोपुत्रीथ्वतेनजियनिसेनश्रीलंबोडरयाकेसिवायानदयकावतयाध
ननिदानयानावदुथेफुथेनयावंचाव॥भोपुत्रिहनंछनपुरुषवनसंपिलायाव्यालमषुलाध

॥ स्वस्था ॥

॥ ११० ॥

कनित्त्रिपुरुषसेनं फयाथेथवपुत्रिगोमयजुयातगनावचोनं ॥ ध्ववेलसगोमयजुनमामव
वापनिआज्ञाठनावविनतियातं ॥ भोपीतामाताअमथेआज्ञादसेविज्यायमतेमिसाजातिवापुरु
षविनानधर्ममडुगतिंमडु ॥ भोपीतामाताकायमचायामामववाविनानधर्ममडुगतिंमडु ॥ भोपीता
माताछलपोलपनिसकेजिपतिसेनविनतियायमालजामषु ॥ अनेगपुराणादीकथाठनावविज्या
कलछलपोलपनिमषुला ॥ भोपितामाताध्वतेनजितगरोधायमतेभोपीतामातामिसाजातिया
थवपुरुषतोततावचोनसानकसवासजुडु ॥ हनंजिपुरुषवालसाज्याथजुलवनांतरसछंजुल
साव्रयातसुनानरक्षायायु ॥ भोपितामाताहनंस्यायमचाधयास्यामचातलेथुकामामववुया
भोपीतामाताजिंषाछिजकंचोनावनापंनिसंतत्कारनंलिहावये ॥ भोपीतामाताध्वतेनजिप
निसननानंवेलाविसेविज्याहुनेधकनानामोथनविनतियातं ॥ ध्वतेपुत्रीगोमयजुयावचड
नावपितासिवसर्मामातासतीनामवप्रणीपनिसेनमिषासषोवितयावजुगलसजकहिरि२

॥ रामः ॥

॥ ११० ॥

मिनकावजिलाजनंस्यायमचानिस्मनायंलासासफेकतुतकावधालं॥ भोपुत्रभोपुत्रिछपनि
सेनअमलितहृथाविलनावजिपतिसेनछुयायभनिभापिधकंधयावनानापदार्थदयकाव
मधिचधिदयकावभोजनयातकल॥ थनंलिभोजनयातकेधुनकावअनेगजलिजवापयाव
सतननित्त्रिपुरुषयातंपुनकावमनिमानिकयातिसानतियकावहनंसुवर्णयागुघलस
नवरत्नथुभावतयागुवलुकपितरुषावथवपुत्रिगोमयजुयातलवज्ञानावविनं॥ हनंजि
लाजनयातंअनेगरयारत्नमनिमानिकसुवर्णधनसंपतिलवज्ञानावमिधानजकषोविधा
एरहायकावथमनफयाथेआदरयानावथवपुत्रीगोमयजुमुदेशफेकतुतकावनित्त्रिपु
रुषसेनंसिलसलाहातीनपितुपिसेनुगलसहिरि२मिनकावश्वालसपितुपिसेसिलसला
हाततसेआसिर्वारवियावेलाविलं॥ ॥ थनंलिनित्त्रिपुरुषसेनंमामवदुयातफयाथे
धिर्जवोधवियावचरनसभोकपुयाववेलाफोनावडुलिसदनावसिवभक्तवांस्त्रणयाक्षेन

॥ स्वस्था ॥

॥ १११ ॥

पिहावयावथवक्षसवनेधकप्रस्थानयानाववलं ॥ थनंलिशिवभक्तवास्त्राणपनिसेननिस्रवि
पुरुषसेनंथवराजेब्रह्मपुरदेसतीलतावदेसयावाहिरध्वाकायापिनेतथवपुत्रपुत्रिगोमयजु
याजवषवसचोनावभनेगमाथनषक्रानावलत्वयावनं ॥ पुनर्वारध्वाकायापिनेथेनावशिवभ
क्तवास्त्राणपनिनिस्रविपुरुषसेनधालं ॥ भोदूरवाहकजिपुत्रिपुत्रनिस्रस्पातंलयसत्वयावव
लुङ्गनहुनिहनेथास२पतिंदिनावभिनकनिदानयानावयवधकधालं ॥ हनेगोमयजुयातवा
लं ॥ भोपुत्रपुत्रिगोमयजुलसबुलुहुनत्वयावहुनिहनेजिपनिमामववुयाथजिथिपनिउपास
दयाकरुनातयाववारवारलुमनकावधालभतिपुत्रंकेनवयमालधकनानामाथनषक्रा
नावमिषासषोविद्यापलथनावहिहिलनकावहुनांपुताधकधयावचोनं ॥ थनंलिमामव
वुयाआज्ञानेनावनिस्रत्रीपुरुषसेनंहुलिनंकीहावयावमामववुयाचरनसभोकपुयावथि
थिकसलवार्तायानावेलाकयावपुनर्वारहुलिसंतुदनावधालं ॥ भोपितामाताजिपनिमड

॥ रामः ॥

॥ १११ ॥

धकहतासचायमते॥ धंदाकयावविज्यायमते॥ थवमालकोनित्यकर्मदानप्रदानधर्मक
र्मयायगुतोततेमते॥ भोपितामाताजिपनिननानंवयथुकाभोपीतामाताछलपोलयनि
आनंदनविज्याऊनां२धकंहालावरवनेदतलेस्वयावधुगुलिप्रकारनधयाववनावचोनं॥
थनंलिपुनर्वाशिवभक्तवांहरापनिनिस्त्रिपुरुषसेनं॥ थवपुत्रपुत्रिपनिवनगुखने
दतलेस्वयावधयावचोनं॥ भोपुत्रसिवसर्माभोपुत्रिगोमयजुलयससोयावबुलुऊनहुनां
पुता२धकहालावमिषानापलिमकासेसोभोवचोनं॥ हनंखनेमदतनावमिषानंजकषो
विहायकावनिस्त्रिपुरुषसेनंहायपुत्रि२धकंषोयावअनवनेहंसियावनिस्त्रिपुरुष
सिमासगयावसिमायाचोसचोनावहायपुत्री२धकंमिषाजकषोविधारारहायकोवअतिदु
खनविलापयानावचोनं॥ गभेदशरथराजानरामचंद्रसीतासहीतनवनवासविज्याकवेल
सहायराम२धकविलापयानावप्राणत्यागयातअथेशिवभक्तवांहरापनिसेनथुगुलि

॥ स्वस्था ॥

॥ ११२ ॥

प्रकारनविलापयानावचो नवेलसंदेवयाजोगन रुनं श्रीजगदीश्वरयाडुंवरुनविवरुगुआ
पनसिमाकचाचलहिलावनिस्त्रिपुरुषंकुतिनवयावपृथीसजु नाव नवधारनहिस्त्रोया
वप्राणतोतलं ॥ ॥ थवेनसंश्रीजगदीश्वरयाडुतपनिवयावसुवर्णयासिंहासनसंवि
ज्यातकावगंधर्वपनिसेनमंगलगीतयानाव ॥ अश्रुपनिसेनचामलणगायकावडुंडभि
वायथानावस्वानवागातकाव दिवेदेहयानावपुनर्वाहं नं जन्मकायमुमालककैलासपर्व
तथतयरां ॥ ॥ थनंलिकैलासथेनावश्रीजगदीश्वरयां पार्वतीयांचरनसभोकपुयावपरमप
दलानावसुखनविज्यातं ॥ थवेनससिवसर्मावांस्मरणवगोमयजुवनिस्त्रिपुरुषडुलिसद
नावअनेगमाथनंस्वज्ञानावथास २पतिंश्रवदिनाव सितलगुवसुकनयाववनावचो नं ॥
थनंलिववं २अतिताजायावचो नगुअगोचलवनसदुहावनाव अनेगवनजंतुस्वयावसिमा
गुषिस्वानफलमूलस्वयाव ॥ सिमाफलषानावनयावनानातरहयाष्यालयानाववनकुडा

॥ रामः ॥

॥ ११२ ॥

यानावर्धमानयानावचोनं ॥ थनंलिथुगुलिप्रकारनवर्वरुक्षिवालक्षियालथेंसेंलिछुजुया
दीनसअतीताजायावचोनगुवनपर्वतछुगुलिथेनावर्धपर्वतगयसामर्थमद्यावर्धअंधकारजु
यावर्धपर्वतयाकोशवासयानावचोनं ॥ थवेलसचायागुत्रिसथसिवसर्मावांमरायनिनिनि
त्रिपुरुषयां दुल्यापनिसनंत्यानुयावसकलयां हेनवयावचोनं ॥ ॥ थवेलसत्रीजगदीश्व
रयादुम्बरुनवित्रगुआपयाफलनसिवसर्मायालसचोकं ॥ गोमयजुयालसचोकं मामवव
नविसेहयाधनसकलेंतिसाइत्यादिषुयावयनं ॥ थनंलिप्रातकालजुस्यंलिदनावस्वकवेल
सथवर्धसरिरसचोकंतिसांमडुहनंमामववुनविसेहयाधनसकलेंमडुखनावर्धहाकारल
यावनिनित्रिपुरुषसेनं विलापयानावचोनं ॥ थनंलिगोमयजुनथवर्धथमनंधिर्जयाना
वधालं ॥ भेदुल्याआवगथेयायभिर्जिसधालसात्यानुयावदिनावचोनाहेलमचायापापिष्ट
वुंनंजिपनिनिनिन्यांलसचोकंतिसांमडु ॥ हनंजिमामववुनविसेहयाधनसकलेंषुयावयनं ॥

॥ स्वस्था ॥ आवजिन गथे या यधिकार रजिकर्म भो दुल्या आवजिन जाछ पनि सतन के म फत ॥ हनं छप
॥ ११३ ॥ निस ज्वाला विय म फत ॥ स्वते न छप निथ वक्षे लिहा हुनि धकं ॥ हनं जिमा म व बुया के जिप
नि नि सस यां सिवा थे न का व विय माल ॥ हनं जिप निथ न दुःख जु व गु र व विस्तारं क ने माल
हनं छप नि च्या स्यो ल य स भिन क स्व या व हुनि धकं गो म य जु न मिषा स वो वित या व वे
ला विलं ॥ थनं लि गो म य जु या आ जा छ ना व च्या स्य दुल्या पनि से नं विन तियातं ॥ भो मा जु छ
ल यो ल से न अ म थे आ जा द न ना व जिप नि व ने ते ले दुःख ता य म ते ध कं धा या व नि स त्रि पुरुष
यां च र न स भो क पु या व वे ला क या व च्या स्य दुल्या त थ व क्ष स लि हा व लं ॥ थनं लि गो म य जु
सि व स र्मा वां स रा पनि नि स त्रि पुरुष से नं अ ति दुःख सि या व बु लु हु न प र्व त गू या व थ हा को
हा व ना व हि नु हि ला व व न या फ ल मु ल वा ना व आ हा र मा त्र ला त का व व न प र्व त हि ला व जु
लं ॥ थनं लि छु क्क या दि न स अ ति ता जा या व चो न गु प र्व त छ गु लि थे नं ॥ थ प र्व त स धा ल मालं

॥ रामः ॥

॥ ११३ ॥

षष्ठसि.सिमा.सिसाफलछुंमडुथथिंगुपर्वतसअतीकष्टनयावबुलुहुनंपर्वतगयावचोथे
नकलवमं॥थ्वेलसगोमयजुयाअतिपित्वाकप्यासचायावत्मानुयाव.असामर्थजुयावप
र्वतयाचोसगोलतुलावथवपुरुषयातधालं॥भोस्वामिजिजाअसामर्थजुल.काचिकनपित्वा
तत्पानुल.प्यासचालगनंकयावलेखभतिषुनंतोनकीव॥भोप्रभुहूनंजिधालसासरिरसवाल
षड्डुगसेवनेमफतधकंधयावपर्वतयाचोसगोलतुलावमुर्क्षाजुयावचोनं॥थ्वेलसशिव
समावालगनथवस्त्रिगोमयजुनप्रानांतयाकरवनावआवगथेयायधकंमहाधंदाकयाव.
आवजिनगथेयायथनधालसालंघगुषि.सिमा.सिसाफलछुंमडु॥आवजिनगनकयाव
लंघंतोनकेहूनंथ्वयाधालसासरिरसवालषड्डु॥गथेयायजिधालसाज्याथछुयाय॥हूनंध
यातगथेमनकसेयनेधकंमहाधंदाकयाव.गोमयजुयालसपचिरयानावधालं॥भोप्रिय
हतासचायमतेधिर्जया२थनधालसालंघगुषि.सिसाफल.सिमायानामनछुषुनंमडुथ

॥ स्वस्था ॥ थीगुथानसजिनगनकयावलंघतो न के ॥ हुनंगनंमालवनेधालसाजिथथिठज्याथरु
॥ ११४ ॥ लंथनधालसाअतिफसब्रवथथिननिंजनवनस्सचोनेमतेवनेनयो ॥ भोषियथपर्वतर
याकोसलंघगुषिसिसाफलसकतां दुथतेनबुलुहुनकोहावनेनयो ॥ भोषियहुनंजिजि
सक्षेथेनिनधिर्जया २ दवश्थनचोनेमत्योधकंगोमयजुयाससपचिश्चानावथमनफया
थधिर्जयानावथमनफयाथेवोधवियावचोने ॥ थवेलेसगोमयजुनथवपुहवयाआजाड
नावजासुकालजकतयाव ॥ थवेथेथमनंधिर्जयानावउसीहिनेदनावसीतलरुफसनक
यकावषचिसुमुकंचोने ॥ थनलिपुनवीरबुलुहुनंदम्मावपर्वतसकोहावनावथास २ पतिंरु
वदिनावबुलुहुनंकोथेनकलवनं ॥ थवेलेसपर्वतय्याकोसथेनावथवश्चापूर्णजुयकलं
घतोनाव ॥ सिसाफलनयावथवचिनदृष्टयानावथा २ पतिंरुवदिनाव ॥ वनातरुहितुहि
लावस्वानगुषिजातजातयागुसिमास्वयाव नानातरहयावनेजंतुचराचरगिपक्षिगनस्व

॥ रामः ॥
॥ ११४ ॥

यावत्पर्वतफोचायकलवनं॥थवेतससिवसर्मानधालं॥भोषियछहतासचायमतेफिजि
सक्षेवनेदतऊऊषनिस्वव्रश्चकयाननकेनं॥थवेतसगोमयजुनथवपुरुषयाक्षेयाननंष
नामात्रंथवमासववयाक्षेलुमनावमिखासषोविद्यापलथनावनुगलमछिनावछुलीनंदु
याथ्यनुगलसअतिपिडाजुयावषोसेश्चवपुरुषयालिवश्चनावचोनं॥थनलिसिवसर्मा
याक्षेथेनावथवकलातगोमयजुयातधालं॥भोस्त्रिफिजिसक्षेथेनथवनिडुहावनावसुवन
चोवधकंधालं॥थतेपुरुषयाआज्ञाडुनावगोमयजुनथक्षेवनावमहाडुःखनविलापयातं॥
हरिश्चारायणःशिवश्चिजन्मधिकारश्चगथिगुक्षेसचोनास्त्रथथिगुमिवाक्षसलातवलषनि
धकनानातरहंतंविलापयातं॥हनंथवथेथमनंधीर्जयानावप्रीजगदीश्वरनंदंवरूथानाववि
वश्चापलुमनकावभावदुयापजिकर्मसदलगुयातदोषतयधकंथमनंफयाथेधिर्जयानाव
गचोतनषोविहयावजव्रंखव्रंस्वयावचोनं॥थसिवसर्मावाश्रयायाक्षेगथिगुधातसाहिवने

॥ स्वस्था ॥ अवलमायावन ॥ लिदनेकलिलमायावन दधुसघाचनगोयावतया वोचनपल्लिचिनावतया
॥ ११५ ॥ नितजावचंद्रजोतिनगरयावाहिरसदयकावतयाभितरवाक्षेयनावगोमयजुनविलापया
नाकहनंधवधेथमनंधीर्जयानावमिषासर्वोविदुयावभिषाक्षेयावापाषनावडुहावनाव
वाकुतुफिचाछगुलिकयाववपुनावमाषापिषाचिलेचालेयावथवमालकोनित्यकर्मयाना
व ॥ इथेपुथेनयावसिवसर्मांशरायातभिनकनिदानयानावकामरसभोगयानावताकाल
दुखनकालहनावचोनं ॥ ॥ थनंलिपुनर्वारपिलाषुलाहिलासंपूर्णदसेलिछक्रयादीन
ससिवसर्मानंधालं ॥ भोस्त्रीआवदुयायजिजिसछेसधालसाजाकिवाषर्चछुंमडुछनधा
लसासरीरसवालषडुथथेमचाषुलसावेनकेयातषर्चछुंमडु ॥ भोपिययतेयाकारनजि
नषुलापोआलालंघचिनेयात ॥ वयवसानहेयातषर्चभतिभिधाफोनवने ॥ दवक्षेसभि
नकनिदानयानावचोव ॥ हुतासचायमतेभोपियआवजितवेलावीकनेधकथालं ॥ द्यजे

॥ रामः ॥

॥ ११५ ॥

थवपुरुषयाआज्ञाठनावगोमयजुनविनतियातं॥ भोप्रभुस्वामिउठसेविज्याहुनेजिमि
साजातिस्कांतनवानावछलपोलभिक्षाफोनविज्यायधकआज्ञादयकल॥ भोस्वामिहनं
जिसरीरथथिउठक्षेसधनसंपतिकिसिवाछुंमडुभोस्वामिजिनहुनयावध्वपाणारक्षाया
यहनंजजमानपनिस्केफोनावनयधालसाजिमिसाजातिनगनवनावफोनवने॥ भोस्वा
मिछलपोलसेनमषुगुआज्ञादसेविज्यायमते॥ भोस्वामिवयवसानहनेयातवर्चमद
तसांथनिजिसेनजजमानपनिसकेजिवरथेफोनावपतिपालयाय॥ भोप्रभुहनंछ
लपोलज्याथजुलपरदेससबनेथाकुलसछुंजुलसाछलपोलयातसुनानविचालया
यु॥ भोस्वामिछलपोलसेनपरदेससभिक्षाफोनविज्यायधायमतेजिअवलायाविनति
उठसेविज्याहुनेधकथवस्वामियाचरनसभोक्पुयावमिषाजिक्वाविधारशहायकाव
विनतियानावचोनं॥ थनंलिपुनर्दारसिवसर्मानधालं॥ भोप्रियछनअमथेधायमतेप

॥ स्वस्था ॥ रिपंचयाकेलोयकेमाल ॥ भोप्रियजिवनसांखशिवालसियाप्यालमषुलाभोप्रियदुःख
॥ ११६ ॥ मथेइतासचायमते ॥ हनंथोचंद्रजोतिनगरसपेसचासमिजिसजजमानपनिदयाव
चोनथकाथजजमानपानेसकेफोनावप्रतिपारयानावचोव ॥ जिननानंवयथका ॥ जिम
दुधकधंदाकयावचोनेमतेधकधायावस्त्रीगोमयजुयातधिर्जबोधवियावहथिजुयाव
षुलापोच्यालालषचिनेयात ॥ वयवसानहनेयातधनदयकेईक्षायानाव ॥ थवक्षेनपि
हावयावपरदेससभिक्षाफोनेधकवनं ॥ ॥ थनलिसिवसर्मावासरानदेसरपतिंगा
मरपतिंनगररपतिंरितुहिलावअतीकष्टनयावभिक्षाफोनावजुलं ॥ थनलिछक्रया
दीनससिवसर्मानतायिनेथेनकलभिक्षाफोनवनं ॥ थवेलसअतितवानलाकगुदेस
छगुलिषनं ॥ हनंथवदेसयावाहिरसअतिमनोहरगुगंगाछगुलिह्यानावचोनं ॥ हनंथ
गंगासमाथजिथिनिस्सेनतपस्यायानावचोनं ॥ हनंथोथायसअनगरयानसिसाफ

॥ रामः ॥

॥ ११६ ॥

लसयावअत्यंतवानलाकभुनिजुयावचोन॥ थथिंगमनोहरथानवनावसिवसर्माखां
रायासनसरसतायावजिनकुंडुंगंगाससनानसंध्यातर्पणयानावभिभाकोनवनेधक
मनसभालपावउसिहिनंदनावबुलुहुनवनावथ्वगंगासथ्यनकलवनं॥ थनंलिपुनवा
रसिवसर्माखांलरानथवमालकोमलमुत्रत्यागयानावथववसतगंगायातीरसतयाव
थ्वमनोहरगंगाससनयायधुनकावथवमालकोसंध्यातर्पनधुनकावनित्यकर्मयायधु
नकावदेगुलियायधकमनसभालपावसिवसर्मानज्याथजिथिपनिचोनथासवनावसि
सगयावस्वानथोयधकवनं॥ थवेत्तसंदैवयाजोगनसिमाकचाचलहिलावकुतिनव
यावनवदारनहिलोयावमृतुजुलं॥ थवेत्तसशिवइतपनिवयावकुबुयाववैठपूरसं
यनं॥ ॥ थनंयारवथुति॥ ॥ थनंलिगोमयजुनथवप्ररुषमदयावएकांतजुया
वअतिकष्टनयावमहाडरवसियावचोनं॥ हनंशिवसर्माखुलापोयालालरवचिनेयान

॥ स्वस्था ॥ वनमालिहामवयावगोमयजुनअनेगडुखसियावचंद्रजोतिनगरसवयावजजमानप
॥ ११७ ॥ निसकेभिक्षाफोनावआहारमात्रलातकावगुलिवांलरायाकर्ममालउलिजकमतोनुसे
दुःखसियावचोनं ॥ थनंलिगोमयजुयागर्भसवालवहिलासंपूर्णजुयाववालषजन्मजु
लं ॥ थोवेलसचंद्रजोतिनगरयाजजनमानपनिसेनगोमयजुयाअतिदुखरवनावमति
भताजाकिवजिदामजोनावगोमयजुयातदियाव ॥ हनंछलनिलजोतिषपनिवोनाव
विलं ॥ थनंलिगोमयजुनजजमानपनिदयानविवगुदामनंवल्लोपनिछलनिलवोना
वथवमर्जातथंमिनुषुवेनकावमालकोविधिपूर्वकयानावचोनं ॥ थनंलिमालकोक
र्मधुनकावजोतिषपनिसेनंजन्मयत्रियाचोयात्रगोमयजुयालाहानसलव्रह्मनावधा
लं ॥ भोगोमयजुहतासचायमतेछलपुत्रयानामनवरजधकविशुवनसगमप्रख्या
तिजुयु ॥ भोगोमयजुहनंथवालषनंछनहूसपुरीथकायहनंथवालषयालक्षनसु

॥ रामः ॥

॥ ११७ ॥

यनितानं संजुक्तं गुया वचो न ॥ भोवा सनी हनं धवालष अतिज्ञाननं पूरुजु यावरा जातं रं
यफव ॥ भोव सुनिथ्यते न थुलवालष या नामन वरा जधकं नामा क र्ण या ना व विल ॥
थनं लिगो मय जुन ॥ जोतिषवा लरापनि आशा उना व मन स आनंद या ना व जज मान य
निसके फो ना व दुथे पुथे ता लला तका व जोतिष पंडित यनि स पूजा या ना व द भना दिया
व भोजन या तका व फ या थ्य आद र भाव या ना व चो न ॥ थनं लि जोतिष पंडित यनि सेन भो
जन या य धुन का व गो मय जु या के वेला क या व थ व र भासन स व न ॥ थनं लि गो मय जु न
थुलवालष न वरा ज या त भिन क नि दान या ना व वा ल या धाल स्व या व दुख तन का व चो न
॥ धवालष ग थिं ल धाल सा अति को मल सरि र ते ज धाल सा श्री सूर्य प का श जु व थ्य ॥ मि
षा धाल सा य ले स्वान या हल थ्य ला हा तु ति धाल सा मस्त हा व कि सी या थ्य थ थि वालष
ज न्म जु या व ॥ गो मय जु या मन स आनंद जु या व चो न ॥ थनं लि पुन वी र गो मय जु न जज

॥ स्वस्था ॥

॥ ११८ ॥

मानयनिस्केको नानं कयासकेऽप्याकया नंथ वप्रा राज कतया व वाल यया तभिन क
निदानयाना वचो न थथेचोचो न वराज शुक्तय सवा चंद्रमाथें हि हि द्रिया वध यजु या
व पि दनि दद्या व भति भता स्मित लजु य सलं ॥ थथे नं सि व स र्मा भिक्षा को न व न स लि
हाम वया व गो मय जु न अति डुर व सिया व ॥ व जि कु म्पा जु या व क या स के अपा क या व न व
राज या त थ म न फ या थ ताल ला त का व थ चंद्र ज्यो ति न ग र या वा स रा य नि द स नि स स
ल ता व पु त्र न व रा ज या त व स वा या त का व वु धा न त या व ॥ थ व वा स रा या मा ल को क र्म
या य धु न का व पे स नि स वा स रा ल व ह्ना ना व आ व ल से ने छो तं ॥ ॥ थ नं लि न व रा ज
न आ व ल स य का व पे स नि स वा स रा वा रि या य फ या व व लं ॥ ह नं वा स रा या क र्म गा
य त्री ज प ध्या न आ दि स या व ज ज मा न य नि स के आ सि वा द त या व ॥ ज ज मा न य नि स सि
या ना व अ ने ग पु र ना दि पा थ या ना व भ ति भ ता द क्ष ना क या व नि स म चा या डु थे न या

॥ रामः ॥

॥ ११८ ॥

व्रआनंदनचोनं ॥ धनं लिनवराजघनाव्रजजमानपनिषुसिजुयाव्रथिथिंसाहुतियानाव्रगोमयजु
याथासवनाव्रधालं ॥ भोवसुगिगोमयजुछलपोलयापुत्रिनवराजघनाव्रजिपनिषुसिजुयधुन
आवनवराजयातश्रिपायायअवसरजुलछलपोलपनिश्रिपायायतछुछुसामधिदयकेमा
लधकऊनं ॥ थ्वतेजजमानपनिवचनऊनाव्रगोमयजुयामिषासवोवितयाव्रधालं ॥ भोजजमा
नपनिछिस्करपनिवचनऊनाव्रजिमनसहर्षविस्मयजुल ॥ भोजजमानपनिजिपुत्रनवराज
यातविवाहयायतसुयाभलसानयाय ॥ नययातअनंछुमडुधनदर्वेछुमडुभोजजमानपनि
हनंत्पानाव्रयायधालसासुयाभलसानयायसुनानवियुहनंसुनानचितायानाव्रवियु ॥ भोजज
मानपनिछिस्करपनिदयानहीनछुपोलजकआहारमात्रलातकावचोना ॥ हनंक्षधालसा
थथिडोभिषाक्षसुनानजिकाययातकंन्यादानवियु ॥ भोजजमानपनिजिजाभलसामडुछिस्क
रपनिसेनथ्वसचायातगथेजिलअथेयासेदिसने ॥ भोजजमानपनिहनंश्रिपायानाव्रजावियु

॥ स्वस्था ॥
॥ ११५ ॥

लिपतसद्युनकावतयधकमिषासघोवितयावविनतियातं ॥ ध्वतेगोमयजुयाविनतिडटनाव
जजमानपनिसेनधालं ॥ भोवसुनिजुछलपोलअमथेहतासचायमतेजिपनिमहुलाछलपोल
यामालकोसामार्घिताललातकावविय ॥ हनंभिनकक्षेदनाववियनकेमालसांजिपनिसेनन
कावलहिनावतय ॥ भोवसुनिजु हनंछलपोलयाभउमचाजुयुसुजिपनिसेनस्वयावतयधुन
अतिवानलाकवरुनापुरदेसयाअग्रिस्वामिनामबांलरायापुत्रीचंडावतीधयासुवंसुनिछ
लपोलयापुत्रनवरजयातकंमाशनवियनिश्रयजुल ॥ भोवसुनीजुछलपोलसेनहुंधंशका
सेविज्यायमते ॥ मालकोविधिपूर्वकजकआज्ञादयकेमालधकधालं ॥ ध्वतेजजमानपनिवि
नतिनेनाव ॥ गोमयजुयामनसअतिरसतायावमुसुहुनहिलावधालं ॥ भोजजमानपनिवि
नतिडटनावगोमयजुयामनसअतिरसतायावमुसुहुनहिलावधालं ॥ भोजजमानछिस्करय
निजयश्जुयमालधकंजिपनिउपरसदयाडुधकमालकोविधिपूर्वकथथेमालधककनंवावछे

॥ रामः ॥
॥ ११५ ॥

तं ॥ थनं लिखुयादीन सज्जमानपनि सकलें सुनाव साहुतिया नाव हुल गुक्षेद नाव गोम
यजुनधाको सामाया ताललात काव विलं ॥ हुनं दीन वेलाथे कनाया नाव वरुना सुदे सया अ
त्रिस्वामिना मद्रा सराया पुत्री चंद्रावती धाय कल छोया वज्रगे साता दय काव चंद्रा जोतिनगर
या बां सरापनि छल्लनि सद्य काव जगे याना व नवराज बां सराया त चंद्रावती कंन्यादान वि
लं ॥ थनं लिज्जमानपनि सेनपे स्या स्रवां सरापनि दय काव भोजन यात काव दक्षना विया
वमाल को कर्म सिद्धया नाव विलं ॥ थनं लिज्जमानपनी दयान नवराज बां सराया ईही पाला
त काव स्वस्व मचा सुख नचो नं ॥ ॥ थनया खथुती ॥ ॥ थनं लिखुयादीन सन नवराजन मा
मगो मयजुया केविन तियातं ॥ भो साता जि नख छता विन तियाय जि सितल जुया वेल सचंद्र
ज्योतिनगर या पासापनि सेन ववु मडु मचा वल धक धाय ॥ भो साता थवेल सजिन हुं धाय मय
जिव वाग नवन दनि ला म दत ला सम सत्ता आशा दस्य विज्या हुने धक विन तियातं ॥ थने पुत्र नव

॥ स्वस्था ॥ राजया विनतिः ऽना वगो मय जु न आ ज्ञा दय कलं ॥ भो पुत्र न वरा ज छ न व वा या ष क ने ऽव
॥ १२० ॥ छ गर्भ स चो न वे ल स पु ला पो आ ला लं ष चि ने या त व य व सा न ष र्च ह ने या त म द या व पर दे
स स भि क्षा पो ने ध क वि ज्ञा त ॥ भो पुत्र न वरा ज आ व छ य पा य धि क ल जु ल आ व त ले म वि ज्ञा क
नि ॥ भो पुत्र न वरा ज आ व त ले ष व र हं म दु द नि ला म द त ला थ्व ज क जि न म सि या ध क धा लं ॥
थ्व ते मा म या आ ज्ञा ऽना व न वरा ज न वि न ति या तं ॥ भो मा ता अ म थे जु ल ना व जि न व वा या ष व र या
त व ने जि त वे ला वि से वि ज्ञा ह ने ध क वि न ति या तं ॥ थ्व ते पु त्र न वरा ज या वि न ति ऽना व पु न र्वा र गो
म य जु न धा लं ॥ भो पुत्र न वरा ज छ न अ म थे धा य म ते छ न धा ल सा छ न व वा म दु द र व स क ले छ न
छा ल स्व या व दुर व त न का व चो ना ॥ भो पुत्र द त नं छ छ म जि धा रा छं म द त ना व जि य नि ग थे चो ने
भो पुत्र ॥ ह नं छ म द त ना व छ न क ला त चं द्रा व ति थ न चो सु म पु ध क धा लं ॥ थ्व ते मा म गो म य जु
या आ ज्ञा ऽना व न वरा ज न वि न ती या तं ॥ भो मा ता ने से वि ज्ञा ऽने जि न वि न ति या य ज्ञा मा ल म पु छ

॥ रामः ॥

॥ १२० ॥

लपोलपनिज्ञानिथुकाभोमाताजिववायाजिथिंजाल्पुत्रदयानंववायातविचालमयातसाजि
नर्कसदासलाय॥भोमाताआवतलंसिकंमस्युम्वाकंमस्युकचोनेला॥भोमाताजिववादतसा
जिवनापंवोनावहसमदतसाअस्तिषुनंविचालमानाववय॥भोमाताध्वतेनजितगनेधक
आज्ञादयमतेननानंजितवेलाफोनेछुमिसेक्षेसविचालयानावचोवजिननानंवयधकविन
तियावचोनं॥योतेपुत्रनवराजयाविनतिनेनावमामगोमयजुनआज्ञादयकलं॥भोपुत्रनव
राजधन्य२छुआवछुयायजिनधायमालगुछनधाल॥छुअतिज्ञानिषवछनववायातविचा
लयायधकवनेधालभिनंथुकाआवछुनदेगुलिनियापुताधकधायावपुत्रनवराजयातनान
पदार्थदयकावदेगुलियातकावथथसेनंमालकोभयेधुनकावगोमयजुनपुत्रनवराजथ
वमुदेसफेकतुतकावसीलसलाहाततयावअसिर्वादविलं॥भोपुत्रनवराजछनववामाल
वनेथासननानंछनववायासमाचारदयमालरुनंछनमनसचोनगुवांछाननानंसिद्धजुयमा

॥ स्वस्था ॥

॥ १२१ ॥

ल ॥ हनं छवनेथासविघ्रुं मदयमालधकआसिर्वादिवियाव ॥ हर्षधोविहायकावधानं ॥
थ्वेलेसनवराजनंमामयाआसिर्वादिकयावमामयाचरनंसंभोकपयावथवकलातचंद्राव
तियातधिर्जवोधवियावववामालवनेधकप्रस्थानयानाव ॥ थवक्षेनपिहावयावपरदेससव
नं ॥ थनंलिगोमयजुनचंद्रावतीभलिचायातधिर्जवियावजजमानपनिसकेफोनानं ॥ कपास
फेज्याकायानंनानाप्रकारनंदुरवसियावनिस्रमचाताकारंचोनं ॥ ॥ थनंलिताकारंदयानंन
वराजलिहामवयावचंद्रावतिनविनतियातं ॥ भोमाताहनंथनचोनानधालमाकपासफेज्या
कयानंननिनयलातिनितियलाछुनियायहनंकोनावनयानगोलोतनय ॥ भोमाताथ्वे
तजिथवक्षेसवनेछलपोलयाशरीरभिनकनिदानयानावविज्याहुने ॥ भोमाताछलपोलया
कायथेनेवजिवोनकलहकिथ्वेतेनजितंवेलाफोनेधकविनतियातं ॥ थ्वेतेचंद्रावतीभलिम
यायाविनतिहुनावगोमयजुनधालं ॥ भोभलिवाछनअमथेधायमतेआवहुयायमतिभता

॥ रामः ॥

॥ १२१ ॥

दुखजुलधकहतासचायमते॥ हनंछनप्ररुषननानंवरयथुकाभोपताछमदयवजिजकगथेचो
नेश्वेतनछवनेधायमतेधकफयाथेगनावचोनं॥ थथेगनकंमामभतयाषडसेचंडावतीथव
क्षवनं॥ थनंलिगोमयजुनअतिदुखसियावचोनं॥ थवेलसगोमयजुनमनसभालपुधीकार
जिजन्मभालतमदुधयानकायमचांमदु॥ कायमचामदुधयानभलिचांमदुथथिनंअभाणिमि
साधायजिरववथुकाआव्रुयाय॥ पूर्वजन्मसयापयानापापनथुलिजिनंकष्टनयमातथुगु
लिजन्मसजासुयातंदुखवियामदु॥ हनंजिवालषवेलसश्रीजगदीस्वरयाडंवरुनविद्वगुप्रापभो
गयायमातधिकार२जिजन्महनंमचातवेलसंनिसेंदुखसियावचोनाआव्रतलंथथिगुदुःख
तिनिभोजगदीस्वरजिमिसाजातियातथथिगुअवस्थागोलोतनकाव्रतयजितउधारयायतेल॥
भोपरमेस्वरउषुनुभिक्षाफोनवलवेलसछलपोलधकजिनमसिया॥ भोपरमेस्वरउषुनुयागु
अपराधदकोक्षमायानाव्रजिअणानियाउपरसदयादयमात॥ भोजगदीस्वरछलपोलयाच

॥ स्वस्था ॥
॥ १२२ ॥

रुनसकोटिश्नमस्कार ॥ भोकरुनामय आसाजिप्राणकाव आसाजित उधारयावधकर्मिषास
षोविधाराशहायकावनानाप्रकारनविनापयानावचोनं ॥ हनंथव्रथेथमनंधीर्जयानावकपास
फेज्याकयानंथव्रप्राणजकतयावचोनं ॥ ॥ थनंलिनवराजबासराणाववासिवसर्माविचा
लयानावदेसशपतिं गामशपतिं हितुहिलावठनावजुलं ॥ थथेठठनावजुयानंसुनानंषनानाप
धावंमडु ॥ थनंलिहनंवनानंतरयतिं जालयतिं कठनहोयशपियकंमालाजुलं ॥ थथेनमलुयाव
महादुःखनविलापयानावचोनं ॥ थवेलसवनानंतरयाकोसंगंगाछगुलिषनं ॥ थवेलसनवर
जानथव्रथेथमनंधीर्जयानाव आवगंगासमालनिवनेधकवनानंतरनकोहावनारंगंगासथेन
कलवनं ॥ थनंलिगंगायातीरसआश्रमछगुलिसज्याथजिथिनिहसैनतपस्यायानावचोनषना
व नवराजबासराणनथ्वज्याथजिथिपनिथासवनारविनतियातं ॥ भोआजाजुअजिमाछलपोल
पनिसुजुयुव ॥ हनंथनछुकारनविज्यानाआशादयकस्यविज्यायमालधकंधालं ॥ थतेवालषनं

॥ रामः ॥
॥ १२२ ॥

वरजयाविनतिठनाव्रज्याथजिथिपनिसेनधालं॥ भोवालषजिपनिवांस्त्रराथकाथ्वगंगासतप
स्यायानावगायत्रिजपध्यानयानाव॥ थ्वगंगासपारात्पागयायधकंमनसभालपावचोना॥ भो
वालषजिपनिषथुतिछसुजुयुगननंवरयाथनहुकारनंवरयाछननामहुगोत्रहुसमस्तकनेमा
लधकंधालं॥ थनंलिनवरजनविनतियार्त॥ भोआजाजुअजिमाजिनामनवरजवांस्त्रराथ
का॥ भोआजाजुजिथनवरयाकारनमेवतामपुछानधालसाजिनववायातविचालयायधकवरया
॥ भोआजाजुबुलापोच्यालालंषचिनेयातवयवसानषर्चहुनेयातमदयावभिक्षाफोनविज्या
कहसिवसर्मानामवांस्त्रराछत्प्रथनविज्याकरवनला॥ भोआजाजुछलपोलपनिसेनघलाव
नसासिकोताकोआज्ञादसेविज्यायेमाल॥ भोआजाजुथुलियाकारनजिथनवरयाधकविनतियार्त
॥ थ्वतेनवरजयाविनतिठनाव्रज्याथजिथिपनिसेनधालं॥ भोवालषहुक्यादीनसभिक्षाफो
नवलस्त्रवांस्त्रराछत्प्रजाथ्वगंगासवरयाव्रथ्वगंगाससनानयानाव॥ नित्यकर्मयायधकसिमास

॥ स्वस्था ॥

॥ १२३ ॥

गया वस्त्रानथ यध कवन वेलस सिमा कचा चल हिला व कुतिन वया व पृथिस जु ना व न व दारुन
हि को या व कुतिन वया व सिमा को सं मृत्पु जु लं ॥ भो वाल व आ व अस्ति ज क जा द नि भो न व राज सो
ल व ने धाल सा व्रा यो ध क न व राज या त सिमा को स के ने य नं ॥ थ वे न स न व राज वां स्म रा न थ व व वा
या अस्ति ज क र व ना व व जु न क या व प र्व त गो ल तु व थें पृथिस गो ल तु ला व ॥ हा य व वा र ध कं मि षा
न षो वि हा य का व वि ला प या तं ॥ हु नं अ स्ति द के णं मु ना व अ स्ति ह च्या ना व वि ला प या तं ॥ भो व वा जि का
र न भि क्षा पो न वि ष्या क स्म द्ध ल पो ल थ थि ऊ व नां त र स ग थे प्रो रा ता ग या ना ॥ हा य व वा र हु नं जि
च्चा ल भ ति ना पं म स्त से ग थे छ ल पो ल से न प्रा रा ता ग या ना हा य व वा र हु नं जि मा म या त थु गु र व
क ने वे ले जि मा म न ग थे प्रा रा र सा या यु ॥ हा य व वा र ध कं मि षा न च वि हा य का व पृथि वि स गो ल
तु ला व ना ना प्र का र रा वि ला प या ना व चो नं ॥ थो वे ल स न व राज न वि ला प या क ष ना व जि थ जि
थि प नि क रु ना चा या व धा लं ॥ भो वाल व अ पा लं वि ला प या य म ते धी र्ज या र छ षो या नं हुं म चाल

॥ रामः ॥

॥ १२३ ॥

आवृद्धनववायानामनअग्निसंस्कारयानावपिंडदानयानावहस्तसुद्रयानावथवक्षलिरुक्कंध
कधीर्जबोधविलं॥ एवतेज्याथजिथीपनिवचनडठनावथवथेथमनंधीर्जयानावअलिसकलंगं
गायातीरसतयावअग्निसंस्कारयातं॥ ॥ थनंलिअग्निसंस्कारयायधुनकाववास्मरायुह
वोनावमालकोक्रीयाकर्मधुनकावहस्तसुद्रयानावपिंडआदिंथयाववास्मरायातथमनफ्र
थेदक्षरावियावयोतं॥ थनंलिनवराजयामनसभालपुआवजिगनवनेक्षेत्रनेधालसाधन
संपतिछुमडु॥ छुछालनक्षत्रनेधकंअंदोलयानावषविमुमुकंचोनं॥ थनंलिहनंमनसभाल
पुऊहुदेससवनावराजायाकेसिवायानावषर्चभतिषुनंदयकाववनेधकंमनसभालपावगं
गाछिनावउगुलिदेससवनावराजायातआसिर्वारवियावचाकरियानावचोनं॥ ॥ थनंलि
पुनर्वारगोमयजुनमहाकष्टनयावजजमानयनिस्केफोनानंकपासफेज्याकयानंपाराजक
तयावचोनं॥ ॥ थनयावथुति॥ ॥ थनंलिपुनर्वारश्रीपार्वतीनछोयावहयासप्तक्राधि

॥ स्वस्था ॥

॥ १२४ ॥

पनिसेनदुषिदरिद्रपनिउद्धारयायधकमक्षमंडलसचंद्रज्योतिनगरयावाहिरसथेनकलवि
ज्यानावसाजबालमचातयकोडनं॥ भोमचातथनदेसससुसुदुषिदरिद्रदुधकडूनं॥ थवेल
समचातसेनधारक॥ भोमचातस्वरपनिथचंद्रज्योतिनगरसजासकलेंधनाधे॥ थदेसयावाहिर
सचोनलगोमयजुधयासुबंमनिद्रुषजकडुःखिकंगालजुयावचोनधककनावछेतं॥ थनलि
साजबालमचातसवचननंनावसप्रक्राषिपनिगोमयजुयाभिषाक्षयापिनेचोनावसलतावचो
नं॥ थवेलसगोमयजुनथवनामकयावसलतुगतायावभिषाक्षयाप्यालनकोसोयाव॥ थवेल
ससप्रक्राषिपनिषनावहतासनंताहापकयावकोडावयावषापाखनावसप्रक्राषिपनिजु
तिचायकावचरणारविंदकयाववसालायावधतविज्यातकावकोपुछगुलिआसनतयाववि
ज्यातकावगोमयजुनलाहापिचिनंहाजलपाव॥ मिषानघोविहायकावविनतियातं॥ भोमधे
श्वरधंयश्जिभागेथनितिनिजिउधारजुयु॥ भोश्चरछलपोलपनिद्रुकारनजिपापिनीयादेसर

॥ रामः ॥

॥ १२४ ॥

अपूर्वाह्नविज्यानाह्नलपोलपनिथनीजिथासविज्यानावजिमनसआश्चर्यजुल॥भोसप्तऋ
षेश्वरपनिसमस्तंआज्ञादसेविज्यायमालधकविनितियातं॥थ्वतेगोमयजुयाविनतिउठनाव
ऋषिस्वरपनिसेनआग्नादयकलं॥भोगोमयजुयकचित्तनउठवजिपनिसेनछनतउयदेस
विय॥भोवृंस्त्रुनिपरपुर्वकालसपार्वतीनजगदीस्वरपुरुषलायनिमितिर्नदनपुधर्मवतद्व
नतउयदेशवियधकवयागोमयजुनविनितियातंभोऋषेश्वरधन्यश्छलपोलपनिउषिद्वि
इयाउपरसकरुनाडु॥भोऋषेश्वरअमधर्मवतयाविधिपूर्वकसमस्तंआज्ञादयेमालधकवि
नितियानावपुनर्वाऋषेश्वरपनिसेनआज्ञादयकलं॥भोवृंस्त्रुणिजुहापांघौषशुक्लयापूर्णा
मास्यापुनश्रीइस्वस्थानीपरमेस्वरधकंहीनछपुवाषनक्लाय॥वाहिजाववेलसजगदीश्वर
पूजायाय॥थंनलिमाघशुक्लयापूर्णामास्यापुनसंपूर्णयाय॥भोवृंस्त्रुनीहापांश्रीइस्वस्थानी
परमेस्वरिधकंहुसकनसउंकारचोसंथायनायायगंगाजलनसनानयाचकेश्रीखंडरक्तचंदर

॥ स्वस्था ॥

॥ १२५ ॥

नानासुगंधधूपदीपनेविश्वफलमूलसतछिचातुजजमकासतछिचापाअथितमधिसतछि
चापातगालपकवानदयकावश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयातबोडसोपचारनपूजायायथमन
फकोजपधानयायधुनयायधुनकावगुरुयावाकानवाषनआरंभयातके॥ हनं प्रोहितदयके
मफतसाथमनं ज्ञाय॥ थमनं डनं हनं मेवयातकनेतेव॥ हनं डनं मदतसा अत केयकोल
तीयमाआदियातकनेतेव॥ थुलीधुनकावपरमेस्वरयातअर्घविश्वस्वानकोकायावस
ताक्षिचापातअक्षितमधिसगोनसहितदयकावथवपुरुषलवहाय॥ थवपुरुषमदतसां
थवपुत्रलवहाय॥ थवपुत्रमदतसां मित्रपुत्रलवहाय॥ मित्रपुत्रमदतसां थवमननं छुश्चा
यानाडगुलिकासुनाननानंसिद्धजयमालधकंगगासवहलपंछोय॥ थनं लिथमनं पालनया
नावचछिजागर्तनायानावपरमेस्वरयाजपधानयानावर्चोने॥ भोवत्सनी श्री३स्वस्थानीपरमे
श्वरयाविधिपूर्वकथथेमाल॥ आवछनं थुस्मश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयाभावयात॥ थवेनस

॥ रामः ॥

॥ १२५ ॥

छनपापमुक्तजुयुआवजिपनिवनेतेलबेलाविहुनेधकसप्तअषिश्वरपनिसेनआज्ञादय
कलं॥थनंलिगोमयजुनअषिस्वरपनिआज्ञानेनावविनतियातं॥भोअषेश्वरछलपोलप
निदयानजिनथविअपूर्वकथानेनेधन॥भोसप्तारिषेश्वरछलपोलयाचरणसकोटिशनमस्का
र॥भोसप्तारिषेश्वरछलपोलपनिजिहसविज्यानावजिनछुहुनायाय॥भोरिषेश्वरजिविन
तिभतिनेनावविज्यायमालधकज्ञेतसचोनगकतुकछतुककयावगालन्यायधकपिहावनं
थोवेलससप्तअषिस्वरपनिसेनगोमयजुयाअतिदुःखषनावसुवर्णयाकोगोलहसगोलको
पतियातलसतयावहसस्वरिषेश्वरपिहाविज्यानावस्वर्गसविज्यातं॥॥थनंलिगोमयजुन
चंद्रजोतिनगरयावालवनिजालयाथासवनावधालं॥थनंलिग्वालवनिजालयातथ्वकतु
कछतुकयाजितगालविवजिहससप्तअषिश्वरपनिविज्यानावचोनहतासजुलधकंधालं
॥थनंलिगोमयजुयावचनडवनावगालवनिजालनधालं॥भोगोमयजुस्रिगयादिनसअदी

॥ स्वस्था ॥

॥ १२६ ॥

कंकतकवयावजिकेचोनगुवालदकोंनानावयनआवहुयायस्ववधकंथलउतावकेन॥ थ
वेलसग्वालसग्वालपिचानछपिचादयावचोन॥ थवेलसग्वालवनिजाललज्याचायावधालं॥
भोगोमयुजुजिलज्याजुलगथिनआचर्यस्ववश्मडुग्वालंदयावचोन॥ हनंसिगयादीनसअदि
कंकतकवयावजिजकंलोलमनलाहनंमधुजिकंडपिजुनला॥ हनंमधुछलपोलसेन
सप्तअरिपनिक्षेसविज्यातधकधयानला॥ भोवसुनीजुछलपोलयाभागेछलपोलेसेनस
प्तअरिपनिस्तधयानिमितिंनजिगुमडुग्वालंदयाववलधकंकतुकमकासेगोमयजुयात
मालकोग्वालवियावखेतं॥ थवेलसगोमयजुयामनसरसतायावहताश्सनंथवक्षसव
यावस्वकवेलससप्तअश्वेश्वरमदयावगोमयजुनमिषासवोविहायकावअनेगमायन
विलापयानावधिकार२जिअजितवयापिषवजिलाहातिनअश्वेश्वरयातग्वालभतिषुज
पाऊनायायधकभालपानजितवानावविज्यातं॥ धिकार२जिजन्मधर्कभालपावधवधे

॥ रामः ॥

॥ १२६ ॥

थमनंधीर्जयानावतुफिकयाववपुयधकंकोपतिथनाव छवेतववेलससुवर्गयाकौद्र
सगोलखनं॥थवेलसगोमयजुनयानननमस्कारयानावथवकोद्रसगोलकयावधुक्ति
सतयावथमनकयावालछायावधनेरपरमेस्वरुधकंवारवारनमस्कारयानावथवथे
थमनंरसतायावपरमआनंदनवनं॥॥थनंलिगोमयजुनसप्तअधियाआज्ञानेनाव
पौषसुक्तयापूर्णेमास्यासुनुनिसेंश्री३स्वस्थानीपरमेश्वरीयाधर्मवतजोनाववारनहु
नावश्रीसूर्ययातअर्धवियाववाहिजाववेलसश्रीजगदीश्वरयातपूजायानावजटकेको
तिमाहेवनेतयावपतिदिनंपुत्रनवराजयातबालस्वयमनवांछायानावएकचीतनश्री
३स्वस्थानीपरमेश्वरयाभावयानावचोनं॥थनंलीछुद्रयादीनससाजवालमचातसेनगे
मयजुयावावनहुकगुतायावभिषाछेयापिनेचोनावडनावचोनं॥थवेलससाजवलम
चातथिथिंहालावचोनं॥भोपांसायनिस्वरशगिं३०आश्चर्यथगोमयकुजुल३इजकंजु

स्वस्था ॥ लला हनं मषु रोगजकं गुया वसं निपातजकं इवितला ॥ हनं मषु सुनानं मषु जकं यातला भो
॥ १३१ ॥ पासापनि आवथन चोने मषु तडुहा वना व स्वयनु यो धकं धया वस कले मुना वडुहा वना वम
चातसे नं नेनं ॥ भो वसु निजु छल पोलथ नि छु जु ल हनं मषु रोगनं कया व हा ला व चोना ला ह
नं मषु उई जकं गुल ला छान स कांत न हा ला व विज्या ना ॥ हनं मषु रोगजकं गुल ला धकं डव
नं थव वेल स गो मय जु न धाल ॥ भो वाल वपनि थते न जिन श्री ३ स्वस्था तिपर मे स्वर या धर्म कथा
हा ना व चो ना उई जु ल मषु भो वाल वपनि ने न मडु या कार न स जिन जत के को तिसा यात कना
व चो ना धकं धाल ॥ थो ते गो मय गुया व चन ने ना व सा ज वाल मचात अतिर सता या व वाषन
ने ना व चो नं ॥ थथे तु मचात अतिर सता या व हिथ कनं थथ से न न य धकं हया व जि गो मय
गुया त पो न का व वियु ॥ हनं हि थं सा या डुडु हया व वियु हनं थु स पर मे श्वर या प्र भा व न सा या
मे ले २ माले मु म्वाल कं घा स हू व ने २ थे न क चो ना व चो न्यु हनं गो मय गुया थु थु न नि सं जा कि

॥ रामः ॥

॥ १३१ ॥

वज्रिदुधलिभतिभतार्धदामदत्त॥ धनंलिलक्षीसंपूर्णजुसेंलिमाघसुक्तयापूर्णेमाघ
नुसप्तत्रिंशद्विभर्याआज्ञाथंतीर्थसनानयानावथमनफयाथेसुचियानावसतछिच्याता
नअनेगसामागिताललातकावश्री३स्वस्थानीपरमेस्वरयाधर्मदनावचोर्न॥ पुनर्वोरत्रये
श्वर्याआज्ञाथं॥ हापांश्री३स्वस्थानीपरमेश्वरधकं हसकनसॐकारचोसंथापनाया
य॥ गगाजलसनानयाचकाव॥ श्रीखंडरक्तचंदननानासुगंधपुष्पधूपदीपनैविद्यफलमू
ल॥ सतछिच्यातुजजमका॥ सतक्षीच्यायाअथीतमधी॥ सतछिच्यायातग्वालपकवान॥
दक्षिनाथमनफयाथेपूजायानावसोत्रयातं॥ ॥ सुवर्णावाधिकाभासात्रिनेत्राकमलास
ना॥ सिंहासनसमासीनसर्वालंकारभूखि॥ निलोत्पलभयावामेदक्षिणेवरदासुभा॥ खड्ग
चर्मधराचोर्ध्ववामदक्षिणयोक्रमात्॥ चतुर्भुजांसर्वकर्षांपूजयेत्सर्वकर्षणं॥ एवंथात्तामहादे
वस्वस्थानिजगदिश्वं॥ गुलिकथनसिलोकवोनावसोत्रयानावनानामाथनस्तुतियानावहेपर
रं॥

स्वस्था ॥ मेम्वरी श्री ३ स्वस्थानि परमेश्वर धर्म ॥ थनं लि अर्घ जो ना व वि न ति या तं ॥ ॥ थनं अर्घ विय
॥ १२७ ॥ ॥ भो श्री ३ स्वस्थानि परमेश्वर ह्रापा जि दरिद्र कुत का व न ना नं उ द्धार या से वि ज्ञा य मा ल ॥ भो
परमेश्वर हनं दुख हा ना गु सं सार सा गर स मु द पा र या से वि ज्ञा य मा ल ॥ भो त्रै लो के ना थ ह
नं जि पु त्र न व र ज व वा मा ल व न ह नि वि धं जि न ना य हो न वा व स नं नु य मा ल ॥ भो प
रमेश्वर ॥ हनं जि न स दा का लं भि क्षा ज क को ना व न य ला ॥ भो परमेश्वर जि नं मे व या त दा न
पु रा न या य फ य का व ल ॥ भो न या त या त का व स नं नु से वि ज्ञा य मा ल ॥ भो नि रं ज न ह नं जि
न ह्रा पा श्री ज ग दी श्व र या डं व रु न वि द्र गु म्ना य न के न का व क ष्ट न या व ची ना ॥ भो नि रा का र आ
व थु गु श्रा य कु त का व पुं न्य शरी रु नु य का व स नं नु य मा ल ॥ भो वि श्वं भ र ह नं जि पु त्र न व र
ज छ ल पो ल या पु त्र त्वं भा ल पा व जि य नि थु गु लो क स त व संप ति नु य का व पर लो क स छ ल
पो ल या ना म लु म न का व ह नं ग र्भ वा स मु म्वा ल क छ ल पो ल या ज य ध्वा न जि त ग ल स था त

॥ रामः ॥

॥ १२७ ॥

कावविज्यायमाल॥ भोकरुनामयछलपोलयनी गथिं स्रधा लसा भृष्टिथिति संहारथुगु
लिं स्वगु कर्ता छलपोल॥ हर्न वस्त्रा विस्तु महेस्वरधया स्रं छलपोल॥ भो श्री ३ स्वस्या निपरमेस्वर
छलपोलया चरनसकोटि रनमस्कार॥ भो परमेस्वर छलपोलया सुतीयाय जिमा मर्थमडु दोल
क्षिमुतु थुला वचोन स्रसेष नागयां सामर्थमडु॥ गुल सारदायां भल सामजिथिं स्रव हलदाहु
सामर्थं द्युध कनाता माथ नलोत्रयानाव॥ श्री ३ स्वस्या निपरमे श्वरयात अर्घविया व थमन फ
याथे डं दप्रनामयाना वस्त्रानकोकाया वचापा अक्षितमधि सगोन सीहित चितस्वान छषेफा
नाव साज बालमचात सचितस्वान विया वछोतं॥ थनं लि मालको कर्मधुनका व अक्षितमधिपाल
नयाना वचछिं परमे श्वरया ध्यानयाना वचोनं॥ ॥ थनं लि श्री ३ स्वस्या निपरमे स्वरया पुं ने न उषु
नुयारा त्रिसंतु नवराजथेन कलवया व सामयात सलतलं॥ थवे लसगो मय जुन पुत्र नवराजया
सलताया वरुता रसनं ता हाय जो नाव को हा वया व सामयात सलतलं॥ थवे लसगो मय जुन पुत्र

॥ स्वस्था ॥

॥ १२५ ॥

फेकतुतकावधालं ॥ भो पुत्र नवराज छन सरीर कुशल जुवम सुलाहर्न छुव नाया ज्वा छन ववा
यासमाचार गथे २ चो नध कं नेनं ॥ थ्व वेल सन वराज बां ए गान चरणा सभो कपुया व विनति
यातं ॥ भो माता जिन ववा यात विचार या ना व दे स र पतिं या म र पतिं व नां त थ पतिं विचार या ना व जु
या नं सु ना नं घ ना धा वं म द या व जि न म रा दुः ख न विलाप मा ना व गंगा याति र स माल व ना थ्व वेल
स गंगा स ज्वा थ जि थि नि स वा स रा प नि के रु ना ॥ भो माता थ्व वेल स बां स रा प नि से न जि त क न ॥
भो बाल व छु क या दी न स गंगा या ती र स भि क्षा फा न व ल स सि व स र्वा बां स रा न गंगा स ना न या
य धु न का व सं ध्या त र्प न या ना व हि क न या य ध क ति मा स ग या व खान थ्व य ध क व न वेल स सि मा
क चा च ल हि ला व कु ति न व या व न व दार न हि हो या व मृ त्यु जु ल व न नृ त्यु जु व था स के न य न ॥
भो माता ॥ थ्व वेल स जि न ना ना त र ह न विलाप या ना ह न थ व थे थ स नं धा ते या ना व व वा या अ ति
स क लें मु ना व गंगा या ती र स त या व अ ग्नि सं स्कार या ना व पिं ड आ दिं थ या व ह स्त सु द्र या ना व व वा

॥ रामः ॥

॥ १२५ ॥

यागतितातकावछोया॥ भोमाताथवेतसजिनभालपाआवगथेयायक्षत्रनेधालसाधर्वछुं
महुआवचिभायषुनंदयकेधकंभालपावदेसछगुलिसवनावराजायाकेसिवायानावचोना
वेतसछलपोलवचंद्रावतिवलुमनाराजायाकेवेलाकोनाववया॥ भोमाताचंद्रावतीगरावन
हनंथनधूपदीपयासुगंधवासनांदुभोमाताछलपोलछायजागर्तनायासेविज्जानाछलपोल
योथनिछुयाडंदिज्जानासमस्तआज्ञादसेविज्जायमालधकविनतियातं॥ थनंलिगोमयजु
नपुत्रनवराजयावचनडठनावथवपुरुषमहुसमाचारडठनावअनेगमाथनविलापयातं॥
हरिश्जिथथिडठअभागियानावषुलापोचालालंघचिनेयातवयवसानहनेयातषर्वमद्
यावभिक्षाफोनेविज्जायधकआज्ञादयकावथंधीनवनांतरसप्राणात्यागयातविज्जात॥ भो
स्वामिजिपापिनिविधवायानावछलपोलयकातनगनविज्जानाधकथवनुगलसथमनंदाया
वगमिषानजकखोविधाराहायकावविलापयानावयोनं॥ थवेतसमामनविलापयाकरव

॥ स्वस्था ॥

॥ १३० ॥

नावनवराजानविनतियातं ॥ भो माता आव्रक्ष्यामि जितकर्मसं देवनचोयाव ह्यधुनक
ल ॥ भो माता देवनया करुमया के सुधांसा मर्थमदुथयेया कारनधीर्जयानाव जिष्वा ल स्वया
वृडः स्वतनकाव विज्ञाहु नेधक फयाथे वीध वियाव पुनर्वारविनतियातं ॥ भो माता थनी छलपो
लयाथ नगथेयानासमस्त आज्ञादसे विज्ञाहु नेधक नवराजन मा मया के विनतियातं ॥ थोतेपु
त्रनवराजया विनतिऽ नानाव गोमय जुनथ वचित्त हठयानाव आज्ञादय कलं ॥ भो पुत्रनवराजध
नेश्छन्नवचनऽ नानाव जिमन संतोष जुल आव्रछन्नवा लिनिया वधक मधिचधिदयकाव वा
लियातकाव थवगुख समस्त कनं ॥ भो पुत्र आव्रजिगुख कनेऽ व ह्यां छन्नकल्पान जुयमाल
छववा मालवन ॥ थनं लि छन्नकलात चंदावती थवक्षवन ॥ थवे लं सजिनम ह्यदुःखसियाव
चोना ॥ भो पुता थनं लि ह्रसप्त ऋषे श्वरपनिथन विज्ञानाव श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरया धर्मकथा
उपदेस वियाव तथल ॥ भो पुत्र आव्रजिन थगुलि धर्म दनायानि मिर्तिन थनधुपदीप या वासना

॥ रामः ॥

॥ १३० ॥

दत्त ॥ भो पुत्र आवच्छत एकचित्तन उठवधक पुत्र नवराज यात च छिं श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वरी या
धर्म कथा कना वचोनं ॥ ॥ थनं लिन वराजन मामया वारवन उठने धुन काव श्री सूर्य उदय जु सं
लिं मामया के विन तियातं ॥ भो माता धने २ छल पोल से न श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वरी या धर्म कथा क
ना व जिम न स आनंद जु ल ॥ भो माता छल पोल या चरन स को ति २ न म स्कार ध कं मामया चरन स भो
क पु या व पु न वी र वि न तियातं ॥ भो माता आव जि गंगा स नान व ने छल पोल से न आ लु कु ला व ति व
कंध या व न वराज गंगा स व ना व थ व्र माल को म ल मु त्र त्पा ग या ना व ॥ मो ल हु या व संध्या त र्प न या ना
व श्री हरि हर या त पू जा या ना व ॥ गायत्री ज प ध्या न या ना व चोनं ॥ थ वेल स श्री ३ स्वस्थानी परमेस्वर
या प्र भा व न गंगा न श्री हरी हर प्र त क्ष जु या व न वराज या त आ ज्ञा द य क लं ॥ भो न वराज वां स्म रा छ
न भक्ति भा व ख ना व जि सं तो ष जु य धु न आवच्छत अभिषेक स ही त न वर दान विय उठ व ॥ भो न व
राज थ व गंगा या द क्षि रा दि सा स रा वं ने दे स छ गु लि द से चोन ॥ थ रा वं ने पू र स रा ज्ञा म द या व चोन भो

॥ स्वरथा ॥

॥ १३९ ॥

नवराज आवछन तथ्वरावरो देस यातिका छन तविय धुन ॥ भोनवराज आवछ थ्व देस सवना वचो व
थ्व वेल सजिकि सिया के डुवि ना ववय छवने दयक चो व ॥ भोनवराज आवछ क्षवना वछन मास या के
बेला कया वरुनि धक आग्या दयक लं ॥ थनंली नवराजन श्री हरि हरया आजाड ना वमन सरसता
या व श्री हरि हरयात पूजा या ना व चरन सभो कपया वला हात हाजल पावतो त्रयातं ॥ ॥ थो तो स
षक पाल भूषित करे माला स्थि माला धरै देवो दार वति सम शा नलियो नागारि गो वाहनं ॥ दी
त्यक्षो वलि दह्य यक्ष मथ नो मेघा दिरा जा प्रभो या पं नो ह्वतां सदा हरि हरो श्री शैल जा वेल भो
॥ १ ॥ थगुलिकथन तो त्रयातं हे परमेश्वर हरा हरजि अनाथ या भाव भक्तिन संतोष जु यमाल
भो परमेश्वर जिअग्या निज या वचो ना सनथ निति निजिन छल पो लया दर्सन लात ॥ छल पो लया च
रन सकोटि २ नमस्कार भो श्री हरि हर ना कालंद तजि पनि से न दुःख सिया वचो ना आवछल पो लया द
या न जिमा मया गर्भ सजन्म कया या सा फले जुल ॥ थथिं स परमेश्वर या चरन सकोटि २ नमस्कार ध

॥ रामः ॥

॥ १३९ ॥

कंनानामाथनश्रीहरिहरयातलोत्रयानावहरिहरयातस्वचाकडलावपालिनिपाशंभोकपुयाव
वेलाफोनासश्रीसुर्ययातेजप्रकाशजुवथंतेजदयकावक्षेलिहावलं ॥ थनंलिहरीहरअंतध्यान
जुयावविज्यातं ॥ ॥ थनंलिनवराजनथवमामयातसलतलं ॥ थवेलसगोमयजुनहता२
सनंताहापकयावकुहावयावषापाचायकावताहापवियावतुतिचायकावथतवोनावयनं ॥
भोपुत्रनवराजथनिजाछनरुपहापायाथेमषुछनरुपअतिवानलाकहनंदेवराजयाथेंछन
तेजवनावजिमनसआश्चर्यजुलभोपुत्रछनतअमतेजसुनानवियावहलधकडनंथतेमाम
याआग्याडनावनवराजनविनतियातं ॥ भोमाताडसेविज्याहुनेथथिंगुराजक्षनसंजुक्तया
नावमेवनवियफलाभोमाताछलपोलयाधर्मनजिनराजलक्षनलाना ॥ भोमाताथनीयादी
नसजिनगंगासमोलकुयावश्रीहरीहरयाजयध्यानयानावचोनावेलसगंगानश्रीहरीहरप्रज
क्षजुयावरावंनेदेसयाराज्याभिषेकवरदानवियावअंतध्यानजुयावविज्यातं ॥ भोमाताथतेन

॥ स्वस्था ॥ जितेजवंतजुल ॥ भोमाताछलपोलयाधर्मकर्मनजिनराज्याभिषेकलायधुनभोमाताछलपो
॥ १३२ ॥ लयाचरनसकोटि२नमस्कारधकमामयातुतिनियासंभोकपुयावविनतियातं ॥ थनंलीपुत्रन
वराजयाविनतिठनावधालं ॥ भोपुत्रधने२छनभागेधकंधयावमनसआनंदयानावश्री३स्व
स्थानिपरमेस्वरयाधर्मदनायापुंन्यनथ्वस्मपरमेस्वरयाप्रतक्षडुछनथुस्मपरमेस्वरयावाचन
ऊनावयानिमितिनथुकाछनतरावरोदेसयाअभिषेकविल ॥ भोपुत्रआवछनथुस्मश्री३स्वस्था
नीपरमेस्वरयाजपध्यानलुमनकावतिवथ्वेलसछनतकल्पानजुयुधकधालं ॥ ध्वतेमामया
आज्ञाऊनावनवराजनसगोनकयावमामयाचरनसभोकपुयावपालनयातं ॥ थनंलिपुनर्वाव
नवराजनविनतियातं ॥ भोमाताआवजिश्रीहरिहरयाआज्ञाथंरावनेदेससवनेवेलाविसेविष्णु
निधकविनतियातं ॥ थ्वेलसपुत्रनवराजयाविनतिठनावगोमयजुनपुत्रनवराजयाशीलस
लाहाततयावधालं ॥ भोपुत्रनवराजछवनेतेनाकार्जसश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरनश्रीहरीहरन

॥ रामः ॥

॥ १३२ ॥

छनतकरुनातयमालधकनानामाथनआसिर्वारवियाववेलाविलं॥ थनंतिनवराजनमामया
आसिर्वारफयावचरनसभोकपयावरावनेदेससवनं॥ ॥ थपुजयादीनसभिंशुदीनजुयावरा
वंनेदेसयामंत्रिपनिसेनराजामदयावराजासालेयातऐरावत्किसियाचसपोलससुवर्णयापु
र्णकलसतयावचामलघाटकाव॥ थासरपतिंसुवर्णयातिसानतियकाव॥ अंवालिषततया
व॥ ऐरावत्किसीतोलावतलं॥ थवेलसरावरापदेशयाप्रजालोकनथवथेथमनंछायपा
वरत्नमालानकोषायावअनेगतिसावसतनतियावराजाजुयधकमनसभालपाव॥ किसि
घाजवखवसचोनाव॥ जितराजायायुलावेधककिसिवंथसवनावचोनं॥ थवेलसऐरावत्
किसिनराजायायवहलपावहितुहिलावमालजुलं॥ हनंअनेगदेशयाकतकनराजाजुयधक
मनसभालपावनानामाथनजलिजवापयावसतनतियावमनिमानिकयातिसानतियाव॥
ऐरावत्किसिनखनेदयकफलेचासचोनाव॥ मंडपसचोनावकिसियाद्यालवचुललातस्वया

॥ स्वस्था ॥

॥ १३३ ॥

वचो नं ॥ हनं रावं ने दे स या का जि म हा जन प नि म चा त से नं अ ने ग मा थ नं ति सा व स त न ति या व
रा जा जु य ई क्षा न फ या न फ या थे रा पा २ ला त क वा ना व रे रा व त् कि सि या हे व ने र ला त क चो ना व चो
नं ॥ थ थे जु ल सां नं रा ज ल क्ष रा सु या के म द या व कि सि न हि नु हि ला व जु ल ॥ थ वे ल स न व रा ज वां स
रा रा वं ने दे स थे न क ल व ना व छ वे ता पा क फ ले चा स चो ना व रा व रा प दे श या क त क जु व गु रे रा व त्
कि सी जु व गु स्व या व चो नं ॥ थ वे ल स न व रा ज या मि षा व रे रा व त् कि सि या मि षा व रू ल ला ना व कि सी
न थ व हे व २ लि व २ जु व क त क चि ला व फ ले चा स चो न स न व रा ज वां स न या त स्व ल न घ स पु
ना व फ ले चा स चो न स को त क या व सु व र्णा या क ल स न अ भि षे क वि या व थ व ह स ग य का व
रा ज ड वा ल स तु स्व या व व नं ॥ ॥ थ वे ल स रा व ने दे स या क त क न थि थिं अ भू न चा या व रा
ला व जु लं ॥ स्व व २ आ श्व र्य थ कि सि व य जु ल अ न या हं म ड स वां स न चा रा जा या ना व य न ध क
ऊ नु नु नं दि नि नि निं हा ला व जु लं ॥ थ वे ल स छ स नि ल ज्ञा नि य नि से न धा लं भो लो क भा जु प नी

॥ रामः ॥

॥ १३३ ॥

ॐ सेदिसनेथ्वकिसि वयमजुव्रह्मिस्कलयनिजकव्यजुल॥ किसिधयासंदेवमधुलाहनंकि
सिनमधुसुराजायायुला मजुषेयाभाषानजककिसियातन्वायमुम्बालछानमम्बालकंकि
सियातन्वांनावजुयाधिकाररछपनिषांस्मनजुलसां क्षत्रिजुलसां श्रेष्ठजुलसां वैसेजु
लसां भोप्रजालोकवस्मवालषयातपस्यायाफलनराजाजुल॥ थ्वतेनमुम्बालकंकिसिया
तन्वायमते॥ विनांनारायणयाअंसमदयकंराजाजयमहु॥ भोप्रजालोकसुमुकचोवधकं
रावनेदेसयाथाकालिपनिसेनप्रजालोकपनिस्तबोधवियावचोनं॥ थनंलीश्रीहरीहरहु
विनावचोनहसकिसिननवराजषांस्मरायातथवगलपोतसगयकावराजहुव्वारसहुतय
नं॥ थ्ववेलसउंयाध्यामंत्रिपंचपरमानपनिसेनथिथिंसाहुतियायधुनकावजोतिषपनि
वोनकलछोयावभिंशुदीनवेलास्वतकावराज्याभिषेकविययातनानातिर्थयालषकायक
लंषकायकलछोयावअनेगसामाथिताललातकावजगेसालादयकावछत्रधोजपतापचा

॥ स्वस्था ॥

॥ १३४ ॥

मलवोयकाव अष्टमंगलपूर्णघटजवषवसतयाव ॥ हनंरावंनेदेसयारनिरावंनेवतिया
तजलिजवापयावसतनतियकाव रत्नमालानकोषायकाव ॥ सुवर्णयासिंहासनसवि
ज्यातकाव सषीपनिसेनचामलनगायकाव दीवेदेहयानाव अनेगमाथनमंगलगीतया
नावनानातरहयावायथातकाव ॥ नानातरहयाप्यावनहुयकावतलं ॥ हनंरावंरणपदेसस
दकोहितिमंडपछायपावतलं ॥ हनंथासरपतिंवीजमानयेनावछत्रधोजपतापचामल
वोयकावतलं ॥ थनंलिसुवेलासप्रोहितनजगेयानाव पंडितपनिसेननानासास्त्रपुराणादि
पाठयानावविज्यातं ॥ हनंनवरराजवरावंनेवतिनिर्लसिंहासनसविज्यातकाव पंचपरमान
पनिजवषवसचोनावमंगलजात्रायातकावचोनं ॥ थनंलिसुवेलासलातकनिससेनंवंद
सूर्यसाशिथातकाव ॥ प्रोहितनवाकेयातकावनवरराजमहाराजायातरावंनेवतिमहारानि
कंन्यादानविलं ॥ ॥ थनंलिरावंनेवतिमहारानिनवरराजमहाराजयातस्वचाकडलावपा

॥ रामः ॥

॥ १३४ ॥

संभोकपुयावस्वानमालानकोषायकावपरमआनंदनविज्यातं॥ थनंलिनवराजमहाराजा
नयंडितपनिस्तपोहितपनिस्तपूजायानावसुवर्णदक्षिरावियाव रूपन वस्त्रदानअनदा
नक्षत्रइत्यादिदानवियावहनंसलकिसिनवग्रहदानवियावजज्ञसंपूर्णयायधुनकाव
वाह्यरापनिस्तभोजनयातकाववेलावियावछोतं॥ हनंअतितअभ्यागतपनिस्तगुगुफोन
उगुंडगुदानवियावसंतोषमानावनवराजमहाराजायाजय२जुयमालधकआसीववियाव
वनं॥ थनंलिमालकोकर्मधुनकावश्रीहरीहरयाकृपानरावनेदसयाराजाजुयावरावनेव
तिवसुखभोगयानावनानापदार्थमित्रामिस्तांगिभोजनयानावपरमआनंदनविज्यातं॥
थनंलिहनंपंचपरमानयनिसेनथिथिंसाहुतियानावअनेग२यासामायीताललातका
वनवराजयाकेविनतियातं॥ भोमहाराजछलपोलपाराज्याभिषेकमधुननिआवछलपो
लयातराज्याअभिषेकविययातमालकोसामायीताललातकेधुन॥ भोमहाराजआवअभी

॥ स्वस्था ॥ **षेक** का से विज्या ना हु ने ध क वि न ति या ना व न व राज म ह रा ज्ञा न आ ज्ञा द य क लं ॥ भो मं त्रि प
॥ १३५ ॥ ती जि न अ भि वे क का य या त जि मा स नि वो न क ल छो व ध क आ ज्ञा द य का व पु न र्वा र मं त्रि प नि
से न वि न ति या तं ॥ भो न व राज म ह रा ज छ ल पो ल या मा म ग न वि ज्ञा त ॥ हु नं छ ल पो ल या
स्व यं भु ग न जि प नि से न म सि या स म सं त आ ज्ञा द से वि ज्ञा य मा ल ध क वि न ति या ना व पु न र्वा र न
व राज म ह रा ज्ञा न आ ज्ञा द य क लं ॥ भो गं त्री य नि जि मा म ग रा वि ज्ञा त धा ल सा चं ड जो ति न
ग र या पि ने भि या शे स गो म य जु ध क ध या ना म वा ह्म रा णी जि मा म थु का आ व स्र क पा ल जो
ना व ऊ व ॥ हु नं ज लि ज वा य या व स त जो ना व हु व ध क आ ज्ञा जु लं ॥ थ्व ते न व राज म ह रा ज्ञा
या आ ज्ञा ड व ना व मं त्रि प नि से न त क्का र नं दु ल्पा त य नि स ल ता व सु क पा ल वि या व छे तं ॥ थ
न लि मं त्री य नि से नं स ल कि सि ग या व अ ने ग प्र जा ग न ने लि त का व ज लि ज वा य या व
स्व जो ना व म नि मा नि क या ति स ज्ञो ना व व नं ॥ थ्वे ल स रा वं ने दे स या प्र जा लो क न फ या

॥ रामः ॥

॥ १३५ ॥

नफयाथ्यहूपाश्चानावचंद्रजोतिनगरथेनकलवनावगोमयजुयाचरणासंभोकपुया
विविनतियात॥ भोमहाराणीछलपोलयापुत्रजिपतिरावरणदेशयाराजाजुल॥ आवछल
पोलयातथथेविज्यायमालधकविनतियानावगोमयजुयामनसहर्षमानकानावधालं॥
भोपुजालोकजिपुत्रनवराउमदेशयागथेराजाजुल॥ जिपुजावाह्मणथुकाभोपुजालोक॥
थ्वतेनजिमनसहर्षविस्मयजुलछपनिसेनहेयकेसतेनिश्चयनंअमषषइलाअमृ
थ्यानधायमतेसतेनधावधकधयावपुनवोरपुजागनपनिसेनविनतियातं॥ भोम
हाराणीछलपोलपतितमजुलसाभतिलनाजामंत्रिपनिथेनकलवइन्धकधयाव
चोनवेलसमंत्रिपनिवयावगोमयजुयाचरनसंभोकपुयावविनतियातं॥ भोमहारा
निथथेसूकपालसविज्यानावजलिजवापयावसतनतियाव॥ मनिमानिकयाति
सानतियावतत्कारणविज्यायमालधकविनतियातं॥ थोतेमंत्रिपनिविनतिनेनाव

॥ स्वस्था ॥ गोमयजुनमनसरसुतायावजलिजवापयावसतनतियाव ॥ चंदजोतिदेसयाजज
॥ १३६ ॥ मानपनिस्तआसिर्वोदविद्यावसुवर्णायाकौगोलह्रसगोलकयाव श्रीस्वस्थानिपर
मेस्वरमेश्वरयानामकयाव हरिहरयानामकयाव सूकपालसदनाव अनेगमंगलगी
तयातकाव सषीपनीसेनचासलनगायकाव ॥ रावंनेदेससविज्यायधकविज्यातं ॥ थ
नलिरावंनेदेसयाप्रजापनिसकलसेनवाजनथातकाव प्यावनकुयकावनानामंगल
जात्रायातकाव ॥ अनेगमाथनंसलकिसिछायपावनवराजमहाराजानकिसियास
सविज्यानाव अनेगकाजिमंत्रिकोतवालप्रजागननलितकाव मामगोमयजुयातधा
कातलस्वलविज्यातं ॥ थनंलीमामगोमयजुनायलानावमामयाचरनसभोकपुयावस
नवारकिसियाससंतुविज्यानाव थवजवंरववंसमंत्रियंचपरमानपनितयावप्रजागनन
लितकावनानासुगंधधूपथनाव सिंधूजात्रायानावरावंनेदेसयाराजगृहेसहुहाविज्या

॥ रामः ॥

॥ १३६ ॥

तकावसिंहासनसविज्यातकाव्रथवकलातरावरापवतीनमामयाचररासभोकषयाव्रमं
त्रिपनिजवरवसतयावनवराजमहाराजानविनतियातं॥भोमाताछलपोलयादयानश्री
३स्वस्थानीपरमेस्वरीयाप्रसादनश्रीहरिहरयाहृपानराजाजुयधुन॥भोमाताधनेरछल
पोलयातयस्या॥आव्रजितअभिषेकविस्पविज्यायमाल॥भोमातादकोसामाग्रीतयारया
यधुनंधकधायावमामगोमयजुनंआज्ञादयकलं॥भोपुत्रनवराजधंन्यरछनभाग्येधने
२जिगर्भभोपुत्रछनजय२जुयमालधकआसिर्वादवियाव्रथिथिंकशलवार्तायायधुन
काव्रमंत्रिपनिस्तआज्ञादयकलं॥भोमंत्रिपनिआव्रजिपुत्रनवराजयातअभिषेकविय
यातजोतिषपंडितपनिगुरुप्रोहितयनिवोनकलछोवधकआज्ञादयकलं॥थोतेगोम
यजुयाआज्ञानेनाव्रमंत्रिपनिसेनतत्कारनंजोतिषयनिगुरुप्रोहितयनिवोनकलछो
याव्रभिंशुदीनवेलास्वतकाव्रजशेसालादयकाव्र॥अष्टमंगलपूराघटजवरवसतया

॥ त्वस्था ॥ व्रवीजमानयेनाव्र छत्रध्वजपता पचासल आदिं वीयकाव्र ॥ सल किं सिंगुल्रुजमारीछ
॥ १३७ ॥ यपाव्र तत्कारणं सामा यितरया नाव्र थ्वराव्रणे देशया दथुसर्मंडल समनिमानिकथु
नाव्र तया सिंहसनतयाव्र ॥ नवराजमहाराजाव्र राव्रन्यवतिव्र निहसिंहसनसविज्या त
काव्र मंत्रिकाजि पंचपरमानपनिज व्रखव्रसतयाव्र चामलनंगायकाव्रचोनं ॥ थनंलि
शुभवेलाजु याव्र प्रोहितनज ज्ञारंभया तकाव्र ॥ पंडितपनिसेनपुरा नाहियाथयात
काव्र ॥ सविपनीसेनमंगलगीतया तकाव्रतल ॥ थनंलिथ्वरावंने देशया हितिमंडय आ
दिंछायपाव्रथा स२पतिं वीजमानप्यनाव्र ॥ अनेगवाजनथातकाव्र प्यावनहुयकाव्र ॥
थ्ववेलसरावंने देशयप्रजागनसकलस्यानं फयानफयाथे तिसाव्रसत नंतियाव्रराजा
सालिगुस्वयधकफयानफयाथे क्षपा२ला कव्रया व्रस्वयाव्रचोनं ॥ थनंलि मालकाव्र
यायधुनकाव्र सुवेलासलातकमासगोम यजुन अनेगतिथे यागंगाजलतयाव्र सुवरांया

॥ रामः ॥
॥ १३७ ॥

कलसनप्रोहितनवाकेयातकाव्रअभिषेकवित्तं॥थनंलिअभिषेकवियधुनकाव्रजेगे
संपूर्णयानाव्रजजेयाअभिषेककयाव्रगुरुःप्रोहितउपाध्यापनिस्रपूजायानाव्रलघ
क्षिरतंकासुवर्णदक्षनावियाव्रसादानविया॥गुरुकुमारीयातंपूजायानाव्रदक्षिना
वियाव्रनानापदार्थनभोजनयातकाव्र॥हनंअनेगर्वास्त्ररापनिअतितअभ्यागतपनि
संगुगुफोनउगुदानप्रदानयानाव्रसंतोषयानाव्रचोनं॥थनंलिवास्त्रराकाराफता
अतीतअभ्यागतपनिरंत॥गुगुफोनउगुदानप्रदानयानाव्रसंतोषयानाव्रचोनं॥थनं
लिपंचप्रस्नानकाजिमंत्रिकोतवालपतागनसकलसेनथनफयाथेदक्षनाछायाव्र
नानातरयाचीजबीजछायाव्रनवराजमहाराजायातदर्शनयातं॥॥थनंलिदर्शनवि
यधुनकाव्रनवराजमहाराजानकिसिमास्त्रसर्वावालिषतसविज्यानाव्र॥जव्रखव्रसमं
त्रिपनितयाव्रहनंथव्रमामगोमयजुकलातरावनेवतीनिस्त्रसुकपालसतयाव्रसंघी

॥ स्वस्था ॥

॥ १३८ ॥

पनी सेन चामल नगाया व ॥ मंगल गीत यात का व ॥ प्रजागराय निसेन लित का व ॥ महामंग
ल जात्रा या ना व ॥ देश जात्रा या ना व ॥ विज्यात ॥ थनं लि देश जात्रा या य धुन का व ॥ सिंधूर जात्रा
या ना व ॥ राजगृहे सदा हा विज्यात ॥ ॥ थनं लि राजगृहे स विज्या ना व ॥ थनं माल को कर्म
या ना व ॥ ना ना पदार्थ भोजन या य धुन का व ॥ सकल लोक यात वेला विया व छेत ॥ थनं लि
मा मंगा मय जु यात आनंद न विज्या त का व ॥ अने क पुराना दिवाष न ने ना व ॥ श्री ३ स्वस्थानि
परमेश्वर या धर्म कथाने ना व ॥ श्री हरि हर या जय ध्यान या ना व ॥ धर्म नं प्रजापति पाल या ना
व ॥ शर्व नेव ती व ॥ अने गर स भोग या ना व ॥ सुख न का ल ह ना व ॥ विज्यात ॥ ॥ थनं ली छु ज्ञ या
दिन स न व ॥ राज मा हा रा जान मा म या के विन ती यात ॥ ॥ भो मा ता छु ल यो ल या धर्म न जि रा
जा जु य धुन ॥ हा पा जि जि स महा दरी ॥ जु या व ॥ जज ना न प नि स्के भि शा पो न व न य माल
॥ भो मा ता आ व ॥ इ श्वर या कथान त व संपति ला य धुन ॥ ॥ भो मा ता प्व ते न पृ थि स द को वा त्र

॥ रामः ॥

॥ १३८ ॥

रापनिभोजनयातकावसुवर्णादक्षनाद्येषु न वियनुयो ॥ भोमाताथुगलिजन्मसदानप्रदानवा
तसातिथुजन्मसतत्सम्पत्तिस्तु भोगयायदयुधकजिम्नसभालपाधकमासयाकेविनतिया
तं ॥ ध्वतेपुत्रनवराजमहाराजायामधुरवचुठनाव ॥ गोमयजुमहारानिनआज्ञादयकलं ॥
भोपुत्रनवराजधन्य २ दुर्धेदानप्रदानकर्मयायगुस्यभोपुत्रजिवथुकाआवर्मंत्रिपनिसवसा
हुतिनियानावस्ववधकआज्ञाजुल ॥ ध्वतेमा मयाआज्ञानेनावतन्तकारनर्मंत्रिपनिबोनकल
छेयावआज्ञादयकलं ॥ भोमंत्रिपनिजिनछताधायठनआव्रजिछमिदेशयाराजजुयावपृ
थ्वीसदकोवाहुरापनिभोजनयातकावसुवर्णादक्षराण्येषोवियधकभालपा ॥ भोमंत्रिपनिछ
मिम्नसजिवलाधकंठनं ॥ ध्वतेनवराजमहाराजायामाज्ञाठनावमंत्रिपनीसेनविनतियातं
॥ भोनवराजमहाराजाछलपोलयाआज्ञाभिन्नथुकाधकविनतियातं ॥ ध्वतेमंत्रिपनिविनति
ठनावपुनर्वारआज्ञादयकलं ॥ भोमंत्रिपनिआसाकहसहायापृथ्वीसदकोवाहुरापनिनिमं

॥ स्वस्था ॥

॥ १३५ ॥

तथातकलछोत्र ॥ मालकोसामायिताललातकिधकआज्ञादयकलं ॥ थ्वतेनवराजयाआ
ज्ञानेनाव्रमंत्रिपनिसेनतत्कारनंपेगुलिदीसासंनगरपतिंगामपतिंवासरायपनिनिमंत्रनाया
तकलछोत्रं ॥ पुनर्वारिगोमयजुनआज्ञादयकलं ॥ भोपुत्रनवराजमहाराजाआचचंद्रजोतिनग
रयाजजमानपनिछनपासापनिंदकोवोनकलछोत्र ॥ हुनंछनकलातचंद्रावतीताकांलंदतथ
वृक्षवनावचोन ॥ थंवोनकलछोत्रधकआज्ञादयकावतत्कारनंदुल्यातपनिवोनकलछोयाका
ज्ञादयकलं ॥ भोहूरवाहकछपनिथथेवरुनापूरदेशवनाव्रअग्निस्वामिनामवांमरायापुत्रीचंद्रा
वतीजिकलातदुलिसतयावतत्कारनंहयमाल ॥ हुनंजिकलातयामामववुपनिथनिनपेऊपुजं
ननानंविज्यायमालधकधाव ॥ हुनंजिराजाजुलधककवधकआज्ञादयकलं ॥ थनंलिनासुदुल्या
तपनिसेनंनवराजमहाराजयाआज्ञासीलसधरलपावथवतमालकोषर्चफोनावतत्कारनंदेस
पूरदेशवनेधकवनं ॥ थनंलिदुल्यातपनिवरुणापूरदेशथेनकलवनाव्रअग्निस्वामिनामवांम

॥ रामः ॥

॥ १३५ ॥

गायाक्षठनावचुकसचोनावसलतलं॥थ्वेलसचंडावतीनग्यालनकोस्वयावधालं॥भोड
ल्पापनिछपनिगनरावयाछानसलतावचोनाछुधायतेनाधकऽनं॥थ्वेलसदुल्पापनि
सेनविनतियातं॥भोमयजुचंडावतीजिपनिरावनेदेशनवयाछानधालसानवराजमहाराजा
जिमिदेशयाराजाजुल॥आवछलपोलपनिबोनकलदलधकविनतियातं॥थनंलिचंडावतीन
धालं॥भोडुल्पातधन्यरुछपनि॥धन्यरुजिभागेधकंमनसरसतायावधालं॥भोडुल्पातछपनि
त्याजुकवलथहनिवायोधकंथतवोनाववजिनकाववित्तारनंघऽनं॥थोवेलसदुल्पापनि
सेनविनतियातं॥भोमहारानिचंडावतीछलपोलयासामववाथनियेकुहापांविज्यायमा
लधकआज्ञाजुल॥हनंपृथिविसदकोबांहरापनिभोजनयातकेतेन॥थ्वेतेनछलपोलप
निविलंभयायमतेननानंविज्याहनेधकविनतियातं॥थ्वेलसचंडावतीनदुल्पापनिविन
तिठनावहता२सनंथवमामववापनिथासवनावविनतियातं॥भोमानापिताठसेविज्या

॥ स्वस्था ॥
॥ १४० ॥

हुने ॥ जिस्वामिनवराजमहाराजाजुलधकजिवोनकलहल ॥ भोमातापिताहनंछलपोल
पनिथनिनयेकुसननानंविज्यायमालधकआजादयकावहलं ॥ थ्वतेनजिवनेतेलवेला
विस्पविज्याहुनेधकधालं ॥ थनंलिथवपुत्रिचंडावतीयावचनठनावमामववुपनिसेनधालं
॥ धने२जिजिलाजनयातपस्याधने२जिस्वाचयाभागेजिजिलाजनराजाजुलनावजिस्वाचरा
निजुल ॥ धने२जियनिसंभागेधकंहर्षमानेजुयावधालं ॥ भोपुत्रीआवतिनिछनजन्मकयाया
साफलेजुल ॥ भोपुत्रीआवछनविलंभयायसतेधकंधयावजलिजवाफयावसतनतियका
व ॥ मनिमानिकयातिसानतियकाववेलाविलं ॥ थनंलिचंडावतीनमनमरसतायावमाम
ववुयाचस्सभोकपुयावहलिसदनाववनं ॥ थनंलिबवंववंअनेगवनांतरहिनुहेलाकभ
नेगसिमागुषिस्वानसिसाफलनयाव ॥ पुस्करनिसपलेस्वानथयावनानामाथनवनं
यानाववनं ॥ थगुलिप्रकारनवनानंतरयारसयानावववंअतिअगोचरवनछगुलिथेनं

॥ रामः ॥

॥ १४० ॥

ध्ववनांतरगथिगुधालसाअतिवानलाकसीमास्वानफलमूलनंपरिपूर्णजुयावचो॥ हनं
निर्मलजुयावचोनगुलंखनंपरीपूर्णजुयावचोनगुपुष्करनीसपलेस्वानचवस्वानउफे
स्वान॥ चचकनावहोयावचोन॥ थथिगुस्वानसरसकयावधमरपनिगुंजमाननहानावचोन
॥ हनंध्वपुष्करनिसराजहंसचकातरगलंजुनावमहारसनस्मितावचोन॥ हनंचराचरंगि
पनिस्मितावजुलं॥ थथिगुवनांतरवनावचंडावतियामनसरसेतायावस्वयावचोन॥ हने
दुल्यातेपनिसेनंहावत्यानुधकंचडावतीयादुलीकापनतुयकावदिनावचोन॥ थोकलसेना
नामाथनंधुपदीययावासनादयाववलं॥ थोवेलसदुल्यापनिसेनथनकुषेधकस्वलवनं॥
ध्ववेलसअपसरागरापनिसेनश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयाधर्मवतदनावचोनवनावथथा
यसवनावडनं॥ भोमाजुपनिअमहुदेवतायाधर्मदनावविज्ञानाधकडनं॥ ध्ववेलसअप
सरागरापनिसेनधालं॥ भोमहापुरुषः डनध्वदेवतायातामश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरथुका।

॥ चर्या ॥
॥ १४१ ॥

भो महापुरुष ॥ थुल्य परमेस्वरया धर्मदना वचोना धकधया वदुल्यापनिसेन विनतियातं ॥ भो
माजुजिपनिसेन असधर्मदने ते वला धकडना व ॥ अपसरागरापनिसेन धालं ॥ भो महापुरु
ष छपनिसेन फतसा ते वधकंधया वदुल्यापनिसेन मन ॥ र्वमानजुया व अपरागनपनि
सवना पंमालको सामाग्री काया वधर्मदना वचोतं ॥ थुनंलि धर्मदने धुनका व अपसरागराप
निसेन धालं ॥ भो महापुरुष थुल्य श्री ३ स्वस्थानि परमे शरीया धर्म गुल्यसेन दन व समनु च
या दुःखना सजुयु ॥ हनंदको पापनाश जुया व पुने सरोरु जुया व परलोक मस्वर्ग सवासजुयु ॥
भो महापुरुष आव छपनिसेन थुल्य श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरया जप ध्यान कथा भिन कनु गल
सत या वति व ॥ भो महापुरुष आव छपनिगरा वने तेना अनक्राने थुल्य परमेस्वरया चित्त स्वा
न जो ना व छे या परिवार या तप वधकंधालं ॥ थुवेल स दुल्यापनिसेन श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर
या चित्त स्वान जो ना व अपसरापनि चरन सभो कपुया व ॥ धने रजिपनि सभागो छत्करपनि दया

॥ रामः ॥
॥ १४१ ॥

नअपुर्वकथाडनेधनधकधयावथव्रथेथमनंरसतायाव॥अपसरागनपनिस्केवेलाकया
वचंदावतिथासथेनकलवलं॥थनंलिअपसरागरागपनिस्वर्गथहावनं॥॥थनंलिइत्या
पनिसेनविनतियातं॥भोचंदावतीमहारानिअपसंनजुसेविज्यायसंतेभतिविलंभजुल॥छा
नधालसाऊऊकनगरायामाजुपनिमसियाथ्वपनिसेनश्रीउस्वस्थानिपरमेस्वरयाधर्मदना
वचोना॥थ्ववेलसजिपनिसेनंअमिकेदकोसामागीकयावनापंधर्मदनावचोना॥भोमहार
निआवश्रीउस्वस्थानिपरमेस्वरयाचित्तस्वानजोनाववयाकासेविज्याहुनेधकविनतियातं॥
थ्वतेइत्यापनिसविनतिडेनावचंदावतीअतंतकोढजुयावमिषाद्याउककनावअहंकारन
धालं॥भोपापिष्टइत्यावाअमधर्मदुधर्मजिमिसाजातियकांतनथाथिनवनांतरसवानाव
छपनिसेनधर्मदनावचोनाधकधाल॥भोपापिष्टअमधर्मनछमितनकेफुलातियकेफुलाजि
नजुलसानकेफयातियकेफया॥अमस्वस्थानिपरमेश्वरधयात्प्रगरायादेवअमदेवनकुवि

॥ स्वस्था ॥

॥ १४२ ॥

यफवहुकायफवधिकारह्यपनिजन्मह्यपनिलाघाकरधयापिं ॥ चाकरधयापनिजाथवस्वामि
नधयाथेधकाचोने ॥ भोडुष्टदुल्याआवहुपनिस्तहुवियावहलजिनजुलसांतत्कारनंछपनि
प्राणकायकेफयासिरियाववियंफया ॥ हुयायजिथाथेनवनांतरसालातथुकाजिस्वामिया
थासलातसातत्कारनंछपनिपानकायके ॥ जिस्वपियाद्यालस्वयहयासजुलधयानथथेया
त ॥ भोपापिष्टजिस्वामिराजाजुलधकमसियाला ॥ अमस्वस्थानिधयाह्यह्यपनिस्तवहलला
जिनजाडनेमननास्वयंमनना ॥ मरुपापिष्टधायह्यपनिषवधकंनानोमाथनन्वानावचित्त
स्वानच्चासिकंलाकावकुटि२थयावफ२यानावहाकानिनावछोयावधालं ॥ भोडुल्याचाआव
षुनंननानंनुयोधकंअहंकारनधालं ॥ थनंलिचंडावतीयाहिप्रवचनइनावदुल्यागनेसेजेना
नवायमछासेकुबुयावयनं ॥ थनंलिववं२रावनेदेशयासनीपससालिनभयाखुसिद्धु
लिदसेंचोन ॥ थनंलिधसालिनसुमियाधीकसदीनावदुल्यातपनिलंथसुयादककयावषु

॥ रामः ॥

॥ ४२ ॥

सिसको हावनं ॥ थवे लस श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरया तनिं डाया नाया पनं श्री ॥ पृथ्वी चतक
नावचो नगु तत्कारनं विडया वपर्व सा तो या वत वस ह न वागाना व अंधकागुन विपरित वायु व
या व महापापि निचं डावती सा लिन पु सिया दथु सथे न वे ल स डु लि हो क जा वा व कृति न वनं ॥
थवे ल स डु त्या प नि ज क श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या प्रभावन विभाय भु ज क चुर य क ल य ना व छ
तां मु माल क थ हा व या व थ व २ क्षे स वनं ॥ थवा पि नि चं डावती ज क पु सि सं तु ना व चो नं ॥ पु न
व र्थ थवा पि नी या नि मि र्ति न थवा लिन गंगा म हा से थी र नं चो नं ॥ थथे सा लिन गंगा थी र न चो
न ष ना व मा ह्नि त द केां मु ना व अ भू त चा या व र्था थिं सा हु ति या य धु न का व न व रा ज म हा रा जा या
था स व ना व वि न ति या त ॥ भो न व रा जे म हा रा जा अ भू त आश्चर्य ख छ ता वि न ति या य ॥ ग र्थे धाल
सा हि जि स सा लिन गंगा स द ह न चो नं थं म हा ना व थार न चो न ॥ हे मा हा रा ज थ अ भू त जु ल
जि प नि से न जा थ थे चो न गु म सि या ॥ भो म हा रा ज थ से न छ ल पो ल से न वि चाल या से वि ज्जा य

॥ स्वस्था ॥

॥ १४३ ॥

मालधकविनिजातं ॥ ध्योते माहि तसवीनतिठनावनवराजमहाराजआश्चर्यचायावमंत्रि
पनिस्तआज्ञादयकलं ॥ भोमंत्री अतीआचर्य्य खड्गताठ माहिजिसमालीनधयासुसिलिम
दुष्टां मदुथनीयादीनसमष्टासेदहंचोन थ्यथीरनचोनधकसाहि तसेनधाल थ्वषआश्चर्य्यष
वभोमंत्रिछुनिमिर्तिनसष्टातवेसोलवनेनुयोधकमंत्रिपनिसहितनअनेगपंडितजेतिषप
निमुनकावरावनेदेसयाप्रजागरासहीतनस्वयधकविज्यातं ॥ धनंलिसालिनगंगासथेनाव
गंगाथीरनचोनधनाव ॥ राजाप्रभृतीसकललोकंआश्चर्य्यचायावचोनं ॥ थ्वेलसनवराज
महाराजानआज्ञादयकलं ॥ भोमाहिछपनिसेनकोहावनावस्ववहुं वसुकदतजुयुछ
तामदयकथथेजुयमदुधकआज्ञाजुयावमाहि तसेनमालवनं गुलिस्पानंयठनयाला
वस्वतं ॥ गुलिस्पानंजालतिनावमालावस्वतं ॥ हनंगुलिस्पानंकोहावनावलाहातिनमालाव
स्वतं ॥ थ्वेलसमहापापिनिजालसकेनाव सनापंचानबुलावचोनधनावकाहीतसेथु

॥ रामः ॥

॥ १४३ ॥

गुडगुधायमफयावसुसियाधिकसहकातिनावछेतं॥ थवेलसमाशितसेनछतांथायमफया
वविनतियातं॥ भोनवराजमहाराजाजिपनिसेनजाहुंलुयकेमफयावकविनतियातं॥ थ
तेमाफितसविनतिठनावमहाराजानविनतियातं॥ भोपरमेस्वरगंगादेवीजिपनिसेनजा
हुंमसियाजिपनिअपराधक्षेमायासेछलपोलसदायाथंविज्यायमालधकसंखससाडुड
पाधालनवरत्नतयावअर्घविलं॥ थनंलिनवराजमहाराजानअर्घवियतुनंसालीनगंगा
ह्यानावविज्यातं॥ ॥ थवेलसगंगाह्याकस्वयावनवराजमहाराजयामहाहर्षमानया
नावदकोषजागनसकलसेनंधनेंनवरराजमहाराजसवधकंगुणवर्णायातकावप्रजालो
कनलितकावराजगृहेसलिहाविज्यातं॥ थनंलिमहापापिनीजकषुसियाधिकसंचोना
वत्पाफिननोनकावमहाकष्टनयावलिलाहातथुथाजुयकावनरकसभोगयानावचोनं
॥ हनंअचैतनेंजुयावमेघहावथंहालावचोनं॥ थगुनिप्रकारनकष्टनयावसरीरसपी

॥ स्वस्था ॥

॥ १४४ ॥

डाजुयकावमहाडुःखनविलापयानावहनं अनंनयमषनावपित्पाकनपीडाजुयावव
संचोनगुचाथुनानचुयावनयतेनं ॥ थवेलसलोहजुयावतवगोलजुयाववर्त ॥ थथेलो
हसुधांततवगोलजुवषनावथवजुगलसथसनंदायावमहाडुःखनविलापयानाववुसि
याधिकसगोलशुलावचोनं ॥ हनंसरिरसअनेगरागूनकयाववेथासेहलपेमफयावम
हाकारसयावषोयावचोनं ॥ छानधातुसाम्प्री ३ स्वस्थानिपरमेस्वरयातनिद्रायानावपाप
राअघोरनरकसडुनावचोनं ॥ ॥ थनंलिनवरजमहाराजयाआग्याथेमंनिपनिसेनमाल
कोसामायितयारयानाववृथिसदकोषांमराकानफतासंन्यासिघरवारिअतितअभ्याग
तपनिधायकलछोयावसकलंरावनेदेसेयामंडिलसथेनकलविज्यातं ॥ थनंलीनवरज
महाराजानवांमरापनिविज्याकखनावकोटिशुवर्णयातंकापितह्यावमालकोसामा
यीतयारयानावतलं ॥ थवेलसथमहापापिनिचोनथासनकपीलवांमरापाननिसुकि

॥ रामः ॥

॥ १४४ ॥

जरवनेदेससभोजनविज्यायधकविज्यातं॥ थवेनसमहापापिनिनषनावहताश्सनंयेण
नचुयावथवांस्त्राणपनिथासवयावविनतियातं॥ भोवास्त्राणपनिछलपोलयनिगरादि
ज्यायतेनाधकविनतियानाव॥ कपिलवांस्त्राणपनिसेनआज्ञादयकलं॥ भोपापिनिजिय
निजारावरोदेससभोजनयातवनेधकवयावच्छानजियनिथासवयाधुधायतेनाधावध
कआज्ञादयकावपापिनिनविनतियातं॥ भोजुभोजनविज्यायजुलसाजितनंअंनभतिफो
नावह्यमालजिघानलाकथनीस्वचाप्येद्भुदत॥ भोवांस्त्राणजियापिनिषनावकरुनान
स्वसेविज्यायमाल॥ थतेनजिनआसातयावचोनेधकविनतियातं॥ थतेपापिनिनयाविन
तिनेनावकपिलवास्त्राणपनिसेनधालं॥ भोपासापनिअमषजियनिसेनधायमछलाछ
नआसातयावचोनेधायमतेह्रापांजियनिवास्त्राणजातथुकायिथिमिथिमफावधकं
थतेनआसातयावचोनेमतेधकधयावकपीलवास्त्राणपनिरावनेदेसथेनकलंविज्यातं

॥ स्वस्था ॥
॥ १४५ ॥

थनंती नवराज महाराजा नष्टुषी सदको वां लराणपनि विज्या करवना वसकले आसन संवि
ज्या तका व अनेगमाथन विधि पूर्वकन बोड सो पचारन पूजा या ना व सुवर्ण दिक्षी ना विद्या व
नाना पदार्थन भोजन यात कलं ॥ थनंती वा लराण अतीत अभ्यागत कान् फता पनि सेन भो
जन या यधु नया यधु नका व नृपत जु या व न वराज महाराजा या जय २ जु य भाल धक आ सिवा
द विद्या व पृथ्वि सदको वां लराण थ व २ आसन संविज्या तं ॥ पून वीर कपी ल वां लराण पनि निस्स फ
कि जः ज कपा पि निन हाना व हया व खलु मना व करुना वा या व अथे धाय हं म सिया व निस्स
ऊ कि जं ल ज्या चा या व थि थिं हो ला व चो नं ॥ भो कि जा आ व ग थे या य पो ने धाल सा ग थे पो ने
थु लि म छि वां लराण पनि व ल सु ना नं दु पु नु धा व म डु हि जि सेन ज क ग थे पो ने म पो ने धा
ल सा पि नि न आं सा त या व चो लु ॥ भो कि ज्या ल ज्या ज क न ये माली न ध कं च क स इ स्स थि स्स थ
ना व चो नं ॥ थ वेल स गो म य जु म ह रा नि न ज्या ल न को सो क वेल स थ व लराण पनि निस्स इ स्स

॥ रामः ॥
॥ १४५ ॥

थिस्वमानावचोनरावनावहनंमधुभयेजकंलोलमनला॥हनंक्षनाजकंमविललाथनेनछ
मिसेनडेनकुनिधकभादयकलं॥थतेमहारानीयाआज्ञाडनावभंदारीपनिसेनकोहावया
वडनं॥भोभंलरापनिछलपोलपनिसेनमनसछानअंदोलयासेविज्याना॥हनंमधुभये
जकंमगातला॥हनंमसुदक्षणावियलाकंलोलमनला॥हनंछुआज्ञाजकंदयमातलामा
लकोआज्ञादयमातधकदिनतियातं॥थतेभंडारिपनिविनीतिडनावकपीलवासरायपति
निसफकिजलज्यावायावकोछुवधालं॥भोभंदारीभाजुनवराजमहाराजयादयानसक
तानेगाक॥भोभंदारीभाजुजिपनिमनसअंदोलजुवगुमेवताकारनषुछानधालसाजिय
निथनभोजवयावेलससालिनधायार्गगायातीरुसतवपापिडुविछलसेनजिपनिथासुव
यावधाल॥भोजुभोजविज्यायजुलसाजिस्ववायेकुदतशानलाकअंननयमयनाजित
छुंवसुकदतसांअंनजुलसांभतिफोनावहसेविज्यायमालजिनआसातयावचोनेधकधालं

॥ स्वस्था ॥

॥ १४६ ॥

भो भंडारि भाजु ध्वतेन फोने मछा से चो ना ध क धा या व ॥ कपिल वां ल रा प नि व च न ड ठ ना व भं
दा री प नी से न म ह रा नि या था स व ना व वि न ति या तं ॥ भो म ह रा नी ड ठ से वि ज्ञा क ने ड ठ वां ल रा
प नि थ न भो ज न वि ज्ञा ना वे ल स सा लि न गं गा स त व पा पि नि मि सा छ स से न अं न भ ति फो ना व ह
ल ध क धा ल ॥ भंडारि प नि वि न ति ने ना व म ह रा नि न आ ज्ञा द य क लं ॥ भो भंडारि अ म वा ल रा
प नी से न जो ने फ को अं न वि या व छे व ध क आ ज्ञा द य क लं ॥ ध्व वे ल स भंडारि प नि से न
वि या छे य ध कं भं दार स स्व ल व नं ॥ ध्व वे ल स स्व या र था स ग रा लु य के न फ या व आ श्वा र्य चा
या व म न स भा ल प ॥ आ व ग ये या य थ थं म ह रा नी या के वि न ति या य धा ल सा ग थे वि न ति या
य ॥ अं न परि पू र्ण ज य क न या व त या गु सं न्य ज ल छ गु हे तु स द य कं थ थ ज य म डु ध कं धं द का
या व म ह रा नि या के वि न ति म या सें पि हा व ना व प स ल स व ना व धा लं ॥ भो प स ल्या भा जु अं न भ
ति न्या य वि व ध क ध या व प स ल्या प नि से न वि य ध क स्व कं वे ल स थ ल स छ ग ल पु नं म द या व चो

॥ रामः ॥

॥ १४६ ॥

नं॥ हनं पसल कुठि सवना वभंदार सकया ववियध कस्वक वेल सथनं सुने जुया वचोनं॥ थवे लस
पसल्याया मन समरुधंदा कया वमिषा सवो वितया वधालं॥ भो भंदारी यनि जिमहा अनर्थ जुल
जिपसल सकुठि सद्धथलं तया वतया गुअं न छगलं मद्या वसुने जुया वचोनं धक धालं॥ हनं मे
नु पसल सस्वल वनं॥ अने वियस्वक वेल सथल पतिं सुने जुया वचोनं॥ थथे जुवर वना वभं
दारि पति सेन अंन लुय के मकया वआश्चर्य चाया वमहारा नियाथा सत्रया वविनतियातं
॥ भो महारानी अति आश्चर्य जुल छल पो लया आग्या थं अने विया वछो यध कस्वल वना
न भंदार पतिं सुने जुया वचोनं॥ हनं पसल सकया ववियध कस्वल वनान पसल पतिं सुने
जुया वचोनं॥ भो प्रभु महारानी थ्वते न जिपनिजा असा मर्थ धक विनतिया नाव॥ महारानी
पतीतं मजुया वथ मनं भंदार सस्वल वनं॥ थथे नं मद्या वमहारा नीया कोथा सचोनं गमधि
कया ववियध कस्वल विज्यातं॥ थ्व मधिं मद्या वचोनं थ्व वेल समहारा नीया मन समरुधं

॥ स्वस्था ॥ दाजुयावभंदारिपनिस्तधालं ॥ भोभंदारिपनिअतिआश्चर्यखवथ्वमिसातवपापिखवथ्व
 ॥ १४१ ॥ यातजायलेकयानंविषमाल ॥ थ्वमिसानआसातयावचोमुआवगथेयायहुंविद्यावछेयमा
 ल्यु थ्वपापिनियातधयानिमिर्तिनडुगुवलुकंसदयाववन ॥ भोभंदारिपनिआवगथेयायध
 कधालं ॥ थ्वतेमहारानियाआज्ञाठनावभंदारिपनिसेनविनतियातं ॥ भोमहारानिछलपोल
 यातभवकतयागुआलजकदनीधकविनतियातं ॥ थनंलीआज्ञादयकलं ॥ भोभंदारिपनिअम
 जितवकतयागुजाजुलसांविद्यावछेवधकआज्ञादयकलं ॥ थ्वतेमहारानियाआज्ञाठनाव
 भंदारिपनिसेनमहारानियातधकथुयावजयागुजाजोनावकपीलवांहरापनिथासवया
 वधालं ॥ भोवासरापनिडुखतासेविज्यायमेतेछलपोलयापतिसेनअमपापिनीयातधया
 निमिर्तिनराजभंदारसुद्रासुंनेजुयावचोनं ॥ भोवासरापनिआवस्वयास्थासअंनहुंवलुक
 सदयावमहारानियातथुयावतयागुआलजकदनिआलजोनावकासेविज्याऊनेध

॥ रामः ॥

॥ १४१ ॥

धविनतियातं॥ श्वतेभंदारियनिवचनऊनावकपीलवांस्मरायनिनिलफकिजंमहालज्याचाया
वक्रकुनावजाजोनाववनं॥ थनंलीध्वकपीलवास्मरायनिपिहावनेतुनंनवराजमहाराजायाभं
दारपरिपूर्णजुयावचोनं॥ थनंलीकपिलवास्मरायनिनिलफकिजंलज्याचायावखहानावव
नं॥ थनंलिथ्वपापिनीनकपीलवांस्मरायनिविज्याकरवनावअंननयदतधकंमनसभालपा
वहतासनंयेपानचुयाववांस्मरायनिथासवयावविनतियातं॥ भोजुजुजिनविनतियानागु
पुरवलुमनकावविज्याकला॥ जिफचिकनंपित्यातधकवालं॥ श्वतेपापिनीयाविनतिऊनाव
कपिलवास्मरायनिसेनआज्ञादयकलं॥ भोपापिनिछनकारनजिपनिसेनलज्याजकनयमा
ल॥ भोपापिनिछनतधयानिमिर्तिनराजायाभंदारभुद्राभुंन्यजुयाववनं॥ भोपापिनिथ्वजा
थुलिजामहारानियातआलकुलावतगुवियावहलकावधकयाननंहाकातिनावविल॥ थ
नंलिपापिनिअतिषुसिजुयावअंननयदतधकमनसभालपावथ्वजाकयावनयतेनं॥ श्वे

॥ स्वस्था ॥ लसकपिलवांस्मरायनिसेनभालं ॥ भोपापिनि आसेरनयमतेआमथेंसदाकालंछपापि
॥ १४८ ॥ निधायकावचोनेलाभतिपुनंउधारजुययलसाद्यालभतिपुनंसिनावनद्वभोपापिनिमनुषे
जन्मजुयावभतिपुनंपरमेस्वरयानामकयावचोव ॥ भोपापिनिछवनाव्रजिपनिकरुनाचाय
धुन ॥ भोपापिनिछनतउपदेशवियडननिरंजनतिराकारधयास्मश्री३स्वस्थानियरमेस्वरया
फतसाउपासनचोवमफतसाश्री३स्वस्थानियरमेस्वरयानामपुनकयावचोव ॥ भोपापिनी
थ्ववेलसछनतवुंस्थयागोहृथावालहृथात्रिहृथागुरुहृथालातसांछनपापमोचनजुय
॥ भोपापिनिथ्वतेनश्री३स्वस्थानियरमेस्वरयाभावभक्तियावधकंधर्मउपदेशवियावकपि
लवांस्मरायनिथवृहेसवनं ॥ ॥ धनंलिथ्वपापिनिनकपिलवांस्मरायनिउपदेशछना
वमनसरतायावद्यालसिनावनयधकसालिनधयागंगासकोहावनं ॥ थ्ववेलसथ्वपापिनि
कोहावनेतुनंगंगाडुसुनाववनं ॥ थथेगंगाडुसुकखनावमहाडुखनविलापयातं ॥ नारयनमि

॥ रामः ॥
॥ १४८ ॥

वरजिमहापापिनिषवधकंगंगानथहावयावचोनं॥ आवहुयायद्यालभासिसेनयवकजाक
यावनयतेनं॥ थवेलसथजानउजुयावचोनं थथेजासुधानउजुवधनावधुनवरिविलापयातं
॥ थनंलिहंनंपित्याकसहयायसफयावथनलिनयतेनं॥ थवेलसतवसहंनफसवयावथन
लिंपुसेयनं॥ थथेजुवस्वयावमहापापिनिनमिधानवोविधाराशहायकावधुसियाधिकसगाल
तुलावधिकाररजिजन्मधकंथवनुगलसथमनंदायावमहादुःषनविलापयातं॥ थुगुलिप्रका
रनडुःखसियावताकारंकष्टनयावचोनं॥ ॥ हनंथपापिनिनथथेदुःखसियावचोनंसां सुना
नंविचालयाकंमडुकरुनाचावंमडुनतुवंसुधांतंमडुछानभालसाश्रीश्चस्थानिपरमेस्वरया
तनिंशयात॥ थतेपापनचंद्रावतिधायकावचोनस्यआवपापिनिधायकावपापयासमुद्रसत
नावचोनं॥ ॥ थनंलिहंजुयादीनसस्वर्गसचोनअपसरायनिमधमंडलसकोहावयावथसा
लिनगंगाससनानयानावश्रीश्चस्थानिपरमेस्वरयातपूजायामावसंध्यातर्पनयानावश्रीस्

॥ स्वस्था ॥ र्जयात अर्घ्यवियावचोने ॥ ॥ १४९ ॥ धनं कलवनावविनतियातं ॥ भोमाजुपनिह्रिकल ॥ निमुजुजिन ॥ भोमाजुजिम
हापापिनिषनावदयादयेमाला ॥ भोमाजुजिशागलाकपेचा ॥ जितभंनचिभायकोने
विवधकं भोमाजुहनंजिथनचोनाव ॥ छाउ ॥ चिकनयावकसुसियावचोनाताकालंदत ॥ थथेनं
जितभतिनापंसुनांनंविचालंयाकंसु ॥ थतेनजिपापिनिघाउपरसकरुनादयमाल ॥ भोमा
जुपनिहनंछिक्कलपनिमुजुयुदेवकंन्याला ॥ मनुष्यकंन्याला ॥ यक्षकंन्याला ॥ गंधर्वकंन्याला ॥
किन्नरकंन्याला ॥ हनंमषुअपरागन ॥ निलोतमाला ॥ उर्वसिला ॥ रंभाला ॥ भोमाजुपनि
जिमनसजाछिक्कलपनिदेवकंन्याजुय ॥ थतंनजिपातिरवनावुडद्वारयास्यविज्यायमा
लधकमिषानजकषोविधारा ॥ हायकादविनतियानावचोने ॥ ॥ थतेपापिनिघाविनतीनेनाव
अपसरापनिसेनंकरुनाचायावधालं ॥ भोमापिनिह्रिकलपनिह्रिकलपनिह्रिकलपनिह्रिकल ॥ भोमा

॥ रामः ॥

॥ १४९ ॥

पिनिजिपनिदेवकंन्यांमषु नागकंन्यांमषु जिपनिजास्वर्गयाअपरागनथुका॥भोपापिनि
जिपनिथनवयाकारनमेवतानमषु श्री३स्वस्थानिपरमेस्वरियाधर्मदनेयात॥श्वर्गंगास
सना नयायधकवया॥भोपापिनीछुडधारजुययलसाजिपनिसेनउपदेसवियऊनभोपापि
निछनएकभक्तनश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयाभावयावधकंधाल॥श्ववेलसमहापापिनिन
अपसरापनिवचनऊनावमिनसभालपु आवगथेयायववेलसंडल्यापनिसेनश्री३स्वस्थानी
परमेश्वरीयाचितस्तानजोनाववयुजिनकयावकति२धयावफफयानावहाकातिनावछो
याथुगुलिजन्मसथुलिजकयानामंथुलीतकछुनयमालधकंमनसभालपु॥हनंउपुनक
पीलवांसरापनिसेनश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयानामकयावचोव॥श्ववेलसछुडधारजुय
धकंधाल॥आवअपसरापनिसेनश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयाधर्मदवधकंधाल॥श्वसंसारस
श्री३स्वस्थानिपरमेस्वरवाहिकनमेवदेवतापनिमडुपनिधकंमनुषेधयास्रजाअहंकारन

॥ स्वस्था ॥

॥ १५० ॥

घनिं फल ॥ आवहु या यजिनं श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या धर्म दने धक भाल या व पुन वी र पा पि
नि न वि न ति या तं ॥ भो अप सरा मा जु अ म श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या धर्म दने या त छु छु मा
मा धि द य के माल ॥ जि के जा छुं म दु ग थे श्या य मा ल जि न जा छुं म सि या ॥ भो अप सरा मा जु स म
तं आ ज्ञा द से वि ज्ञा य मा ल ध क वि न ति या तं ॥ ध्व ते या पि नि या वि न ति ठ ना व अप सरा ग रा प
नि से न धा लं ॥ भो पा पि नी छ न के छु व लु क म द त सां छ न ए क चि त्त न ठ व जि य नि से न क ने ॥ हा
पां थ नी नि सें श्व सा लि न गं गा स हि न छ पो ल म ना न या ना व ॥ वा हि जा व वे ल स श्री ज ग दी स्वर
या त पू जा या ना व श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरि या वा ष न हू य म स ल सा सि व र्ध क ना म पु नुं क
या व चो व ॥ हु नं श्री सूर्य या त श्व गं गा या लं ष क या व अ र्ध वि व ॥ भो पा पि नी थ नं लि ल शि सं प्र
रा जि स तु नं मो घ शु क्त या पूर्ण मा स्मा पु न श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वरी या धर्म या त ता न स त दि च्या
ता न सं जु क्त या ना व श्री खंड र क्त चंद न स्वा न ज ज म का धू पा दि प ने वि श फ ल मू ल प क वा न क

॥ रामः ॥

॥ १५० ॥

पूर्वस्वदशनाथमनंफयाथेताललातकावश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरिधकं हूस्तनसॐका
रचोसंथापनायानावषोडसोपचारनपूजायायधुनकाव॥थमनफकोजपध्यानयायधुन
कावस्वानकोकायाव अशीतमधिसगोनेसहीतदयकावपुरुषलवहूयपुरुषंसदतसाथ
वपुत्रलवहूय॥थवपुत्रंसदतसामित्रपुत्रलवहूय॥मित्रपुत्रंसदतसाथमनकुईक्षाय
नाउगुलिकांमुनननानंसिद्धजुयमालधकंतदीसंवहलंछोय॥भोपापिनीथ्वेलसछन
दकोपापनाशजुयावपुंनेसरिजुय॥भोपापिनिआवछनथनिंनिसंलक्षितएकचित्तनश्री
३स्वस्थानिपरमेस्वरीयाधर्मवतजोवधकधयावअप्सरपनिथवमालकोज्यासिद्धयानाव
स्वर्गस्थिहावनं॥॥थनंलिमहापापिनजलसांअपसरागनपनिउपदेसथं॥पौषधुक्त
याप्रर्गमास्याखुनिसंहिथंसालीनगंगाससनानयानावफियामहादेवयानावफिनं
तुपूजायानावश्रीसुर्जयातसालीनगंगायालंघनअर्घवियाव॥श्रीसूर्ययातमतवियावश्री

॥ स्वरथा ॥ स्वस्थानि परमेस्वरया भावयानावः सिव र्धकं नाम कया वचो नं ॥ थन लि परमेस्वरया नाम
॥ १५१ ॥ कया वचो पापि निया भति चेत दया वचो नं ॥ हन थ गंगान थिलं ॥ हन थ पापि निया धर्म सरी
रज्जु या व द को पाप नं तो ल ता व सरी र चु लि जा या व व लं ॥ थ थ थ व सरी र चु लि जा या व व ल ष
ना व ॥ थ व थ थ स नं र स ता या व ही न छ पु वा ष हू ना व ल क्षि त थ गु ली प कार नं ये क वित न
पर मे स्वरि या त भा व या ना व चो नं ॥ ॥ थ न लि मा ध भु क्त या पूर्ण मा स्पा पु त स्व र्ग न भ य स
ए लो क प नि को हा वि ज्ञा ना व थ स लि न गं गा स स ना न या ना व ॥ श्री ३ स्व स्थानि पर मे स्वर या
धर्म द ने या त सा मा गि मा ल को द य का व चो नं ॥ थ न लि पा पि नी न ष ना व अ प स रा ग न प नि स
था स व ना व वि न ति या तं ॥ भो अ प स रा मा जु छि त्क र प नि उ ज न थं जि न थ गं गा स स ना न या ना
व पर मे स्वर या भा व या ना व सिव र्धकं नाम कया व चो ना आ व जि स्त रि र भ ति चु लि जा या व व
लं ॥ भो अ प स रा मा जु आ व जि नं श्री ३ स्व स्थानि पर मे स्वर या धर्म द ने या त जि के ज धु व लु कं

॥ रामः ॥

॥ १५१ ॥

महुनिआवगथेयायधकविनतियातं॥ श्वेतेपापिनीयाविनतिनेनावअपसरगनपनिसेन
आज्ञादयकलं॥ भोपापिनिछनकेछुकस्तुकंसदतसाअमसातिनगंगायालखवफित्वनिता
नसकतांवलुकदयकिवधकंआज्ञादयकलं॥ श्वेतेअपसरगनपनिआज्ञानेनावपापिनी
नजुलसां सालीनगंगाससनानयानावथमनफयार्थेसुचियानावध्वगंगायालववफीव
नितानसकतांवसतुकदयकलं॥ श्वेतेलसफित्वलंखवनिनानंदयकागवलुकसकतांवार्थे
यागवलुकजुयाव॥ श्रीखंडरक्तचंदनसिंदुरधूपक्षिपनेविशफलमुलपुष्पजजमकाया
नपत्रानकर्पूरवस्त्रदक्षणाआदिंदकोसामाग्रीतयारजुयाव॥ श्वेतेलसपापिनीयामन
सरसतायावअपसरगपनिस्तधालं॥ भोअपसरगमाजुछिक्करपनिआज्ञार्थेजिनफिचनव
लषवनिनानसकतांदयकागवलुकधाय्ययागवलुकजुयाववल॥ भोअपसरगमाजुधकवि
नतियातं॥ श्वेतेपापिनीयाविनतिनेनावअपसरगलोकनधालं॥ भोपुण्यवतीधन्यश्छेछनभ

॥ स्वस्था ॥

॥ १५२ ॥

क्तिरवनावजिपनि आचर्य जुल ॥ आवनं घाहन तपापिनिधाया आवच्छुपुं नेवति जुल धने रछ
नभागे धन्य रछ नभक्ति भो पुरोवति आवच्छुनं जिपनिसवना पंधर्म दनवायो धकं धया व्रपु
नेवतीन अपसरा लोकवना पंधर्म दनं ॥ ॥ धनं लिक्का पां श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर धर्कं कृष्ण
सर्वं कारं धो संस्थापनाया नावथ मन फलो सुविद्या नाव गंगा जल न सना न यात काव श्री रव
राड रक्त चंडन जजमका स्वान धूप दीप ने विद्य फल मूल तां वूर वस्त्र दक्षना सत छिच्यातासं
जुक्त या नाव ॥ श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर यात घोड स पचार न पूजा या नाव ॥ थव २ मन वांछा पू
रां जुय कामुना नथ मन फको जय ध्यान या यधुन काव अर्घ्यो नाव आसिधा फोर्न ॥ श्री ३ स्व
स्थानि परमेस्वर यात अर्घ्य विलं ॥ ॥ धनं लि अर्घ्य विद्य धुन काव पु नेवतीन लोत्र या तं ॥ भो श्री
३ स्वस्थानि परमेस्वर ह्रा पाजिन छल पोल थधिं सधक मसिया वजिन अरुं कार न निंदा या ना
भो परमेस्वर आवथु गुलि अपराध क्षमा या से विज्या र मात ॥ भो परमे ने र छल पोल गधिं

॥ रामः ॥

॥ १५३ ॥

स्रधालसादकोषागियानुगलसविद्यानात्रपापपुंनेयासाक्षिजुयावविद्याकलयातको
टिशनमस्कारभोकनाथ॥हृनछलपोलगाथिस्रधालसा॥पृष्टिकर्तधियास्रंछलपोलस्थि
तिकर्तधियास्रंछलपोल॥संहरकर्तधियास्रंछलपोल॥हृनछगुलिमूर्तिनस्वगुलिमूर्ति
जुयावविद्याकलयातकोटिशनमस्कार॥भोभगवान्॥हृनछल
पोलगाथिस्रधालसा॥पृष्टि॥आप॥तेज॥वायु॥आकास॥ध्वन्याताछलपोल॥हृनजोगेस्वर
यानुगलसविद्यानात्रआत्मापुरुषजुयावविद्याकलयातकोटिशनमस्कार॥हृनछलपोल
वत्साराडधियास्रंछलपोल॥निर्जनधियास्रंछलपोल॥निराकारधियास्रंछलपोल॥थधि
स्रंछलपोल॥थधिस्वस्वरयाचरनसकोटिशनमस्कार॥हेपरमेस्वरहृनछलपोलगाथि
स्रधालसा॥अतिसुक्ष्मधियास्रंछलपोल॥अतितव
धिकलस्रंछलपोल॥हृनजोगेस्वरयानुगलनंतुयकेमजिवस्रंछलपोल॥हृनदेवयादेव
स्रंछलपोल॥थधिस्रंछलपोल॥थधिस्वस्वरयाचरनसकोटिशनमस्कार॥हेपरमेस्वरहृनछलपोल

॥ स्वस्था ॥ गतिं सधा तसा ॥ अनाथयानाथ जुयाव विजा कलं छलपोल ॥ मृत्युदेवतायामृत्युसंछल
॥ १५३ ॥ पोत ॥ देवलोकया कालसंछलपोल ॥ सक्तिस्वरूपसंछलपोल ॥ तेजया तेजसंछलपोल ॥
ज्ञानिया ज्ञानिसंछलपोल ॥ धर्माधिपती ३ स्वस्थानि परमेस्वरया चरनसकोति रनमस्कार
॥ हनं हे परमेस्वर ॥ छलपोल गतिं सधा ॥ सा विष्णु रूप जुयाव विजा कलं छलपोल ॥ हनं
दकोपस्थिया भालाका से विजा कलं छलपोल ॥ हनं गुरुलि भुवन थ वधा थ सत याव वि
जा कलं छलपोल ॥ हनं जोगनिद्राया के सयने जु से विजा कलं छलपोल ॥ हनं दुष्टजन
संहारया नाव साधुजन रक्षाया से विजा कलं छलपोल ॥ धर्माधिपतुष्ट संहारया कलयात
कोटि रनमस्कार ॥ भो श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर ॥ जिपापि निया अयराध दकोक्षमाया से छल
पोल या सेव कवि भाल पावरक्षाया से विजा यमाल ॥ भो करुना मय छलपोल या लोत्रया
यजिसा मर्थ महु ॥ सारदाया भल सामहु दोला सिद्ध तु युला वयो नल सेष जाग बांगम्य महु

॥ ३ ॥

॥ १ ॥

हनं चतुर्मुखवत्स्यायां सामर्थ्यमदु जिह्वु सामर्थ्यदयु ॥ भो श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर जिपा विनी
या पूजा भावन संतोष जु से विज्या य माल ॥ भो परमेस्वर हनं जिसरी रजा पा या थें चो न का व्र जि
स्वामिन वराज महराज व हो न का व्र प्र सं न जु से विज्या य माल भ कं नाना माथ न सोत्र या ना व
अर्घ विलं ॥ ॥ थनं लि अर्घ विय धु न का व्र श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर या धर्म कथा संपूर्ण या
ना व्र स्वान को का या व अप स लोक न धालं ॥ भो पु ने वती आव्र ध्व अक्षित मधि छ न लु पुरुष द
त सा पुरुष ल व हूय ॥ पुरुषं म द त सा मित्र पुत्र ल व हूय ॥ मित्र पुत्रं म द त सा थ व मन न दु
ईश्या ना उग का मु ना या ना न ना सिद्ध जु य माल ध क न दी स व हल पं छो य ॥ भो पु ने व ति थ
नं लि थ म नं पाल न या ना व्र च धिं जा ग र्त ना या ना व्र श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर या ज प ध्यान या
ना व्र चो द्र ॥ भो पु र्णो व ति आव्र धर्म द ने धु न जिप नि व ने ते ल ध क आ शा द य का व्र चं द्रा व ती या त
उद्गार या ना व्र अप स र लोक प नि स्वर्ग स था हा विज्या ना व्र पर म आ नं द न चो नं ॥ ॥ थनं लि

स्वस्था चंद्रावतिन अप सरा लोक आशाथं आव जिग न वने धर्क मन सभाल पाव दोनं ॥ थउंची हि
॥ १५४ ॥ निथान निवाने धर्क कथि स्व पुखाना व सु रु धुन तो क पुया व वल चा स ड हा व ना व च धि श्री ३
 स्वस्था निपर मे स्वर आना म क या व सु गंध धुप थ ना व एक चित या ना व चीनं ॥ थनं लि
 श्री सूर्य उदय जु यत नं चंद्रावतिन सालिन गंगा स स नान या य धुन का व संध्या तर्प न धुन का
 व च्या पा अ क्षी त म धि स गोन सा हित द य का व ॥ गंगा स चो ना व धानं ॥ भो श्री ३ स्वस्था निपर
 मे स्वर आव जि थ न स्वामि थ व धि ति प नि सु म ड ॥ भो पर मे स्वर थ न जि ए कां त न चो ना ता का
 लं द त आव छ ल पो ल से न जि स्वामि न व र ज मा हा रा जा व न ना नं हो न का व प्र सं न जु से वि जा
 य माल धर्क ध या व म हा वे ग न ह्या ना व ची न साली न गंगा स च य क ल द्यो तं ॥ थनं लि श्री म
 हा दे व पू जा या य धु न को व च्या पा अ धि त म धि थ म नं पाल न या ना व थ व स री र स ज्ञा पा या
 सि नं वा न ला क स्व या व थ व थे थ म नं र स ता या व थ व स स इ नु ई से स ना व श्री ३ स्वस्था

॥ रामः
 ॥ १५४

निपरमेस्वरधनें २३ स्वरीषु वृधकवारंवारं नमस्कार्या नावचो नं ॥ थनं लिचं डावली नचु
यकलछोदगु अक्षीत मधिपेपा संघसिलाधया ह्यनागराजानं लानावकालं ॥ थवे लसना
गतियामनसभालपु ॥ हाय २ गथिन अपूर्वमधिपेपा जि नलाना गननं चुयकल हलुरे
आव अपूर्वगु मधि जिस्वामि नागराजा यातन के दत साखव जिस्कांत नजक गथे अपूर्वमधि
नय ॥ जिस्वामि गन विज्या नावचो नवे हनं मधु मेव नागिनी जकं कला तदतुला ॥ हनं मधु
सुनायं जकं लानावचो नला ॥ आव थनं चो नानं प्रतिपाल मजुल मालनी वने धकं ॥ हनं जि
स्वामि नागराजा तत्कारनं नापलांत सा प्रतिनिपाथि नावनय मलु लसा थवान त्यागया
यनिश्चय धकं मनसभालपाव थव स्वामि संघसिलाना मनागराजा माने धक प्रस्थानया
नाववनं ॥ ॥ थनं लिषु सिपतिं गंधकि पतिं धवायतिं मालजुलं ॥ थथे नं मलु यावसा
लिनगंगा खमाले धकवनं ॥ थनं लि संघसिलाना गराजानं मनसभालपु ॥ हाय २ गथिं ५०८

॥ स्वस्था ॥

॥ १५५ ॥

अपूर्वगुमधिध्वमधिजिकलातनं ध्वनीयातनके दतसाधकजिह्वाकांतनजकगथेध्वम
धिनयजिननागिनीतोलागावतोनाताकालंदतदहिनिददतआवृत्तकदनितामदतला मा
निबनेनायलानसास्रतिनिषांयिनावनयनलातसाध्वप्राणागयायनिध्वयध्वकप्रतिहा
यानावसातिनगंगासमावेधकंवनं॥ धनंलिदेवयाजोगनंश्री३स्वस्थानिपस्मेस्वरयाप्र
भावर्न॥ समुद्रवसालीनगंगावसंगमजुक्कगुलिथासनिष्पन्नापलान्त॥ ध्ववेतससंघति
लानामनागराजोवनाद्रसंखावतिनामनागीनिनंमनसहर्षमानजुयाव॥ ध्वस्वामिनाग
राजायातस्वचाकउलावचरणसंभोकपुयावमिर्वा नंजकहर्षध्वोविहायकावविनृतिया
तं॥ भोस्वामिछलपोलताकालंदतगनीविज्यानाभोस्वामि॥ जिनदत्ताविनृतियायनेसेविज्या
ऊने॥ धनीयादिनसजिनसमुद्रसअपूर्वगुमधिध्वयालानाव्रया॥ भोस्वामिआद्यअपूर्वगु
मधिजिह्वाकांतनजकगथेनयछलपोलसदयकनयमधुधकधुसिचापतिमालाद्रवधुध

॥ रामः ॥

॥ १५५ ॥

न॥ भोस्वामिथथेनछलपोलयादर्शनलायमफ॥ भोस्वामिआव्रथ्वसालिनगंगासमा
लेधकवयाथनंमलुलसाअवस्यनंप्राणागयायधकवया॥ भोस्वामिआव्रदेवयाजो
गनंभिजिनित्पनायलानधकविनतियानावचोनं॥ थ्वबेलससंषसिलानागरजानंथ
वस्त्रीसंषावतीयाविनतीनेनावमुसुऊनहिलावधालं॥ भोप्रीयजिनंछनलानाथंअ
पूर्वगुमधियेपालानावकया॥ थ्वबेलसजिनंमनसभालपावछनतमालवयाथथि
उदगुअपूर्वमधिजिकलानमदयकंजिएकांतनजकगथेनयधकछनतमालवया
जिनछथेनसालीनगंगासमदतसाजिनंथ्वप्राणागयायधकप्रतिशायानाव
वया॥ भोप्रीयनागानिआवदेवयाजोगनंछनायलानजिमनसआनंदजुल॥ भोना
गिनीआवजिनलानागुअपूर्वमधिछनतनियानायेजिननियानयधकधयावकला
तयातनियविलं॥ थोबेलसनागिनीनविनतियातं॥ भोस्वामिजिनछलपोननंला

॥ स्वस्था ॥ नावकयाथं जिर्नलानात्रकयागुअपूर्वमधिहृत्तपोलयातनायोजिननिपानयध
॥ १५६ ॥ कधयावनिपाथवस्वामियातविलं ॥ थनंलिनागर्गनिसेनंथिथंश्वालस्वयावध
अपूर्वमधियिनावनलं ॥ थनंलिनयधुनकावसंघमिलानागराजानं नागनिपाश्वाल
स्वयावमुसुज्जनजिलावधालं ॥ भोनागिनीथानिछनद्यालस्वयावजिमनसअतिआ
नंदजुल ॥ भोप्रियआवधअपूर्वमधिवुयकलहृदस्वयातआसिर्वाहवियथ्वमधियाप्र
भावनहिजिनिस्ननापलात ॥ आवधमधिवुयकलहृदस्वयाननानमनवाष्ठापूर्णजु
यमाल ॥ थुस्मयागृहेसलक्ष्मीनवासयायमाल ॥ हनंथयाशत्रुनाशजुयमाल ॥ थुस्म
याथुगुलोकससुखसंपतिभोगलानावपरलोकसकेलासवासलायमाल ॥ हनंथम
धिवुयकलहृदस्वयासुवनापंहेनेशुशजुलसाननानंहेनेमाल ॥ भोप्राणसमानआ
वहिजिमनोरथपूर्णजुल ॥ अंतप्रवनेउद्योधकंधालं ॥ थनंथवस्वामियाआज्ञानेना

॥ रामः ॥

॥ १५६ ॥

वृणागितानविनतियातं॥ भोस्वामिभागराजा जे नंथमधिचुयकलहलस्रयातआसिर्वा
दनिवियधकधयावआसिर्वादविलं॥ गुलमनुष्यनंथअपूर्वमधिचुयकलहलवल्म
नुष्येयानवग्रहसातिजुयमाल॥ हनंथस्रयातसदाकालंपरमेध्वरनरसायायमाल॥
हनंसिसाजातिजुलसापुरुषववायावचोनसाननानं होनेमाल॥ हनंथस्रमनुष्ययानना
नंथवमननखुइक्षायातउगका मुनापूरणजुयमालधकनिस्रत्रीपुरुषसेनंआसिर्वादि
वियावथवृणागमंडलसवृणावअनेगमाथनरसभोगयानावंपरमआनंदनंसुखिनका
लहनावचोनं॥ ॥ थनंलिपुनवारचंदावतीनरात्रिकालजुयावचधिंथ्री३स्वस्थानी
परमेस्वरीयानामकयावचोनं॥ थनंलिथ्रीसूर्यउदयजुयतुनंचंदावतिनसालिनगंगा
ससनानयानावथ्रीजगदीश्वरपूजायानाव॥ थ्रीसूर्ययानअर्घवियाव॥ भिरुलोहहृगो
लसफेकतुनाव॥ थ्रीस्वस्थानिपरमेस्वरयाजपध्यानयानावचोनं॥ थ्वंवेलावरावसोदेशया

॥ स्वस्था ॥

॥ १५१ ॥

प्रजा लोकपति ध्वसालीन गंगा ससना नयायधक व्रवेल सध्व चंडावति नधानया
नावचो नवनावथि थिंषनावचो नं ॥ भोपासापनि स्वव २ थाथिन परम सुंदरी मिसा दश
सेन एकचितन परमेस्वरी प्रभाव नं भक्तिया नावचो नं ॥ जिजिसेन जांगो वेल संमषना ध्व
जुयुषे मनुष्य जाति जा मषय माल ॥ देवकं न्याला ॥ मनुष्यकं न्याला ॥ गंधर्वकं न्याला ॥ किं नर
कं न्याला ॥ जशकं न्याला ॥ नागकं न्याला ॥ हनं मषु अपराग नपनि न किपिरं भाधया त्रला
तिलोतमा धया त्रला ॥ उर्वसि धया त्रला ॥ ध्वसु जुयुषे भोपासापनि ध्वयारुप जा वक्ष्मी चो
नथं चो न ॥ भोपासापनि आवथ नचो ने मषु त अनव नावने नव ने नु योधक सकलं सुनाव
चंडावती याथा सव नाव उह नं ॥ भो सुंदरी छल पो ज सु जुयु देवकं न्याला मनुष्यकं न्याला
नागकं न्याला जशकं न्याला गंधर्वकं न्याला किं नरकं न्याला ॥ हनं मषु अपराकं न्याला छ
ल सु जुयु थाथिं रुतिथि सचो नाव मषु थे आज्ञा दय के मने सत्य थे कने माल धकं रावने देश

॥ रामः ॥

॥ १५१ ॥

याप्रजागनयनिसेनविनमियानावचोना ॥ धृतेरावनेदेशयाप्रजागनयनिविनतिने
नावचंदावतीनधा ॥ भोप्रजालोक ॥ ५४ ॥ सेदिसनेजिनकनेजिदेवकन्यापुनागकप
मषु ॥ अपसरकन्यामषुजिजामनुष्यजातिथुका ॥ भोमहापुरुषजिनामचंदावती
थुका ॥ हनंजिस्वामिगोमयजुयापुत्रनवरजमहारजाथुका ॥ भोमहापुरुषजिप्रिग
यादिनसथनअपसरालोकवनापश्री ३ स्वस्थानिपरमेस्वरीयाधर्मदनावचोना ॥ ओ
व्रअपसरालोकपनिजकस्वर्गसथाहाविज्जात ॥ जिजकचर्द्धिंश्ववलसचोनाव्रजागन
नामानावचोना ॥ भोमहापुरुषआश्वर्गगाससनानयानाव्रथवदेशवरुनापरवनेध
कानितेकर्मयानावचोनाधकंधालं ॥ श्वतेचंदावतीयावचननेनाव्ररावनेदेशयाप्रजा
गनयनिसुकलेआश्चर्यचायावथिथियासापनिसाकृतिमातं ॥ भोपासापनिश्वषजाअ
तिआश्चर्यषवछानधालसानवरमसलराजजातिजिदेशयाराजाथुका ॥ श्वचंदाव

॥ स्वस्था ॥

॥ १५८ ॥

तीनं जानवराजमहाराजाजिस्वामिथकाधकधाल ॥ ध्वनिश्चयनं वयुलाहिजिसे
ननवराजमहाराजयाके विनतिया नावस्वयनुयोधकंधयावसकलेमुनावराजधार
सवनावविनतियातं ॥ भोषभुनवराजमाहाराजजिपनिसेनअतिआश्चर्यखछतावि
नतियापुधकवयाडेसेविज्जायमाल ॥ गथेधालसाजिपनिथनियादिनसहिजिस
सालिनगगासमोलहुयधकवनावेलसभिंरुलो हछवल्सफेकतुनावपरमसुंद
शमीसाछससेनंपरंखलजोगधानयानावचोनवनावजिपनिसेनअनावडठना ॥
भोर्खदरीछलेपोलसुजुयुसत्पथेकनेमालधकधयाव ॥ ध्वनेलसजिपनिरत्तकनभो
पुजालोकधकधाल ॥ जिजावरनाएरदेशयाअग्निस्वामिनामयाहारायापुत्रिचंदाव
तिथिकाधकधाल ॥ हनंजिस्वामिगोमयजुयापुत्रनवराजमहाराजाथका ॥ हनंजि
जासिगयादिनसथनंअयसरालोकवनायंधमदेनावश्रीश्चस्थानिपरमेश्वरीयाध

शमः

१५८

र्मदनावचोना ॥ थनंलिअयसरा लोकयनिजकस्वर्गसथरुविज्यात जिजकधर्मदनेधुनकाव
चहिंथवल्सचोनावजागर्तनायानावपरमेस्वरीयाजयध्यानयानावचोना आवथवक्षवरु
नाप्रदेशवनेधकथगंगास सनानयानावथवनिष्कर्मयानावचोनाधकजियनिसकल
॥ भोनवराजमहाराजथव्याविचालछलपोलसेनगथेयायमालअथेयासेविज्याऊनेध
कविनतियातं ॥ थनंलिचंडावतीनथवनितेकर्मयायधुनकाववल्चासंतुडुहावनावसुमुकं
चोनं ॥ थनंलिप्रजागरायनिवीनतिठनावनवराजमाहाराजयामनसअतिकौतुकचायाव
आज्ञादयकलं ॥ भोप्रजालोकअमचंडावतीनिश्चयनंजिकलातषयमालछानधालसाअम
नधाकोषसकतांचूललाकजिधालसाराजभोगसचोनामानिमितिर्तिनलोल्मनावचोना ॥ भो
प्रजालोकधनेश्छपनिधकंनवराजमहाराजाषसिज्यावप्रजालोकयनिसजोगेश्वेषमानन
सिरिपाववियावआज्ञादयकलं ॥ भोप्रजालोकआवछयनिसेनजिकलातथथेवोनावहय

॥ स्वस्था ॥ माल सुकपालजो नाव ऊनि धक ॥ भो प्रजा लोक जिने ध्याका तल स्वल वधक आजा दय कलं ॥ थते
॥ १५६ ॥ नवरज महाराज या आजा उ नाव तत्कारनं सुकपालजो नाव सधी पति सहीत न अने गप्रजा नो
कनल स्वयधक पिहावलं ॥ ॥ धनं लिन नवरज महाराज न संविदा जिभारा थव मा म गो मय
जु महाराज निकला तरा वं रो वति हु वने तया व आजा दय कलं ॥ भो माता भो मंत्रि पति थ निजि का
पाया कला त चं डा वति नं हि जि स साली न गंगा म त य स्या या नाव चो न धक थ न प्रजा ग न य नि से
न विन तिया त वल ॥ भो मा म भो मंत्री थ न चं डा वती हु त का य या त माल को सा मा यि त या र या व
ह नं थ व राजे सद को प्रजा लोक नल स्वल दय माल धक धाव ॥ ह नं सल कि सि छा य पा वति व ह नं
द को प्या घन वा जन त या र या व धक आजा दय कलं ॥ थते नवरज महाराज या आजा उ नाव भं
त्रि पति से न तत्कारनं माल को सा मा यी त र या र या तं ॥ थ नं लि पु न वी र न व राज महाराज त आ
जा दय कलं ॥ भो माता छ ल दो ल से नं सु कपाल स वि ज्ञा ना व ल स्व ल वि ज्ञा य माल धक आजा दय

॥ रामः
॥ १५६ ॥

कलं॥ थनंलिमंत्रिपनिसेनविनितियातं॥ भोनवराजमहाराजछलपोलयाआग्योथंमालकोशा
मायितयारयायधुन॥ भोमहाराजआवसुवेलाजुलपस्थानयासेविज्याऊनेधकविनितियातं॥ थ
नंलिनवराजमहाराजानमंत्रिपनिविनतिऊनावचंद्रावतीयातअनेगजलिजवापयावखूपितका
याव॥ रत्नमालापितकायावमंत्रिपनिस्तआज्ञादयकलं॥ भोमंत्रिपनिआवछपनिसेनथवखन
तियकाव॥ रत्नमालानकोषायकाव॥ जिकलातचंद्रावतिसूकपालसतयावमंगलजात्रायानाव
हयमालजिनंधाकातलखलत्रयछयनिसकलंतत्कारनंऊवविलंभयायसतेधकआज्ञाजुल
॥ थवतेनवराजमहाराजायाआज्ञानेनावमंत्रिपनिसेनजलिजवापयावसतजोनावअनेगप्र
जागजपनिसेनलितकावप्याषनऊयकाववाजनथातकावचंद्रावतियाथासथेनकलवनं॥
थनंलिनवराजमहाराजानअनेगजलिजवापयावसतनतियावरत्नमनिमानिकेयातिसान
तियाव॥ धारतरवारनकोषायाव॥ ऐरावत्किसिगयाव॥ मामगोमयजु॥ कलातरावनेवती॥ सू

॥ स्वस्था ॥

॥ १६४ ॥

कपालसतयाव ॥ सवीपनिसेत चासतनगायकाव मंगलगति यातकाव काजिभारमंत्रिपंच
पस्मानपनिसेनं सलकिसिगयाव अवलित्वनेवतयाव दकोप्रजागरायनिसेनलितकाव ॥
छत्रध्वजपतापचामलआदिं गीयकाव मंगलनाचायातकाव थवकलातचंद्रावतीलस्वयधक
धाकातप्रस्थानयानावविज्ञातं ॥ थनंति मंत्रिपनिसेतनं अनेगप्रजागननचंद्रावति
याथासथेनकलवनावचरनसंभोकपुयावविनितियातं ॥ भोमहाराणीचंद्रावतीआवछलपो
लथथेथजलिजवापयावसतनतियावमनिमानिकयातिसानतियावथथेथकपालसदना
वप्रस्थानयासेविज्यायमालधकविनतियातं ॥ थनंतिचंद्रावतिनमंत्रिकाजिभारादारसविप्रजा
गरायनिविनतिठनावथथेथमनंमनसहर्षमानजुयावमुलुङ्गनहिलावमनसभालपु ॥ धनं
२ श्री ३ स्वस्थानीपरमेस्वरछलपोलयादयानजिस्वामिनवराजमहाराजावहोनकल ॥ भोकरुना
मयाछलपोलयाचरनसकोति२ नमस्कार ॥ हेपरमेस्वरहनेजियापिनीधायकावचोनासयाथ

रामः
१६४

नीयादीनसंपुंरोसरीरजुयकावविज्याकल्ययाचरनसकोटि२नमस्कार॥ भो निरंजन हनंजिस
रीरथथाजुयकावचोनास॥ हनंअनसुधांतेनयमषनावमहादुःखसियावचोनासथनीयादीन
समहारानित्वंजुंयकावविज्याकल्ययाचरनसकोटि२नमस्कार॥ भो निरंजन हनंजिसरीरथथा
जुयकावचोनास भोशसिसेषरुलपोलयाजयधानलोत्रयाठआदिं सदाकालंजिअवलजाति
यानुगलसथातकावप्रसंनजुसेविज्यायमालधकश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरयातवारंवारनमस्का
रयानावमंत्रियनिसेनजोनाव्रव्रगुपातपतंवरवखनतियाव रत्नमालानकोषायाव सूकपा
लसदनावविज्यातं॥ थनंलिसयीपनिसेनचासतनगायकाव अनेगमंगलगीतयानावमंत्रि
यनिसहीतनप्रजागरातवादेथानावचंद्रावतीमहारानीरावरोदेससस्वसेविज्या॥ थ
नलिरावरोदेसयाप्रजागरानफयानफयाथेति सावसतनतियावचंद्रावतिमहारानिस्वयध
कफयानफयाथेह्यापा२लातकंवानाव्रखयावचोने॥ थनंलिचंद्रावतीमहारानीरावरोदेसया

त्रियंचपरमानपनिकाजिभारादारपंडितपनिमुनकाव्रमामगेमयजुमहरानिह्वेवनेतयाव्रक
लातचंडावतीरावरेणवतिनिर्लजववसतयाव्रमनसरसतायाव्रमुगुरुनहिताव्रचंडावतीयाव्रा
लस्वयाव्रआग्यादयकलं॥भोचंडावतीताकालंदतजिनडुलिवियाव्रछ्वोनकलहया॥भोप्रियआ
वतलेंडुल्पातलिहामवनीहनंछनसमाचारथथेअथेधकंमडु॥भोचंडावतीछानथोलोतदया
नंमवसेचोना॥हनंडुल्पातजकंमवसेचोनालाभोचंडावती॥हनंजिराजाजुलधकमसियानिला
भोचंडावतिजिराजाजुयागुदपिदउगदंदतआवतलेंछनगथेमसिया॥भोचंडावतीजिधासाराज
भोगसडुविनाव्रछनविचारयायमफु॥भोप्रियेहनंछनसालिनगगासछुनिमिर्तिनतयस्याया
नाव्रचोना॥थथिनगुथानसवलचासचोनाव्रनिर्भययानाव्रमिसाजातियकांतनगथेचोना
॥भोप्रारासमानहनंछनतथनसुनानंघोनाव्रहल॥भोप्रियथनथेनकलवयानंजिथासछु
कारणमवया॥भोप्रियहनंछनजोभनफायायाथंमषुअतितेजवंतजुयावसाशातलक्ष्मी

॥ स्वस्था ॥

॥ १६२ ॥

चो नथं चो न ॥ भोस्त्रिचंद्रावती अमतेज छनत सुनान विधाव हल ॥ हं छन सुदेवताया भजनाया
नाव चो ना समस्त हुतांत कने मालव कनव राज महाराजा न आजादय ऊलं ॥ थनीलिन वराज महारा
जाया आजाठ नाव चंद्रावति महाराणी नला हात हा जल पाव विनतियातं ॥ भोस्वामि महाराजा जि
गुलिरव विनतियाय ठसे विज्याऊने कापा छल पोला मेन डुलिविया वज्रि वीन कल हल ॥ भोस्वामि
थ्वे लस जि न हूरवाह कय निस्त थत वीना वज्रि न का व छल पोला या समाचार ठ ना वज्रि मन सअ
तिर सता यावत कारनं मा मववप निस्के वेला कया व छल पोला या समाचार कना ॥ भोपु सु
वे लस जि मा मववप नि सं मन सर सता या वजित नं अने गति सा वसत विधाव वेला विल ॥ भो
स्वामि थ्वे लस जि न मा मववया चरन सं भो कपु या व वेला फो ना व डुलि सद ना व अने ग न ही प
वत पार या ना व वन जंतु चराचरं गी त्स स घा राज हं संपडिग न स्वया व नाना तर ह्या फल मूल न्या
व वन विहार या ना व था स रपतिं फा दो दे ना व वया ॥ भोस्वामि नवराज महाराजा थनीलि अंतत

॥ रामः ॥

१६२

मनोहरवनांतररुगुलिथेनावदुल्यापनिसेनत्यानुयावभित्तिनिदियधकंधयावजितडुलिका
पुनतुयकावजावदित॥ भोस्वामिथ्वषुनुधालसामाघशुल्कयापुर्णमास्यायादीनजुयावधव
नांतरसस्वर्गनअपसरालोकपनिकोहावयाव॥ श्रीउस्वस्थानिपरमेस्वरयाधर्मदनावचोनष
नावदुल्यानसकलेश्वथायसवनावस्वतवन॥ भोस्वामिनवराजमहाराज॥ थवेलसडुल्यातसन
अपरालोकवनापंधर्मदनेधुनकावचितस्वानजोनावजिथासवयावधाल॥ भोमहारानिअपसं
नजुसेविज्यायमतेजिपनिभित्तिलंभजुलछानधालसाऊऊकनगनयामाजुपनिमसियाव
पनिसेनश्रीउस्वस्थानिपरमेस्वरयाधर्मदनावचोन॥ थवेलसजिपनिसेनंवावनभित्तिनेनावचो
ना॥ भोमहारानिआवदुलपोलसेनथ्वचित्तस्वानकास्यविज्याऊनेधकधाल॥ भोस्वामिनवरा
जमहाराज॥ थवेलसजिनअतेतकोठयानावथ्वचित्तस्वानचामिकं॥ यावजुति२थयावफ.
पुण्यानावहाकातिनावछाया॥ भोस्वामिनवराजमहाराजथनंलिश्रीउस्वस्थानिपरमेस्वरयात

स्वस्था॥

१६३॥

दुल्पातपनिस्तं अनेगमाथनना कविता भोस्वामि राजमहाराजाथवेनसदुल्पातसेनना
नमरासें कवयावहल॥ भोस्वामि नवराज महाराजा॥ वनेनिसाजिनगंगायादराजभवनवेन
सप्रीसूर्यचतकनावचोणुतनवनासंवेगननंजनावतवसवदनवागवसा
लीनगंगातवचातनंवालवयावहल॥ भोस्वामि नवराज॥ भोस्वामिथवेनसदुल्पातजका
गथेशुलससिया भोस्वामिनवराजमहाराज॥ भोजनजकसालिनगंगायाधिकसथातकाव
तल॥ भोमहाराजाथवेनसजिनथोअधिधनकयाववोना॥ भोस्वामिहनंजिलाहानथ
थाजुयाववनं॥ भोप्रभुहनंजिसरीसअनेगवेथाजुवमहकहनयावदुरवनविलापयानाद
चोना॥ भोस्वामिथुगुलिप्रकाशनदुःखसियाववोनावेलसजिचोनाथासनवांमरापनिनिहयन
भोजवनेधकविज्यात॥ भोमहाराजाथवेनसजिनवांमरापनिनिहयन भोखं
हणजुपनिभोजविज्यायजुलसाजितनंनभतिनंनहयन॥ भोजनजिथान

॥रामः
१६३॥

लाकथनीनपेचाडगङ्गादत्तधत्तेनजिपापिनीषनावदयापसंनजुसेविज्यायभालधकविनतिया
ना भोस्वामिनवराजमहाराजाध्ववेलसकांशरापनिसेनजिगुलिविनतिठनावलिहाविज्याक
वेलसलपतेसतयावजाजोनावजितहाकातिनावविल ॥ भोस्वामहाराजाध्ववेलसजिनधजाक
यावनयतेना ॥ ध्ववेलसकपीलकांशरापनिसेनआज्ञादयकल ॥ भोपापिनिआसे नयमते
सदाकालं ह्मअमथेपापिनिधायकावचोनेलाभतिषुनुआमगंगासञ्चालसिनावनव ॥ हनंभति
षुनुंश्री३स्वस्थानिपरमेस्वरीयानामकयावचोव ॥ भोपापिनिध्ववेलसह्मभतिषुनुठद्वारजुयु
दकोपापंनासजुयावधर्मसरीरजुगुधकृत्पिलकांशरापनिसेनउपदेसवियावथवथासवि
ज्यात ॥ भोस्वामिनवराजमहाराज ॥ ध्ववेलसजिनकपिलकांशरापनिउपदेसथेंचालसिनाव
नयधकमननभालपावसालिनगंगासकोहावनावध्ववेलसगंगाडुसुनाववनं भोस्वामिन
वराजमहाराजा ॥ ध्ववेलसजिनमहाडुःखनविलापयानावचोना भोस्वामिमहाराजहनंजिन

॥ स्वस्था ॥

॥ १६४ ॥

पित्वा कनअतीपीडा जुयाव स्वात्मसिसेन यधकः ॥ तवावधुजा कयावनयेतेना ॥ भोष्टु
योवेलसथजानउजुयावचोन ॥ भोस्वामि ॥ थवेलसोपयात्मनस ह्मायमकयावधुननिनय
तेना ॥ थवेलसतद्रफसंयातधुनलिंपुंमयः ॥ भोस्वामिनराजमहाराज ॥ थवेलसनउसुधा
तपुसेयनस्वयावधुसिमाधिकसगोलातुलावअतीदुःख ॥ विलापयानावचोना ॥ भोनवरा
जमहाराज ॥ जिनदुखसियावचोना ॥ भोस्वामि ॥ माहाराज ॥ हनंजिउधारजुवगुखविनति
यायउसेविज्यायमाल ॥ थनंलिछुद्रयादानसजिनथभेदुःखसियावचोनावेलसस्वर्गनिअपस
रा लोककोहावयावधुमालिनगंगाससनामयायधुनकावधु ॥ स्वस्थानिपरमेस्वयातपूना
भावयायधुनकावधुश्रीजगदीस्वरयातपूनायानावचोन ॥ भोस्वामि ॥ थवेलसजिनषणावअप
सरागलपनिथासवनावविनतियाना ॥ भोमाजुपनि ॥ छेकरपनि ॥ सुजुयुत्रहनंथनह
दि ॥ पाना ॥ जियानलाकपेवाला ॥ दनजितअनभतिदानयावधकविनतिया ॥ भोस्वामिनवरा

राज

१६४

॥ माहाराज ॥ श्ववेलसअपसरालोकनजिषनावकरुनावायावआज्ञादयकल भोपाविनि
छअमथेसदापापिनिधायकायचोनेलाभतिपुनं श्री ३ स्वस्थानिपरमेस्वरया नानपुनकाया
वउपासनचोवश्ववेलसछनपापमुक्तजुयावपुण्यसररिजुईवधकधात ॥ भोस्वामिनवरजम
हाराजाश्ववेलसजिनविनतियाना ॥ भोमाजुपनिजिथयिनपापिनिनहुवसुकनधर्मदने ॥
हर्नधर्मदनेयातगथे २ मालजिनजाहुं मसुसकतां आज्ञादसेविन्याहनेधकविनतियाना ॥ भो
स्वामिनवरजमाहाराजश्ववेलसअपसरालोकपनिसेनधात ॥ भोपापिनिथनीपोषशुक्कया
पुर्णमास्याथुकाथनिनिसेंथ्वगंगास ॥ नयानावपरमेस्वर श्री ३ स्वस्थानिधाधर्मआरम्भ
यानावहीनछपुवावनहायवारवनहायमसलसा लक्षियनकं श्री ३ स्वस्थानिधकनामका
य ॥ शिवधर्कनामकयावचोव ॥ भोपापिनिधनंलितदि संपूर्णजुयतुर्माघशुक्कयापूर्णा
मायापुनसतद्विद्यातानसंजुतजुयकाव ॥ श्री ३ स्वस्थानिपरमेस्वरयातषोडशोपचानपूजा

॥ स्वस्था ॥

॥ १६५ ॥

या यधुन का वस्वान को काया वस्या ना असी तम धित गो न स हीत इह का य व पु स्रुत व ह्य य
थ व पु रुष म द त सा ॥ थ व पु त्र ल व ह्य य थ व पु त्र म द त सा थ व म न न ह्य र सा या नी डु शु का तु
ना न ना न सि द्र जु य मा ल ध क न दो त व ह्य य थ व पु त्र म द त सा थ व म न न ह्य र सा या नी डु शु का तु
व स्व र्ग लोक था हा व नं ॥ भो स्वा मि न व र ज म हा रा ज थ नं लि जि स रि र भ ति दु ति ना व द न ॥ ह नं गं गा न थि ल भ ति भ ना
सा नी न गं गा स स ना न या ना व श्री ज ग दी स्व र गा न पु जा या ना व ॥ श्री सूर्य या त अ र्घ विया व
श्री ३ स्व स्था नि प र मे स्व र या ना म क या व या व ल धि य न वं पु र्ण लि प का र न भा व या ना व चो ना
॥ भो स्वा मि न व र ज म हा रा ज थ नं लि जि स रि र भ ति दु ति ना व द न ॥ ह नं गं गा न थि ल भ ति भ ना
न रं ह त ॥ भो स्वा मि थ नं लि त सि स पू र्ण जु य तु न मा घ शु क या व र्ण म सा पु न पु न र्ध र अ म
हा ले क र नि स्व र्ग न को हा व या व सा लि न गं गा स स ना न या य धु न का व ॥ श्री ३ स्व स्था नि
या ना न द ने या त अ न ग सा मा धि ता ल ला त का व चो न ॥ भो स्वा मि न व र ज म हा रा ज थ नं लि जि स रि र भ ति दु ति ना व द न ॥

॥ एव ॥

॥ १६५ ॥

भगलोकयाथासवनावजिनविनिध्याना॥ भोअपसरासाजुजिनहिस्कुलपनिदवन
श्रीश्वस्थानिपरमेस्वर्यानामकयावजिसरीरभतिचुलिजायावतले॥ भोअपसरासाजु
आवजिनंश्रीश्वस्थानिपरमेस्वर्याधर्मदनेयातजिकेजाहुकमइधकविनतियाना॥ भोस्वा
मिमहाराजाथवेलेसअपसरालोकनधाल॥ भोपापिनीछनकेछुवलुकंमदतसाअमसा
लिनगोलषवफिवनापछानावसकतांदयकिवधकधाल॥ भोस्वामिनवराजमहाराज
थवेलेसजिनअपसरालोकयावचनथंसातिनगंगायाफिवलषवनितानसकतांसामा
गिदयका॥ थवेलेसश्रीश्वस्थानिपरमेस्वर्याप्रभावनसकतांधाथंयागुवलुकजुया
वचोन॥ भोस्वामिनवराजमहाराजथवेलेसजिनथुगुलिवलुकनअपसरालोकवनाप
धर्मदनेधुनकावस्वानकोकायावअपसरालोकस्वगथाहावन॥ भोस्वामिनवराजमह
राजजिजकआवगनेवनेधकमननभालपाववनचाछुगुलिंदयकावचछिंजागर्तनाया

जथुलप्रीश्चस्थानिपुनश्चर्याह। ननुलपोलपनिसकलयादृश।
मिनवराजमहाराज॥ जिनदुषगुखसियावचोनागुखथुति॥ भोस्वामिनवराजमहाराज॥
लपोलपनिथरावनेदेसयाराजाजुलगुखगथे२खवहुतयस्याराजाजुलसममहाराज॥
सेकियायमालधकविनतियातं॥ थेतचंदावतिमहारानिभाविनतिठनावनवराजमहारा
जाप्रभितिमहाराजाकाजिभारामंत्रिकोतवाल॥ अनेगंधितयनिकेतुकचायावचानं॥ थ
नंतिगोमयजुमहारानिनचंदावतियाधालस्वयावआज्ञादयकलं॥ भोचंदावतिभलिवा
छनस्वामिनवराजमहाराजजिपुन॥ थरावनेदेसयाराजाजुलगुखकनेठन॥ भोचंदावतीहा
माछनस्वामिनववायासमाचार्यायधकवन॥ थनंतिछथवक्षवन॥ भोचंदावतिथनंतिजिनम
हाकष्टनयावहुःखसियाव॥ वजिलुआजुयानं॥ कयासंकेत्याकयानं॥ जजमानफनिकेफोनानं
इनछपोलजकआहारमात्रदूललातकाद्वाराजकतयावचेना॥ भोचंदावतिथनंतिछ

भोपुननद... नवा... मोच... रचोमदनिला मदनलाधकध...
महानस्वामिनवराजानवजामा... ममाचारकनथवेतसजिनमहाइवनविलापयाना...
डावतिहनंछनस्वामिनवराजायाचालस्वयाव्रुःषतनकावधीर्जयानावछनस्वामिनवराजाया
तजिगुलिदुःखसुखकनारुश्रीश्चस्थानिपरमेस्वरयाधर्मकथाचिह्निकनावचोना ॥ भोचंडावती
थनंलिसुर्यउदयजुसंपलिछनस्वामिनवराजमहाराजगंगाससनानयायधकविज्ञान ॥ थवे
लसम्प्राहरिहरप्रतक्षजुयाव्रथरवणेदेशयाराजासहीतनवरदानवियाव्रहलधकजितकन
॥ भोचंडावती ॥ थवेतसजिमनसहर्षमानजुयाव्रथ्रीश्चस्थानिपरमेस्वरयाधर्मदनागुणा
पाअक्षितमधिसंगोनसहितदयकाव्रसंगोनवियाव्रछनस्वामिनवराजमहाराजयासीरसला
हातनयाव्रआसिबोरिवियाव्रकोना ॥ भोचंडावती ॥ थवेतसह... स्वामिनवराजमहाराजाथवराव
णेदेशयाराजासालिगुस्वयधकव्रुमे... हरिहर... सियाकेदुविनाव्रनचामिनवराजम

स्वरथा ॥ हाराजयात अभिषेक विद्यावराजायात धनंलीला ॥ १ ॥ पाना ॥ राजाभिषेकविद्या भो
॥ १६८ ॥ चडावतिसद्म अविश्वरयाउपदेशान श्रीश्चस्थानि ॥ १ ॥ पाकप ॥ श्रीहरिहरयापम
न ॥ श्वरावंशपदेशया राजाजुवगुण गुति ॥ भोजनंदावतिभननार्धनेरनापहवत्रगथेवालनाडा
पालि लाहातथुथाजुयकावअधोरनरकसभोकपानाद्रदुःखासेयाद्रवो नानं श्रीश्चस्थानि
परमेस्वरयात सुसियानाद्रथवसर्गिरकापायाडुगरादितानलातकातसहारा नित्वंभायका
वचोनवल ॥ भोचडावति आवहुनसदायाथं श्रीश्चस्थानि परमेस्वरयातपधाननगल
सथातकावतिव ॥ श्ववेलसइहजनाससुखसंपतिलानातपरलोकसंकेला मवासलायु सो
चडावति आवहु श्वरावंशपदेशया महाराणीधायकावशुखनराज्यभोगयः नावशेव ॥ भोजनंदा
हंजिपुत्रनवराजहाराजायातभिनकसिवायानावधर्मनप्रनापतिपालनाया
जुयावसुवभाजयानावदामाआ गोव ॥ भोजनंदावतीजिनका

शामः
१६८

राजा जु वरगुणकने ॥ १ ॥
 गवंचो व ॥ भोचंडावति ॥ भोरावरा ॥ निधालसाजिठिजुलभास ॥ भलसाछ ॥
 सयाजुल ॥ भोचंडावति ॥ भोरावनेवतिभावछपनिनिससयातथधुक्रतियातालचानायोधक
 लवज्ञानावविलं ॥ ॥ अवेनसचंडावतिनरावरापवतिनेमनसहर्षमानयानातगोमयउ
 याचरेनसभोकपुयावतालचाकायावविजतियातं ॥ भोमातादुलपोलयाधर्मकर्मनजिखमि
 राजाजुल ॥ छलपोलयातपस्यानजियनिमहरानिधायकादचोनेदतधकंथिथं हर्षमानया
 नावगुनवराणायानावविज्यातं ॥ ॥ थनेलीनवराजमहरातानचंडावतियादुखवसुवउ
 नावथवथेथमंनंसतायावमासगो ॥ ॥ भोरावनेनरावनेनरावतिगवंचोवतिजवरद
 यावसकलमंत्रिकोतवालपंडितपनिमंडय ॥ ॥ भोरावनेनरावनेनरावतिगवंचोवतिजवरद
 राजमहराजानरावनेदेसयापजा ॥ ॥ भोरावनेनरावनेनरावतिगवंचोवतिजवरद

॥ स्वस्था ॥

॥ १६६ ॥

मानयानावथास २ यतिंसु ३ वव निरुहारेयम
काव ॥ भीन २ यं डितपनिसेन श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर्याधर्मदना ॥ १६६ ॥
ख्यानयातकाव शुभं त्रिकाजिभाराय नि ३ नकाव २ पद २ शंभु २ वदरिद्र २ दयक ३ ०
तीतअभ्यागतपनिस्तदानप्रदानयानाव २ यतिं श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर्याधर्मदना ॥ १६६ ॥
वां स एण पादे दूजायानाव ॥ मामगोमयजुमहाराजियातनिलकलातनं सिवायातकावपर
मकुंषभोगयानावप्रजालो २ यनिसेनधने २ लवराजमहाराजाधकारुनवर्जीयातकावयमने
अनेगर ॥ यदार्थभोजनयानाव ॥ इलेबेले सुहृदि २ यकावचंद्रावतिरावरोवतिनिलसवर
सकदायानाव श्री हरिहरयाप्रसादन सप्त ॥ सधिया उयदेशन ॥ श्री ३ स्वस्थानि परमेस्वर्याध
राजमहाराजा नायका २ ॥ १६६ ॥ भोगयानावताकालं कालं नावति ॥ १६६ ॥
भीनारद सुनिस्वर ॥ १६६ ॥

कमनतयावचो

कमनतयावचो

वतदनिव

अथवाधर्मदनेमफातसा

पुत्रः पुत्रः ॥ अथवाधर्मदनेमफातसा ॥ अथवाधर्मदनेमफातसा ॥
सतयावतयुव ॥ अथवाचोयुव ॥ अथवाचोयुव ॥ अथवाचोयुव ॥
नद्यहृदेवतानरक्षायाय ॥ हनंथुसयागुह ॥ हनंथुसयागुह ॥
राज्य ॥ चतुषष्टिविहिनं पूर्णं ॥ हनंथुसयागुह ॥ हनंथुसयागुह ॥
नानावनजंतुयाभयहरनजुय ॥ हनंथुसयागुह ॥ हनंथुसयागुह ॥
शाच दाकिनिसाकिनिसेनं दुःखदिया ॥ हनंथुसयागुह ॥ हनंथुसयागुह ॥
शत्रुभय ॥ पर्वकभय ॥ जनभय ॥ स्थलभय ॥ नाना ॥
हरनजुय ॥ हनंथुसयागुह ॥ हनंथुसयागुह ॥

॥ स्वस्था ॥

॥ ५७० ॥

मिचरयात्पाप्यमरापुनेमननल... जगेश
लदिकंन्या ननदलदि ॥ १७ ॥ शान...
याव्याव्या... हुनमजुया... हुनंय...
हथा ॥ त्रिह... ॥ राज... ॥ म...
पुनंया... भाव... पाप... श... गो...
पुलोक... सपरम... सुष... भाग... लाना...
ष... श्वर... या... न... पाठ... तो... व्या... न... वाहि... कन... मेव... ताम... ड... क...
न... न... न... ॥ ॥ इति श्रीविंगपरा... ॥

विभाषितं स मा...
रुद्रिः ॥

॥ ॥ श्री... ॥

१२३

गुप्तक इने उग्रस मृगु गारु गुप्त गो २ रमन रेन गु २ कांदा पाल उगु २ पुरी गुप्त इने रमना न दुष
गुली ता ३०५ यव ममन सो पादा धार उगुली पुर्न गुप्त इने उ ३ मे य द्यो उ गेल दी ५ ज य द्यो क गिल ॥
दोला दी क न्या डान डोल दि डान वीसा का पुर्न गुली दार य धर्म दन म नी ला पुत नी र य य इने पैं य मडा ना
त ३ मम ह य धा य पाग ना स गुप्त इने पुं र रा धा म म म पु मा ल क श्री ३ स्व स्थान प र मे ध र या धर्म प्र ता या
प्र भा व न न व र ज गो मे गु य द्यो न ति य प नि उ धार गु य य धे उ धार गु य य धे यो लो क य मुर य प र लो क
म के ल ग र गुली गारु गुप्त श्री ३ स्व स्थान प र मे ध र या धर्म अप द य न हो ज का पो के ना न मे य ता
म दु यो द को श म म म ल धर्म धा म म डा उ म म ध र्म श्री गारु पु री य र ने उ न द्या द म क गु श्री ३ स्व
स्थान प र मे ध र या धर्म धा म क धा म मा प र इ ती श्री गि र पु राना डी र म ना मा ह स र्ग इ ती ग र म बा की
त म श्री ३ स्व स्थानी प र मे ध र्म क र म धर्म धा म क धा म म र्म र म मा प र म म र २००५ र म ल ले र
२४ ग र र म गु र म म



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो श्रीगुरुदेवे नमो ॥ ॥ शिवाये नमो ॥ श्री ३ स्वस्थारि नमो नारायण नमो स्तु
त नारै व नरोत्तमः देवो सर धनी चैव न नो जेय मुदिरये ॥ १ ॥ पृथग् नमः श्री ३ स्वस्थारि परमेश्वर धर्मे
कस्करस ॐ कारवो र्पस्था पनायाये ॥ गंगाजल सास्नाय धायेके ॥ श्री चन्द्र रक्त वन्दन सिद्धि नारायण मुर्ति
पुष्प धुप डिप नमः प्रका कपुर कर्णारे वस्त्र दक्षे राधार्थ फळे सामाग्री नालना काव ली लुम्बो धेन काव यम
नै फ लाये माहासु चो नुयाय वैक चोलेन श्री ३ स्वस्थारि परमेश्वर ध्यात पुनायाये धर्म कर्मे न प
ध्यात नोत्र पाठयाये पुरस्कार धोति धुन काव गृह्योक्ति र वाचन और नमो ॥ धर्म ली धर्म वत

স্বাধীনতা

2481

ASHA ARCHIVES



ASHA ARCHIVES

2481

